श्रीगीतगोविन्दकाव्यम् ।)-पु॰

वनमाली भट्ट कृत संजीविनी टीकोपेतम् ॥

यह गीतगोविन्द काव्य पण्डित जयदेव कृत वही है जो कि अतीव उ-
त्तम होने के कारण इस संसार में प्रसिद्ध है प्रायः पण्डित लोग इसको अ-
च्छी भांति जानते हैं संस्कृत पढ़नेवाले विद्यार्थियों को तो यह काव्य बहु-
तही लाभकारी है क्योंकि इसका तिलक वनमाली भट्टजीकृत जिसका कि
संजीविनी नाम है अर्थात् इस तिलक का जैसा नाम है वैसाही गुण है जो
विद्यार्थी थोड़ी भी व्याकरण जानते हैं इस तिलक के द्वारा पूर्णअर्थ मूल का
लगासके हैं पण्डित लोगों की रुचि संस्कृत पुस्तकों में अक्सर बम्बईकीछपी
हुई में अधिकहोतीहै क्योंकि उम्दाकागज और अधिक शुद्ध छपाई यह सब
उन पुस्तकों में मिलती हैं यद्यपि वहां से यहांतक माल आनेमें खर्च महसू-
ल आदि होनेके कारण वहां की पुस्तकोंका मूल्य विशेष है तथापि दूसरे य-
न्त्रालय में वैसा न छपने के कारण लाचार होके उन लोगों को लेना पड़ता
है इस यन्त्रालय में यह पुस्तक जो अब छपी हुई तैयारहै बम्बईसे कोई काम
[illegible] नहीं हुआ अर्थात् बहुत उम्दा कागज सफेद पर बहुत उम्दा छपाई की
गई है शुद्ध होने में तो हम कह सक्तेहैं कि बम्बईकी छपीहुई पुस्तक में चाहे
[illegible] परन्तु यह पुस्तक ऐसे परिश्रमसे शोधीगई है कि
[illegible] परिश्रम करके ढूंढ़ने परभी गलती नहीं मिलैगी और मूल्य
इस पुस्तक का बम्बई से बहुत न्यून रक्खागया है हम पूरे तौरसे उम्मेद करते हैं
कि हमारे देशके गुणग्राही पण्डितलोग इस पुस्तकको देखके बम्बईकी पुस्तक
[illegible] और इसे प्रसन्नता पूर्वक अङ्गीकार करेंगे जो लोग संस्कृत
बहुतसी नहीं जानते केवल भाषाही मात्र जानते हैं उनके लिये भी यह काव्य
[illegible] में मिलगई है क्योंकि यह काव्य गानरी-
ति [illegible] और श्रीभगवद्भक्तों व संस्कृत [illegible]
[illegible] विद्यार्थियों आदि इन सबको प्रिय है इस हेतु दो प्रकारसे इस
[illegible]

अमरकोशादर्श ॥

सो० ज्ञान दया गम्भीर सागर गुण जाके अनघ।
सो अक्षय मतिधीर भुक्ति मुक्ति हित सेइये ॥
दो० अमरकोश सूची चहौं ऊंची करन बढ़ाय।
मति सूची के अग्र सम दीजे शारद माय ॥

पृष्ठ	श्लोक	
२५६	५८	(अग्र) वृक्षकी चोटी, मुख्य, प्रधान
१३५	४३	(अग्रज) ज्येष्ठभाई
१६०	४	(अग्रजन्मन्) ब्राह्मण
१९२	७२	(अग्रतःसर) अगुआ
३४८	७	(अग्रतः) आगे
१४१	६४	(अग्रमांस) करेज
१३५	४३	(अग्रिय) ज्येष्ठभाई, प्रधान
२५६	५८	(अग्रीय) प्रधान, ज्येष्ठ भाई
१३१	२३	(अग्रेदिधिषु) ब्राह्मणी उढ़री रखनेवाला ब्राह्मण
१९२	७२	(अग्रेसर) अगुआ
२५६	५८	(अग्र्य) ज्येष्ठभाई, प्रधान
२९	२३	(अघ) पाप, दुःख, शिकारादि अट्ठारहप्रकार के व्यसन, विपत्
१७१	५१	(अघमर्षण) सबपापका नाश करनेवाला मंत्र
२१९	६७	(अघ्न्या) गौ
२०	१७	(अंक) गोदी, चिह्न, कलंक
७७	४	(अंकुर) अंकुर, अँखुवा
१८४	४१	(अंकुश) आँकुश
८३	२९	(अंकोट) अँकुहर, अखरोट

पृष्ठ	श्लोक	
४२	५	(अंक्या) गोदीमें लेकर बाजनेवाला मृदंग
१४२	७०	(अंग) अवयव, सम्बोधन, फिर
१५१	१०७	(अंगद) बिजायठ, बजुल्ला, बाजूबन्द
७२	१३	(अंगण) आँगन, अँगना
१७	५	(अंगना) स्त्री, सार्व्वभौम दिग्गज की स्त्री
४५	१६	(अंगविक्षेप) लचकना
१५४	१२२	(अंगसंस्कार) अंगोंका स्नानादिसंस्कार धोना तथा बुकवाआदि लगाना
४५	१६	(अंगहार) लचकना
२१०	३०	(अंगार) अंगारा
३१	२५	(अंगारक) मंगल
२१०	२९	(अंगारधानिका) अंगेठी
८७	७८	(अंगारवल्लरी) एक प्रकारका कंजा, घुंघुची, अंगिया
६६	६०	(अंगारवल्ली) भंगरा भृंगराज
२१०	२९	(अंगारशकटी) अंगेठी
३२	५	(अंगीकार) स्वीकार—हामीकार
२६८	१०८	(अंगीकृत) स्वीकार की हुई वस्तु

पृष्ठ	श्लोक	
१०४	१२७	(अम्फटा) अचरी
१९९	८४	(अटनी) धनुष का किनारा
७७	१	(अटवी) वन, जंगल
६६	१०३	(अटरूष) रूस
१६८	३८	(अटा) घूमना
१६८	३८	(अट्या) घूमना
७२	१२	(अट्ट) अटारी
२५५	५४	(अणक) अधम, निन्दित, खराब
१८८	५६	(अणि) पहिया नहीं निकलने के लिये धुरी के आगे लगनेवाली कील, कुलावा
८	३७	(अणिमन) एक प्रकारकी सिद्धि जिससे छोटेसे छोटा होजाय
२५७	६२	(अणीयस) बहुत थोड़ा
२०८	२०	(अणु) श्यठळ सावां, चीना, सूक्ष्म, बारीक, छोटा
१२३	२८	(अण्ड) अण्डा,
१४४	७६	(अण्डकोश) पेल्हड़
१२२	३४	(अण्डज) मछली, पक्षी, सर्प आदि
७५	४	(अतट) बीहड़, पर्वत से जल गिरने का स्थान
५७	१५	(अतलस्पर्श) अथाह
२०८	२०	(अतसी) अरसी
२४३	२४०	(अति) प्रकर्ष, लंघन, अतिशय, पूजन
२७९	३३	(अतिक्रम) निडरवीर कीयात्रा, उलटापलट, घेरना
१०९	१४६	(अतिचरा) कपिला
११४	१६७	(अतिछत्र) पानीका खर
११०	१५२	(अतिछत्रा) सौंफ
१६२	७३	(अतिजव) शीघ्र चलने वाला
१६८	३६	(अतिथि) पाहुन, अभ्यागत
५७	१४	(अतिनु) नावके लायक जो जल न हो
६८	१६	(अतिपथिन्) अच्छा रास्ता
१६९	४०	(अतिपात) अतिक्रम, बेकायदा, उलटा पलट
१५	६७	(अतिमात्र) बहुत
९२	७२	(अतिमुक्त) वसन्तीलता
८२	२६	(अतिमुक्तक) बड़ा तेंदुआ, तिनिस
२६०	७५	(अतिरिक्त) अधिक
२५०	२५	(अतिवक्तृ) बहुत बोलनेवाला

पृष्ठ	श्लोक	
३८	१८	(अतिवाद) कठोरवचन
९८	६६	(अतिविषा) अतीस
१५	६७	(अतिवेल) अतिशय, बहुत बेर बिताकर
११९	१०२	(अतिशक्तिता) पराक्रम
१५	६७	(अतिशय) बहुत, प्रकर्ष, बड़ाई
२५६	५८	(अतिशोभन) बहुत सुन्दर
२७७	२८	(अतिसर्जन) अधिक दान
१२०	४९	(अतिमार्गकृत्) सितारा गमवाला
८४	११	(अतिसौरभ) सुगन्धवाला आम
२६१	७१	(अतीन्द्रिय) इन्द्रियों से जो न जाना जाय
२२७	२	(अतीव) बहुत, अतिशय
४५	१४	(अत्तिका) जेठी बहिन
१६६	२२	(अत्यन्तकोपन) बड़ा क्रोधी
१९२	७१	(अत्यन्तीन) बहुत चलनेवाला
२८८	११६	(अत्यय) नाश, उल्लंघन, कष्ट, दोष, दण्ड
१५	६७	(अत्यर्थ) बहुत
२५३	६२	(अत्यल्प) बहुत थोड़ा
२६२	७७	(अत्याहित) बड़ाडर, बड़ासाहस

पृष्ठ	श्लोक	
२१	२७	(अत्रि) मुनिकानाम
३४४	२४६	(अथ,अथो) मंगल, संशय, आरम्भ, अधिकार, अनन्तर, अन्वादेश, प्रतिज्ञा, प्रश्न, सम्पूर्ण
२५७	६३	(अदभ्र) अधिक
२७६	२२	(अदर्शन) लोप, विनाश
२	८	(अदितिनन्दन) देवता
१४०	६१	(अदृश) अन्धा
१८१	३०	(अदृष्ट) आगि का लगना या बहुत जलका बरसना
५०	३७	(अदृष्टि) टेढ़ीनजर
३४६	१२	(अद्धा) तत्त्वार्थ, साक्षात्
४५	१७	(अद्भुत) आश्चर्य, अद्भुतरस
२४१	२०	(अद्मर) खानेवाला
३५१	२०	(अद्य) आज, इससमय
७४	१	(अद्रि) पर्वत, वृक्ष, सूर्य
२	१४	(अद्वयवादिन्) जिन बौद्ध
२५५	५४	(अधम) खराब, न्यून, निन्दित
२०४	५	(अधमर्ण) करज लेनेवाला
१८०	९०	(अधर) नीचे का ओंठ, हीन, ओंठ
२४४	११	(अधिकर्द्धि) भरापुरा, धनिक

पृष्ठ	श्लोक	
१८९	६३	(अधिकांग) कमरपट्टी,
१८१	३१	(अधिकार) प्रबन्ध, अख्तियार, छत्रधारणादिव्यापार
१७६	६	(अधिकृत) अधिकारी, अख्तियारवाला
२५२	४२	(अधिक्षिप्त) निन्दित, निन्दा कियागया
७६	७	(अधित्यका) पर्वतके ऊपरकी भूमि
२२४	११	(अधिप) मालिक
२२४	११	(अधिभू) मालिक
७४	१८	(अधिरोहिणी) सीढ़ी
१५७	१३५	(अधिवासन) गन्धमाला आदि लगाना, पहिरना
१२६	७	(अधिविन्ना) अनेक विवाहवाले पुरुषकी पहिली स्त्री
२१०	२६	(अधिश्रयणी) चूल्हा,
३१३	१२५	(अधिष्ठान) पहिया, ग्राम, प्रभाव, आक्रमण
२४५	१६	(अधीन) आधीन, परवश
२४८	२८	(अधीर) व्याकुल, घबराहुआ
१७५	२	(अधीश्वर) महाराज
३५२	२३	(अधुना) अब, इसकाल
२४८	२८	(अधृष्ट) लज्जायुक्त
१५३	११७	(अधोंशुक) नीचे पहिरने के कपड़े अर्थात् धोती आदि
४	२१	(अधोक्षज) विष्णु
११७	१३	(अधोगन्ता) चूहा
५१	१	(अधोभुवन) पाताल
९६	८८	(अधोमार्गव) लहचिचड़ा
२५०	३३	(अधोमुख) नीचे मुख वाला
१७६	६	(अध्यक्ष) अधिकारी, प्रत्यच, सामने
४८	२६	(अध्यवसाय) उत्साह
१६१	९	(अध्यापक) पढ़ानेवाला
३१	३	(अध्याहार) तर्क, विशेष विचार
१२६	७	(अध्यूढ़ा) अनेकस्त्रीवाले पुरुषकी पहिलीस्त्री,
१६७	३४	(अध्येषणा) विनय करना
१७८	१७	(अध्वग) पथिक, मुसाफिर
१७८	१७	(अध्वनीन) पथिक, मुसाफिर
६८	१६	(अध्वन) रास्ता, मार्ग, सड़क
१७८	१७	(अध्वन्य) पथिक, मुसाफिर
१६३	१५	(अध्वर) यज्ञ

पृष्ठ	श्लोक
६७	११ (अनूप) बहुत जलवाला देश
२३	३३ (अनूरु) अरुण
२५३	४६ (अनृजु) शठ, कुटिलहृदय
४०	२१ (अनृत) असत्य, झूठ, खेती
१८२	३४ (अनेकप) हाथी
२८६	५ (अनेडमूक) गूंगा, अन्धा, बहिरा
२४	१ (अनेहस्) समय
७८	५ (अनोकह) वृक्ष
२०२	११६ (अन्त) मृत्यु, समाप्ति में हुआ
७२	११ (अन्तःपुर) रनिवास
१३	६० (अन्तक) यमराज
३२९	१८६ (अन्तर) अवकाश, अवधि, परिधान, वस्त्र, अन्तर्धि, छिपजाना, भेद, तादर्थ्य, छिद्र, छेद, आत्मीय, अपना, बिअन्त्य नाताय, बाहर, अवसर, मध्य अन्तरात्मा, सादृश्य
२४९	१० (अन्तर) मध्य
१७४	१६ (अन्तराय, विघ्न, स्वल्प
१८	६ (अन्तराल) मध्य, बीच
१८	१ (अन्तरिक्ष) आकाश

पृष्ठ	श्लोक
५६	८ (अन्तरीप) पानी के बीचकी पृथ्वी, टापू
१५७	११७ (अन्तरीय) नीचे पहिरनेके धोतीआदि कपड़े
३४९	१० (अन्तरे) मध्य
३४७	३ (अन्तरेण) मध्य, विना
२६२	८६ (अन्तर्गत) भूलाहुआ
९३	७४ (अन्तर्गल) नीली कटसरैया
७३	१४ (अन्तर्द्वार) खिड़की
१९	१२ (अन्तर्धा) ढाँपना
१९	१२ (अन्तर्द्धि) ढाँपना
२४३	८ (अन्तर्मनस्) उदास
१३०	२२ (अन्तर्वत्नी) गर्भवती
२४३	६ (अन्तर्वाणि) शास्त्रज्ञ पण्डित
१७६	८ (अन्तर्वंशिक) जो जनाने की वस्तुका अधिकारीहो
२३२	१० (अन्तावसायिन्) नाऊ
२५८	६७ (अन्तिक) समीप
२५८	६८ (अन्तिकतम) अति निकट
२१०	२१ (अन्तिका) बड़ी बहिन, चूल्ही
२१२	१२ (अन्तेवासिन) चांडाल, विद्यार्थी
२६१	८१ (अन्त्य) अन्तमें हुआ
१४१	६६ (अंत्र) आँत

पृष्ठ	श्लोक	
१३६	४५	(अवटीट) नकचपटा
१४६	८८	(अवटु) घांटी
३३९	२२६	(अवतंस) करणफूल शिरोभूषण
५१	३	(अवतमस) थोड़ा अन्धेरा
२१६	६६	(अवतोका) जिसका गर्भ गिरताहो
३३९	४०	(अवदंश) मद्यपीने में रुचि बढ़ाने वाला
३४	१३	(अवदान) उजला, पीला, निर्म्मूल
२७०	३	(अवदात) सुकर्म्म
२०६	१२	(अवदारण) कुदारि
११३	१६५	(अवदाह) खसखस
२६३	८९	(अवदीर्ण) रसीला, पिघला
२५५	५४	(अवद्य) अधम, खराब
३०७	६६	(अवधि) सीमा, बिल, समय
२६५	९४	(अवध्वस्त) पीसाहुआ
२७१	४	(अवन) तृप्तकरना
२५९	७०	(अवनत) मुँह नीचे किये, औंधा
१३६	४५	(अवनाट) नकचपटा
२७७	२७	(अवनाय) गिराना
६५	३	(अवनि) पृथ्वी
३१२	३६	(अवन्तिसोम) कांजी
७८	६	(अवन्ध्य) फलनेवाला

पृष्ठ	श्लोक	
१६६	२६	(अवभृथ) यज्ञ के अन्त में जो स्नान होता है, यज्ञान्तस्नान
१३६	४५	(अवभ्रट) नकचपटा
२५५	५४	(अवम) अधम, खराब
२६८	१०६	(अवमत) अपमान किया गया
२००	१०९	(अवमर्द) तहस नहस करना
४६	२३	(अवमानना) अपमान
२६८	१०६	(अवमानित) अपमान किया गया
१४२	७०	(अवयव) अंग
१८४	४०	(अवर) हाथी का पिछला भाग
१३५	४३	(अवरज) छोटा भाई
२७९	३८	(अवरति) निवृत्ति
२३०	१	(अवरवर्ण) शूद्र
२६५	९४	(अवरीण) धिक्कारा हुआ
७२	१२	(अवरोध) रनिवास
७२	११	(अवरोधन) रनिवास
७९	११	(अवरोह) वरोह, गुर्च कुमढ़ा वगैरः
३८	१३	(अवर्ण) निन्दा
१४४	७६	(अवलग्न) कमर
३४	१३	(अवलक्ष) उजला
९७	९५	(अवल्गुज) बकुची
१८०	२५	(अववाद) आज्ञा

पृष्ठ	श्लोक
२६१	१११ (अशित) खाया
१२७	१० (अशिश्वी) विना पुत्र वाली स्त्री
३६०	२३ (अशुभ) दुःख,
२५८	६४ (अशेष) सब
९०	६४ (अशोक) शोकहीन
९५	८५ (रोहिणी) कुटकी
२२५	९२ (अश्मगर्भ) मरकत मणि
२२८	१०४ (अश्मज) शिलाजीत गेरू
७५	४ (अश्मन्) पत्थर
२१०	२६ (अश्मन्त) चूल्हा
१०३	१२२ (अश्मपुष्प) शिलाजित पथरचटा
१३१	५६ (अश्मरी) मूत्रकृच्छ्र जित से मूत्र करतेसमय पीड़ाहो करक
२२६	६८ (अश्मसार) लोहा
१४	६६ (अश्रान्त) लगातार थका नहीं
१९७	९३ (अश्रि) तरवारआदि की नोक
१४७	६३ (अश्रु) आंसु
३९	१९ (अश्लील) गँवँइँआँ वचन
१८५	४३ (अश्व) घोड़ा
८६	४४ (अश्वकर्णक) सांखू
८१	२१ (अश्वत्थ) पीपल
२१	२१ (अश्वयुज्) अश्विनी
३५७	१६ (अश्ववड़व) घोड़ा घोड़ी
१८५	४६ (अश्वा) घोड़ी
१८९	६० (अश्वारोह) सवार
२१	२१ (अश्विनी) दक्षकन्या
११	५२ (अश्विनीसुत) अश्विनीकुमार
१८६	४८ (अश्वीय) घोड़ों का समूह
१८०	२२ (अषडक्षीण) दो जनों की सलाह
२२६	९५ (अष्टापद) वस्त्रादि की बनीहुई चौपड़, सुवर्ण
१४३	७२ (अष्ठीवत्) फीली
३४७	१ (असकृत्) बारम्बार
१२७	१० (असती) छिनारि व्यभिचारिणी
१३१	२६ (असतीसुत) छिनारि का पुत्र
८६	४४ (असन) विजयसार
२४५	१७ (असमीक्ष्य कारिन्) विना विचारे कामकरनेवाला, अविचारी
२५६	५६ (असार) निर्बल कमजोर
१९६	८९ (असि) तलवार
१२८	१८ (असिक्री) जनाने की जवान लौंडी

पृष्ठ	श्लोक
१६८	३६ (आगन्तु) पाहुन, अभ्यागत,
१८०	२६ (आगस्) अपराध, पाप, कसूर
३२	५ (आगू) स्वीकार
१६४	१८ (आग्नीध्र) ऋत्विक्
२७	१४ (आग्रहायणिक) अगहन
५१	२३ (आग्रहायण) अगहन
३४२	२३८ (आङ्) थोड़ा, अभिव्याप्ति, सीमा, क्रिया योगसे उत्पन्न अर्थ
४५	१६ (आङ्गिक) शरीरकी चेष्टा भौंहआदिमटकाना
२१	२४ (आङ्गिरस) बृहस्पति
१६८	३८ (आचमन) आचमन
२१५	४१ (आचाम) मांड़
१६१	९ (आचार्य्य) मन्त्रों की व्याख्या करने वाला
१३८	१४ (आचार्य्या) मंत्रों की व्याख्या करने वाली
१२८	१४ (आचार्य्यानी) आचार्य्यकी स्त्री
२२४	८७ (आचित) दशभार गाड़ीका भार
१९	१३ (आच्छादन) ढांपना वस्त्ररूंधना
२९	३४ (आच्छुरित) सप्रयोजनहास अधिकहसना

पृष्ठ	श्लोक
२२१	७७ (आजक) बकरों का समूह
१८५	४४ (आजानेय) कुलीन घोड़ा
२००	१०६ (आजि) संग्राम लड़ाई समभूमि भाग
२०३	१ (आजीव) जीविका
५४	३ (आजू) हठसे नरकादिमें भेजना
१८०	२६ (आज्ञा) हुकुम
२१६	५२ (आज्य) घी
१२०	२६ (आटि) आड़ी पक्षी-लड़ाई के
२००	१०८ (आडम्बर) बाजाका शब्द बड़े हाथियोंका गर्जना
१२०	२६ (आडि) आडी
२२४	८८ (आढ़क) चारसेर
२०५	१० (आढ़किका) चारसेर बिया बोनेवाला खेत
१०५	१३० (आढ़की) अरहर-अर्हा
३४२	१० (आढ्य) धनी अमीर
२०५	७ (आणवीन) अणु,ज्य ठउर सांवाका खेत
२८३	१० (आतंक) रोग, सन्ताप शंका
३११	११५ (आतञ्चन) दूधमें जावनदेना वेग तृप्तकरना

पृष्ठ	श्लोक
१५५	१२२ (आप्लाव) नहाना स्नान
२०३	१३ (आबन्ध) हलमें जोत बांधने की रस्सी-नाधा
२५१	७१ (आविद्ध) टेढ़ा फेंका पठाया, गिरा घुमाया
२७१	३६ (आविध) बर्म्मा
१४१	१०१ (आभरण) गहना
३८	१५ (आभाषण) प्रियबोलना
२	१० (आभास्वर) देवता विशेष
११७	५७ (आभीर) अहीर
७४	२० (आभीरपल्ली) अहीरों का गांव
११८	१२ (आभीरी) अहीरिनि
५४	४ (आभील) दुःख
१५८	१२८ (आभोग) सब वस्तु र्ण। परिपूर्णता सब तरह पूर्णता
३४	१२ (आमगन्धि) कच्चे मांसादिकी दुर्गंध
५४	२ (आमनस्य) दुःख
११७	५१ (आमय) रोग
११६	५८ (आमयाविन्) रोगी
२६४	३३ (आमलक) अँवरा
८१	१५ (आमलकी) अँवरा
१६५	२५ (आमिक्षा) गरम दूधमें दही मिलानेसे जो कुछ बनता है

पृष्ठ	श्लोक
१४१	६३ (आमिष) मांस, लेना भोग्य वस्तु, भोग
२४६	१६ (आमिषाशिन्) मांस खानेवाला
१९०	६५ (आमुक्त) झिलमादि पहिने हुये
२६	२४ (आमोद) अतिशय सुगन्ध, हर्ष
३३	११ (आमोदिन्) मुख को सुगन्धित करने वाला पान आदि
३५	२ (आम्नाय) वेद, परम्परा उपदेश
६४	३३ (आम्र) आम
८२	२७ (आम्रातक) आंवला
३८	१२ (आम्रेडित) दो तीन बार कहना
२५१	६६ (आयत) लम्बा
७१	७ (आयतन) यज्ञशाला
१८१	२१ (आयति) उत्तरकाल प्रभाव, लम्बाई
२२५	१६ (आयत्त) आधीन, परवश
१५३	११४ (आयाम) वस्त्रादि की लम्बाई
११२	८२ (आयुध) हथियार
१६०	६७ (आयुधिक) हथियार से जीविका करने वाला

पृष्ठ	श्लोक
१८३	३८ (ईषिका) हाथीके आँख की गोलाई, चित्र खींचने वालेकी कूंची
३४	१३ (ईषत्पाण्डु) धूसररंग
४८	२७ (ईहा) इच्छा, चाह
११६	८ (ईहामृग) भेड़हा, विग
	(उ)
२५०	१८ (उ) क्रोधसे कहना
२६८	१०७ (उक्त) कहाहुआ
३५	१ (उक्ति) कहना
१६२	३० (उक्थ) सामवेदके मंत्र-विशेष
२१७	५९ (उक्षन्) बैल
२११	३१ (उखा) बटलोही
२१४	४५ (उख्य) बटलोही में पकाया अन्नादि
७	३३ (उग्र) शिव, शूद्रास्त्री में क्षत्रिय से उत्पन्न, भयकारी
९९	१०२ (उग्रगन्धा) वच, अजवाइन
२५९	७० (उच्च) ऊंचा
११२	१६० (उच्चटा) मोथाविशेष
२६२	८३ (उच्चण्ड) शीघ्र, उतहिले
११२	६७ (उच्चार) गूह, मैला
२६२	८३ (उच्चावच) अनेक प्रकारका, दरतरहका

पृष्ठ	श्लोक
१०	२६ (उच्चैःश्रवस्) इन्द्रका घोड़ा
३८	१२ (उच्चैर्घुष्ट) घोषना, जोरसे पढ़ना
२५०	१७ (उच्चैस्) उँचाई
७६	१० (उच्छ्रय) पर्वतादिकी उँचाई
७९	१० (उच्छ्राय) पर्वतादिकी उँचाई
२५९	७० (उच्छ्रित) ऊंचा, बढ़ाहुआ, उत्पन्न, दृप्त
२०२	११५ (उज्जासन) मारना
४५	१७ (उज्ज्वल) शृङ्गाररस, उजला
२०३	२ (उञ्छ) शीलाबिनना
७०	६ (उटज) मुनियों की कूटी
२१	२१ (उडु) तारा
५६	११ (उडुप) छोटी नाव
१२३	३८ (उड्डीन) ऊपरका उड़ना
२६७	१०१ (उत) बीनाहुआकपड़ा, समुच्चय, विकल्प, पूंछना, वितर्क
२४७	५ (उताहो) विकल्प
२२३	८ (उत्क) अति चाहने वाला
१०६	१३४ (उत्कट) मतवाला
९८	२९ (उत्कंठा) अतिचाहना

पृष्ठ	श्लोक	
७२	१०	(उपकारिका) राजघर तम्बू
७२	१०	(उपकार्य्या) राजघर, तम्बू
१०४	१२५	(उपकुञ्चिका) कालाजीरा, गुजराती इलायची
६७	३६	(उपकुल्या) बड़ीपीपरि
१६३	१५	(उपक्रम) जानकर आरंभ करना, उपाय पूर्वक आरंभ, राजमंत्रीके शीलकी परीक्षा चिकित्सा,
२८	१३	(उपक्रोश) निन्दा
२६८	१०९	(उपगत) अंगीकार किया हुआ
२७८	३०	(उपगूहन) लिपटना
२०२	११९	(उपग्रह) बंधुआ, कैदी
१८१	२८	(उपग्राह्य) भेंट, नजर
२५५	१९	(उपघ्न) समीपका आश्रय
२६७	१०२	(उपचरित) सेवाकिया हुआ
१६५	२२	(उपचाय्य) यज्ञ की अग्नि.
२६२	८६	(उपचित) बढ़ाहुआ
६५	८७	(उपचित्रा) मूसरी, मूसाकर्णी

पृष्ठ	श्लोक	
१७९	२१	(उपजाप) भेद लगाना चुगली, फूटकराना
३४६	१०	(उपजोष) आनन्द, खुशी
२६१	१५	(उपज्ञा) प्रथम ज्ञान पहिले पहिल जानना
२७४	१४	(उपतप्त) परसन्ताप
१३७	५१	(उपताप) रोग
७६	७	(उपत्यका) पर्वतके समीप नीचेकी भूमि
१८१	२८	(उपदा) भेंट, नजर
१७९	२१	(उपधा) मन्त्री आदि की धर्म्मादिसे परीक्षा
१५९	१३८	(उपधान) तकिआ
४८	३०	(उपधि) कपट,
४३	७	(उपनाह) वीणामें तार बांधने की जगह
२२२	८१	(उपनिधि) धरोहर,
३०५	९१	(उपनिषद्) धर्म्म, एकान्त, वेदान्त
६९	१९	(उपनिष्कर) गांव या शहर से निकलने की रास्ता,
३७	९	(उपन्यास) कहने का आरम्भ,
१३३	३५	(उपपति) जार, यार
१६६	२७	(उपभृत) स्रुवा विशेष,
२५५	२०	(उपभोग) उपभोग, वर्तना, भोगना

पृष्ठ	श्लोक
२३	३२ (उस्र) किरण, वैल
२१६	६६ (उस्रा) गौ
२१४	४५ (उख्य) बटुलोहीमें पकाया अन्न
२६७	१०१ (ऊत) वीना वस्त्र
२२०	७३ (ऊधस्) आयन, थन
३१४	१२७ (ऊन) हीन, कम
३५०	१८ (ऊम्) प्रश्न, पूँछना
२०३	१ (ऊरव्य) वैश्य, वनियां
३४६	२५३ (ऊरी) अंगीकार करना
२६८	१०८ (ऊरीकृत) विस्तार
१४३	७३ (ऊरु) निरोह, जांघ
२०३	१ (ऊरुज) वैश्य, वनियां
१२५	७२ (ऊरुपर्वन्) फीली
२८	१८ (ऊर्ज) कार्तिक
१६२	७५ (ऊर्जस्वल) अतिशय बलवाला
१६२	७२ (ऊर्जस्विन) अतिशय बलवाला
११७	१४ (ऊर्णनाभ) मकरी
२६५	४६ (ऊर्णा) भेंड़ों के रोम, ऊन, भौंहों का बीच
२२१	७६ (ऊर्णायु) भेंड़ा, भेंड़ा के ऊनका कम्बल
४२	५ (ऊर्द्धक) मृदंगविशेष
१३६	४७ (ऊर्द्धजानु) ऊँचीजांघवाला
१३५	४७ (ऊर्द्धज्ञु) ऊँची जाँघ वाला

पृष्ठ	श्लोक
५५	५ (ऊर्म्मि) लहरि
१५१	१०७ (ऊर्म्मिका) अँगूठी
२५६	७१ (ऊर्म्मिमत्) टेढ़ा
६६	५ (ऊष) खारीमट्टी, लोनानि मट्टी
२१२	३६ (ऊषण) कालीमिर्च
६६	६ (ऊषर) ऊसर
६६	६ (ऊषवत्) ऊसर
२८	१८ (ऊष्मक) ग्रीष्मऋतु
२८	१६ (ऊष्मागम) घाम
३१	३ (ऊह) तर्क, विचार, कल्पनाविशेष
	(ऋ)
२२५	९० (ऋक्थ) धन
२१	२१ (ऋक्ष) सरिचन, नक्षत्र, ऋच्छ
१००	११० (ऋक्षगंधा) विधारा
१००	११० (ऋक्षगंधिका) सीताफल, उजला कुम्हड़ा
३६	३ (ऋच) ऋग्वेद
११५	५ (ऋच्छ) भालू
२११	३२ (ऋजीप) तावा, कराही
२५६	७२ (ऋजु) सीधा
१८	१० (ऋजुरोहित) इन्द्रधनुष
२०४	३ (ऋण) ऋण, उधार, कर्ज
४०	२२ (ऋत) खेत कटजाने परजो अन्न पड़ारहता है, सत्य, सच

पृष्ठ	श्लोक	
१७८	३२	(ऋतीया) घिनाना, करुणा
२७	२	(ऋतु) दो महीना वसन्तादि, स्त्री का, मासिकरक्त
१३०	२१	(ऋतुमती) रजस्वला
१४७	३	(ऋते) विना, नहीं, धनदेकर यजमान से वर्ण कियागया
१६४	१९	(ऋत्विक्)यज्ञ करानेवालापुरुष
२०९	२३	(ऋद्ध) कुनाव भूसाका
१०१	११२	(ऋद्धि) दवाविशेष
२	८	(ऋभु) देवता
१०	४५	(ऋभुक्षिन्) इन्द्र
११७	११	(ऋश्य) हरिण विशेष
४१	१	(ऋषभ) स्वरविशेष, गौकी आवाज, काकड़ासिंगी, बैल, श्रेष्ठ
१७०	४६	(ऋषि) वेद, वशिष्ठादि मुनि, किरण, सत्यबोलनेवाला
९५	८७	(ऋष्यप्रोक्ता) बघवाँच
		(ए)
२६२	८२	(एक) अकेला, मुख्य, अन्य
२६२	८२	(एकक) अकेला
१६२	१४	(एकगुरु) एकहीगुरु से पढ़नेवाले
२६१	७९	(एकतान)एकाग्रचित्त
४२	३	(एकताल) बराबर मिलाहुआस्वर
९	३९	(एकदन्त) गणेश
३५२	२२	(एकदा) एकसमय
११९	२२	(एकदृष्टि) कउआ
२१९	६५	(एकधुर) एकधुरका वहनेवाला
२१९	६५	(एकधुरावह) एकभार वाला, एकधुरका वहनेवाला
२१९	६५	(एकधुरीण) एकभार वाला, एकधुर का वहनेवाला
६८	१६	(एकपदी) गली, मार्ग
१५	७०	(एकपिंग) कुबेर
१५१	१०६	(एकयष्टिका) एकलरकीमाला
२६१	८०	(एकसर्ग) एकाग्रचित्त
२११	६८	(एकहायनी) एकवर्ष की बछिया
२६१	८२	(एकाकिन्) अकेला, जिसका कोई सहायक न हो
२६१	७९	(एकाग्र) स्वस्थचित्त, एकाग्रचित्त

पृष्ठ	श्लोक
२६१	८० (एकाग्र्य) एकाग्रचित्त
१५	६८ (एकान्त) वारंवार, अतिशय
२१९	६८ (एकाब्दा) एकवर्ष की बछिया
२६१	७६ (एकायन) एकाग्रचित्त
२६१	८० (एकायनगत) एकाग्रचित्त
१५१	१०६ (एकावली) एकलर की माला
६४	८१ (एकष्ठील) गूमा
९५	८५ (एकाष्ठीला) पाठा, पहारमूल
२२१	७६ (एडक) भेंड़ा
१०६	१४७ (एडगज) चकवँड़
२५१	३८ (एडमूक) बहिरा, गूँगा
७०	४ (एडूक) जिसमें मजबूती के लिये काठ पत्थरआदि धरदिये जाते हैं वह दीवार
११७	११ (एण) हरिण
२५	१७ (एत) चितकबरारंग
३५२	२३ (एतर्हि) अब, इस काल
७६	१३ (एध) इन्धन
७६	१२ (एधस्) इन्धन, लकड़ी

पृष्ठ	श्लोक
२७२	१० (एधा) विधान
२६०	७६ (एधित) बढ़ाहुआ
२९	२३ (एनस्) पाप
८८	५१ (एरण्ड) रेंड़ी
१०४	१२५ (एला) इलायची
१०७	१४० (एलापर्णी) कोलिन्दण, रासनि
१०३	१२१ (एलावालुक) मूसघर, एलुआ
३४५	२४६ (एवम्) इसप्रकार, ऐसा, विकल्प, अंगीकार, अनुमति, फिर, निश्चय
२३७	३२ (एषणिका) सोना तौलने का कांटा
	(ऐ)
२३५	२४ (ऐकागारिक) चोर
८१	१८ (ऐङ्गुद) पाँखी का फल
१३६	४८ (ऐड) बहिरा
११६	९ (ऐण) हरिणका चमड़ाआदि
११६	९ (ऐणेय) हरिणका चमड़ाआदि
१६२	१४ (ऐतिह्य) परंपरा से आया उपदेश
२६१	७९ (ऐन्द्रियक) प्रत्यक्ष, जो नेत्रसे दिखाईपड़े
१०	४७ (ऐरावण) इन्द्रका हाथी

पृष्ठ श्लोक

१० ४७ (ऐरावत) इन्द्रका हाथी पूर्वदिशा का दिग्गज, नारंगी

१८ ९ (ऐरावती) बिजुली

१५ ७० (ऐलविल) कुबेर

१०३ १२१ (ऐलेय) मूसघर, एलुआवृक्ष

८ ३७ (ऐश्वर्य्य) सिद्धि, ऐश्वर्य्य

३५१ २० (ऐषम) वर्तमान वर्ष, आसों, इससाल

(ओ)

३४६ १२ (ओम्) अंगीकार करने में

३४० २३२ (ओक) घर, आश्रय

३४० २३२ (ओकस्) घर,आश्रय

४३ ९ (ओघ) शीघ्रहोने वाला नाच, समूह, जलकावेग

३६ ४ (ओंकार) ओंकार

३४० २३२ (ओजस्) बल,प्रकाश

६३ ७६ (ओड्रपुष्प) गुड़हर, ओड़उल

११५ ७ (ओतु) बिलार

२१५ ४८ (ओदन) भात

२७२ ६ (ओप) जराना

१०६ १२५ (ओषधी) दवा, अन्न

१९ १४ (ओषधीश) चन्द्रमा

१४७ ९० (ओष्ठ) ओठ, होंठ

पृष्ठ श्लोक

(औ)

२१७ ६० (औक्षक) बैलों का समूह

३६६ २९ (औचिती) यथायोग्यता

३६६ ३६ (औचित्य) यथायोग्यता

२० २० (औत्तानपादि) ध्रुव

२१० २८ (औदनिक) रसोईदार

२४७ २१ (औदरिक) भूख से पीड़ित, मरभुखा

२८० ४० (औपगवक) उपगुके पुत्रोंका समूह

१८० २४ (औपयिक) न्यायसे युक्त

१६६ ४१ (औपवस्त) उपवास

२२१ ७७ (औरभ्रक) भेड़ों का समूह

१३२ २८ (औरस) अपनासे सवर्ण स्त्री में उत्पन्न पुत्र

१३२ २८ (औरस्य) अपनासे सवर्णा स्त्री में उत्पन्न पुत्र

१६७ ३२ (और्ध्वदेहिक) जिस में उर्द,सहद, मसुरी न खाई जाय उसका या चान्द्रायणादि व्रत का नाम, मरेहुयेके निमित्त १० दिनके बीच में जो

पृष्ठ	श्लोक
२४	१६ (कपिल) पीलारंग, मुनिविशेष
१७	४ (कपिला) पुण्डरीक नाम दिग्गजकी स्त्री. सीसम, गगनधूरि
९८	६७ (कपिवल्ली) गजपीपरि
२४	१६ (कपिश) वानरके समान रंग,
८१	२७ (कपीतन) आमला, गेंठा, सिरसा
११८	१५ (कपोत) कबूतर
७३	१५ (कपोतपालिका) कबूतरोंके रहनेका स्थान
१०५	१२६ (कपोतांघ्रि) बड़ी अरणी औषध
१४१	९० (कपोल) गाल
१४०	६२ (कफ) कफ
१४०	६० (कफिन्) कफवाला
१४४	८० (कफोणि) हाथके मध्य की गांठि
५५	४ (कबन्ध) जल, विना शिरका हुआ शरीर
५१	२१ (कमठ) कछुआ
६०	२४ (कमठी) कछुई
१७१	४१ (कमण्डलु) कमण्डल, यतियों का लोटा
२४७	२४ (कमन) कामी
५५	२ (कमल) जल, कमल, हरिण
६	२७ (कमला) लक्ष्मी
४	१७ (कमलासन) ब्रह्मा
२२८	१०६ (कमलोत्तर) कुसुम
२४७	२३ (कमितृ) कामी
५०	३८ (कम्प) काँपना
२६०	७४ (कम्पन) कांपनेवाला
२६०	७२ (कम्प्र) काँपनेवाला
१५३	११६ (कम्बल) कम्बल, ओढ़नेकावस्त्र, दुशाला, दुपट्टा आदि, गलकम्बरी
२११	३२ (कम्बि) कलछि
५९	२३ (कम्बु) शंख, घोंघा, कङ्कनादि, हाथी, सिवार, ग्रीवा
१२६	८८ (कम्बुग्रीवा) तीन रेखा जिस कण्ठमें हो वह, कण्ठ, गला
२४७	२४ (कम्र) कामी
३२३	१६२ (कर) राजकर, शोभ, घना अन्धकार, अंधेरा,
६०	६० (करक) अनार, करवा बरसा हुआ पाथर
१६	१२ (करका) पत्थल, ओला पड़नार्थ
८७	२७ (करज) कंजा
८७	४७ (करंजक) कंजा
११६	२१ (करट) कौआ, हाथीका गाल, कुसुम, निन्दनीय व्यापार, दिनका श्राद्ध

पृष्ठ	श्लोक
	बाद एकरात्रि में वीर्य और रज मिलकर जो बनताहै
११८	१६ (कलविंक) गौरैया
२११	३१ (कलश) घड़ा
६७	६३ (कलशि) पिथवानि
१२०	२३ (कलहंस) बतक
१६६	१०४ (कलह) समर,झगड़ा
१६	१५ (कला) सोलहवांभाग, ५४० निमिष, शिल्प, कारीगरी
२३२	८ (कलाद) सोनार
१९	१४ (कलानिधि) चन्द्रमा
३१४	१२८ (कलाप) गहना मोर-पंख, तरकस, समूह, काञ्ची,स्त्रीकी कमरका भूषण
२०७	१६ (कलाय) मटर
१९९	१०५ (कलि) संग्राम,चौथा युग
८०	१६ (कलिका) कली
९१	६७ (कलिंग) भुजेटापक्षी, इन्द्रयव, कुरैया
८९	५६ (कलिद्रुम) बहेड़ा
८७	४८ (कलिमारक) कटीला कंजा
२६२	८५ (कलिल) दुःखसेप्राप्त होनेके योग्य
२१	२३ (कलुप) पाप, गन्दा
१४२	७० (कलेवर) देह
२८४	१४ (कल्क) गूह,पाप,खरी हाथी का दांत, हर्रा
२६	२२ (कल्प) न्याय,इन्साफ विधि,वियोगशास्त्र रो-गरहित, सज्ज तय्यार सामग्री
१८४	४२ (कल्पना) हाथी का सजाना
११	५१ (कल्पवृक्ष) कल्पवृक्ष
२६	२२ (कल्पान्त) प्रलय
२१	२३ (कल्मष) पाप
३५	१७ (कल्माष) चितकबरा
२४	२ (कल्य) प्रातःकाल,सु-वह, सजातैयार, निरोग
३१	१८ (कल्या) शुभवाक्य
२१	२५ (कल्याण) शुभ,मङ्गल
५५	६ (कल्लोल) लहरि, हि-लकोरा
१९०	६४ (कवच) बखतर
१०७	१३६ (कबरी) बबई, गुह-बाल, हींगवृक्षकीपत्ती
२१६	५४ (कवल) कवर,ग्रास
२१	२५ (कवि) शुक,पण्डित
१८६	४६ (कविका) लगाम
३६४	२५ (कविय) तोबड़ा
२४	३५ (कवोष्ण) थोड़ागरम
१६५	२६ (कव्य) पितरोंका अन्न
२३७	३१ (कशा) जेरबन्द,चाबुक

पृष्ठ	श्लोक
२६०	७३ (कूटस्थ) एकरूप बहुत कालतक स्थिर रहनेवाला
६०	२६ (कूप) कुँआ
५६	१० (कूपक) सूखी नदी आदिमें पानी निकालनेकेलिये खोदाहुआ गड़हा, चूहा, नाव बांधनेका खूंटा, नितम्ब का दो गड़्हा
१८८	५७ (कूबर) गाड़ीमें जुआ बांधनेकी लकड़ी
१२७	६२ (कूर्च) भौंहोंका बीच
१०८	१४२ (कूर्चशीर्ष) जीवक
२१४	४४ (कूर्चिका) दूधका विकार, मूरनि
६९	२३ (कूर्दन) कूदना, लीला करना
१२४	८० (कूर्पर) गांठि, हाथके मध्यकी गांठि
१५४	११८ (कूर्पासक) अंगिया, चोली
५९	२१ (कूर्म) कछुआ
५५	७ (कूल) किनारा
११२	१५५ (कूष्माण्डक) कुम्हड़ा
१११	२० (कृकण) मुआ पक्षी, तीतर विशेष
११३	१३ (कृकलास) गिरगिट
११८	१८ (कृकवाकु) मुर्गा

पृष्ठ	श्लोक
१४६	८८ (कृकाटिका) घाँटी
५४	४ (कृच्छ्र) क्लेश, दुःख, गोमूत्र, गोबर, दूध, दही, घी, कुशोदक, पञ्चगव्य का भक्षण करके एक रात्रि उपवास करना
२०२	७६ (कृत) सत्ययुग, पूर्ण, अलमर्थ
२१३	४२ (कृतक) सांभरिनमक
१६०	६८ (कृतपुंख) अच्छातीरंदाज
८२	२४ (कृतमाल) अमिलतास
२४२	४ (कृतमुख) चतुर, प्रवीण
२४४	१० (कृतलक्षण) गुणसे प्रसिद्ध
१२६	७ (कृतसापत्निका) जिसके बहुत स्त्रियांहों उनमें जो पहिले व्याही गई हो वह स्त्री
१६०	६८ (कृतहस्त) अच्छा तीरंदाज
१३	५९ (कृतान्त) यमराज सिद्धान्त, भाग्य, पापकर्म
१६०	६ (कृतिन्) पण्डित, चतुर, निपुण
२६७	१०२ (कृत्त) काटाहुआ
१७१	५० (कृत्ति) मृगचर्म
७	३२ (कृत्तिवासस्) शिव
३२२	१५८ (कृत्या) क्रिया, ताम-

पृष्ठ	श्लोक
३५६	२० (केरद) व्यवहार की वस्तु
४३	३२ (केलि) क्रीड़ा, खेल
३३३	२०२ (केवल) एक, सम्पूर्ण, निर्णय कियाहुआ
१४८	९५ (केश) बार- बाल
८६	८९ (केशपर्णी) बहचिचड़ा
१४८	९७ (केशपाशी) शिखा- चोटी
११२	१ (केशरी) सिंह
४	१८ (केशव) विष्णु, अच्छे बालोंवाला
१४८	६७ (केशवेश) बाँधेबाल, पाटी
१३६	२५ (केशिक) अच्छे बालोंवाला
१०४	१८६ (केशिनी) शंख कौड़ी
१३६	२५ (केशिन्) अच्छे बालोंवाला
८२	२५ (केसर) कमलके फूल के भीतरकी जटा, नागकेसर, सोनागिरी
११२	१ (केसरिन्) सिंह
५	२२ (कैटभजित) विष्णु
८५	४० (कैडर्य) कायफर
४८	३० (कैतव) जुआँ, छल
२०६	११ (कैदारक) खेतकासमूह
२०६	११ (कैदारिक) खेतकासमूह
२०६	११ (कैदार्य) खेतकासमूह

पृष्ठ	श्लोक
६३	३७ (कैरव) उजला कमल
१५	७१ (कैलास) (श) पर्वत विशेष, कुबेरका स्थान
५७	१५ (कैवर्त) मलाह
३२	६ (कैवल्य) मोक्ष
१४८	६६ (कैशिक) बालोंका समूह.
१४८	९६ (कैश्य) बालोंकासमूह
११६	८ (कोक) भेंड़िआ-भेंड़हा, चकवा
६४	४२ (कोकनद) लाल कमल
३४	१५ (कोकनदच्छवि) लाल कमलकारंग
११६	२० (कोकिल) कोयल
८६	१०४ (कोकिलाक्ष) तालमखाना
७१	१३ (कोटर) खोंढ़किल खुढ़िला
१२१	१७ (कोटवी) नंगी
१६४	८४ (कोटि) धनुष्का अन्तभाग, खड्गादिका कोना, करोरि
१०६	१३३ (कोटिवर्षा) असपरक
२०६	१२ (कोटिश) मुगरी, सरावगि
३५७	१८ (कोट्ट) कोट
१३८	५४ (कोठ) कोढ़के चकत्ता
११७	९३ (कोण) वीणादि बजानेका अस्त्र, दण्डा, तरवारका कोना.

पृष्ठ	श्लोक
	दोनों का पुत्र
१३१	२६ (कौलटेर) असती का पुत्र
३११	११६ (कौलीन) लोकापवाद, पशु,सर्प्प,पक्षी, इनका युद्ध, कुलीनता
२३५	२१ (कौलेयक) कूकुर
८४	२४ (कौशिक) गुग्गुल उलूक, सर्प्प, पकड़नेवाला, विश्वामित्र
१५२	१११ (कौशेय) कुशवारी सेवना रेशमी वस्त्र
६	२६ (कौस्तुभ) विष्णुकी मणि
२३८	३५ (क्रकच) आरा
६३	७७ (क्रकर) सुआ पक्षी, करील, तीतर विशेष
१६३	१५ (क्रतु) यज्ञ
८	३५ (क्रतुध्वंसिन्) शिव
२	६ (क्रतुभुज्) देवता
२०२	११५ (क्रथन) मारना
२००	१०७ (क्रन्दन) निन्दापूर्वक योधाओंको पुकारना, रोना,पुकारना
५०	३५ (क्रन्दित) रोना
१७०	२३ (क्रम) विधि वियोग शास्त्र
८५	४१ (क्रमुक) लाललोध, सुपारी

पृष्ठ	श्लोक
२२१	७५ (क्रमेलक) ऊँट
२२२	७८ (क्रयविक्रयक) वनिया
२२२	७६ (क्रयिक) मोल लेनेवाला
२२२	८१ (क्रय्य) मोल लेनेकी वस्तु
१९१	६३ (क्रव्य) मांस
१३	६० (क्रव्याद) राक्षस
१३	६० (क्रव्याद्) राक्षस
२२२	७६ (क्रायिक) मोल लेनेवाला
३२१	१५६ (क्रिया) आरम्भ, निष्कृति, प्रायश्चित्त, शिक्षापूजन, सम्प्रधारण,उपाय, कर्म,चेष्टा, चिकित्सा, धात्वर्थ
२४६	१८ (क्रियावत्) कार्य्यकरने में लगाहुआ
४६	३२ (क्रीड़ा) खेल
११६	२३ (क्रुञ्च्) कराकुल पक्षी
२७	२६ (क्रुध) क्रोध, गुस्सा
१२०	२४ (कुरर) कणाकुल
५०	३५ (क्रुष्ट) रोना
२५३	४७ (क्रूर) दूसरेका अनभल चाहनेवाला,पापी, कठिन, निर्दय
२२२	८१ (क्रेय) मोललेनेकीवस्तु
११५	३ (क्रोड़) शूअरकोरा,गोद

पृष्ठ	श्लोक	
४७	२६	(क्रोध) क्रोध
२४९	३२	(क्रोधन) क्रोधी
६९	१९	(क्रोशयुग) दोकोश
११५	६	(क्रोष्टु) सियार
९७	९३	(क्रोष्टुविन्ना) पिठवन
१००	११०	(क्रोष्ट्री) जेठीमधु
११६	२३	(क्रौञ्च) कराकुल
९	४१	(क्रौञ्चदारण) स्वामिकार्तिक
२७२	१०	(क्लम) ग्लानि
२७२	१०	(क्लमथ) ग्लानि
२६८	१४५	(क्लिन्न) ओदा, गीला
१४०	६०	(क्लिन्नाक्ष) चौंधरी आंख वाला
२६६	९९	(क्लिशित) क्लेशयुक्त
३६	१९	(क्लिष्ट) पूर्वापर विरुद्ध वाला वचन, क्लेशयुक्त
१००	१०९	(क्लीतक) मुरेठी, जेठीमधु
९७	८४	(क्लीतकिका) नील, निर्धेल, कमज़ोर
१३४	३९	(क्लीब) हिजरा
२७८	२९	(क्लेश) क्लेश, तकलीफ
१४१	६५	(क्लोम) पेटमें स्थित जलकी जगह
४१	२४	(क्वण) वीणादिकाशब्द, शब्दकरना
४१	२४	(क्वणन) वीणादिका शब्द
२६५	९५	(क्वथित) काढ़ा, अच्छी तरहपकाहुआ

पृष्ठ	श्लोक	
४१	२४	(क्वाण) वीणादि का शब्द
२७	११	(क्षण) तीसकला, चुपचाप रहना, उत्सव
२५	४	(क्षणदा) रात्रि
२०१	११४	(क्षणन) मारना
१८	९	(क्षणप्रभा) बिजुली
१४१	६४	(क्षतज) रक्त, खून
१७३	५७	(क्षतव्रत) जिसका ब्रह्मचर्य नष्ट होगयाहो
१८६	५६	(क्षत्तृ) क्षत्रियास्त्री में शूद्रसे उत्पन्न पुत्र, सारथी ड्योढ़ीदार, बढ़ई
१५६	२	(क्षत्रिय) क्षत्रिय
१२८	१४	(क्षत्रिया) क्षत्रियकीस्त्री
१२८	१४	(क्षत्रियाणी) क्षत्रिय की स्त्री
१२८	१५	(क्षत्रियी) क्षत्रियकीस्त्री
२५	४	(क्षपा) रात्रि
१९	१५	(क्षपाकर) चन्द्रमा
३१८	१४२	(क्षम) योग्य, समर्थ, हित
६५	२	(क्षमा) पृथ्वी, सहना
२४६	३१	(क्षमितृ) सहनेवाला
२४९	३१	(क्षन्तृ) सहनेवाला, गमखोर
२४६	३१	(क्षमिन्) सहनेवाला
२९	९२	(क्षय) प्रलय, क्षयीरोग, हानि, नीतिजानने

पृष्ठ	श्लोक
	वालोंका त्रिवर्गस्थान, कमती
१३८	५२ (क्षव) छींक, राई
१३८	५२ (क्षवथु) खांसी
२६५	९७ (क्षान्त) सहनेवाला बरदाश्त किया
४७	२४ (क्षान्ति) सहना
२२७	९९ (क्षार) कांच
८०	१६ (क्षारक) नईकली
६५	५ (क्षारमृत्तिका) लोना मट्टी
२५२	४३ (क्षारित) छिनारा या चोरीका कलंक जिसको लगाहो वह मनुष्य
६५	२ (क्षिति) नाश, वासस्थन, पृथ्वी
२७३	११ (क्षिपा) फेंकना, आज्ञा देना
२६३	८७ (क्षिप्त) प्रेरित, भेजाहुआ
२४६	३० (क्षिप्नु) निकारनेवाला
१४	६५ (क्षिप्र) जल्दी, बढ़ती
२७१	७ (क्षिया) हानि, नाशहोना
५५	४ (क्षीर) जल, दूध
२१४	४४ (क्षीरविकृति) दूध का फटौन
१००	११० (क्षीरविदारी) उजला कुम्हड़ा
१००	११० (क्षीरशुक्ला) काला कुम्हड़ा

पृष्ठ	श्लोक
६	२८ (क्षीराब्धितनया) लक्ष्मी
९८	१० (क्षीरावी) दूधिया
८६	४५ (क्षीरिका) खिन्नी
५४	२ (क्षीरोद) दूधका समुद्र
२४७	२३ (क्षीव) मतवाला
१३८	५२ (क्षुत) छींक
१३८	५२ (क्षुत) छींक
२०८	१९ (क्षुताभिजनन) राई,
२५४	४८ (क्षुद्र) कृपण, कंजूस, क्रूर, अधम, थोड़ा, बढ़ती
१५२	११० (क्षुद्रघण्टिका) घुंघुरू
५९	२३ (क्षुद्रशंख) छोटाशंख
९७	९४ (क्षुद्रा) भटकटैआ, अंगहीनास्त्री, नटी, पतुरिआ, मधुमाखी, भांटा, बाघिनि
२१६	५४ (क्षुध) भूख
२४६	२० (क्षुधित) भूखा
७८	८ (क्षुप) छोटाजड़वडार वाला वृक्ष
२०८	२० (क्षुमा) अलसी
९९	१०६ (क्षुर) तालमखाना, छूरा
८५	४० (क्षुरक) तिलकवृक्ष
३५६	९० (क्षुरप्र) वाण
२३२	१० (क्षुरिन्) नाऊ, हज्जाम
२३३	१६ (क्षुल्लक) थोड़ा, छोटा, नीच
२०४	६ (क्षेत्र) खेत, स्त्री, शरीर

पृष्ठ	श्लोक
२२७	१०२ (गन्धाश्मन) गन्धक
२२७	१०२ (गन्धिका) गन्धक
१०४	१२३ (गन्धिनी) तालीसपत्र वा मुरेठी
२३६	४० (गन्धोत्तमा) दारू, मद्य
१२१	२८ (गन्धोली) बर्रैआ, विरनी
२३	३३ (गभस्ति) किरण
५७	१५ (गभीर) गहरा
१६७	६५ (गम) यात्रा, सफर
१९७	६५ (गमन) यात्रा सफर
८४	३५ (गम्भारी) गम्भारी
५७	१५ (गम्भीर) गहरा
२६४	६२ (गम्य) मिलनेकेयोग्य
५२	९ (गरल) विष
२६९	११२ (गरिष्ठ) अतिशयगरू
९१	६९ (गरी) घन्दाल
६	३० (गरुड़) गरुड़
४	१६ (गरुड़ध्वज) विष्णु
२३	३२ (गरुड़ाग्रज) अरुण
१२३	३७ (गरुत्) पक्ष, पंख
६	३० (गरुत्मत) गरुड़ पक्षी
२२१	७४ (गर्गरी) दही मथने की महेड़ी
१८	८ (गर्जित) मेघका गर्जना, मतवाला हाथी
५१	२ (गर्त) गड़हा
२२२	७५ (गर्दभ) गदहा
८६	४३ (गर्दभाण्ड) गँठी

पृष्ठ	श्लोक
२४७	२२ (गर्द्धन) लोभी
१३४	३६ (गर्भ) कोषी, पेटमेंस्थितप्राणी, बालक
१५८	१३६ (गर्भक) बालोंमें पहिरनेकी माला
७१	८ (गर्भागार) घरकामध्य
१३४	३८ (गर्भाशय) ओझरीजिससे गर्भबँधारहता है
१३०	२२ (गर्भिणी) गर्भवतीस्त्री जिसके लड़का होनेवालाहो
११३	१६५ (गर्मुत) तृणधान्यविशेष
४६	२२ (गर्व) अहंकार
३८	१३ (गर्हण) निन्दा
२५५	५४ (गर्ह्य) निन्दित, खराब
२५१	३७ (गर्ह्यवादिन्) निन्दक, खराब बोलनेवाला
१४६	८८ (गल) कण्ठ, गला
२१८	६३ (गलकम्बल) बैलआदिकेगलेकीलटकीखाल, सास्ना
२११	३१ (गलन्तिका) करवा
२६७	१०४ (गलित) चुआ, गिरा
२८१	४३ (गल्या) फाशोंका समूह, गलोंका समूह
११७	१२ (गवय) नीलगाह, घोगड़ा
२२७	१०० (गवल) भैंसाका सींग

पृष्ठ	श्लोक	शब्द व अर्थ
१००	१०७	(गोस्तनी) दाख
६८	१४	(गोस्थानक) गौओं का स्थान
३	१५	(गौतम) बौद्धमती
११६	७	(गोधार) गोहका बच्चा
११६	७	(गोधेय) गोहका बच्चा
११६	७	(गोधेर) गोहका बच्चा
३४	१३	(गौर) लाल, उजला, पीला रंग
१६८	३६	(गौरव) किसी के आने पर आदरपूर्वक उठ खड़ेहोना
८	३७	(गौरी) पार्वती, दशवर्ष की कन्या
६८	१४	(गौष्ठीन) जहां पहिले गौवों का स्थानरहाहो
३०४	८८	(ग्रन्थ) शास्त्र, द्रव्य
११२	१६२	(ग्रन्थि) गांठि, पोर
२२९	११०	(ग्रन्थिक) पिपरामूरि
२६२	८६	(ग्रन्थित) गुहाहुआ,
१०६	१३२	(ग्रन्थिपर्ण) कुकरौंधा
८५	३७	(ग्रन्थिल) कटइआ, करील
४०	२०	(ग्रस्त) कहीं अक्षर कहीं पद छूटा, खाया गया
२६	९	(ग्रह) ग्रहण, लेना, आग्रह, हठ, सूर्यादि
१३०	५५	(ग्रहणीरुज) संग्रहणी
२३	३०	(ग्रहपति) सूर्य
२४८	२७	(ग्रहीत) लेनेवाला
७४	१९	(ग्राम) गांव, वृन्द, समूह
२१४	४६	(ग्रामणी) नाऊ, गांव का मालिक
२३२	९	(ग्रामतक्ष) गांव का बढ़ई
२८१	४३	(ग्रामता) गांवों का समूह
२३२	६	(ग्रामाधीन) गाँव का बढ़ई
७४	२०	(ग्रामान्त) गाँवका समीप, परोस
६७	९४	(ग्रामीणा) नील
३९	१९	(ग्राम्य) भांड़ोंके से वचन, सूअर
१७४	६१	(ग्राम्यधर्म) मैथुन
७४	१	(ग्रावन्) पर्वत, पत्थर
२१६	५४	(ग्रास) कौर
५९	२१	(ग्राह) घरिआर, लेना, ग्रहण
८१	२१	(ग्राहिन्) कैथा
१४६	८८	(ग्रीवा) गटई
२८	१८	(ग्रीष्म) ज्येष्ठ आषाढ़
१५०	१०४	(ग्रैवेयक) कण्ठा
२६९	१११	(ग्लस्त) खायाहुआ
२४०	४५	(ग्लह) बाजीलगाना
१३९	५८	(ग्लान) रोगवशसे क्षीण

पृष्ठ श्लोक

१२३ ३६ (टिट्टिभक) टिटिहिरी
३५४ ७ (टीका) कठिनशब्दों का अर्थ
८९ ५६ (टुण्डक) सरिवन

(ड)

२७३ १४ (डमर) लूटना
४३ ८ (डमरु) डमरूबाजा
१८७ ५१ (डयन) डोला, जनाना रथ, जनानी गाड़ी
८६ ६० (डहु) बड़हर
४३ ८ (डिण्डिम) बाजाविशेष
२७३ १४ (डिम्ब) लूटना
१२३ ३६ (डिम्भ) बालक, मूर्ख
१२५ ४१ (डिम्भा) अति छोटी कन्या
५१ ५ (डुण्डुभ) डेंड़हा साँप

(ढ)

४२ ६ (ढक्का) ढोल, डंका

(त)

२१६ ५३ (तक्र) माठा, जिसमें चौथाई पानी मिला हो
२८२ ४ (तक्षक) साँपविशेष, बढ़ई
२३२ ९ (तक्षन्) बढ़ई
५५ ७ (तट) तीर, किनारा
६१ ३०
६० २८
६
७
५

पृष्ठ श्लोक

ना, बहुत समासवाला वाक्य, शूद्रकी जांघ, मायाअभिक्य, उपताप
१०० १०६ (तण्डुला) बायुभिरंग
१०६ १३६ (तण्डुलीय) चौराई
४२ ४ (तत) वीणा, बाजा, चौड़ाई, फैलाव
३४७ ३ (ततम्) हेतु, कारण
१८१ २६ (तत्काल) वर्तमानकाल
२५६ १६ (तत्क्रिय) विना तनख्वाह काम करनेवाला, हूड़ करनेवाला
२४३ ९ (तत्पर) किसी विषयमें लगे चित्तवाला
४३ ९ (तत्त्व) धीरे २ नाचना, समता
१४८ ९ (तथा) तैसाही, समता
३ १३ (तथागत) बौद्ध
४० २२ (तथ्य) सत्य
३५२ २२ (तदा) तब
१८१ २९ (तदात्व) वर्तमानकाल
३५२ २२ (तदानीम्) तब
१३१ २७ (तनय) पुत्र
१४२ ७१ (तनु) देह, मिट्टी, पतला, खाल, विरल
१९० ६४ (तनुत्र) कँवच, बखतर
१४२ ७१ (तनू) देह
२६६ ६६ (तनूकृत) पतला किया, छोला

पृष्ठ	श्लोक
१२	५४ (तनूनपात्) आगि
१२३	६७ (तनूरुह) पंख, पक्ष, रोम, रोंवां
२३६	२८ (तन्तु) सूत
२०७	१७ (तन्तुभ) सरसों
११७	१४ (तन्तुवाय) मकरी, कोरी, ज्वलाहा
३२८	१८४ (तन्त्र) स्वाधीन, तन्त्रशास्त्र, ज्वलाहा, वस्त्र, कुटुम्ब का कार्य
१५२	११२ (तन्त्रक) नवावस्त्र
६४	८२ (तन्त्रिका) गुर्च
५०	३७ (तन्द्री) निद्रा, आलस्य, भ्रमसे मुरझाना,
२८	१९ (तप) ग्रीष्मऋतु
२३	३१ (तपन) सूर्य्य, नरकविशेष
२२६	९४ (तपनीय) सोना, सुवर्ण
२७	१५ (तपस्) माघमास, कृच्छ्र सान्तपनादि व्रत
२७	१५ (तपस्य) फागुन मास,
१७०	४५ (तपस्विन्) तपस्वी
१०६	१३४ (तपस्विनी) जटामासी
२२	२६ (तमस्) राहु, अन्धेरा, गुणविशेष
२५	४ (तमस्विनी) रात
९१	६८ (तमाल) तमालवृक्ष, तमाखू
१५५	१२४ (तमालपत्र) तिलकवृक्ष

पृष्ठ	श्लोक
५१	३ (तमिस्र) अन्धेरा
२५	५ (तमिस्रा) अन्धेरीरात
२५	४ (तमी) रात
३०५	८९ (तमोनुद) चन्द्रमा, आगि, सूर्य्य
३४१	२३७ (तमोपह) चन्द्रमा, आगि, सूर्य्य
११५	२ (तरक्षु) चीता, तेंदुआ
५५	५ (तरंग) लहर
६१	३० (तरंगिणी) नदी
१८४	४२ (तरण) हाथीकी झूल
१३	३० (तरणि) सूर्य्य, घीकुमारि, नाव
५६	११ (तरपण्य) खेवा, उतराई
१५०	१०२ (तरल) चञ्चल, हारके बीचकी बड़ीमणि
२१५	५० (तरला) लप्सी, पनिहा भात
१४	६५ (तरस्) वेग, पराक्रम, बल
१४०	६३ (तरस) मांस
१६२	७३ (तरस्विन्) जल्दबाज, वेगवाला, शूरवीर
५६	१० (तरि) नाव
७७	५ (तरु) वृक्ष
१३५	४२ (तरुण) युवा, जवान
१२७	८ (तरुणी) जवान स्त्री
३१	२ (तर्क) तर्क, विचार
९०	६५ (तर्कारी) जाही

पृष्ठ	श्लोक
१४५	८१ (तर्ज्जनी) अंगुठे के पास की अंगुली
२१८	६१ (तर्णक) जल्दीका वि-आया बच्छड़ा
२११	३४ (तर्दू) कर्छुलिविशेष, डेवुआ
२१७	५६ (तर्पण) तृप्त होना, अघाना, पितरोंको जलादि देना
१६४	२१ (तर्म्मन्) यज्ञखम्भ का शिरा, अग्रभाग
१९४	८४ (तल) नीचे, स्वरूप, लोहेका दस्ताना
३१४	१२६ (तलिन) विरल,थोड़ा
३१५	१३० (तल्प) पलंग, अटारी, स्त्री
३०	२७ (तल्लज)अच्छा,
४८	२८ (तर्ष) इच्छा, प्यास
२६६	९९ (तष्ट) छोलाहुआ, पतला किया
२७६	२५ (तसर) कोरीके पाई पसारने का नाम
२३५	२४ (तस्कर) चोर
४०	१० (ताण्डव) नाच
१३२	२८ (तात) पिता
१७८	१५ (तान्त्रिक) शास्त्रका सिद्धान्त जाननेवाला, शास्त्री
८६	४६ (तापसतरु) गोंदी, पाँखी का वृक्ष
९१	६८ (तापिच्छ) तमालवृक्ष
६३	४० (तामरस) कमल
१०४	१२७ (तामलकी) भूमिआमला, अँवरी
२५	५ (तामसी) रात
२२६	६७ (ताम्रक) तांबा
१७	५ (ताम्रकर्णी) अञ्जननाम दिग्गजकी स्त्री
२३२	८ (ताम्रकुट्टक) ठठेर
११८	१८ (ताम्रचूड़) मुर्गा
१०३	१२० (ताम्बूलवल्ली) पान
१०३	१२० (ताम्बूली) पान
४२	२ (तार) ऊँचासेवर, अच्छा मोती
९	४१ (तारकजित्) स्वामिकार्तिक
२१	२१ (तारका) नक्षत्र, आंखि का तिल, पुतली
२१	२१ (तारा) नक्षत्र
१३५	४० (तारुण्य) जवानी
६	३० (तार्क्ष्य) गरुड़, घोड़ा
२२७	१०२ (तार्क्ष्यशैल, रसोंत
४३	९ (ताल) काल औरक्रिया का मान, ताड़कावृक्ष, हरताल, बीचकीअंगुली और अंगूठा से नापा बीता

पृष्ठ श्लोक

१ ६ (त्रिदिव) स्वर्ग

२ ७ (त्रिदिवेश) देवता

६१ ३१ (त्रिपथगा) गंगानदी

१०१ १०८ (त्रिपुटा) श्वेत त्रिधारा, गुजराती इलायची

७ ३४ (त्रिपुरान्तक) शिव

२२१ १११ (त्रिफला) आँवरा, हर्र, बहेरा

१ ६ (त्रिविष्टप) स्वर्ग

१०० १०८ (त्रिभण्डी) श्वेतत्रिधारा

२५ ४ (त्रियामा) रात

७ ३२ (त्रिलोचन) शिव

१७४ ६१ (त्रिवर्ग) धर्म अर्थ काम, नीतिज्ञ लोगों के कृषी आदि अष्टवर्ग की हानि वृद्धि समता

४ २० (त्रिविक्रम) विष्णु

१०० १०८ (त्रिवृत) श्वेतत्रिधारा

१०० १०८ (त्रिवृता, श्वेतत्रिधारा

२५ ३ (त्रिसंध्य) दिनके तीन भाग

२०५ ९ (त्रिसीत्य) तीनबाह जोता खेत

६१ ३१ (त्रिस्रोतस्) गंगानदी

२०५ ६ (त्रिहल्य) तीनबाह जोता खेत

२१६ ६८ (त्रिहायनी) तीनवर्ष की गौ

पृष्ठ श्लोक

१०४ १२५ (त्रुटि) गुजराती इलायची, सूक्ष्म, बारीक अक्षर का रहिजाना, थोड़ा, संशय, कालविशेष

१६४ २२ (त्रेता) दक्षिणाग्नि गार्हपत्य आहवनीय इन तीनों का समूह, दूसरा युग

१२३ ३७ (त्रोटि) चोंच

७ ३४ (त्र्यम्बक) शिव

१५ ६९ (त्र्यम्बकसख) कुबेर

२२९ १११ (त्र्यूषण) सोंठि पीपरि मिर्च इन तीनों का मिलान

२२९ १०९ (त्वक्क्षीरी) बंसलोचन

१०६ १३४ (त्वक्पत्र) तज

११२ १६० (त्वक्सार) बांस

१४० ६२ (त्वच्) बकला, खाल

१०६ १३४ (त्वच) तज

११२ १६० (त्वचिसार) बांस

२७७ २६ (त्वरा) वेग, जल्द

१४ ६५ (त्वरित) जल्दबाज, शीघ्र

४० २० (त्वरितोदित) शीघ्र उच्चारण कियाहुआ

२६६ ६६ (त्वष्ट) छोलाहुआ, पतला कियाहुआ

२२२ ६ (त्वष्टृ) बढ़ई, विश्वकर्मा, सूर्य

पृष्ठ	श्लोक	
		तर्पण अंगुलियों के आगे किया जाताहै
१७८	१४	(दैवज्ञ) ज्योतिषी
१३०	२०	(दैवज्ञा) शुभाशुभ जाननेवाली
२	९	(दैवत) देवतासमूह, देवताओं की वस्तु
६७	९५	(दोला) नील, डोली वा हिंडोला
१६०	५	(दोषज्ञ) पण्डित,वैद्य
२४८	६	(दोषा) रात
२५३	४३	(दोषैकदृश्) केवल दोष देखनेवाला
१२२	८०	(दोस्) बाँह, भुजा
४७	२७	(दोहद) इच्छा
१३०	२१	(दोहदवती) गर्भवती, गाभिनि
२०	१७	(द्युति) शोभा,दीप्ति
२३	३०	(द्युमणि) सूर्य
२२५	६०	(द्युम्न) धन
२४८	४५	(द्यूत) जुआ
२४०	४४	(द्यूतकारक) जुआ खेलनेवाला
२४०	४४	(द्यूतकृत) जुआ खेलनेवाला
१	६	(द्यो) स्वर्ग, आकाश
२४	३४	(द्योत) प्रकाश, घाम
२१५	५१	(द्रप्स) पतला दही
२१	३२	(द्रव) वेग,भागजाना

पृष्ठ	श्लोक	
९५	८७	(द्रवंती) मूसरि
१९९	१०१	(द्रविण) सामर्थ्य,बल, धन, सोना, सुवर्ण
२२५	६०	(द्रव्य) धन, सत्व,जीव, गुणाश्रय पृथ्वीआदि, नक्षत्र, अग्नि
२४१	२	(द्राक्) जल्दी
१००	१०७	(द्राक्षा) दाख
२६९	११२	(द्राघिष्ठ) अतिशयलंबा
१०६	१३५	(द्राविडक) कचूर
७८	५	(द्रु) वृक्ष
८८	४३	(द्रुकिलिम) देवदारु
१९६	९१	(द्रुघन) मुग्दर
१५५	६	(द्रुणी) कछुही
१४	६५	(द्रुत) शीघ्र, जल्दी, पिघलाहुआ, रसीला
७८	५	(द्रुम) वृक्ष
१५५	१२६	(द्रुमामय) लाही, मेहावर
८३	६०	(द्रुमोत्पल) कठचम्पा
२२४	८५	(द्रुवय) तौल, नाप
४	१७	(द्रुहिण) ब्रह्मा
११८	१५	(द्रोण) धीकृ, द्रोणाचार्य,परिमाणविशेष, ३२ सेरको द्रोण कहते हैं
११६	२२	(द्रोणकाक) डोमकौआ
२२०	७२	(द्रोणदुघा) बहुतदूध देनेवाली गौ

पृष्ठ	श्लोक	
२१९	६५	(धुर्य्य) भारकस,बली, गाड़ीका बैल
२६८	१०७	(धूत) काँपाहुआ,त्यागाहुआ
२६७	१०२	(धूपायित)सन्तापित, तपायाहुआ
२६७	१०२	(धूपित)सन्तापित,तपायाहुआ
२६७	५८	(धूमकेतु) आगि, धूममयी उत्पाती तारा
१८	७	(धूमयोनि) बादल
३४	१६	(धूमल) धूमिल
२८१	४३	(धूम्या)धुँआँकासमूह
११८	१७	(धूम्याट)भुजकैलपर्चा, भुजैटा
३४	१६	(धूम्र) धूमिल
७	३३	(धूर्जटिन्) शिव
६३	७७	(धूर्त) धतूर, जुआरी, छली, दगाबाज
२१६	६५	(धूर्वह) गाड़ीका बैल
१९८	९८	(धूलि) धूरि
३४	१३	(धूसर) कुछपीलारंग
३०१	७४	(धृति) धारणा, धैर्य्य
२४८	२५	(धृष्ट) ढीठ
२४८	२५	(धृष्णज्) ढीठ
२२०	७१	(धेनु) जल्दीकी व्यानी गौ
		(धेनुका) हथिनी,नई ..ई गौ

पृष्ठ	श्लोक	
२२०	७२	(धेनुष्या)गिरोंधरीगौ, रिहनकीगई गौ
२१८	६०	(धेनुक) धेनुओं का समूह
४१	१	(धैवत) स्वरविशेष, घोड़ेकी आवाज
१८८	५८	(धोरण) सवारी
१५२	११३	(धौतकौशेय) धोया रेशमी वस्त्र
१८६	४८	(धौरितक) घोड़े की पोई चाल
२१९	६५	(धौरेय)बली, भारकस, धुरिहाबैल, गाड़ी लेचलनेवाला बैल
११३	१६६	(ध्याम) रोहिसखर
२०	२०	(ध्रुव)उत्तानपादराजा का पुत्र,डार पत्ताहीन वृक्ष,सदा रहनेवाला, ताराविशेष,निश्चित, ईश, महादेव, विष्णु, बरगद
१०२	११५	(ध्रुवा) सरिवन,वटपत्र के समान यज्ञपात्र विशेष, एकप्रकार का ध्रुवा
१९९	९६	(ध्वज) झण्डा
१९३	७८	(ध्वजिनी) फौज
४०	२२	(ध्वनि)शब्द
२६५	९४	(ध्वनित)बाजताहुआ

पृष्ठ	श्लोक
१७३	५६ (नष्टाग्नि) जिस तपस्वीका आगि बुझ गयाहो
२१८	६३ (नस्तित) नाथा बैल
२१८	६३ (नस्योत) नाथा बैल
३४९	११ (नहि) निषेध, नहीं
३४९	११ (ना) निषेध, नहीं
१	६ (नाक) स्वर्ग, आकाश
६८	१५ (नाकु) बेमवरि
१०१	११४ (नाकुली) रासनि
५१	१४ (नाग) साँप, हाथी, सीसा, श्रेष्ठ
६०	६५ (नागकेसर) नागकेसर
२२९	१०८ (नागजिह्विका) मैनसिल
१०२	११७ (नागबला) कँकहीवृक्ष
२१२	३८ (नागर) सोंठि, कसेरू, नागरमोथा, पण्डित, नगर में उत्पन्न हुआ मनुष्य
८५	३८ (नागरंग) नारंगी
५१	१ (नागलोक) पाताल
१०३	१२० (नागवल्ली) पान
२२८	१०५ (नागसम्भव) सेंदुर
६	३० (नागान्तक) गरुड़
४४	१० (नाट्य) नाच
२३२	८ (नाडिन्धम) सोनार
१४१	६५ (नाड़ी) नस, छःक्षणकाल, नरई

पृष्ठ	श्लोक
१३८	५४ (नाड़ीव्रण) नसूर, नस पर का घाव
२४५	१६ (नाथवत्) पराधीन
४०	२२ (नाद) शब्द
८३	३० (नादेयी) जलबेंत, नारंगी, जाही, भुँइजामुनि
३४४	२४६ (नाना) अनेक, दो
२६४	६३ (नानारूप) अनेकरूप, हरतरहके
२५१	३८ (नान्दीकर) आशीर्वादयुक्त स्तुति करनेवाला
२५१	१८ (नान्दीवादिन्) आशीर्वादयुक्त स्तुति करनेवाला
२३२	१० (नापित) नाई, हजाम
१८८	५६ (नाभि) राजाविशेष, पहिया की नाहनि, नाह, तुन्दी, टोढ़ी
३४५	२५० (नाम) प्रसिद्ध, होनहार, क्रोध, प्राप्ति, निन्दा
३७	८ (नामधेय) नाम
३७	८ (नामन्) नाम
२७२	६ (नाय) नीति, पकाना, चालक
१४४	११ (नायक) स्वामी, रत्नमध्य
५३	१ (नारक) नरक

पृष्ठ	श्लोक
११	४६ (नारद) नारद
१६५	८७ (नाराच) लोहेका तीर
२३७	३२ (नाराची) सोनार का कांटा वा कटिया
४	१८ (नारायण) विष्णु
९८	१०१ (नारायणी) शतावरि
१२५	२ (नारी) स्त्री
६४	४२ (नाल) कमलकी डंडी, नरई
६४	४२ (नाली) कमल की दण्डी
११४	१६८ (नालिकेर) नारियल
५७	१२ (नाविक) नाव खेवने वाला
५६	१० (नाव्य) नावसे पार होने के योग्य जल
२०२	११६ (नाश) मरण
११	५२ (नासत्य) आश्विनीकुमार, उतरङ्ग
७३	१३ (नासा) सुहोंटी, नाक
१४७	८९ (नासिका) नाक
३२	४ (नास्तिकता) मिथ्यादृष्टि निकाला हुआ
१८०	२२ (निःशलाक) एकान्त
२५८	६४ (निःशेष) सब
२५५	५६ (निःशोध्य) धोया, सफा
७४	१८ (निःश्रेणि) सीढ़ी
३२	६ (निःश्रेयस्) कल्याण
३५०	१४ (निःपम) निन्दाकेयोग्य

पृष्ठ	श्लोक
७४	१६ (निःसरण) दरवाजा
२५४	४६ (निःस्व) निर्द्धन, दरिद्र
२५८	६६ (निकट) समीप, पास
१२४	४० (निकर) समूह
७४	१८ (निकर्षण) प्रवेश, पैठना, घुसना
२३७	३२ (निकष) कसौटी
२४८	७ (निकषा) समीप
१३	६१ (निकषात्मज) राक्षस
२१७	५७ (निकाम) इच्छाभर
१२४	४३ (निकाय) एक धर्म्मवालों का समूह
७०	५ (निकाय्य) घर
२७४	१५ (निकार) अपकार, अन्नादिका निकालना
२०१	११२ (निकारण) मारना,
२२४	८८ (निकुञ्चक) मूठीभर प्रमाण विशेष
७६	८ (निकुञ्ज) चौंड़ी आदिसे छाये स्थान का भीतर
१०८	१४४ (निकुम्भ) दँतिआ औषध
१२४	४१ (निकुरम्ब) समूह, झुण्ड
२५२	४१ (निकृत) दिक करके निकाला हुआ, शठ, कपटी
४८	३० (निकृति) शठता
२५५	५४ (निकृष्ट) अधम, खराब

पृष्ठ	श्लोक	
२०१	११३	(निर्ग्रन्थन) मारना
४०	२३	(निर्घोष) शब्द
२	७	(निर्जर) देवता
१७१	४७	(निर्जितेन्द्रियग्राम) जितेन्द्रिय
७५	५	(निर्झर) झरना
३१	३	(निर्णय) निश्चय
२५५	५६	(निर्णिक्त) धोया, सफा
२३२	१०	(निर्णेजक) धोबी
१८०	२५	(निर्देश) आज्ञा, हुकम
३२१	२३५	(निर्बन्ध) हठ, जिद्द
१५	६७	(निर्भर) अतिशय
१८३	२६	(निर्मद) मदहीनहाथी
५२	६	(निर्मुक्त) केंचुलि को छोड़ेहुये सांप
५१	९	(निर्मोक) केंचुलि
१८३	३८	(निर्याण) हाथीकेनेत्रोंका कोर
२१२	११६	(निर्यातन) वैर का बदला लेना, दानदेना, धरोहर लौटा देना
३२१	२३५	(निर्यूह) दरवाजा, शिरोभूषण, काढ़ाका रस, दीवालकी खूंटी
१६७	३२	(निर्वपण) दान
२७८	३१	(निर्वर्णन) देखना,
२५	१५	(निर्वहण) समाप्त करना, नाटककीसन्धि, मारना

पृष्ठ	श्लोक	
३२	६	(निर्वाण) मोक्ष, मुनि, अग्नि
२६५	९६	(निर्वात) जिस समय वायु न बहतीहो वह समय
३८	१४	(निर्वाद) निन्दा, जनों की बतकही
२०१	११३	(निर्वापन) मारडालना दुःख से भी खुशी के साथ
२४४	१२	(निर्वार्य) निःशंककार्य करनेवाला
२०१	११३	(निर्वासन) मारना
२६६	१००	(निर्वृत) सिद्ध, तय्यार
२३९	३९	(निर्वेश) मोल, भोग तनख्वाह
५१	२	(निर्व्यथन) विल
२७४	१७	(निर्हार) युक्तिसे शस्त्र का निकालना
३३	१०	(निर्हारि) दूरतकजानेवाला सुगन्ध,
४०	२३	(निर्ह्राद) शब्द
७१	५	(निलय) घर
१२४	४०	(निवह) समूह, झुण्ड
३०३	८४	(निवात) निवास, वायु रहित, हथियार से नहीं फटनेवालाकवच
१६७	३३	(निवाप) पितरोंकेलिये जो दान दिया जावे

पृष्ठ	श्लोक		पृष्ठ	श्लोक
८	२२४ (न्यक्ष) सब, अधम, दोनों हाथके फैलाने से बनाहुआ कुण्डल			दरवाजा
१	३२ (न्यग्रोध) वटवृक्ष		१८४	४० (पक्षभाग) पांजर हाथीका, बगल
५	८७ (न्यग्रोधी) मूसरि		१२३	३७ (पक्षमूल) पंखकीजर
९	७० (न्यक्) छोटा, बौना		२६	७ (पक्षान्त) अमावास्या, पूर्णमासी
६	११ (न्यंकु) हरिणविशेष		२५	५ (पक्षिणी) पूर्व और पर दिन से संयुक्त रात
३	८८ (न्यस्त) परोहरधरा, फेंका		१२२	३३ (पक्षिन्) पक्षी, चिड़िया
७	५६ (न्याद) भोजन		३१२	१२० (पक्ष्मन्) आंखकीबरौनी, फूलोंकी धूरि, सूत का बहुत पतला अंश
०	२४ (न्याय) न्याय			
०	२५ (न्याय्य) न्याययुक्त			
२	८१ (न्यास) धरोहर		२६	२३ (पंक) पाप, थोदा, कीचड़
४०	६१ (न्युब्ज) कुबरा, टेढ़ा		६७	११ (पंकिल) कीचड़युक्तदेश
७	१७ (न्यूङ्ख) सामवेदका ओंकार		६३	४० (पंकेरुह) कमल
४	१२७ (न्यून) कम, निंद्य		१३७	४८ (पंगु) पँगुला
	(प)		७७	४ (पंक्ति) पाँति, दशअक्षरकेचरणवाला छन्द
७४	१० (पक्कण) भिल्लों का ग्राम,		९९	१०२ (पचम्पचा) दारुहल्दी
६४	९१ (पक्व) पका हुआ, जल्दी नाशहोनेवाला		२७२	८ (पचा) अन्नकापकाना
			१२५	१ (पञ्चजन) मनुष्य
७	१२ (पक्ष) १५ दिन, पंख, तीरका पंख, सहाय		२०२	११६ (पञ्चता) मृत्यु, मौत
७३	१४ (पक्षक) बगल का दरवाजा		२६	७ (पञ्चदशी) अमावस, पूर्णमासी
२४	१ (पक्षति) परीवातिथि, पंखकी जड़		११५	२ (पञ्चनख) सिंह, पांच नखवाले जीव
७३	१४ (पक्षद्वार) बगल का		४१	१ (पञ्चम) स्वरविशेष, कोकिलकी बोली

पृष्ठ	श्लोक
	व्यभिचारिणी स्त्री
१२३	३९ (पाक) पचना, अन्नपकाना
१०४	१२६ (पाकल) कूट, ओषधि-विशेष
९	४२ (पाकशासन) इन्द्र
१०	४७ (पाकशासनि) इन्द्रका पुत्र
२१०	२७ (पाकस्थान) रसोईका घर
२१३	४२ (पाक्य) खारी नोन, सज्जी
१७१	४८ (पाखण्ड) बौद्ध क्षपणक शास्त्रको मानने वाला
६	२९ (पाञ्चजन्य) विष्णुका शंख
२३६	२९ (पाञ्चालिका) कठपुतरी, गुड़िया गुड्डा
३४८	७ (पाट्) संबोधन
२३६	२५ (पटच्चर) चोर, पुराना कपड़ा
३४	१५ (पाटल) गुलाबीरंग, सांठी आदि कुआरी धान
८१	२० (पाटला) फूलविशेष, पाँढ़रि
८८	५४ (पाटलि) लोधविशेष, पाँढ़रि
२७८	२९ (पाठ) पढ़ना
९५	८४ (पाठा) पाठा, पाँढी
६४	८० (पाठिन्) चीत, ओषधिविशेष
५८	१८ (पाठीन) पढ़िनामछरी
१४५	८१ (पाणि) हाथ
१२६	५ (पाणिगृहीती) विवाहिता स्त्री
२३३	१३ (पाणिघ) ताली बजाने वाला
१७४	६० (पाणिपीडन) विवाह
२३३	१३ (पाणिवाद) ताली बजाने वाला
३४	१२ (पाण्डर) कुछ पीला उजलारंग
३४	१३ (पाण्डु) कुछ पीला उजलारंग
१८७	५४ (पाण्डुकम्बलिन्) पीले कम्बलका बहार जिस पर पड़ाहो वहरथ
३४	१२ (पाण्डुर) कुछ पीला उजलारंग
३६४	३३ (पातक) ब्रह्महत्यादि पाप
५१	१ (पाताल) पाताल, बड़वानल
२५८	२७ (पातुक) गिरनेवाला
५६	८ (पात्र) दोनों किनारों का बीच, स्रुवादि, योग्य मनुष्यादि, बरतन

पृष्ठ	श्लोक
१२०	२३ (पुष्कराह्व) सारस
६०	२७ (पुष्करिणी) चौकोना तालाव
२५६	५८ (पुष्कल) श्रेष्ठ, बहुत सुन्दर
२६५	९७ (पुष्ट) पोढ़ा, मोटा, जलाहुआ
८०	१७ (पुष्प) फूल, स्त्रियोंका रज
१६	७१ (पुष्पक) कुवेरका विमान, अंजन
२२७	१०३ (पुष्पकेतु) पीतलगरम करके उसपर घिसकर जो बनायाजाय वह अंजन
१७	४ (पुष्पदन्त) वायव्य दिशाका दिग्गजविशेष
६	२६ (पुष्पधन्वन्) कामदेव
८१	२१ (पुष्पफल) कैथा
१८७	५१ (पुष्परथ) सामान्यरथ, मामूली गाड़ी
८०	१७ (पुष्परस) फूलकारस
१२१	३० (पुष्पलिह्) भँवरा
२६	१० (पुष्पवत्) सूर्य्य, चन्द्रमा
१३०	२० (पुष्पवती) रजस्वला स्त्री
२८	१८ (पुष्पसमय) वसन्त ऋतु

पृष्ठ	श्लोक
२१	२२ (पुष्य) नक्षत्रविशेष
२३६	२८ (पुस्त) मट्टी, काष्ठ, वस्त्र, चमड़ाआदि से लिखना वा पोतना, लिखना आदि कर्म्म
११४	१६६ (पूग) सुपारी, समूह
१६८	३७ (पूजा) पूजा, खातिर करना
२६६	९८ (पूजित) पूजाकिया हुआ
२४२	५ (पूज्य) पूजा करनेके योग्य, श्वशुर
१७१	४८ (पूत) पवित्र, राशि कियाहुआ अन्न
८६	५९ (पूतना) हर्रे
८७	४८ (पूतिक) कँटीलाकंजा
८७	४८ (पूतिकरज) कंजा
८८	५४ (पूतिकाष्ठ) देवदारु, सरला
३३	१२ (पूतिगन्धि) दुर्गन्ध
९७	९६ (पूतिफली) वकुची
२१५	४८ (पूप) पूआ
३५६	२० (पूर) जलकीधारा
८६	४६ (पूरणी) सेमर
२६६	६८ (पूरित) पूरा, सब
१२५	१ (पूरुष) पुरुष
२५८	६५ (पूर्ण) पूरा, सब
१८२	३२ (पूर्णकुम्भ) पानी से भरा पूर्णकलश, घड़ा

पृष्ठ	श्लोक
२६	७ (पूर्णिमा) पूर्णमासी
१६६	३० (पूर्त) तालावआदि का खुदाना
१६	१ (पूर्व) पहिला, पूर्व दिशा, पुरानियाँ
१३५	४३ (पूर्वज) जेठाभाई
३	१२ (पूर्वदेव) दैत्य
७५	२ (पूर्वपर्वत) उदयाचल पर्वत
३५१	२१ (पूर्वेद्युः) पूर्वका गत दिन
२२	२६ (पूषन्) सूर्य्य
२७२	९ (पृक्ति) छूना
३७	१० (पृच्छा) पूँछना
१९३	७८ (पृतना) फौज
३४७	३ (पृथक्) विना
६७	६२ (पृथक्पर्णी) सिंहपुच्छी
३१	३१ (पृथगात्मता) प्रकृति पुरुपका भेदजानना, अन्य विवेक, ज्ञान
२३३	१६ (पृथग्जन) नीच, मूर्ख
२६५	९३ (पृथग्विध) नानाप्रकार, तरतरह
६५	३ (पृथिवी) पृथ्वी, ज़मीन
२११	३७ (पृथु) कालाजीरा, हींग वृक्षकी पत्ती, फैलाहुआ
१२३	२९ (पृथुक) पत्ता, चूरा, चिउरा
५८	१७ (पृथुरोमन्) मछली
२५७	६० (पृथुल) फैलाहुआ
६५	३ (पृथ्वी) भूमि, ज़मीन, कालाजीरा, हींगवृक्ष की पत्ती
१०४	१२५ (पृथ्वीका) इलायची
५२	६ (पृदाकु) सांप
१३७	४८ (पृश्नि) छोटे अंग वाला
६७	९२ (पृश्निपर्णी) सिंहपुच्छी, पिथवन
५५	६ (पृषत्) जलकणा, फुहारा
५५	६ (पृषत्) जलकणा, हरिण
१६५	८६ (पृषत्क) बाण, तीर
१४	६४ (पृषदश्व) वायु, हवा
१६५	२६ (पृषदाज्य) दर्शनिला पी
१४४	७८ (पृष्ठ) पीठि, अगुआ
१८५	४६ (पृष्ठ्य) लदुआघोड़ा, पीठियोंका समूह
११८	१६ (पेचक) उलूकपक्षी, हाथीकी पूँछकी जड़के समीपका भाग जिससे उसकी गुदा ढप जाती है
२३७	२० (पेटक) पटारी, गुच्छ, वृन्द

पृष्ठ	श्लोक	
२३७	३०	(पेटा) प्यटारी
३६७	४२	(पेटी) प्यटारी
२५८	६६	(पेलव) विरर
२३४	१६	(पेशल) चतुर,सुन्दर
१२३	३८	(पेशी) अण्डा
२१४	४५	(पेठर) वटुआमें पका अन्न
१३१	२५	(पैतृष्वसेय) फूफूका लड़का
१३१	२५	(पैतृष्वसीय) फूफूका लड़का
१७२	५४	(पैत्र) पितरोंका तीर्थ, अँगुष्ठ,तर्जनीकाबीच
१३६	४६	(पोगण्ड) कमती बढ़ती अंगवाला
११२	१६२	(पोटगल) नरकुल, काश
१२९	१५	(पोटा) पुरुषके चिह्न वाली स्त्री
१२३	२६	(पोत) बच्चा, नाव, दारू पीनेका बरतन
५७	१२	(पोतवणिज्) नावका रोजगार करने वाला
५७	१२	(पोतवाह) नावखेवने वाला
५८	१९	(पोताधान)छोटे अंडा, मछलियों का समूह
२३७	१८०	(पोत्र) हल और सूअरके मुखका अगिला भाग

पृष्ठ	श्लोक	
११५	३	(पोत्रिन्) सूअर
१०५	१२७	(पौण्डर्य्य) गुलाब
१३२	२९	(पौत्री) नातिनि,पोती
११३	१६६	(पौर) रोहिसखर
१७८	१८	(पौरश्रेणी) राज्यके अङ्ग
२६१	८०	(पौरस्त्य) पहिला पुरुषका भाव
१४६	८७	(पौरुष) ऊपर हाथ उठाना,पुरुषका काम
२१०	२७	(पौरोगव) रसोई का मालिक
१७२	५१	(पौर्णमास) पौर्णमासी के दिनका यज्ञ
२६	७	(पौर्णमासी) पूर्णमासी तिथि
१५	७०	(पौलस्त्य) कुबेर
२१४	४७	(पौलि) परमल, मुरमुरा
२७	१५	(पौष) पूसमास
२२७	१०३	(पौष्पक) अञ्जनविशेष
३४८	७	(प्याट्) सम्बोधन
३०	२७	(प्रकाण्ड) अच्छा, वृक्षका जांघा
२१७	५७	(प्रकाम) इच्छाभर
३२२	६९	(प्रकार) भेद,सादृश्य, तरह

पृ	श्लोक
८	३९ (प्रकाश)प्रकाश,उजेरा,अतिप्रसिद्ध,जाहिर
८२	३१ (प्रकीर्णक) चँवर
७	४८ (प्रकीर्य) कंजा
०	२६ (प्रकृति) सत्वादि गुणों की साम्यावस्था, स्वभाव,असामी,योनि,लिङ्ग,स्वामी,राजा, अमात्य,मन्त्री, सुहृद्, मित्र, कोश, खजाना, राष्ट्र, देशकी भूमि, दुर्गमस्थान, बल, फौज
१४५	८० (प्रकोष्ठ) हाथीकीविचली गाँठिके नीचेका भाग
२७७	२६ (प्रक्रम) पहिले पहिल आरम्भकरना
१८१	३१ (प्रक्रिया)अधिकार,कानून चलाना
४१	२५ (प्रक्वण) वीणाकाशब्द
४१	२५ (प्रक्वाण)वीणाकाशब्द
१९५	८७ (प्रक्ष्वेडन) नाराच,लोहेकातीर
१४४	८० (प्रगण्ड) हाथीकी विचली गाँठिके ऊपरका भाग
१३६	४७ (प्रगतजानुक) दपचरा, जिसके पैर खराबहों
२४८	२५ (प्रगल्भ)बुद्धिमान्,ढीठ

पृष्ठ	श्लोक
२६३	४४ (प्रगाढ़)अतिशय,दुःख
२५९	७२ (प्रगुण) सीधा
३५१	१९ (प्रगे) प्रातःकाल
२०२	११९ (प्रग्रह) पँधुआ,तराजू का सूत जिसको पकड़ कर तौलते हैं, पगहा
३४२	२३६ (प्रग्राह) पगहा, तराजू का सूत
३६५	३५ (प्रग्रीव) झरोखा
७२	१२ (प्रघण) चौपारि
७२	१२ (प्रघाण) चौपारि
१९७	९६ (प्रचक्र)चलीहुई फौज
२५०	३२ (प्रचलायित) नींदसे घूमताहुआ नेत्रवाला
२५७	६३ (प्रचुर) बहुत
१४	६२ (प्रचेतस्) वरुण
९७	९४ (प्रचोदनी) भटकटैया
१५३	११६ (प्रच्छदपट) ओहार
७३	१४ (प्रच्छन्न) खिड़की
१३८	५५ (प्रच्छर्दिका)वान्त,उछार
२७६	२५ (प्रजन) पहिलेपहिल गर्भ
१९२	७३ (प्रजविन्)जलदबाज, वेगवाला
२९०	३२ (प्रजा)सन्तान,असामी
१२९	१६ (प्रजाता) प्रसूता,सौरिहाई
४	१७ (प्रजापति) ब्रह्मा

पृष्ठ	श्लोक	
		काँधे पर रक्खा हुआ यज्ञोपवीत
७०	३	(प्राचीर) घेरा, मकानादिके चारोंओर घाँस आदि का घेर
१६९	३६	(प्राचेतस) वाल्मीकिमुनि
६६	८	(प्राच्य) पूर्व दक्षिणका देश
२०६	१२	(प्राजन) कोड़ा,चाबुक
१८९	५६	(प्राजितृ) गाड़ीवान्, रथवान्
१६०	५	(प्राज्ञ) पण्डित
१२८	१२	(प्राज्ञा) बुद्धिमती स्त्री
१२८	१२	(प्राज्ञी) बुद्धिमती स्त्री
२५७	६३	(प्राज्य) बहुत
१७६	५	(प्राड्विवाक)न्याय करनेवाला, मुकदमा देखनेवाला
१४	६४	(प्राण) वायुविशेष, बल, जीव, गन्धरस, बोर
३०	३०	(प्राणिन्) शरीरधारी
३५१	१९	(प्रातर्) प्रातःकाल
२३२	११	(प्रातिहारिक) मायावी, इन्द्रजाली
१६२	१३	(प्राथमकल्पिक) पहिले पहिल वेदारम्भ करनेवाला
३४६	२५५	(प्रादुस्) नाम, प्रकाश होनेवाला
१४५	८३	(प्रादेश) अँगुठा से अँगुठा के पासकी अँगुरी तकका बीता
१६७	३२	(प्रादेशन) दान
३४७	४	(प्राध्वम्) अनुकूलता
६६	१८	(प्रान्तर) जहां दूरतक जल छाया मनुष्य न हों वह रास्ता
२६३	८६	(प्राप्त) स्थापित,रक्खा, मिला
२०२	११७	(प्राप्तपञ्चत्व) मराहुआ
३१५	१३१	(प्राप्तरूप) पण्डित, सुन्दर
२९९	६८	(प्राप्ति) उदय, लाभ
२६४	९२	(प्राप्य) मिलने के योग्य
१८१	२७	(प्राभृत) भेंट,नजर
१७३	५६	(प्राय) संन्यासपूर्वक भोजन का त्याग करना, बहुताई, मरण के अर्थ जाना
३२०	१५३	(प्रायस्) बहुताई, मृत्यु, पाथर, मरणके निमित्त अन्न छोड़ना
२६६	९७	(प्रार्थित) याचनाकिया हुआ
१५८	१३७	(प्रालम्ब) गलेसे सीधी

पृष्ठ	श्लोक
६४	८१ (वुक) गूँमा
१४१	६४ (वुक्का) करेजा
३	१३ (वुद्ध) जाना, माना, बौद्ध
३१	१ (वुद्धि) वुद्धि, समझ
३५८	१९ (वुद्वुद) वुल्ला
१६०	५ (वुध) पण्डित, वृढ़ा, वुध, चौथाग्रह
२६८	१०८ (वुधित) जाना, माना
७६	१२ (वुध्न) जर
२१६	५४ (वुभुक्षा) भूँख
२४६	२० (वुभुक्षित) भूँखा
२०६	२२ (वुस) भूसा
३६४	३४ (वुस्त) भूजामाँस, कटहरका झोथरा, नव अक्षरके चरणकाछन्द
६७	९३ (वृहती) भटकटैया, वनभाँटा
२००	१०७ (वृंहित) हाथीका गर्जना
२५७	६० (वृहत्) वड़ा, फैलाहुआ
१५३	११७ (वृहतिका) ऊपरओढ़नेका वस्त्र, अँगौछा
१३६	४४ (वृहत्कुक्षि) वड़ेपेटवाला, तोंदारा
१२	५५ (वृहद्भानु) आगि
२१	२४ (वृहस्पति) वृहस्पति
१६८	९७ (वोधकर) स्तुतिकरके प्रातःकालमें राजाको जगानेवाले

पृष्ठ	श्लोक
८१	२० (वोधिद्रुम) पीपरवृक्ष
२२८	१०४ (वोल) गन्धरस, वोर
२२	२८ (व्रध्न) सूर्य्य
१६०	३ (व्रह्मचारिन्) व्रह्मचारी, व्रह्मचर्य आश्रममें रहनेवाला
८५	४१ (व्रह्मण्य) पीपरसदृश वृक्षविशेष, तूत
१७३	५५ (व्रह्मत्व) व्रह्ममें मिल जाना
१०६	१४५ (व्रह्मदर्भा) अजवाइनि
८५	४१ (व्रह्मदारु) पीपर सदृश वृक्ष, तूत
३	१६ (व्रह्मन्) व्रह्मा, वेद, यथार्थ वस्तु, तप, व्राह्मण
५३	१० (व्रह्मपुत्र) विषविशेष, अधिक्षय
३०८	१०३ (व्रह्मवन्धु) निन्दित व्राह्मण
१७३	५५ (व्रह्मभूय) व्रह्म में मिल जाना
१६३	१६ (व्रह्मयज्ञ) वेदका पाठ करना
१६९	४२ (व्रह्मवर्चस) सदाचार पालन और वेदाभ्यास करने से जो तेज पड़ताहै उसका नाम

पृष्ठ	श्लोक
१६१	७ (ब्रह्मवादिन्) वेदान्त जानने वाला
१७०	४२ (ब्रह्मबिन्दु) वेद पढ़ते समय मुखसे निकला हुआ थूक का बूँद
१७२	५५ (ब्रह्मसायुज्य) ब्रह्म में मिल जाना
६	२६ (ब्रह्मसू) कामदेव
१७२	५२ (ब्रह्मसूत्र) बायें कांधे जनेऊ का नाम
१७०	४२ (ब्रह्माञ्जलि) वेदपाठके समयकी हुई अञ्जली
१७०	४२ (ब्रह्मासन) ध्यान, योग का आसन
१६	२१ (ब्राह्मकल्प) देवताओं के दो हजार युग, आ[illegible]
११०	४ (ब्राह्मण) ब्राह्मण
६६	८९ (ब्राह्मणयष्टिका) भँग[illegible]
६६	८९ (ब्राह्मणी) भँगरा
२८०	४१ (ब्राह्मण्य) ब्राह्मणों का समूह
८	३१ (ब्राह्मी) [illegible]
	(भ)
२१	२१ [illegible]
२३७	[illegible]
[illegible]	२० [illegible]

पृष्ठ	श्लोक
२६१	११० (भक्षित) खाया हुआ
२१०	२८ (भक्ष्यकार) पुआ आदि बनानेवाला
१४३	७३ (भग) योनि, शोभा, इच्छा, माहात्म्य, पराक्रम, यत्न, सूर्य, कीर्ति
१३६	५६ (भगन्दर) गुदाके पास का फोड़ा
३	१३ (भगवत्) जैनमती
१३२	२९ (भगिनी) बहिन
५५	५ (भङ्ग) लहरी
२०८	२० (भङ्गा) भाँग, पटुआ विशेष जिसके सन से टाट वा भँगरा बनता है
३५४	८ (भङ्गि) टेढ़ाई
१८०	२४ (भजमान) [illegible] जाने
	६१ (भट) [illegible]
	९५ (भटित्र) [illegible]
	[illegible]

पृष्ठ	श्लोक
७०	४ (भित्ति) भीति, दीवाल
२७१	५ (भिदा) फूटना
११	४८ (भिदुर) इन्द्रका वज्र
१९६	६१ (भिन्दिपाल) ढेल-वाँसी
२६२	८२ (भिन्न) अलग, दूसरा, चीराहुआ
१३९	५७ (भिषज्) वैद्य
२१५	४९ (भिस्सटा) जराहुआ भात
२१५	४८ (भिस्सा) भात
४६	२१ (भी) भय, डर
४६	२१ (भीति) भय, डर
८	३५ (भीम) भयानक, शिव
२५	२ (भीरु) डरनेवाली स्त्री, डरनेवाला
४८	२६ (भीरुक) डरनेवाला
९८	१०१ (भीरुपत्री) शतावरि
४८	२६ (भीलुक) डरनेवाला
४६	२० (भीषण) भयानक
४६	२० (भीष्म) भयानक
६१	३१ (भीष्मसू) गंगानदी
९	१११ (भुक्त) खायाहुआ
०	६१ (भुग्न) टेढ़ा, पीड़ायुक्त, टूटाहुआ
३	८० (भुज) भुजा, बाँह, हाथ
२	६ (भुजग) साँप
२	६ (भुजंग) साँप
	२१ (भुजंगभुज्) मोर

पृष्ठ	श्लोक
५१	६ (भुजंगम) साँप
१०२	११५ (भुजंगाक्षी) रासनि
१४४	७ (भुजशिरस्) कन्धा
१४४	७७ (भुजान्तर) कोरा, गोद
२३४	१७ (भुजिष्य) दास, टहलू
५५	३ (भुवन) जल, लोक
६५	२ (भू) पृथ्वी
२	११ (भूत) देवयोनिविशेष, प्राप्त, पाया, प्राणी, बीता कालादि, उचित, पृथिव्यादि पंचभूत, सत्य
६५	४ (भूतधात्री) पृथ्वी
२२९	१११ (भूतकेश) जटामासी
९२	७१ (भूतवेशी) सफ़ेदफूल की नेवारी
३०६	१०५ (भूतात्मन्) ब्रह्मा, देह
८९	५८ (भूतावास) बहेड़ा
८	३७ (भूति) ऐश्वर्य, सिद्धि, भस्म, राख
२८३	८ (भूतिक) चिरायता, गन्धतृण, कुकुरमुत्ता
७	३२ (भूतेश) शिव
११५	३ (भूदार) सूअर
१६०	४ (भूदेव) ब्राह्मण
१०८	१४३ (भूनिम्ब) चिरायता
१७५	१ (भूप) राजा
९१	७० (भूपदी) बेला
२९७	६० (भूभृत)

पृष्ठ	श्लोक
	काम, हर्ष, अभिमान, वीज, दारू
१८३	३५ (मदकल) मदान्धहाथी
५	२५ (मदन) कामदेव, मयनफर, धतूर
२३९	४१ (मदस्थान) दारूपीने का स्थान
२३९	४० (मदिरा) दारू
७१	८ (मदिरागृह) दारूकाघर
१८३	३५ (मदोत्कट) मदान्धहाथी
६०	२५ (मद्गु) जलमुर्गा
५८	१६ (मद्गुर) मँगुरीमछली
२३९	४० (मद्य) दारू
२७	१५ (मधु) सहत, ममाखी, महुआ, दारू, फूलोंका रस, चैतमास, जीवन्ती
१००	१०९ (मधुक) जेठीमधु
१२१	३० (मधुकर) भँवरा
२३९	४१ (मधुक्रम) दारूपीनेका समय
८२	२७ (मधुद्रुम) महुआका वृक्ष
१२१	३० (मधुप) भँवरा
८४	३५ (मधुपर्णिका) नील, सँभारी
९५	८३ (मधुपर्णी) गुर्च
१२१	२७ (मधुमक्षिका) ममाखी की मादी

पृष्ठ	श्लोक
१००	१०९ (मधुयष्टिका) जेठीमधु
३३	९ (मधुर) मीठारस, स्वादु, प्रिय
१०८	१४२ (मधुरक) जीवक
९५	८३ (मधुरसा) धनुषबनाने की घोंड़ी, चिनार, दाख
११०	१५२ (मधुरा) सौंफ
६६	१०५ (मधुरिका) वनसौंफ
४	२० (मधुरिपु) विष्णु
१२१	३० (मधुलिह्) भँवरा
२३९	४१ (मधुवार) दारूपीने का समय
१२१	३० (मधुव्रत) भँवरा
८३	३१ (मधुशिग्रु) लालफूल का सहिजन
६५	८४ (मधुश्रेणी) धनुषबनानेकी घोंड़ी, चिनार
८२	२८ (मधुष्ठील) महुआ
१०८	१४२ (मधुस्रवा) दोडीऔषधि
८२	२७ (मधूक) महुआ
२२८	१०७ (मधूच्छिष्ट) मोम
८२	२८ (मधूलक) रहाईमहुआ
९५	८५ (मधूलिका) धनुषबनाने की घोंड़ी, चिनार
१४४	७१ (मध्य) कमर, दोनोंबीच, उचित
६६	८ (मध्यदेश) मध्यदेश
४१	१ (मध्यम) स्वरविशेष, कमर, कर्णांगुल की अ:

पृष्ठ श्लोक
घोंड़ी, चिनार
७६ १२ (मूल) जड़, जर, पहिला, नक्षत्रविशेष
१११ १५७ (मूलक) मूरी
२७० ४ (मूलकर्मन्) उच्चाटन
२२२ ८० (मूलधन) मूर, पूंजी
२२२ ७९ (मूल्य) मोल, कीमत
२३७ ३३ (मूपा) धातु गलानेकी घरिया
११७ १३ (मूषिक) मूस, चूहा
६६ ८८ (मूषिकपर्णी) मूसारि
२६३ ८८ (मूषित) चुरायाहुआ
११७ ११ (मृग) ढूंढ़ना, हरिन, मृगशिरा नक्षत्र
२७८ ३० (मृगणा) ढूंढ़ना
२४ ३५ (मृगतृष्णा) दुपहरी जलजलाना
२३५ २१ (मृगदंशक) कूकुर
११४ १ (मृगदृष्टि) सिंह
११५ २ (मृगद्विप्) सिंह
११५ ६ (मृगधूर्तक) सियार
१५६ १३० (मृगनाभि) कस्तूरी
२३४ २१ (मृगवधाजीव) व्याधा, शिकारी
२३६ २६ (मृगवन्धनी) जाल
१५६ १३० (मृगमद) कस्तूरी
२३५ २३ (मृगया) शिकार
२३४ २१ (मृगय) व्याधा, शिकारी
११४ १ (मृगरिपु) सिंह

पृष्ठ श्लोक
१५२ १११ (मृगरोमज) हरिण के रोओं से बनाहुआ
२३५ २३ (मृगव्य) शिकार
२१ २३ (मृगशिरस्) मृगशिरा नक्षत्र
२१ २३ (मृगशीर्ष) मृगशिरा नक्षत्र
१९ १४ (मृगांक) चन्द्रमा
११५ २ (मृगादन) चीता, तेंदुआ
११४ १ (मृगाशन) सिंह
२६७ १०५ (मृगित) ढूँढ़ाहुआ
११४ १ (मृगेन्द्र) सिंह
१५५ १२२ (मृजा) झारना, पोंछना
७ ३२ (मृड) शिव
८ ३८ (मृडानी) पार्वती
६४ ४२ (मृणाल) भसींड़, कमल की जर
२०२ ११७ (मृत) मराहुआ
२४६ १९ (मृतस्नान) मरे के निमित्त नहाया हुआ
२०३ ३ (मृत) मांगने से मिला
१०५ १३१ (मृत्तालक) अरहर, अर्ही
६६ ५ (मृत्तिका) मट्टी
२०२ ११६ (मृत्यु) मरना
७ ३५ (मृत्युञ्जय) शिव
६६ ५ (मृत्सा) अच्छी मट्टी
६६ ५ (मृत्स्ना) अच्छी मट्टी, अरहर, अर्ही
६६ ५ (मृद्) मट्टी

पृष्ठ	श्लोक	
		मिरंग
८३	३१	(मोचक) सहिंजन
८७	४६	(मोचा) सेमर, केला
२६४	३३	(मोदक) लड्डू
२२६	११०	(मोरट) ऊखकी जर
९५	८३	(मोरटा) धनुप बनाने की चौंड़ी, चिनार
२३५	२४	(मोपक) चोर
२००	१०९	(मोह) मूर्च्छा
११६	२२	(मौकुलि) कौआ
२२५	९३	(मौक्तिक) मोती
२०५	८	(मौद्गीन) मूँगका खेत
३		(मौन) चुपचाप
२३३	१३	(मौरजिक) मुरज,मृदंग बजानेवाला
२३०	१६२	(मौलि) शिर, चोटी मुकुट, बँधेवाल
१९५	८५	(मौर्वी) धनुपकी डोरी रोदा
२५३	५	(मौष्टा) मूठियों की मारवाला खेल
१७८	१४	(मौहूर्त) ज्योतिषी
१७८	१४	(मौहूर्तिक) ज्योतिषी
४०	२१	(म्लिष्ट) सफानहीं
२३४	२०	(म्लेच्छ) नीचजाति विशेष
६६	८	(म्लेच्छदेश) म्लेच्छों का देश
२२६	९७	(म्लेच्छमुख) ताँबा

पृष्ठ	श्लोक	
		(य)
१४१	६६	(यकृत्)पेटमें जो दहिनी ओर वटिया होती है
२	११	(यक्ष) देवयोनि,कुबेर
१५७	१३४	(यक्षकर्दम) कपूर,अगुरु, कस्तूरी, केसर चन्दन इन सबको मिलाकर बनाया गया लेप
१५६	१२८	(यक्षधूप) राल, धूप
१५	७०	(यक्षराज) कुबेर
१३७	५१	(यक्ष्मन्) क्षयीरोग
१६१	१०	(यजमान) यजमान
३६	३	(यजुस्) यजुर्वेद
१६३	१५	(यज्ञ) यज्ञ
		(यज्ञसूत्र) जनेऊ
८१	२२	(यज्ञाङ्ग) गूलर
१६६	२९	(यज्ञिय) यज्ञकी वस्तु
१६१	१०	(यज्वन्) विधिसे यज्ञ करनेवाला
३४७	३	(यत्) जिससे, जो
३४७	३	(यतस्) जिससे
१७१	४७	(यति) जितेन्द्रिय
१७१	४७	(यतिन्) जितेन्द्रिय
३४८	९	(यथा) जैसा,जिसतरह
३५४	४८	(यथाजात) मूर्ख
३५०	१५	(यथातथम्)यथार्थ,सत्य
३५०	१२	(यथायथम्) यथायोग्य
३५०	१५	(यथार्थम्) सत्य
१७७	१३	(यथार्हवर्ण)जासूस,चार

पृष्ठ	श्लोक
३५५	१० (लिक्षा) लीख
१७८	१६ (लिखित) लिखाहुआ
२८८	२५ (लिङ्ग) चिह्न, लिङ्ग, शिश्न
१७२	५७ (लिङ्गवृत्ति) बहुरूपिया ब्राह्मण
१७८	१६ (लिपि) लिखना, लिखाहुआ
१७८	१५ (लिपिंकर) लेखक
२६४	९० (लिप्त) लिपाहुआ
१९६	८८ (लिप्तक) विषका बुझाया बाण, तीर
४८	२७ (लिप्सा) मनोरथ
१७८	१६ (लिवि) लिखना, लिखाहुआ
२६९	११० (लीढ) खायागया
४१	३२ (लीला) खेल, शृंगार आदि से दूसरे की अनुहारि करना
१८६	५० (लुठित) लोटना
२४७	२२ (लुब्ध) लोभी
२३५	२१ (लुब्धक) व्याधा, बहेलिया, बाघ
११५	५ (लुलाय) भैंसा
११७	१४ (लूता) मकरी
२६७	१०३ (लून) फाटाहुआ
१८६	५० (लूम) पूँछ
२	८ (लेख) देवता
१७८	१५ (लेखक) लिखनेवाला

पृष्ठ	श्लोक
६	४३ (लेखर्षभ) इन्द्र
७७	४ (लेखा) पाँति, रेखा
२१७	५६ (लेप) आहार, खाना
२३१	६ (लेपक) थवई, राज
२५७	६२ (लेश) अंश, सूक्ष्म, बारीक
२०६	१२ (लेष्टु) ढीला
२१७	५६ (लेह) आहार, खाना
६६	७ (लोक) भुवन, जन, भारतवर्ष
३	१३ (लोकजित्) बौद्ध
६	२८ (लोकमातृ) लक्ष्मी
३६३	३२ (लोकायत) नास्तिकों का शास्त्र
७५	२ (लोकालोक) पर्वतविशेष
३	१६ (लोकेश) ब्रह्मा
१४७	६३ (लोचन) आँखि
१०१	१११ (लोचमस्तक) मोरशिखा, अजमोदा
२३६	२५ (लोप्त्र) चोरीकामाल
८४	३३ (लोध्र) लोध
२०	२० (लोपामुद्रा) अगस्त्य की स्त्री
१४९	९९ (लोमन्) रोंवाँ
१०६	१३४ (लोमशा) जटामासी
५०	३५ (लोमहर्षण) रोंवाँखड़ेहोना, रोमाञ्च
२६०	७४ (लोल) चंचल, तृष्णा-

पृष्ठ	श्लोक
	गागया
८२	२७ (वञ्जुल) तिनिस, अशोक
८३	३२ (वट) वरगदवृक्ष
३५७	१७ (वटक) वरा
२३६	२७ (वटी) रस्सी
१८६	४६ (वड़वा) घोड़ी
१३	५७ (वड़वानल) वड़वानल
५८	१६ (वडिश) वंशी, कटिआ
२५७	६१ (वड्र) फैलाहुआ, वड़ा
२२२	७८ (वणिज्) वनियाँ
२२२	७८ (वणिज) वनियाँ
२२२	७९ (वणिज्या) वनियाँपन, वनेई
२२५	८६ (वराटक) तौलनेकेवाँट
२१९	६९ (वनोका) जिस गौका गर्भ गिरजाताहो
१४४	७८ (वत्स) गौकावछड़ा, वर्ष, छाती
९१	६६ (वत्सक) कुरैआ
२१८	६२ (वत्सतर) जवानवछड़ा
५३	११ (वत्सनाभ) विषविशेष
२७	१३ (वत्सर) वर्ष, साल
२४५	१४ (वत्सल) प्यारकरनेवाला, स्नेही
६४	८२ (वत्सादनी) गुर्च
२५०	३५ (वद) वहुतवोलनेवाला
१२६	८६ (वदन) मुख
२४३	६ (वदान्य) दानी, वहुत अच्छा वोलनेवाला
२५०	३५ (वदावद) वहुतवोलनेवाला
५५	३ (वन) जल, वन, जङ्गल
६५	८५ (वनतिक्तिका) पाँढ़रि, पाठा
११९	२० (वनप्रिय) कोयल
१२१	२८ (वनमक्षिका) डाँस, मच्छर
४	२१ (वनमालिन्) विष्णु
२०७	१७ (वनमुद्ग) मोथी, मोठ
९८	९९ (वनशृंगाट) गोखुरू
७७	४ (वनसमूह) वन का समूह
७८	६ (वनस्पति) विना फूल के फलनेवाला वृक्ष गूलर वगैरह
१८५	४५ (वनायुज) वनायु देश का घोड़ा
१२५	२ (वनिता) स्त्री, वड़ी प्यारी स्त्री
२५४	४६ (वनीपक) माँगनेवाला
९२	७० (वनोद्भवा) वनवेली, कपास
११५	४ (वनौकस्) वन्दर
६४	८२ (वन्दा) वाँदा
२४८	२८ (वन्दारु) वन्दना करनेवाला, स्तुति करनेवाला

पृष्ठ	श्लोक
७७	४ (वन्या) वनका समूह
१७२	५३ (वपन) बार बनवाना
१५१	२ (वपा) छेद, चर्बी
१४२	७० (वपुस्) देह, शरीर
७०	३ (वप्र) छहरदीवाल, शहरपनाह, सीमा
३२५	१७० (वभ्रु) बड़ा, न्योरा, विष्णु, पीला
१३८	५५ (वमथु) वान्त, उछार, हाथी के शूँड़ केपानी का निकरना
१३८	५५ (वमि) वान्त, उछार
३४०	२२९ (वयस्) पक्षी, अवस्था
१३५	४२ (वयस्थ) जवान
८६	५८ (वयस्था) हर्र, अँवरा-ब्राह्मी, काकोली
१७७	१२ (वयस्य) समान अवस्था वाला
१२८	१२ (वयस्या) सखी
१५५	१२५ (वर) केसर, कुंकुम, वरदान, श्रेष्ठ, दामाद
१२०	२६ (वरटा) घैरैया, हंसकी स्त्री
७०	३ (वरण) बाँस कांटा आदिसे घिरा, वारुण
३५८	१८ (वरण्ड) मुखरोग, मुख की पीड़ा
१८४	४२ (वरत्रा) हाथी के कमर में बांधनेकी रस्सी, चमड़ाकी रस्सी, बरेत
२४३	७ (वरद) वर देनेवाला
१२५	४ (वरवर्णिनी) बहुत उत्तम स्त्री, हरदी
१०६	१३४ (वरांग) योनि
१०६	१३४ (वरांगक) तज, दालचीनी
६४	४३ (वराटक) कमलगट्टा, रस्सी, कौड़ी
१२५	४ (वरारोहा) बहुत उत्तमा स्त्री
१५३	११६ (वराशि) मोटा कपड़ा
११५	३ (वराह) सूअर
२६७	१०२ (वरिवसित) सेवित
१६८	३७ (वरिवस्या) सेवा
२६७	१०२ (वरिवस्यित) सेवित
२२६	९७ (वरिष्ठ) अति श्रेष्ठ, बहुत लम्बा चौड़ा, तांबा
९८	१०० (वरी) शतावरि
३४१	२३४ (वरीयस्) श्रेष्ठ, अतिशय, महान्
१४	६२ (वरुण) वरुण, पुल्व, वारुण
२३६	३६ (वरुणात्मजा) दारू, मदिरा
१८८	५७ (वरूथ) लोहसे बना हुआ रथका ओहार
१९३	७८ (वरूथिनी) फौज, सेना

पृष्ठ श्लोक

९४ ८० (वह्निसंज्ञक) चीत औषध

३४५ २४८ (वा) उपमा, विकल्प, निश्चय

२५० ३५ (वाक्पति) बहुत अच्छा बोलनेवाला

३५ २ (वाक्य) तिङन्त और सुबन्तों का समूह, वा कारकयुक्त क्रिया

२५० ३५ (वागीश) बहुतअच्छा बोलनेवाला

२३६ २६ (वागुरा) जाल

२३३ १४ (वागुरिक) बहेलिया, जाल से जीवोंको पकड़नेवाला

२५० ३५ (वाग्मिन्) युक्तियुक्त बोलनेवाला, नैयायिक

३७ ९ (वाङ्मुख) आरम्भ

३५ १ (वाच्) सरस्वती, वाणी बोलना

१७० १४५ (वाचंयम) मुनि

३५ २ (वाचक) शास्त्रीय शब्द

२१ २४ (वाचस्पति) बृहस्पति

२५० ३६ (वाचाट) बहुतनिन्दित वचन बोलनेवाला

२५० ३६ (वाचाल) बहुत निंदितवचनबोलनेवाला

३९ १७ (वाचिक) सन्देशा कहना

पृष्ठ श्लोक

२५० ३५ (वाचोयुक्तिपटु) युक्तियुक्तवचन बोलनेवाला, नैयायिक

१९५ ८७ (वाज) बाणमें लगा हुआ पंख

३६३ ३१ (वाजपेय) यज्ञविशेष, वाजपेयी मदिरा जिसमें पी जावे

६६ १०३ (वाजिदन्तक) रूस

१२२ २४ (वाजिन्) घोड़ा, बाण, पक्षी

७१ ७ (वाजिशाला) घोड़शाल

४८ २७ (वान्छा) मनोरथ

३६७ ४२ (वार्त्म) रस्ता, मार्ग

१०० १०७ (वाट्यालका) बरिआरा

१३ ५७ (वाडव) बड़वानल, घोड़ियोंका समूह, ब्राह्मण

२८० ४१ (वाडव्य) ब्राह्मणों का समूह

९३ ७४ (वाणा) नीलीझिण्टी

१६० ३ (वानप्रस्थ) ब्रह्मचारी

२३६ २८ (वाणि) बीनना

२२२ ७९ (वाणिज्य) बनियोंका कर्म, बनिजई

२१० १११ (वाणिनी) नाटिनि, नाचनेवाली, दूती

३५ १ (वाणी) सरस्वती

पृष्ठ श्लोक

पृष्ठ श्लोक

पृष्ठ	श्लोक	
२४९	३१	(विसारिन्) फैलनेवाला
६३	३६	(विसिनी) कमलिनी
२६२	८६	(विसृत) फैलाहुआ
२४९	३१	(विसृत्वर) फैलनेवाला
२४६	३१	(विसृमर) फैलनेवाला
२२४	८६	(विस्त) ८० घुंघुचीभर, मोहर
२७६	२२	(विस्तर) शब्दका विस्तार
८०	१४	(विस्तार) वृक्षों की शाखा, फैलाव
२६२	८६	(विस्तृत) फैलाहुआ
१३५	४१	(विस्रसा) बुढ़ापा
२००	१०८	(विस्फार) धनुष का शब्द
१३८	५३	(विस्फोट) फोड़ा
४६	१६	(विस्मय) अद्भुतरस, आश्चर्य
२४८	२६	(विस्मयान्वित) चकरायाहुआ
[illegible]	८६	(विस्मृत) भूलाहुआ
[illegible]	१२	(विस्र) कच्चेमांसादि का गंध
[illegible]	२३	(विस्रम्भ) विश्वास, रतिकाल में स्त्री पुरुष का भगड़ा
	३३	(विहग) पक्षी
	३३	(विहंग) पक्षी
	३३	(विहंगम) पक्षी

पृष्ठ	श्लोक	
२३७	३०	(विहंगिका) बहिंगी
५०	३५	(विहसित) मध्यम हँसना
२५२	४३	(विहस्त) व्याकुल, शोक से जो कुछ न कर सकताहो
१६	१॥	(विहायस्) आकाश, पक्षी
१६७	३१	(विहापित) दान
२७४	१६	(विहार) खेलमें पाँवसे चलना
२५२	४४	(विह्वल) शोकादि से अंगभंग जिसका होगयाहो, व्याकुल
२२६	२१४	(वीकाश) एकान्त, प्रकाश
५५	५	(वीचि) लहरि
४१	३	(वीणा) वीणा
२३३	१२	(वीणावाद) वीणाबजानेवाला
१८५	४३	(वीत) निर्बल हाथी, घोड़ा
२३६	२६	(वीतंस) मृगा और पक्षियों के बँधाने की सामग्री जाल वगैरह
१८५	४३	(वीति) घोड़ा
१२	५४	(वीतिहोत्र) आगि
७७	४	(वीथी) पाँति, मार्ग

पृष्ठ श्लोक स्थान

१६१ ७१ (वैजयन्तिक) झण्डा लेकर चलनेवाला
६१ ६५ (वैजयन्तिका) जाही
१६८ ९९ (वैजयन्ती) पताका, निशान
२४२ ४ (वैज्ञानिक) चतुर, निपुण
८१ १८ (वैणव) बाँसकाफल, बाँसकादण्ड
२३३ १३ (वैणविक) बाँसुड़ी बजानेवाला
२३३ १३ (वैणिक) वीणाबजानेवाला
१८४ ४१ (वैणुक) चाबुक की डाँड़ी
२३३ १४ (वैतसिक) कसाई
२३२ १५ (वैतनिक) मँजूर
५३ २ (वैतरणी) नरकनदी
[illegible] ९७ (वैतालिक) स्तुतिकरके प्रातःकाल में राजाओंको जगानेवाला
[illegible] ७८ (वैदेहक) बनियां, ब्राह्मणी स्त्री में वैश्य से उत्पन्न
९६ (वैदेही) पड़ीपीपरि
५७ (वैद्य) चिकित्सक, दया करने वाला
१०३ (वैयमातृ) रुस
५२ (वैधात्र) सनत्कुमार

पृष्ठ श्लोक

२५४ ४८ (वैधेय) मूर्ख, जाहिल
६ ३० (वैनतेय) गरुड़
१८८ ५८ (वैनीतक) कहारआदि वाहन
१३१ २५ (वैमात्रेय) सौतेलाभाई
१८७ ५३ (वैयाघ्र) बाघकेचमड़ा से ढपाहुआ रथ
४७ २५ (वैर) वैर, शत्रुता, दुश्मनी
२०१ ११० (वैरनिर्य्यातन) वैरी से बदलालेना
२०१ ११० (वैरशुद्धि) वैरी से बदलालेना
१७७ १० (वैरिन्) शत्रु, दुश्मन
२३२ १५ (वैवधिक) संदेशा ले जानेवाला
१३ ६० (वैवस्वत) यमराज
२७ १६ (वैशाख) वैशाखमास, मथानी का दण्डा
१६१ ७ (वैशेषिक) वैशेषिक शास्त्र जाननेवाला
२०३ १ (वैश्य) बनियां
१५ ७० (वैश्रवण) कुबेर
११२ ५४ (वैश्वानर) आगि
५८ १७ (वैसारिण) मछली
१६० २ (वोज्य) कुलीन
२१८ ८ (वौषट्) देवताकेलिये दान
१९८ ६२ ([illegible]) [illegible] साप

पृष्ठ श्लोक

का नाम

२६६ ११९ (व्यायत) दीर्घ,लम्बा

५२ ७ (व्याल) साँप, शठ, हिंसकजन्तु

५३ ११ (व्यालग्राहिन्) साँप पकड़नेवाला

२६४ ६२ (व्यावृत्त) वरण किया हुआ

१६६ ७० (व्यास)विस्तार,व्यास मुनि

३५ १ (व्याहार) बोलना

२१२ ११८ (व्युत्थान) तिरस्कार, निरोध, विरुद्ध कार्य्य करना

२६२ ३८ (व्युष्टि) फल, सम्पदा, विन्यस्त, संहत, पृथुल

२६३ ७४ (व्यूढ)कुछ जगह छोड़ कर और मिलकर खड़ी हुई सेनाकी स्थिति

१९० ६५ (व्यूढकंकट) कवचादि पहिरे अथवा मन्त्रादिरक्षित

२६ २८ (व्यूति) कपड़ा आदि का बीनना

३ ४० (व्यूह) समूह, फौज का किला बांधना

३ ७९ (व्यूहपार्ष्णि) किला बांधकर खड़ीहुई सेना का पिछला भाग

पृष्ठ श्लोक

२३१ ७ (व्योकार) लोहार

८ ३५ (व्योमकेश)शिव

१६ १ (व्योमन्) आकाश

११ ४९ (व्योमयान) विमान

२२१ १११ (व्योष) मिली हुई सोंठि मिर्च पीपरि

१२३ ४० (व्रज) समूह, गोठ जहां पर गौ रहें, गली

१६८ ३८ (व्रज्या) घूमना, यात्रा

१३८ ५४ (व्रण) घाव

१६६ ४१ (व्रत) नियम,उपवासादि पुण्य

७८ ९ (व्रतति) विस्तार, बौंड़ी, बवँर

१६१ ६ (व्रतिन्) यजमान

७६ १२ (व्रघ्न) वृक्षकी जड़

२३७ ३३ (व्रश्चन) रेती

१२४ ४० (व्रात) समूह

१७३ ५७ (व्रात्य) संस्कारहीन, जिस ब्राह्मणका १६ वर्ष के ऊपर भी यज्ञोपवीत न हुआहो

१७३ ५२ (ब्राह्म)हाथ के अँगूठे कीजर अर्थात् ब्रह्मतीर्थ

४७ २२ (व्रीडा) लज्जा

२०७ १५ (व्रीहि) साँठी आदि धान्य, धान्य

२०८ २० (व्रीहिभेद) माँवाँ,चीना

२०९ ६ (व्रैहेय) व्रीहिके योग्य

पृष्ठ	श्लोक
	चेत्र, धानका खेत
	(श)
१८७	५२ (शकट) गाड़ी
२०	१६ (शकल)खण्ड, हिस्सा
५८	१७ (शकुलिन्) मछली
१२२	३३ (शकुन)पक्षी,चिड़िया
१२२	३३ (शकुनि) पक्षी, चिड़िया
१२२	३३ (शकुन्त)पक्षी, चिड़िया, भासपक्षीविशेष
१२२	३३ (शकुन्ति) पक्षी,चिड़िया
५८	१९ (शकुल) सौरी मछली
११२	१५९ (शकुलाक्षक) उजली दूब
९५	८६ (शकुलादनी) कुटकी, जलपीपरि
५८	१७ (शकुलार्भक) मछली का बच्चा
१४२	६७ (शकृत्) गूह, मैला
२१८	६२ (शकृत्करि) बछड़ा
१९९	१०२ (शक्ति)प्रभाव,उत्साह, उत्तम सलाह,पराक्रम, बर्छी, सांग
६	४१ (शक्तिधर) स्वामिकार्तिक
१६७	६९ (शाक्तीकिक) शक्ति-हथियार धारण करने वाला

पृष्ठ	श्लोक
२५०	३६ (शक्तु) प्रियवचन बोलनेवाला
६	४३ (शक्र) इन्द्र, कुरैया
१८	१० (शक्रधनुष्) इन्द्रका धनुष्
८८	५३ (शक्रपादप) देवदारु
१०६	१३६ (शक्रपुष्पी)इन्द्रपुष्पी
२५०	३६ (शक्ल) मीठावचन बोलनेवाला
७	३१ (शंकर) शिव
५९	२० (शंकु) ठूँठ,छूरीआदि का फल, मछलीविशेष
१६	७२ (शङ्ख) निधिविशेष, शंख, ककूंदनि, ललाटका हाड़
५९	२३ (शङ्खनख) छोटाशंख
१०४	१२६ (शङ्खिनी)शंखकौड़ी
१०	४६ (शची) इन्द्राणी
१०	४४ (शचीपति) इन्द्र
१११	१५४ (शटी) कचूर
२५३	४६ (शठ) दुर्जन, दुष्ट
१०६	१४९ (शणपर्णी) पटशन
१००	१०७ (शणपुष्पिका) सनई, मन
५८	१६ (शणसूत्र) सुतरी
२१८	६२ (शण्ड) साँड़
२२३	८४ (शत) सौ
११	४८ (शतकोटि) वज्र
६२	६३ (शतद्रु) शतद्रुनदी

पृष्ठ	श्लोक	शब्द
१०६	१३२	(शुक) कुकुरौंधा, सुआ
८९	५७	(शुकनास) सरिवन
२०३	८२	(शुक्त) खट्टा, निष्ठुर
५६	२३	(शुक्ति) सीपी, ककूंदनि
१३	५७	(शुक्र) आगि, काम, ज्येठमास, शुक्राचार्य्य
३	१२	(शुक्रशिष्य) असुर, दैत्य
३४	१२	(शुक्ल) उजलारंग, उजियाला, १५ दिन
४७	२५	(शुच्) शोक, शोच, अफसोस
१३	५७	(शुचि) आगि, आषाढ़ मास, मन्त्री, शुद्धचित्त, पवित्र, स्नान आदि करना, उजलारंग, शृंगाररस
२१२	३८	(शुण्ठी) सोंठि
२३३	४१	(शुण्डापान) दारू पीने का स्थान
६२	३३	(शुतुद्रि) सतलज नदी
७२	१२	(शुद्धान्त) रनिवास, राजधानी
२३५	२२	(शुनक) कुत्ता
२३५	२२	(शुनी) कुतिया
२५४	५०	(शुभंयु) शुभयुक्त
२९	२५	(शुभ) कल्याण, खमांचा धकड़ा

पृष्ठ	श्लोक	शब्द
२५४	५०	(शुभान्वित) शुभयुक्त
३४	१२	(शुभ्र) उजला, अतिचमक वाला, उद्दीप्त
१७	५	(शुभ्रदन्ती) पुष्पदन्त नामक दिग्गजकी स्त्री
१९	१४	(शुभ्रांशु) चन्द्रमा
१८१	२७	(शुल्क) मासूल, स्त्री को देने का धन
२२६	९७	(शुल्व) तांबा, रस्सी
१६८	३७	(शुश्रूषा) सेवा
५१	२	(शुषि) बिल, छेद
५१	१	(शुषिर) घाँसुड़ी, बिल, छेद, बिलयुक्त
१०५	१२६	(शुषिरा) पवारी
१४१	६३	(शुष्कमांस) सूखामांस
१९८	१०१	(शुष्म) सामर्थ्य
१२	५५	(शुष्मन्) आगि
२०९	२६	(शूक) सींकुर, ठूंठ
११७	१५	(शूककीट) ऊनआदि का खानेवाला कीड़ा, दाड़ा
२०९	२४	(शूकधान्य) यवादि धान्य, जिसमें सींकुर होताहै
११५	३	(शूकर) सूअर, गांव का सूअर
९५	८७	(शूकशिम्बि) क्यवाँच
२३०	१	(शूद्र) शूद्र
१२८	१३	(शूद्रा) शूद्रजातिवा-

पृष्ठ	श्लोक
१६०	३ (साधु) सुन्दर,सज्जन
२	११ (साध्य) गणदेवता
५६	२१ (साध्वस) भय
१२६	६ (साध्वी) पतिव्रता
७५	५ (सानु) पर्वत का किनारा
	(सान्तपन) व्रत विशेष
३३	१८ (सान्त्व) अतिमीठा वचन, समझाना, सलूक करना
१९१	२९ (सान्दृष्टिक) तुरन्त का फल
२५८	६६ (सान्द्र) सघन, गझिन
१६६	२९ (सान्नाय्य) साकल्य
१७७	१२ (साप्तपदीन) मित्रता
३६	३ (सामन्)सामवेद, समझाना,सलूक करना
१६४	१८ (सामाजिक) सभामें बैठनेवाले
३१	३१ (सामान्य) जाति, साधारण, मामूली
३४५	२४८ (सामि) आधा निन्दित
१६५	२४ (सामिधेनी) अग्निजलाने का मन्त्र
५४	१ (समुद्र) समुद्र
१६६	१०४ (साम्परायिक) युद्ध लड़ाई
३२६	११ (साम्प्रतम्) युक्त, ना

पृष्ठ	श्लोक
	जिवी, अब, इसी काल
३५१	१९ (साय) साँझ
२८२	२ (सायक) बाण, तीर, तलवार
२५	३ (सायम्) साँझ
७९	१२ (सार) गूदा, हीर, बल सीसम आदिका सार, न्याययुक्त श्रेष्ठ
११८	१७ (सारंग) चातक, पपीहा, हरिण, चितकबला रंग
१८६	५६ (सारथि) रथवान्
२३५	२१ (सारमेय) गाड़ी हाँकनेवाला, कुत्ता
६२	३६ (सारव) सरयू में पैदा हुआ
६३	४० (सारस) सारस,कमल
१५१	१०८ (सारसन) स्त्रियों की करधनी,बख्तर पहिन कर जिससे कमर बाँधते हैं कमरपट्टी
३५४	८ (सारिका) पक्षी विशेष मैना
१२४	४१ (सार्थ) जन्तुओं का समूह
२२२	७८ (सार्थवाह) बनियाँ
२६७	१०५ (सार्द्र) वोदा, गीला
३४७	४ (सार्द्ध) साथ
१७	४ (सार्वभौम) चक्रवर्ती

इत्यमरकोशमूलशब्दानुक्रमणिका।

अथ वैद्यककोशप्रारम्भः ॥

श्लोक ॥ लम्बोदरंनमस्कृत्य गुरुंधन्वन्तरिंतथा ॥
अकारादिक्रमेणैव कोशोयंभण्यतेमया ॥ १ ॥

(अ)

(अन्धक) तुंधुल
(अभया) हड़
(अमृता) हड़, अंवरा, गिलोय
(अब्धिकफ) समुद्र का फेना
(अव्यथा) हड़, महामुंडी, स्थल कमल, गेवड़ी
(अक्ष) बहेड़ा, कालानिमक, कर्ष, पद्माक्ष, रुद्राक्ष, शकट, इन्द्रिय, पांशा
(अक्षीव) पांगानोन,सहिंजन, महा निंब
(अध्वग) मेद
(अनल) चीता
(अजमोदा) अजमोद
(अजमोदिका) अजवाइन
(अजाजी) सफेदजीरा
(अमोघा) वायुबिड़ंग, पाढ़रि
(अश्वत्थफल) दूसरी हाउवेर
(अष्टवर्ग) जीवक, ऋषभक, मेदा, महामेदा,काकोली,क्षीर काकोली, ऋद्धि, वृद्धि
(अशोका) कुटकी
(अनार्यतिक्त) चिरायता
(अर्द्धतिक्त) चिरायता जो नेपाल में होता है

(अङ्कोट) ढेरा, अंकोल
(अङ्कोल) ढेरा, अंकोल
(अतिवला) ककहिया
(अर्द्धकण्टिका) महासतावर
(अश्वगन्धा) असगन्ध
(अम्बष्ठका) पाढ़रि
(अम्बष्ठकी) पाढ़रि
(अर्द्धचन्द्रा) कालानिशोथ
(अतितपस्विनी) महामुण्डी
(अपामार्ग) लटजीरा, लहचिचरा
(अधःशल्य) लटजीरा, लहचिचरा
(अस्थिशृंखला) हरसिंगार
(अस्थिसंहारक) हरसिंगार
(अस्थिसंहारी) हरसिंगार
(अंगारक) भंगरा
(अमरवल्लरी) अमरवेल
(अर्कपुष्पी) अर्कपुष्पी
(अलम्बुषा) खेतकी लज्जावंती
(अरविन्द) कमल
(अम्भोरुह) कमल
(अतिचरा) स्थल कमल
(अतिमञ्जुला) सेवती गुलाब
(अतिकेशर) कूजा
(अलिकुलसंकुला) कूजा
(अतिमुक्तक) मोतिया
(अशोक) अशोक
(अम्लाटन) बाणपुष्प गौड़ देश प्रसिद्ध
(अम्लात) बाणपुष्प
(अम्लातक) ...
(अगस्त्य) अगस्ति
(अपेतराक्षसी) तुलसी
(अजगन्धिका) बबई
(अर्जक) सफेद बबई
(अश्वत्थ) पीपर
(अश्वत्थभेद) बेलिया पीपर
(अश्वकर्णिका) शाल, साखू
(अजकर्ण) शालभेद, एकतरह का साखू
(अर्जुननामाख्य) अर्ज्जुन वृक्ष, कोह
(असन) विजयसार
(अरिमेदक) दुर्गन्धितखयर
(अरिष्टक) रीठा
(अर्थसाधन) रीठा
(अर्थसाधक) पतौंजिया
(अङ्गार वृक्ष) गोंदी इंगुदी
(अपत्र) करील
(अग्निदीपन) वरना
(अम्बुशिरीषिका) जल शिरस
(अतिसौरभ) आम
(अतिबृहत्फल) कटहल
(अम्बुसार) केला
(अंशुमतीफला) केला
(अशितसारक) तेंदुआ
(अल्पास्थि) फालसा
(अमृतफल) नासपाती
(अक्षोट) अख...
(अम्ला) ...
(...

(अम्ली) इमली
(अम्लवेतस) अमलवेत
(अम्लवृक्ष) विषाम्बिल
(अद्रिजतु) शिलाजीत
(अश्मज) शिलाजीत
(अभ्र) अभ्रक
(अञ्जन) सफेद तथा काला सुरमा
(अश्मगर्भ) पन्ना
(अतसी) अलसी
(अतियव) जौ जिसमें नोक नहीं होती है
(अमृतवल्लरी) पोय
(अल्पमारिष) चौराई
(अम्ललोणिका) अमलोनियाँ
(अश्मन्तक) अमलोनियाँ, कचनार
(अम्लपत्रक) अमलोनियाँ
(अरिमर्द) कसौंदी
(अगस्तिकुसुम) अगस्त्यकेफूल
(अलाबू) लौकी
(अमृताफल) परवल
(अर्शोघ्न) ज़मींकन्द
(अण्डज) मछली, पक्षी
(अज) वकरा
(अजा) वकरी
(अवि) भेंड़ा
(अनडुह) वेल
(अर्वन्) घोड़ा
(अन्धस्) भात
(अन्न) भात
(अङ्गारकर्कटी) घाटी, लीटी
(अलीकमत्स्य) पानकासहिड़ा
(अम्लिकाफलपानक) इमलीकापना
(अप्) पानी
(अमृत) पानी
(अम्भस्) पानी
(अर्णस्) पानी
(असिपत्र) ईख
(अग्निशिख) केशर, कुसुम्भ, कुसुम
(अग्नि) चीता, भिलावाँ
(अरिवत) अमलतास

(आ)

(आर्द्रक) अदरक
(आर्द्रिका) अदरक
(आरग्वध) अमलतास
(आम्रगन्धा) कपूरहल्दी
(आसुर) विडनोन
(आफूक) अफीम
(आमण्ड) सफेद अरण्ड
(आस्फोट) लालमदार
(आटरूप) अरूसा
(आटरूपक) अरूसा
(आस्फोता) विष्णुकान्ता
(आत्मगुप्ता) केवांच
(आखुकर्णी) चड़ीदत्यून, या, चघरण्डा, मूसाकर्णी
(आखुपर्णी) चड़ीदत्यून या वघरंडा मूसाकर्णी
(आकाशवल्ली) अमरवेल
(आनन्दा) वरसातीवेल

(आर्त्तगल) नीलीकटसरैया
(आभापपदमोदिनी) बबूल
(आपीन) तुनि
(आम्र) आम
(आम्रावर्त्त) अमावट, अमरस
(आम्रबीज) आमकी बिजली
(आम्रातक) अम्बार, अमरा
(आम्रात) राजाम्र
(आयस) लोहा
(आर) पीतल
(आरकूट) पीतल
(आल) हरताल
(आढकी) सोरठी मट्टी, अरहर
(आसुरी) राई
(आचारी) हुरहुर
(आरुक) आलू
(आलुक) आलू
(आलुकी) अरुई
(आमिष) मांस
(आर्द्रकवट) अदयरा, मूंगकीडुबकी
(आज्य) घी
(आस्फीता) विष्णुकान्ता, सारिवा

(इ)

(इष्ट कापथक) खसके समान पीले रंग का एकतृण
(इक्षुगन्धिका) गोखुरू
(इक्षुरस) कास
(इक्षवालिका) कास
(इक्षुगन्धा) कास, विदारीकन्द, तालमखाना, गोखुरू
(इन्द्रवारुणी) इन्द्रायन
(इन्द्रदारु) देवदारु
(इन्द्रयव) इन्द्र जौ
(इन्द्राक्ष) ऋषभक
(इन्द्र) कुरैया
(इज्जल) समुद्र फल
(इन्दीवरी) सतावर
(इक्षुरक) तालमखाना
(इक्षुवालिका) तालमखाना
(इन्दीवर) नीलकमल
(इंद्रद्रु) अर्जुनका वृक्ष, देवदारु, कुरैया
(इरिमेद) दुर्गन्धित खैर
(इंगुद) गोंदी
(इंगुल) सिंगरफ
(इंद्रनील) नीलम
(इक्ष्वाकु) कड़वी लौकी
(इल्लस) हिलसा मछली
(इक्षु) ईख

(उ)

(उपकुल्या) पीपल, पीपरि
(उग्रगन्धा) अजवाइन, बच, कुलिंजन
(उपकुञ्ची) कलौंजी
(उपकुंचिका) कालाजीरा
(उपकालिका) कालाजीरा
(उद्गारशोधन) कालाजीरा
(उग्रा) बच
(उत्पल) कूट
(उपविषा) अतीस
(उग्रगंध) लहसन

(उदधिसम्भव) पांगानोन
(उलूखल) गूगुर
(उपकुंचिका) छोटी इलायची
(उत्कट) तज
(उदीच्य) सुगन्धवाला
(उशीर) खस
(उरुबूक) लालअरण्ड
(उत्तानपत्रक) लालअरण्ड
(उन्मत्त) धतूरा
(उद्रेका) बकाइन
(उदकीर्य) डहरकंजा
(उच्चटा) स्वेत घोंघची
(उरच्छ) गन्धपटेर
(उडुंबरपर्णी) छोटी दत्यून, जमाल गोटेका पेंड़
(उपचित्रा) बड़ी दत्यून, बघरण्डा
(उडुम्बर) गूलर, तांबा
(उद्वेग) छोटी सुपारी
(उद्दाल) लसोड़ा, बनकोदव
(उमा) अलसी
(उपोदिका) पोय
(उरण) भेंड़ा
(उरभ्र) भेंड़ा
(उक्षन्) बैल
(उदश्वित्) मट्ठा जिस में आधा जल मिलाहो
(उदक) पानी

(ऊ)

(ऊर्वी) ऊंची
(ऊर्णायु) भेंड़ा
(ऊर्ध्वपुष्प) गुड़हल
(ऊषण) सोंठ, मिर्च, पीपलामूल
(ऊषणा) पीपरि, चव्य

(ऋ)

(ऋषभ) ऋषभक, बैल
(ऋष्य) नीलेरंग का हिरन
(ऋष्यप्रोक्ता) केवांच, ककहिया, महासतावर

(ए)

(एलापर्णी) रासना
(एडगज) पवांड़
(एला) बड़ी इलायची
(एलवालुक) एलुवा
(एलालू) एलालू
(एरका) मोथीनाम तृण विशेष
(एकष्ठीला) पाढ़र
(एरण्डफला) छोटीदत्यून, जमाल गोटेका पेंड़
(एकष्ठील) बड़ी मौलसिरी
(एर्वारु) ककड़ी
(एण) काला हरिण
(एड़क) भेंड़ा, डुंबा भेंड़ा
(एरङ्गी) अरंगी मछली

(ऐ)

(ऐन्द्री) इन्द्रायण, बड़ीदंती
(ऐलेय) एलुआ

(ओ)

(ओदन) भात
(ओल) जमींकन्द
(ओष्ठोपमफला) कुंदुरू

(औ)

(औदुम्बर) तांबा
(औद्भिद) कचनोन, पानी जो ज़मीनको खोदकर गहरे स्थानसे बड़ी धारा के साथ निकलता है

(क)

(क) पानी
(कर्षफल) बहेड़ा
(कलिद्रुम) बहेड़ा
(कलियुगालय) बहेड़ा
(कटुभद्र) सोंठि, अदरक
(कणा) पीपल, पीपरि, सपेदजीरा
(कटुत्रिक) त्रिकटु
(कपिवल्ली) गजपीपल
(कर्कश) कबीला, कसौंदी
(कर्णिकार) अमलतास, धनबहेरा, कर्णिकार
(कटुका) कुटकी
(कटुकी) कुटकी
(कटुतिक्त) चिरायता
(कटुरोहिणी) कुटकी
(कटुम्भरा) कुटकी, सोनापाठा
(कलिंग) इन्द्रजौ
(कंगुनी) मालकांगनी
(ककुन्दनी) मालकांगनी
(कटभी) मालकांगनी, कटभी
(करहाट) मैनफल, भसींड़
(कर्कटाख्या) काकड़ासींगी
(कर्कटशृङ्गी) काकड़ासींगी
(कटुपर्णी) चोक
(कटूफल) कायफल
(कर्पूरा) कपूर, हल्दी
(कटङ्कटेरी) दारुहल्दी
(कतक) निर्मली
(कर्पूर) कपूर
(कस्तूरिका) कस्तूरी
(कस्तूरी) कस्तूरी
(कपितैल) शिलारस
(कपि) शिलारस
(कर्चूर) कचूर
(कल्पक) कचूर
(कपिला) रेणुकानाम सुगन्धित वस्तुविशेष,कपीलीतल
(कंकोल) शीतचीनी
(कपित्थपत्र) गलुवा
(कपोतचरणा) नलिकानामसे उत्तर देशमें प्रसिद्ध सुगन्धित वस्तुविशेष
(कट्वंग) सोनापाठा
(कटम्भर) सोनापाठा
(कलशी) पिठवन
(कण्टकारी) भटकटैया
(कंटालिका) भटकटैया
(कंटकिनी) भटकटैया
(कलिहारी) करिहारी
(करवीर) कनेर
(कनक) धतूरा
(कवच) पित्तपापड़ा
(करञ्ज) कञ्जा

(करञ्ज) कञ्जा
(करञ्जी) डहरकञ्जा
(करभंजिका) डहरकञ्जा
(कपिकच्छु) केवांच
(कण्डुरा) केवांच
(कसा) रोहिणी
(कंकतिका) ककहिआ
(कर्मार) वांस
(कतृण) रोहिस
(कच्छुरा) यवासा
(कषाया) जवासा
(कदंवपुष्पिका) महामुण्डी
(कपिपिप्पली) लाललटजीरा
(कन्या) घिडकुवार, वांझखकूसा
(कठिल्लक) लाल गदहपूरना
(कटम्भरा) गन्धप्रसारणी
(कलघण्टिका) कालीसांव
(कवरी) हिंगुपत्री
(कपोतवंका) व्राह्मी
(कर्कटी) सोनैया, ककड़ी
(कमल) कमल
(कर्णिका) कमलके भीतरका झुमका, सेवती गुलाव
(कदम्व) कदम
(कण्टकाढ्या) कूजा, सेमर
(कङ्केलि) अशोक
(कटसारिका) कटसरैया
(कठिल्लक) कालीवघई, करेला, लाल गदहपुरना
(कन्दगल) गजदण्ड सहोरा
(कपिचूत) गजदण्ड सहोरा
(कपीतन) गजदण्ड सहोरा, सिरसा, अम्वार, अमरा
(कमण्डल) गजदण्ड सहोरा
(ककुभ) अर्जुनकावृक्ष
(कण्टकी) खयर
(कदर) पपड़िया खयर
(कच्छक) तुनि
(कठेरक) तुनि
(करीर) करील
(कटुम्भर) कटभी
(कण्टकिफल) कटहल,वालमखीरा
(कदली) केला
(कदलीकुसुम) केलेकाफूल
(कपित्थ) कैथा
(कपिप्रिय) कैथा
(कर्कन्धू) वेर
(करमर्द) करौंदा
(करमर्दिका) छोटा करौंदा
(करक) अनार
(कतक) निर्मली
(कर्पराल) अखरोट
(कर्मरंग) कमरख
(कनक) सोना
(कलधौत) सोना
(कंसक) कांसा
(कठिनी) खड़िया
(कंकुष्ठ) मुर्दासिंग
(कलाय) मटर, केराव
(कटुकस्नेह) सरसों

(कदम्बक) सरसों
(कंगु) काकुन
(कर्दमक) शालि, धान
(कलम) शालि, धान
(कचट) जलचौराई
(कलम्बी) कलगी
(कलायशाक) मटरकाशाक
(कर्कारु) बहुतछोटा पेठा, कुम्हड़ा
(कटुतुम्बी) कड़वीलौकी
(कर्कशच्छद) परवल
(कर्कोटकी) खेखसा
(कन्द) ज़मींकन्द
(कन्दल) ज़मींकन्द
(कदलीकन्द) केराकन्द
(कलविङ्क) गौरैया
(कलध्वनि) पिंडुकी
(कपोत) पिंडकी, कबूतर
(कलापी) मोर
(कलरव) कबूतर
(कच्छप) कछुआ
(कमठ) कछुआ
(कविका) कवईमछली
(कर्पूरनालिका) कर्पूरनालि, एक प्रकार से बनाई हुई मिठाई
(कान्ता) प्रियंगु
(काकपुच्छा) भटोरा
(कारमरी) गंभारी
(काश्मीरी) गंभारी
(काश्मर्य) गंभारी
(कालस्थाली) पाढ़रि
(काष्ठपाटला) घण्टापाढ़रि
(काकपर्णी) बनमूंग
(काकमुद्गा) बनमूंग
(कांबोजी) बनउर्दी
(कार्मुक) बकाइन
(काश्चनार) कचनार
(काश्चनक) कचनार
(कालिंग) कुरैया
(काकचिश्ची) लालघुंघची
(काकानान्ता) लालघुंघची
(काकादनी) लालघुंघची
(काकपीलु) लालघुंघची
(काकवल्लरी) लालघुंघची, स्वर्णवल्ली
(काकायुः) स्वर्णवल्ली
(कार्पास) कपास
(काश) कास
(काशेक्षु) कास
(कालमेषिका) कालानिसोथ
(कालदोला) नील
(कलकेशी) नील
(काकेक्षु) तालमखाना
(काण्डेक्षु) तालमखाना
(काकमाची) मकोय
(काकाह्वा) मकोय
(काकनासा) कौवाटोडी
(काकांगी) कौवाटोडी
(काकतुण्डफला) कौवाटोडी
(काकजंघा) मसी

(काकतिक्ता) मसी
(काका) मसी
(कामुक) मोतिया
(काकोडुम्बरिका) कठिया गूलर, कठूंभर
(कार्श्य) साल, साखू
(कालस्कन्ध) दुर्गन्धित खयर, तमाल, तेंदू
(कान्तलक) तुनि
(कामाङ्ग) आम
(कामाङ्ग) राजाम्र
(कालिंग) तरबूज
(कालिन्द) तरबूज
(कालस्कन्ध) तेंडुआ
(कालतिन्दुक) कुचले का वृक्ष
(कालपीलुक) कुचले का वृक्ष
(काकेन्दु) कुचले का वृक्ष
(काककर्कटी) खजूर, पिंडखजूर, छोहारा
(काञ्चन) सोना
(कार्त्तस्वर) सोना
(कालायस) लोहा
(कांस्य) कांसा
(कापोताञ्जन) सुरमा
(कान्तपाषाण) चुम्बकपत्थर
(काशीश) हीराकसीस
(काङ्क्षी) सोरठीमट्टी
(कालकुष्ठ) मुर्दासिंग
(कालकूट) एक प्रकारका विष, पीपलकेसमान वृक्षकागोंद
(काञ्चनक) शालि
(काण्डेर) चौराई
(कालक) नारी, केरमुआँ
(कालशाक) नारी, केरमुआँ
(कासमर्द) कसौंदी
(कासारि) कसौंदी
(कासमर्ददल) कसौंदीकेपत्ते
(कारवेल्ल) करैला
(कारवेल्ली) करैली
(कासभञ्जन) परवल
(कालकण्टक) गौरैया
(कालज) मुर्गा
(कासर) भैंसा
(कादम्बरी) मद्य, शराब
(कान्तारेक्षु) केताराईख
(कालानुसार्य) कालीयक, तगर, शिलाजीत
(काश्मीर) केसर, पुष्करमूल, गम्भारी
(काक) काकमाची, काकोली, घुंघची, काकजंघा, काकनासा, काकोदुम्बरिका, काकाह्वय
(कारवी) कालाजीरा, सौंफ, अजमोद
(कालमेषी) मजीठ, बकुची, कालानिसोत

(कि)

(किंकिराट) बबूल
(किंकिरात) बबूल, किंकिरात, गो-

ड़देशमें प्रसिद्धहै
(किंजल्क) कमलकीकेशर
(किंशुक) पलाश
(किट्टी) कीटी, तपायेहुये लोहे का मैल
(किणिही) लटजीरा
(कितव) भटेउर, नेपालमें प्रसिद्ध है, धतूरा
(किलाटक) खिझरी, फटेहुये दूध को पकाकर जो बनाते हैं

(की)

(कीटमाता) हंसपदी
(कीलाल) पानी

(कु)

(कुरुविन्द) मोथा
(कुक्कुर) कुकरौंधा
(कुटन्नट) केवटीमोथा, या जल मोथा, सोनापाठा
(कुण्डली) गिलोय, कचनार
(कुवेराक्षी) पाढरि
(कुली) घड़ी भटकटैया
(कुद्दाल) कचनार
(कुकुटज) कुरैया
(कुश) कुश
(कुष्ठगन्धिनी) असगन्ध
(कुनाशक) यवासा
(कुमारी) घिउकुवार
(कुकुन्दर) कुकरौंधा
(कुशेशय) कमल
(कुवलय) कोकावेली
(कुमुद) कोकावेली
(कुमुदती) जड़, दण्डी तथा पत्ते सहित कोकावेली
(कुमुदिनी) जड़, दण्डी तथा पत्ते सहित कोकावेली
(कुम्भिका) पुरइन
(कुब्जक) कूजा
(कुरण्टक) वाणपुष्प, गौड़देशप्रसिद्ध पीली कटसरैया
(कुरवक) लाल कटसरैया
(कुन्द) कुन्द
(कुलपुत्रक) दवना
(कुठेरक) कालीववई
(कुन्दुरुकी) सलई
(कुपील) कुचिलेकावृक्ष, परवल
(कुलक) कुचिलेकावृक्ष, परवल
(कुवल) बेर
(कुहा) बेर
(कुमुदवीज) कोकावेलीकाफल
(कुनटी) मैनसिल, धनियां
(कुलत्थ) कुलथी
(कुलत्थिका) कुलथी
(कुधान्य) क्षुद्रधान्य, काकुनआदि
(कुसुम्भवीज) वर्रे, कुसुमकेबीज
(कुक्कुट) शिरियारी, मुर्गा
(कुष्ठहा) परवल
(कुरंग) हरिण जिसका रंग कुछ लालहो
(कुलिङ्ग) गौरैया

(कुण्डलिनी) जलेबी
(कुल्माष) घुघुरी

(कू)

(कूटज) कुरैया
(कूटशाल्मलि) कालासेमर
(कूर्चशीर्षक) नारियल
(कूष्माण्ड) कुम्हड़ा, पेठा
(कूष्मांडी) बहुतछोटा पेठा
(कूलक) परवल
(कूर्म) कछुआ
(कूर) भात
(कूष्माण्डवटी) कुम्हड़ौरी

(कृ)

(कृकवाकु) मुर्गा
(कृमिघ्न) वायुविड़ंग, हल्दी
(कृमिघ्ना) हल्दी
(कृमिज) अगर
(कृमिजग्ध) अगर
(कृमिकृत्) कालीराई
(कृष्णसर्षप) कालीराई
(कृतमाल) अमिलतास
(कृतवेधना) तरोई
(कृमिवृक्ष) कोशाम्भ, कोशाम्र
(कृष्ण) मिर्च, पापड़ी या चकवत
(कृष्णकाय) भैंसा
(कृष्णभेदा) कुटकी
(कृष्णफला) बकुची, सुवरासेम
(कृष्णबीज) तरबूज
(कृष्णला) सफेद घुँघुची
(कृष्णपाकफल) करोंदा
(कृष्णवृन्ता) गँभारी, पाढ़र, वनउर्दी
(कृष्णा) सेंवतीगुलाब, पीपरि, कालाजीरा, नील
(कृशरा) खिचरी
(कृशोदरी) गोरीसांव
(कृष्णवर्ण) रीठा
(कृष्णसारा) सीसम, सिरसई

(के)

(केकी) मोर
(केतक) केवड़ा
(केमुक) केमुआँ
(केशपर्णी) लाल लटजीरा, लहचिचरा
(केशरञ्जन) भँगरा
(केशराज) भँगरा
(केशहंत्री) शमी
(केशा) वकायन

(कै)

(कैरव) कोकाबेली
(कैरविका) जड़, डण्डी और पत्ते सहित कोकाबेली
(कैरविणीफल) कोकाबेली का फल
(कैवर्त्तीमुस्तक) केवटीमोथा, या जलमोथा
(कैपिका) कालानिसोथ

(को)

(कोलक) शीतलचीनी
(कोशफल) शीतलचीनी
(कोटिवर्षा) सुगन्धि
(कोविदार) कचनार

(कोटि) कुरैया
(कोला) काला निसोथ
(कोकिलाक्ष) तालमखाना
(कोकनद) लाल कमल
(कोशाम्र) कोशम्भ
(कोल) बेर
(कोली) बेर
(कोमलवल्कला) हरफारेवड़ी
(कोद्रव) कोदव
(कोरदूप) कोदव
(कोलशिम्बि) सुवरासेम
(कोशातकी) दोनों तरोई

(कौ)

(कौन्ती) रेणुका नाम एक सुगन्धित वस्तु

(क्र)

(क्रकर) करील
(क्रकचच्छद) केवड़ा
(क्रमुक) सुपारी का वृक्ष, सहतूत, ब्रह्मदारु, पठानी लोध
(क्रव्य) मांस

(क्रू)

(क्रूरकर्मा) अर्कपुर्णी

(क्रो)

(क्रोडकसेरुक) नागरमोथा
(क्रोष्ट्री) विदारीकन्द
(क्रोष्टुविन्ना) पिठवन

(क्ली)

(क्लीतक) नील

(क्व)

(क्वथिता) कढ़ी

(क्ष)

(क्षत्रवृक्ष) मुचुकुन्द
(क्षयतरु) घेलिया पीपर
(क्षव) काली राई
(क्षवकृत्) नकछिकनी
(क्षार) सोहागा, जवाखार, सज्जी
(क्षारपत्र) बथुई
(क्षारवृक्ष) पलाशके समान पहाड़ीवृक्ष, मोक्ष
(क्षारश्रेष्ठ) पलाश, पलाश के समान पहाड़ीवृक्ष घंटापाटला
(क्षीर) दूध
(क्षीरशाक) खिरिसा, बिना पकाये फटाहुआ दूध
(क्षीरवल्ली) विदारीकंद
(क्षीरशुक्ला) विदारीकंद
(क्षीरा) दूधी
(क्षीरिका) खिरनी, खीर
(क्षीरिणी) दूधी, क्षीरकाकोली, सफेद अनन्तमूल
(क्षीरी) बरगद, घेलिया पीपर

(क्षु)

(क्षुद्रभण्टाकी) बड़ी भटकटैया
(क्षुद्रा) बड़ी भटकटैया
(क्षुरक) गोखुरू, तालमखाना, तिलक, एक प्रकार का रांगा, बंग

(क्षुरपत्र) डाभ
(क्षुर) तालमखाना
(क्षुद्रवर्षाभू) लालगदहपूरना
(क्षुद्राम्र) कोशम्भ, कोशाम्र
(क्षुद्रपणस) बड़हल
(क्षुमा) अलसी
(क्षुज्जनिका) राई
(क्षुधाभिजनक) काली राई
(क्षुद्रधान्य) काकुन इत्यादि

(क्षे)

(क्षेत्रदूतिका) सफेद भटकटैया
(क्ष्वेड) जहर

(क्षौ)

(क्षौद्र) सहत

(ख)

(खग) पक्षी, चिड़िया
(खटिका) खड़िया
(खण्डक) खेसारी, अक्सा
(खदरिका) लज्जावंती
(खदिर) खयर, कत्था
(खरत्वक्) खेतकी लज्जावंती
(खर्परी) खपरिया, तूतियाभेद
(खरपर्णिनी) गावजवां
(खरपुष्पा) बबई
(खर्बूज) खरबूजा
(खरमंजरी) लटजीरा, लहचिचड़ा
(खरस्कन्ध) चिरौंजी
(खरस्पर्शा) पीली सोनैया

(ग)

(गन्धकटी) मरोरफली
(गन्धमूलिका) गन्धपलाशी नाम सुगन्धित वस्तु कश्मीरमें प्रसिद्धहै
(गन्धारिका) गन्धपलाशी नाम सुगन्धितवस्तु कश्मीर में प्रसिद्धहै
(गन्धारी) जवासा, गन्धपलाशी
(गन्धवधू) गन्धपलाशी नाम सुगन्धित वस्तु कश्मीर में प्रसिद्धहै
(गन्धपलाशी) एकप्रकारकी सुगन्धितवस्तु कश्मीर में प्रसिद्धहै
(गन्धप्रियंगु) प्रियंगुविशेष
(गणहासक) भटेउर नेपालमें प्रसिद्धहै
(गन्धकोकिला) सुगन्धित वस्तुविशेष
(गन्धमालती) सुगन्धितवस्तु विशेष
(गम्भारी) गंभारी
(गणिकारिका) अरणी
(गर्भदा) सफेद भटकटैया
(गन्धर्वहस्तक) सफेद अरण्ड
(गणरूप) सफेद मदार
(गर्भनुत्) करिहारी
(गण्डारि) कचनार
(गण्डदूर्वा) गांडर
(गण्डाली) गांडर, सरहटी
(गन्धान्ता) असगन्ध

(गवाक्षी) इन्द्रायन
(गवादनी) इन्द्रायन
(गरागरी) सोनैया
(गरनाशिनी) पीली सोनैया
(गन्धाढ्या) सेवती गुलाब
(गणिका) जूही
(गन्धफली) चम्पाकीकली, प्रियंगु, मालकांगनी
(गन्धपुष्प) अशोक
(गन्धोत्कट) दवना
(गजाशन) पीपर
(गर्दभाण्ड) गजदण्ड, सहोरा
(गजपादप) घेलिया पीपर
(गजभक्ष्या) सलई
(गर्भपातन) रीठा
(गर्भकर) पतोंजिया
(गन्धक) गन्धक
(गन्धपाषाण) गन्धक
(गन्धिक) गन्धक
(गगन) अभ्रक
(गंधरस) घोल
(गरल) विष, जहर
(गवेधु) गरहडुआ, मुनिअन्नविशेष, माघी सावां
(गवेधुका) गरहडुआ, मुनिअन्नविशेष, माघी सावां
(गजकर्णा) हस्तिकर्णा
(गवय) बड़े शरीरवाला हिरन
(गलस्तनी) बकरी
(गंधर्व) घोड़ा
(गर्भी) गिरई
(गर्गर) गर्गरा मछली
(गण्डीर) मंजीठ, गांड़र

(गा)

(गांगेरुकी) गुलसकरी
(गान्धारी) जवासा
(गायत्री) खयर
(गालोड्य) कमलगट्टा
(गाङ्गेय) सोना
(गारुत्मत) पन्ना
(गिरिकर्णी) विष्णुक्रान्ता
(गिरिज) शिलाजीत, गेरू, सुनहरी गेरू
(गिरिमल्लिका) कुरैया
(गिरिसानुजा) त्रायमान
(गुच्छक) भटोरा
(गुडपुष्प) महुआ, बनमहुआ
(गुडफल) पीलू
(गुडमूल) ईख, गन्ना
(गुडा) सेहुंड़ा
(गुडूची) गुर्च, गिलोय
(गुन्द्र) गन्धपटेर, सरपत
(गुन्द्रफला) प्रियंगु, काकुन
(गुन्द्रमूला) मोथी एकतरहका तृण
(गुन्द्रा) नागरमोथा, प्रियंगु, मोथी
(गुवाक) सुपारी का पेड़
(गुहा) सरिवन, पिठवन
(गुह्यबीज) भूस्तृण

(गै)

(गैरिक) गेरू, सुनहरी गेरू

(गेरेय) शिलाजीत, गेरू, सुनहरी गेरू

(गो)

(गो) गो, बैल
(गोकर्णी) चिनार
(गोक्षुर) गोखुरू
(गोजिका) गोभी, गावजवां
(गोजिह्वा) गोभी, गावजवां
(गोभी) गोभी, गावजवां
(गोकण्टक) गोखुरू
(गोधूम) गेहूं
(गोवृन्द) धामिन
(गोरकन्या) गोरीसांप
(गोरसर्पी) गोरीसांप
(गोरा) गोरीसांप
(गोरवधू) कालीसांप
(गोर्दी) कालीसांप
(गोरम्भ) पोल
(गोनर्द) केवटीमोथा, जलमोथा
(गोलु) केवटीमोथा, जलमोथा
(गोरा) मैनसिल
(गोलीढ) मोच, पलाश के समान पहाड़ी वृक्ष
(गोडीढ) मोष, पलाश के समान पहाड़ी वृक्ष
(गोवन्दनी) धव, सफेद दूब
(गोस्तनकर्कटी) ककड़ी
(गोस्तनी) दाख, मुनक्का

(गौ)

(गौरसुवर्णक) लालरंगकी बथुई
(गौरक) लवा
(गौरतित्तिरि) चितला तीतर
(गौरी) तुलसी
(गौरीधुरन्धर) धवई

(गृ)

(गृष्टि) बिलाईकन्द या गेंठी
(गृहकन्या) घिउकुवार
(गृहकूलक) चिचिंडा
(गृञ्जन) गाजर

(ग्र)

(ग्रन्थिपर्ण) भटोरा
(ग्रन्थिक) भटोरा
(ग्रन्थिमान्) हरसिंगार
(ग्रंथिल) करील, कँटाई
(ग्राम्या) तुलसी
(ग्रामीणा) नील

(घ)

(घट) धवई
(घण्टा) सनपुष्पी
(घण्टापाटलि) घण्टापाटलि
(घनरस) पानी

(घु)

(घुणप्रिया) छोटी दरख्त जमालगोटे का पेड़

(घों)

(घोटक) घोड़ा
(घोटकारि) भैंसा
(घोटिका) बड़ी नोनियां
(घोण्ट) सुपारी का वृक्ष
(घोण्टा) बेर, सुपारी

(घोल) मलाई युक्त निर्जल मट्ठा
(घोप) कांसा
(घोपक) घियातरोई

(घृ)

(घृत) घी
(घृतकुमारिका) घिउकुआर
(घृतपूर्ण) कांटेदार कंजा
(घ्राणदुःखदा) नकछिकनी
(चक्रवर्तिनी) पापड़ी या चकवत
(चक्षुष्य) पुण्डेरी
(चक्रलक्षणिका) गिलोय
(चंद्रहासा) गिलोय,सफेद भटकटैया
(चंद्रभा) सफेद भटकटैया
(चंद्री) सफेद भटकटैया
(चंद्रपुष्पा) सफेद भटकटैया
(चञ्चु) लालअरण्ड,चेचुना
(चर्मकषा) सेहुंडभेद, मांसरोहिणी
(चण्डात) लालकनेर
(चमरिक) कचनार
(चर्मकसा) रोहिणी
(चक्षुवेष्टन) सरपत
(चर्मकारालुक) गेंठी
(चंद्रमा) गोरी, सांप
(चक्राह्वा) सुदर्शन
(चम्पक) चम्पा
(चलपत्र) पीपर
(चतुरम्ल) अमलवेत, चूकशाक,घ-ड़ा जंभीरी,नींबू ये चार
(चंद्रकांति) रूपा, चांदी
(चपल) पारा
(चर्मार) सफेद, सिंगरफ
(चंद्र) हीरा
(चपल) वोंड़ा, लोबिया
(चवल) वोंड़ा, लोबिया
(चणक) चना
(चंचुकी) चेचुना
(चणकशाक) चेनका शाक
(चटक) घगेरा, गौरैया
(चरणायुध) मुर्गा
(चंद्रकी) मोर
(चाङ्गेरी) अमलोनियां
(चाणक्यमूलक) मूली
(चामीकर) सुवर्ण, सोना
(चाम्पेय) चंपा,नागकेसर,पद्मकेसर
(चार) चिरौंजी
(चारुक) सरबीज
(चारुकेशरा) सेवती, गुलाब
(चिञ्चा) इमली, चेचुना
(चिञ्चिका) इमली
(चिचिण्ड) चिचिण्डा
(चिचोड़) मोथाके समान आकृति वाला छोटा कसेरू
(चित्र) सफेदरेंड़, पटेर
(चित्रपक्ष) पिण्डुकी
(चित्रपर्णी) पिठवन
(चित्रा) बड़ीदन्तून, इन्द्रायण
(चित्रक) मुचकुन्द
(चिपिट) चिउरा
(चिरबिल्व) कंजा
(चिल्लक) चील्ह

(चिर्भिट) ककड़ी, कचरी
(चीनाका) सावां
(चीरितच्छदा) पालक
(चु)
(चुक्रा) इमली
(चुक्रिका) इमली, चाङ्गेरा, अमलोनियां, चूक
(चुक्र) अमलवेत, विपाम्बिल,
(चुम्बक) चुंबक पत्थर, चूक
(चेतकी) हड़
(चेतिका) चमेली
(छ)
(छच्छिका) छाछ, वहुत जलयुत मक्खन निकाला हुआ मट्ठा
(छत्रा) धनियां, भूस्तृण
(छत्रिका) सौंफ, सोवा
(छर्दन) मैनफल
(छाग) बकरा
(छागल) बकरा
(छागी) बकरी
(छिक्नी) नक छिकनी
(छिक्किका) नक छिकनी
(छिन्न पुष्पक) तिलक
(छिन्नरुहा) गिलोय, गुर्च
(छिन्ना) गिलोय, गुर्च
(छिन्नोद्भवा) गिलोय, गुर्च
(छिलिहिण्ट) पाताल गरुडी
(छुरिका) पालक
(छेदक) बकरा
(छेलिका) बकरी
(ज)
(जतुका) पापड़ी, चकवत
(जननी) पापड़ी, चकवत
(जनी) पापड़ी, चकवत
(जतुकृष्ण) पापड़ी, चकवत
(जतुकृत्) पापड़ी, चकवत
(जय) अरणी
(जया) अरणी
(जयन्ती) अरणी
(जलवेत) जलवेत
(जंबुकप्रिय) भूस्तृण
(जलकामुका) अर्कपुष्पी
(जलकारिका) लज्जावन्ती
(जटा) भुइँ आँवला
(जलपिप्पली) जलपीपरि
(जम्बुक) केवड़ा
(जपा) गुड़हल
(जन्तुफल) गूलर
(जघनेफला) कठियागूलर, कठूंभर
(जटी) पाकर
(जलद) कुचिलेकावृच
(जलजम्बुका) छोटीजामुन
(जलफल) सिंघाड़ा
(जम्बीर) जम्भीरीनींबू
(जम्भ) जम्भीरीनींबू
(जम्भल) जम्भीरीनींबू
(जम्भीर) जम्भीरीनींबू
(जलतण्डुलीय) जलचौराई
(जल) पानी

(जाङ्गली) नारियल
(जातरूप) सुवर्ण
(जाति) चमेली
(जाती) चमेली
(जाम्बूनद) सुवर्ण, सोना
(जालि) जारी, पिसेहुये कच्चेआममें राई नोन और भुनी हींग मिलाके घोलकर बनाते हैं
(जालिनी) तरोई
(जिङ्गिनी) जिंगनी
(जीमूत) सोनैया
(जीव) बकायन
(जीवन) पानी
(जीवनगण) अष्टवर्ग, जीवन्ती, मुलेठी, वनमूंग, वनउर्द
(जीवनीयगण) अष्टवर्ग, जीवन्ती, मुलेठी, वनमूंग, वनउर्द
(जीवनी) जीवन्ती, डोंड़ीनामका शाक
(जीवन्ती) गिलोय, डोंड़ीनाम शाक, बांदा
(जीवनीया) जीवन्ती, डोंड़ीनाम शाक
(जीवा) जीवन्ती, डोंड़ीनाम शाक

(झ)

(झष) मछली
(झषा) गुलसकरी
(झर्झरिका) धुआंसकी रोटी
(झिङ्गी) जिङ्गनी
(झिङ्गिनी) जिङ्गनी

(ट)

(टङ्कारि) टंकारी
(टङ्क) राजाम्र
(टङ्कण) सोहागा
(टिण्टिणिका) जलशिरस
(टुण्टुक) सोनापाठा

(ड)

(डिण्डिश) टिंडा
(डुहु) बड़हल
(डोंडिका) करेरुआ
(डोढिका) करेरुआ

(त)

(तंत्रिका) गिलोय
(तर्कारी) अरणी
(तरुण) सफेदअरण्ड
(तपोधना) मुण्डी
(तरुणी) सेवतीगुलाब
(तपोधन) दवना
(तपनीय) सोना
(तन्तुभ) सरसों
(तण्डुलीबीज) चौराई
(तण्डुलीय) चौराई
(तण्डुलेरक) चौराई
(तक्रमांस) अखनी
(तलित) तलाहुआ मांस
(तक्रपिण्ड) दही वा मट्ठेसे दूधको फाड़कर कपड़े से बांधके उसके जलको

निकालकर जो बनताहै
(तक्र) मट्ठा, जिसमें चौथाई जल मिलाहो
(तापसद्रुम) गोंदी
(तापसेष्ट) चिरोंजी
(तापहरी) ताहरी
(ताप्य) सोनामक्खी
(तापीज) सोनामक्खी
(तामरस) कमल
(तामलकी) भुइँआँवला
(ताम्बूल) पान
(ताम्बूली) पान
(ताम्बूलवल्ली) पान
(ताम्र) अरूसा, तांबा
(ताम्रचूड़) कुकरौंधा, मुर्गा
(ताम्रपल्लव) अशोक
(ताम्रपुष्प) कचनार
(ताम्रपुष्पी) धाहरि, धवई, काला निसोथ
(तार) चांदी
(तारमाक्षिक) रूपामक्खी
(ताल) हरताल, ताड़
(तालक) हरताल
(तालपर्णी) मुसली, मरोरफली
(तालमूली) मुसली
([illegible]) [illegible]
(तिक्त) चरपरा
(तिक्तक) नीम, गोंदी
([illegible]) [illegible]
([illegible]) [illegible]
(तित्तिरि) कालेरंगकातीतिर
(तिनिश) तिरिच्छ
(तिन्दुक) तेंदुआ
(तिन्तिडीक) विषांबिल
(तिन्तिडी) इमली
(तिन्तिडीका) इमली
(तिल) तिल
(तिलक) तिलक
(तिलकिट्ट) खरी
(तिलखलि) खरी

(ती)

(तीक्ष्णगन्धक) सहिंजन
(तीक्ष्णा) नकछिकनी
(तीक्ष्ण) लोहा
(तीक्ष्णगन्धा) राई
(तुङ्गस्कन्धफल) नारियल
(तुङ्गा) शमी
(तुत्थी) थवई
(तुत्था) नील
(तुण्डकेरी) कपास, कुन्दुरू
(तुणिक) तुनि
(तुण्डी) कुन्दुरू
(तुन्न) तूनिया
(तुत्थक) खपरिया, तूतियाभेद
(तुन्नक) तूनि
(तुम्बी) लौकी
(तुरग) घोड़ा
(तुरङ्ग) घोड़ा
(तुरङ्गम) घोड़ा
(तुलसी) तुलसी

(तुवरी) अरहर, तोरी, चवई, सो-
रठी मट्टी
(तूणी) तुनि
(तूत) सहतूत
(तूरी) धतूरा
(तूलिनी) सेमर
(तूली) नील
(तेजन) घांस, सरपत
(तेजनी) चिनार, मालकांगनी,
मरोरफली
(तैलपर्णक) भटोरा
(तोक्य) जौ, छोटा और हरेरंग
का होताहै
(तोय) पानी
(तृणधान्य) क्षुद्रधान्य, काकुनआदि
(तृणध्वज) घांस
(तृणराज) नारियल, ताड़
(तृणान्त) तिन्नी
(त्रपु) लालरांगा, वंग
(त्रपुष) वालमखीरा
(त्रायन्ती) त्रायमान
(त्रायमाणा) त्रायमान
(त्रिकण्ट) गोखुरू
(त्रिकोणफल) सिंघाड़ा
(त्रिपर्णी) सरिवन
(त्रिपादिका) हंसपदी
(त्रिपुट) खेसारी, अक्सा
(त्रिपुटा) सफेदनिसोथ, छोटीइ-
लायची
(त्रिभण्डी) सफेदनिसोथ
(त्रिवृत्) निसोथ
(त्रिवृता) सफेदनिसोथ
(त्रिसन्ध्या) गुड़हल
(त्वक्सार) घांस
(त्वचिसार) घांस
(त्वक्सुगन्ध) नारंगी
(त्वाष्ट्री) ब्रह्ममांडूकी

(द)

(दक्ष) मुर्गा
(दण्डमत्स्य) दंडारी मछली
(दद्रुघ्न) पवांड़
(दद्रुघ्नपत्र) पवांड चकवड़ के पत्ते
(दधित्थ) कैथा
(दधिफल) कैथा
(दन्तधावन) खयर
(दन्तवीज) अनार
(दन्तशठ) कैथा, जंभीरी नींबू
(दन्तशठा) इमली, अमलोनियाँ
(दन्ती) दत्यून
(दमनक) दवना
(दरद) सिंगरफ
(दर्दुर) अभ्रक जो अग्निमें छोड़ने
से मेढ़क की तरह शब्द
करता है, मेढ़क
(दर्भ) कुश
(दर्भर) लवा
(दलहीनफला) सुलेमानी पिंड ख-
जूर
(दशमूल) सरिवन, पिठवन, भट-
कटैया, बड़ी व छोटी

गोखुरू, वेल, खंभारी, अरणी, पाढ़रि, सोना पाठा
(दशाङ्गुल) खरबूजा
(दाडिम) अनार
(दाडिमपुष्पक) लाल कंजा
(दान्त) दवना
(दार्विका) गावजवां
(दासपुर) जल मोथा या केवटी मोथा
(दासी) मसी, नीली कटसरैया
(दालि) दाल
(दाली) दाल
(दिविद) भात
(दिव्या) ब्रह्ममांडूकी
(दिव्यौषधि) मैनसिल
(दीप्यक) अजवाइन, अजमोद
(दीर्घकील) ढेरा वा अंकोल
(दीर्घच्छद) ईख गन्ना
(दीर्घदण्ड) सफेद रेंड़
(दीर्घपत्र) डाभ
(दीर्घपत्रक) कुचिले का वृक्ष
(दीर्घपत्रा) सरिवन, चेवुना
(दीर्घपत्रिका) सफेद गदह पुरैना
(दीर्घमूल) जवासा शालिपर्णी
(दीर्घवृत्त) सोना पाठा
(दीर्घशूक) शालि
(दीर्घाङ्गी) सरिवन
(दुष्प्रधर्षिणी) बड़ी भटकटैया
(दुःस्पर्शा) भटकटैया, केवांच
(दुःस्पर्श) जवासा, किवांच, भटकटैया
(दुरभिग्रह) जवासा
(दुरालभा) जवासा
(दुरालम्भा) जवासा
(दुर्ग्रहा) लटजीरा
(दुग्धिका) दूधी
(दुवर्ला) जलशिरस
(दुरारोहा) खजूर, पिण्डखजूर, छुहारा
(दुम्बक) डुंबा भेंड़ा
(दुग्धकूपिका) एक प्रकार की मिठाई जो इसी नाम से प्रसिद्ध है
(दुग्ध) दूध
(दूरजरत्न) वैदूर्य
(दूर्वा) दूब
(दूपक) शालि
(देवजग्ध) रोहिस
(देवता) धतूरा
(देवताण्डी) सोनैया
(देवदाली) सोनैया
(देवदुन्दुभी) तुलसी
(देवनिर्मिता) निलोय गुर्च
(देवी) सुगन्धितशाक विशेष, चिनार, मरोरफली, बांझ खेक्सा
(देत्या) मरोरफली
(दृढपृष्ठक) कछुआ
(दृढफल) नारियल
(दृढरङ्गा) फिटकरी

(दृढारङ्गा) फिटकरी
(द्रवन्ती) घड़ी दस्तून वा घघरएडा
(द्राविड) कचूर
(द्राक्षा) दाख, मुनक्का
(द्रोणपुष्पी) गूमा
(द्रोणा) गूमा
(द्रोणपुष्पीदल) गूमाका पत्ता
(द्वारदारु) भुइँसहा
(द्विजप्रिया) सोमलता
(द्विजा) रेणुका मिर्च के समान सुगन्धित वस्तु

(ध)

(धत्तूर) धतूर
(धनहर) भटेउर
(धनुर्वृक्ष) धामिन
(धनुष्पद) चिरौंजी
(धन्वङ्ग) धामिन
(धन्वयास) जवासा
(धमन) नरकुल
(धमनी) उत्तर देशमें होनेवाला नलिका नाम से प्रसिद्ध सुगंधित द्रव्य
(धर्मपत्तन) मिर्च
(धव) धवई
(धवल) अर्ज्जुन वृक्ष, पिंडुकी
(धातुकाशीश) हीरा कशीस
(धातुद्रावक) सोहागा
(धात्रीपत्र) तालीस
(धाना) बहुरी, भुनीजौ
(धान्य) धनियां, शालि आदि अन्न
(धान्याकपानक) धनियां का पना
(धामार्गव) लाललहचिचरा, दोनों तरोई
(धारा) गुर्च, क्षीर काकोली
(धावनि) पिठवन
(धावनी) भटकटैया
(धीरा) गिलोय
(धूमगन्धिक) रोहिस
(धूर्त्त) धतूर
(धूस्तूर) धतूर
(धेनुदुग्ध) ककड़ी
(ध्याम) रोहिस
(ध्रुव) बरगद
(ध्वांक्षमाची) मकोय

(न)

(नकुलेष्टा) नाई, रास्नाभेद
(नट) मैनफल, सोनापाठा, अशोक
(नन्दिनी) चनसुर
(नत) अगर
(नख) नखना
(नखी) छोटानखना
(नलद) खस, लामज्जकनाम खसके पीलेरंगका एक तृण
(नन्दिनी) रेणुकानाम सुगन्धित वस्तु विशेष
(नलिका) उत्तरदेशमें प्रसिद्ध सुगन्धवालाके समान सुगन्धितवस्तु
(नटी) नलिकानाम सुगन्धित वस्तु विशेष

(निशोत्रा) निसोथसफेद
(निकुम्भ) छोटी दत्यून, जमाल-गोटेकापेंड़
(निम्बुक) नींबू
(निम्बू) नींबू
(निम्बूक) नींबू
(निष्पाव) भटवांस
(निम्बूफलपानक) नींबूकापना

(नी)

(नीलपुष्प) भटोरा
(नीलदूर्वा) नीलीदूब
(नीली) नील
(नीलिनी) नील
(नीलिका) नील
(नीलपुष्पा) नील
(नीलीवृक्षाकृति) सरफोंका
(नीप) कदम
(नीला) कूजा
(नील) नीलम
(नीलपुष्पी) अलसी
(नीवार) तिन्नी
(नीलाण्डक) नीलेरंगकाहिरन
(नीलकण्ठ) मोर
(नीर) पानी
(नेत्रोपमफल) बादाम
(नेमि) तिनिश
(नैपाली) बसन्तीनेवारी, मैनसिल
(नैर्भर) झरनेकापानी
(न्यग्रोध) बरगद
(न्यग्रोधी) बरगद
(न्यंकु) बारहसिंहा
(पलाशी) एक प्रकार की सुगन्धित वस्तु कश्मीर देशमें प्रसिद्ध है
(पत्राढ्य) तालीस
(परिपेलव) केवटीमोथा, जलमोथा
(पर्पटी) पापड़ी, चकवत
(पत्रोर्ण) सोनापाठा
(पञ्चमूलवृहत्) वेल, खंभारी, पाढरि, अरणी और सोना पाठा यह पांचो
(पलंकषा) गोखुरू, गूगुल, लाख
(पञ्चमूललघु) सरिवन्, पिठवन्, भटकटैया, बड़ीभटकटैया तथा गोखुरू यह पांचो
(पयस्विनी) जीवन्ती, डोंडी नाम शाक, विदारीकंद
(पञ्चांगुल) सफेद अरण्ड
(पर्पट) पित्तपापड़ा, पापड़
(पर्पटक) पित्तपापड़ा
(परिव्याध) जलबेत, अमलतास
(पयस्या) अर्कपुष्पी
(पर्णिका) मूसा करणी
(पद्म) कमल
(पङ्केरुह) कमल
(पद्मिनी) जड़, नाल और पत्ते सहित कमल
(पद्मचारिणी) स्थल कमल
(पद्मा) स्थल कमल, भारंगी

(पानीयफल) मखाना
(पारद) पारा
(पांशुकाशीश) हीराकशीस
(पार्वती) अलसी
(पाण्डुक) शालि, परवल
(पाण्डुफल) परवल
(पांशुल) लचा
(पातर्णादी) मुर्गा
(पारावत) कबूतर
(पाठिन) पढ़िन मछली
(पायस) खीर
(पानीय) पानी
(पाथस्) पानी
(पाक्य) विडनोन, कालानोन, जवाखार
(पिकवल्लभ) आम
(पिङ्गला) कच्ची पीतल
(पिङ्गा) वंशपत्री
(पिचट) वंग, लालरांगा
(पिचुमन्द) नींव
(पिचुमर्द) नींव
(पिच्छा) सेमरका गोंद
(पिच्छिल) लसोड़ा
(पिच्छिला) सीसव, सिरसई, सेमर
(पिण्ड) लोहा, बोल
(पिण्डपुष्प) अशोक
(पिण्डार) पिंडार
(पित्तल) पीतल
(पिनाक) अभ्रक जो अग्नि में छोड़ने से पर्त्त २ अलग हो जाता है
(पिप्पल) पीपर
(पिण्याक) तिलकी खली
(पिशित) मांस
(पिष्टिका) पिट्ठी
(पिसली) अमलोनियां
(पीतरोहिणी) गम्भारी
(पीवरी) सरिवन्, सतावर
(पीतपुष्पा) सहदेई, खेखसा
(पीलुपर्णी) चिनार, कुन्दुरू
(पीतक) किंकिरात, गौड़देशमें प्रसिद्ध
(पीतभद्रक) किंकिरात
(पीतशालक) विजयसार
(पीतसार) विजयसार
(पीतफेन) रीठा
(पीतफलक) सहोरा
(पीतन) अम्बार, अमरा
(पीलु) पीलू
(पीतरक्तक) गोमेद
(पीतपुष्प) कुम्हड़ा, तरोई
(पीनस्कन्ध) भैंसा
(पीतदारु) हल्दी, देवदारु, सरल
(पुण्डरीक) सफेदकमल, शालि
(पुत्रजननी) लक्ष्मणा, जिसमें बालकोंके समान छोटे२ लालचिह्न होते हैं
(पुत्रजीव) पतोजिया
(पुण्ड्रक) गोतिया
(पुनर्नवा) सफेद गदहपुरैना

(प्ररोही) वेलिया पीपर
(प्रसारिणी) गन्धप्रसारिणी
(प्रसाधिका) तिन्नी
(प्रस्थपुष्प) मरुआ
(प्रहारवल्ली) रोहिणी
(प्रचीना) पाढ़र
(प्राचीनामलक) पानि आंवला
(प्राण) वोल
(प्रावृषायिणी) केवाच
(प्रियक) कदम, विजयसार, माल-कांगनी
(प्रियाल) चिरौंजी
(प्रियङ्करी) सफेद भटकटैया
(प्रियंगु) प्रियंगु, काकुन, मालकांगनी
(प्रोष्ठी) सहरी, शफरी
(प्लक्ष) पाकड़
(प्लव) केवटी मोथा वा जलमोथा
(प्लवग) मेढ़क
(प्लीहशत्रु) सरफोंका

(फ)

(फंजी) भेगरैया
(फणिज्झक) मरुआ
(फर्णी) मरुआ
(फल्गु) कठियागूलर, कटूंभर
(फलत्रिक) त्रिफला हड़, बहेरा, आंवला
(फलपूरक) विजौरा
(फला) शमी
(फलाध्यक्ष) खिन्नी
(फलिनी) प्रियंगु
(फलेपुष्पा) गूमा
(फलेन्द्रा) फरेंदा
(फलेरुहा) पाढ़रि
(फाणित) राव
(फेनिका) घताशफेनी
(फेनिल) रीठा, बेर

(ब)

(बधू) गन्धपलाशी नाम सुगन्धित वस्तु कश्मीर में प्रसिद्ध है, सुगन्धित शाक विशेष
(वला) वरियारा, गन्धप्रसारणी
(वहुसुता) सतावर
(वलदा) असगंध
(वलभद्रा) त्रायमान
(वहुपत्रा) भुइँ आंवला
(वहुफला) भुइँ आंवला
(वहुवीर्या) भुइँ आंवला
(वन्ध्याकर्कोटकी) वांझखकूसा
(वलामोटा) नागदमन
(वन्धुजीवक) दुपहरिया
(वन्धूक) दुपहरिया
(वहुमञ्जरी) तुलसी
(वहुपाद) वरगद
(वहुस्रवा) सलई
(वन्धूकपुष्प) विजयसार
(वहुशल्य) खयर
(वहुवल्कल) भोजपत्र, चिरौंजी
(वहुवार) लसोड़ा
(वहुवारक) लसोड़ा
(वलि) गन्धक

(वलिरस) गन्धक
(वर्ही) मोर
(वर्कर) वकरा
(वलीवर्द) बैल
(वलभद्रिका) उर्दकी रोटी
(वलवल्लभा) मद्य, शराव
(वाणा) कटसरैया
(वालजीवन) दूध
(वालपत्र) खयर, कत्था, जवासा
(वालीक) वगेरा
(वालुका) वालू
(वालेय) केवटी मोथा वा जल-
मोथा
(वीजक) विजयसार
(वीजगर्भ) परवल
(वीजपूरक) विजौरा
(वेदमिका) वेदईं
(वोधिद्रु) पीपर
(वोल) इसी नाम से प्रसिद्ध ओ-
षधि
(वृहती) बड़ी भटकटैया, भटक-
टैया
(वृहत्पुष्प) कूजा
(वृहत्फल) कुम्हड़ा
(वृहल्लोणी) बड़ी लोनियां
(ब्रध्न) सीसा
(ब्रह्मजट) दवना
(ब्रह्मदारु) सहतूत
(ब्रह्मपुत्र) कपिलवर्ण एक प्रकार
का विष, जहर
(ब्रह्मरीति) कच्चीपीतल
(ब्रह्मवृक्ष) पलाश
(ब्रह्मसुवर्चला) एकतरह का हुरहुर
(ब्राह्मी) ब्राह्मी
(ब्राह्मणी) सुगन्धित शाक विशेष,
भारंगी

(भ)

(भद्रमुस्त) नागरमोथा
(भस्मगन्धा) रेणुका नाम सुग-
न्धित वस्तु विशेष
(भद्रपर्णी) गंभारी, गन्ध प्रसारणी
(भक्षटक) गोखुरू
(भद्रमुञ्ज) सर्पत
(भद्रा) गन्ध प्रसारणी
(भद्रतरणि) कूजा
(भण्डी) सिरसा
(भण्डिल) सिरसा
(भण्डीर) सिरसा, चौराई
(भस्मगर्भा) कपिलवर्णका सीसयँ,
सिरसई
(भयकण्टका) बेर
(भण्टाकी) बैंगन
(भद्र) बेल
(भकुर) भाकुर मछली
(भक्त) भात
(भाण्टिका) बैंगन
(भार्गवी) नीली दूब
(भिक्षु) मुंडी, तालमखाना
(भिन्दी) कटसरैया
(भिरड़ताना) अरूसा, रूसा

(भिस्सा) भात
(भिस्सागड़) भसींड़
(भीरु) सतावर
(भुजङ्ग भुक्) मोर
(भूकदम्बिका) महामुंडी
(भूतजटा) जटामासी
(भूतवास) पहेड़ा
(भूदरीभवा) मूसाकर्णी
(भूतावास) सहोरा
(भूतवृक्षक) लसोड़ा
(भूतिक) रोहिस
(भूतीक) भूतृण, कतृण, चिरायता
(भूनिम्ब) चिरायता
(भूपदी) बेला
(भूमिखर्जूरिका) खजूर, पिंड खजूर, छोहारा
(भूमिच्छत्र) स्वेदजशाक जो पृथ्वी गोबर काष्ट और वृक्षादिकोंपर उत्पन्न होताहै
(भूमिरस) ईख गन्ना
(भूमिवल्ली) भुइँ खेक्सा
(भूमीसह) भुइँसहा
(भूम्यामलकी) भुइँ आँवरा
(भूरिफेना) सेंहुड़
(भूर्जचर्मा) भोजपत्र
(भूर्जपत्र) भोजपत्र
(भूस्तृण) भूतृण
(भृगुभवा) भारंगी
(भृङ्ग) तज, भंगरा, दालचीनी, भवँरा
(भृङ्गरज) भंगरा
(भृङ्गराज) भंगरा
(भृङ्गार) भंगरा
(भृङ्गवान्त) सहत
(भ्रमरोत्सव) मोतिया
(भेक) मेडक

(म)

(महौषध) लहसन, सोंठि, विष
(महौषधि) सोंठि, ब्रह्ममाण्डूकी
(मरिच) मिर्च
(मयूर) अजमोद, तूतिया, लटजीरा
(मधुरा) सोवा
(मन्या) मेथी
(मत्स्यगन्धा) दूसरीहाऊबेर, मछेछी, जलपीपरि,
(मंगल्या) वच, गोरोचन
(मधुरभृंग) जीवक
(मणिच्छिद्रा) मेदा
(महामेदा) महामेदा
(मधुक) मुलहठी
(मधूलिका) मुलहठी जो पानी में पैदा होती है, चिनार
(मत्स्यपित्ता) चिरायता
(मत्स्यशकला) चिरायता
(मर्दन) मैनफल
(मरुवक) मैनफल
(मयूर विदला) मैनफल
(मञ्जिष्ठा) मंजीठ
(मञ्जूषा) मंजीठ

(मण्डूकपर्णी) मंजीठ, ब्रह्ममाण्डूकी
(मलयज) सफेद चन्दन
(मस्तदारु) देवदारु
(मधुप) तगर
(महिपाक्ष) गूगुर
(महिलाह्वया) प्रियंगु
(मरुमाला) सुगन्धितशाक विशेष
(मधुपर्णी) गिलोय, गंभारी, नील, सुदर्शन
(मंडली) गिलोय
(मधुरसा) गंभारी, चिनार, दाख
(महाकुसुमिका) गंभारी
(मधुदूती) पाढरि
(मण्डूकपर्ण) सोनापाठा
(महती) बड़ी भटकटैया
(महादंष्ट्री) बड़ी भटकटैया
(मधुस्रवा) जीवन्ती डोंडी नाम शाक
(मंगल्या) जीवन्ती डोंडी नाम शाक, शमी, मसूर
(महामदा) बनउर्दी
(मधुरगण) अष्टवर्ग, मुलहटी, जीवन्ती, बनमूंग और बनउर्द यह सब
(मन्दार) मदार सफेद, जलनींब
(महामोदी) धतूरा
(मदन) धतूरा, मैनफल, मोम
(महानिम्ब) बकाइन
(मधुशिग्रु) लाल सहिंजन
(मल्लिकापुष्प) कुंदा
(मर्कटी) डहरकंजा, केवांच, लटजीरा
(महाबला) सहदेई
(मस्कर) बांस
(मत्स्याक्षी) गांडर, मछेछी
(महाशतावरी) सतावर बड़ी
(महोदरी) महासतावर
(मसूरविदला) काला निसोथ
(मकूलक) छोटी दत्यून, जमालगोटेका पेंड़
(महाफला) बड़ी इन्द्रायन
(महाश्रावणिका) महामुण्डी
(मयूरक) लटजीरा, तूतिया
(मर्कट) लटजीरा
(मधुश्रेणी) चिनार
(महामूल) पातलगरुडी
(मत्स्यादनी) मछेली, जलपी
(महायोगेश्वरी) नागदमन
(मयूरशिखा) मोरशिखा
(मधुच्छदा) मोरशिखा
(महोत्पल) कमल
(मकरन्द) कमलकारस
(महाकुमारी) सेवतीगुलाब
(मधुगन्ध) मौलसिरी
(महामहा) कूजा
(मल्लिका) बेला
(मदयन्ती) बेला
(मगदक) मोतिया
(महामद) बाणपुष्प, गौड़देश प्रसिद्ध

(मरु) मरुआ
(मरुत्) मरुआ
(मरुवक) मरुआ, मरसा, मैनफल
(मलयू) कठियागूलर, कठूंभर
(मारिचपत्रक) शालभेद एक तरह का साखू
(महेरुणा) सलई
(मरुभूरुह) करील
(मधुरेणु) कटभी
(मधुदूत) आम
(मर्कटाम्र) अम्बार, अमरा
(महोन्नत) ताड़
(मर्कटतिन्दुक) कुचलेकावृक्ष
(महाजम्बू) फरेंदा
(महाफला) फरेंदा, कड़वीलौकी, घियातरोई
(मधुपुष्प) महुआ, वनमहुआ
(मधुष्टील) महुआ, वनमहुआ
(मधुस्रव) महुआ, वनमहुआ
(मधूक) महुआ, वनमहुआ
(मधूलक) जलमें होनेवाला महुआ
(मधुर) मधुककड़ी, बिजोराभेद
(मधुकर्कटी) मधुककड़ी, बिजोरा भेद
(महारजत) सोना
(मण्डूर) कीटी, तपायेहुये लोहेका मल
(मधुधातु) सोनामक्खी
(मधुमाक्षिक) सोनामक्खी
(महारस) पारा
(मनोगुप्ता) मैनसिल
(मनोह्वा) मैनसिल
(मनःशिला) मैनसिल
(मणि) रत्न
(मणिवर) हीरा
(मरकत) पन्ना
(मंजुमणि) पुखराज
(मधूली) छोटागेहूं जो मध्यदेशमें होताहै
(महागोधूम) बड़ागेहूं जो पश्चिम देशमें होताहै
(महामाष) बोंडा, लोबिआ
(मकुष्ठ) मोठ, मोथी
(मकुष्ठक) मोठ, मोथी
(मंगल्यक) मसूर, मसुड़ी
(मसूर) मसूर, मसुड़ी
(मसूरिका) मसूर, मसुड़ी
(महाशालि) शालि
(महिषमस्तक) शालि
(महाषष्ठिक) साठी
(मन्त्री) हुरहुर
(महाकोशातकी) घियातरोई
(महाजाली) खेखसा
(मरुसम्भव) मूली
(महापत्र) मानकेचू
(मत्स्य) मछली
(मयूर) मोर
(मण्डूकी) मेंढक
(महिष) भैंसा
(महाशफर) पवता मछली

(मंगुरी) मंगुरी मछली
(मण्डा) मंडा लोई
(मठ) माठ वालूसाही
(मस्तु) दही का तोड़
(मथित) मलाई रहित जलयुक्त मट्ठा
(मद्य) शराब
(मदिरा) शराब
(मक्षिकावान्त) सहत
(मधु) पुष्परस, मद्य
(मदनक) सहत
(मधूच्छिष्ट) सहत
(मधूपिन) सहत
(मधुदीप) सहत
(मध्वाधार) सहत
(मधन) सहत
(मधुतृण) ईख,गन्ना
(मत्स्यण्डी) गांड़
(मधुनिक) मरोरफली, मुलेहठी
(मालूर) बेल
(मार्जारगंधिका) बनमूंग
(माषपर्णी) बनउर्दी
(मातुल) धतूरा
(मातुलपुत्रक) धतूरे का फल
(मांसरोहिणी) रोहिणी
(मालातृणक) भूतृण
(मार्कव) भंगरा
([illegible]) [illegible]
(माण्डूकी) ब्रह्ममाण्डूकी
([illegible]) [illegible]
([illegible]) [illegible]
(मालती) चमेली
(माधवी) मोतिया
(माध्य) कुन्द
(माध्याह्निक) दुपहरिया
(मारुतक) मरुआ
(मांगल्य) रीठा
(माकन्द) आम
(माखान्न) मखाना
(मातुलुंग) बिजौरा
(माक्षिकधातु) सोनामक्खी
(माणिक्य) माणिक्य
(मालवा) पोय
(मारिष) मरसा
(मार्ष) मरसा
(मानक) मानकेचू
(मांस) मांस
(माहेयी) गौ
(मांसशृंगाटक) एकप्रकारसे बनायागया मांस
(माक्षिक) सहत
(माध्वीक) सहत
(मिरा) मद्य, शराब
(मिश्रक) एक प्रकारका रांगा वंग
(मीन) मछली

(मु)

(मुस्त) मोथा
(मुस्तक) मोथा
(मुग) मरोरफली
(मुष्कक) घण्टा पाडर
(मुद्गपर्णी) बनमूंग

मुष्टि) बकाइन
मुञ्ज) मूंज
मुञ्जातक) मूंज
मुशली) मुसली
(मुण्डी) मुण्डी, हिरन जिसके सींग न हों
(मुण्डतिका) मुण्डी
(मुक्तबन्धना) बरसाती बेल
(मुचकुन्द) मुचकुन्द
(मुनिद्रुम) अगस्त्य
(मुनिपुष्प) अगस्त्य
(मुनिपुत्र) दवना
(मुलप्रिय) नारंगी
(मुष्टिप्रमाण) सेब
(मुक्ता) मोती
(मुक्ताफल) मोती
(मुकुष्ठक) मोठ, मोथी
(मुकुन्दक) सांठी
(मुनिनिर्मित) टिंडा
(मुद्गमोदक) मूंग के लड्डू
(मूर्वा) चिनार, मरोरफली, कुंदुरू
(मूलकपोतिका) मूली
(मृक्षण) मक्खन
(मृगाक्षी) बड़ी इन्द्रायन
(मृगादनी) बड़ी इन्द्रायन
(मृगेर्वारु) बड़ी इन्द्रायन
(मृणाल) कमल की डंडी
(मृणालमूल) भसींड
(मृतालक) सोरठी मट्टी
(मृत्स्ना) सोरठी मट्टी
(मृदुच्छदा) खजूर, पिंड खजूर, छोहारा
(मृदुच्छद) कुकुरौंधा
(मृदुपुष्प) सिरसा
(मृदुरेचनी) भुइँ खेक्सा
(मृदुला) सुलेमानी पिंड खजूर
(मृद्वीका) मुनक्का

(मे)

(मेघनाद) चौराई, मोर
(मेघराव) मोर
(मेढ) भेंड़ा
(मेढ्र) भेंड़ा
(मेष) भेंड़ा
(मेदः पुच्छ) दुंबा भेंड़ा
(मेदो गला) खेत की लज्जावन्ती
(मेषवल्ली) मेढ़ा सींगी
(मेषशृंगी) मेढ़ा सींगी
(मैरेय) शराब

(मो)

(मोक्षक) घण्टापाढरि, पलाश के समान पहाड़ी वृच
(मोचक) सहिंजन
(मोरटा) चिनार
(मोहिनी) वटपत्री
(मोचा) सेमर, केला
(मोचनिर्यास) सेमर का गोंद
(मोचरस) सेमर का गोंद
(मोचास्राव) सेमर का गोंद
(मोक्ष) पलाश के समान पहाड़ी वृक्ष
(मोचिका) मोचिका मछली

(मोरट) फटे हुये दूध का पानी
(मौक्तिक) मोती
(म्लेच्छ) सिंगरफ
(म्लेच्छमुख) तांबा

(य)

(यवफल) कुरैया, बांस
(यज्ञभूषण) कुश
(यवास) जवासा
(यज्ञाङ्ग) गूलर
(याज्ञिय) खयर, पलाश
(यष्टीपुष्प) पतौजिया
(यसद) जस्ता
(यव) जौं, जिसकी नोक सफेद होतीहै
(यवशाक) बथुई
(यवानीशाक) अजवाइनका शाक
(यमवाहन) भैंसा
(यामुन) सुरमा
(यास) जवासा
(युगपत्रक) कचनार
(यूथिका) जूही
(योगीश्वरी) बाँझखेखसा
(योगेष्ट) सीसा

(र)

(रञ्जना) पापड़ी, चकवन
(रसायनी) गिलोय
(रक्तपुष्प) लालमदार
(रसक) घकाटून्
(रक्तिका) लालचोंपनी
(रसोन) थेन
(रक्तफला) स्वर्णवल्ली, कुंदुरू
(रसा) पाढर, सलई, रास्ना
(रञ्जनी) नील
(रक्तपुष्पा) लालगदहपूरना, सिन्दूरिया, सेमर
(रक्तपारी) लज्जावन्ती
(रविप्रीता) हुरहुर
(रक्त) दुपहरिया
(रक्तबीजा) सिंदूरिया
(रक्तफल) बरगद
(रक्तसार) खयर, कत्था, लालचन्दन, पतंग
(रक्तबीज) रीठा
(रक्तपुष्पक) पलाश
(रथद्रु) तिनिश
(रसाल) आम
(रजत) रूपा, चांदी
(रविप्रिय) तांबा
(रक्तरेणु) सिंदूर
(रसधातु) मांस, द्रवपदार्थ, ईख का रस, पारा, मधुरादिक छः, बालरोग, विष, जल
(रसेन्द्र) मांस, द्रवपदार्थ, ईखका रस, पारा, मधुरादिक छः, बालरोग, विष, जल
(रस) मांस, द्रवपदार्थ, ईखकारस, पारा, मधुरादिकछः, बालरोग, विष, जल
(रङ्गदा) फिटकरी

(रक्तधातु) गेरू, सुनहरी गेरू
(रसक) तूतियाभेद, खपरिया
(रक्तदायक) मुर्दासिंग
(रत्न) रत्न
(रक्तशालि) शालि, धान
(रक्तवर्द्धन) कबूतर
(रजस्वल) भैंसा
(रसाला) सिखरन

(रा)

(राजपुत्री) रेणुका नाम मिर्च के समान सुगन्धित वस्तु विशेष
(राष्ट्रिका) बड़ी भटकटैया
(राजबला) गन्धप्रसारणी
(रामदूतिका) नागपुष्पी
(राजीव) कमल
(राजपुत्रिका) चमेली
(राजपुत्रक) राजाम्र
(राजाम्र) राजाम्र
(राजजम्बू) फरेंदा
(राजादन) चिरौंजी, खिन्नी
(राजन्या) खिन्नी
(राजरीति) कच्ची पीतल
(राजावर्त्त) रेवटी
(राजमाष) बोड़ा, लोबिआ
(राजशिम्बि) भटवांस
(राजिका) राई
(राजी) राई
(राजकोशातकी) तरोई
(राजिगताला) तरोई
(राजीफल) परवल
(राजेय) परवल
(राजकसेरुक) कसेरू
(रीति) पीतल
(रुचक) बिजौरानींबू, कालानिमक
(रुबू) लालरेंड़
(रुबूक) सफेद तथा लालरेंड़
(रुहा) नीलीदूब, मांस रोहिणी
(रूप्य) चांदी
(रेचनी) निसोथ सफेद, बटपत्री
(रेणुका) मिर्च के समान एकतरह की सुगंधित वस्तु
(रेतजा) बालू
(रोगाढ्य) कूट
(रोचन) कबीला, कालासेमर गोरोचन
(रोचना) गोरोचन, हल्दी
(रोचनी) थूक
(रोऊ) हरिन
(रोटिका) रोटी
(रोदिनी) जवासा
(रोमक) सांभरनोन
(रोमशफल) टिंडा
(रोमशुक) कुकुरोंधा
(रोहिणी) हड़, कुटकी
(रोहित) रोहू मछली जिसके सब अंग लाल हों और पूंछ काली हो
(रोहितक) लालकंजा
(रोहिष) रोहिस

(रोही) लालकंजा
(रोहीतक) लालकंजा

(ल)

(लता) प्रियंगु, सुगन्धित शाक विशेष, गोरी सांव,
(लव) खसके समान पीले रंगका एक तृण
(लघु) खसके समान पीले रंगका एक तृण, सुगन्धित शाक विशेष
(लङ्कोपिका) सुगन्धितशाक विशेष
(लक्ष्मणा) सफेद भटकटैया
(लगुड) लालकनेर
(लक्ष्मणा) इसी नामसे प्रसिद्ध है इसमें बालकों के समान छोटे२लाल चिह्न होतेहैं
(लघुदन्ती) दन्तून, जामालगोटे का पेड़
(लज्जालु) लज्जावन्ती
(लघुपुष्पा) सुवर्णकेतकी एक तरह का केवड़ा
(लक्ष्मी) शमी
(लकुच) बड़हल
(लवली) हरफारेवड़ी
(लघुमूलक) मूली, मुरई
(लजाशूक) भसींड़
(लम्बकर्ण) खरगोश
(लम्बिका) लम्बी
(लक्ष्मी) ऋद्धि, वृद्धि, शमी
(लाक्षा) सेवती गुलाब
(लांगली) करियारी, केयांच, जलपीपरि
(लाजा) खील, धानके लावा
(लामज्जक) खसके समान एकप्रकार का पीला तृण
(लिकुच) बड़हल
(लुलाय) भैंसा
(लेखनी) खड़िया
(लेखपत्र) ताड़
(लोचमस्तक) अजमोद
(लोणा) छोटी लोनियां
(लोणिका) लोनियां, चूकका शाक
(लोणी) छोटी लोनियां
(लोध्र) लोध
(लोध्रपुष्पक) शालि
(लोमकर्ण) खरगोश
(लोमशपर्णी) वन उर्दी
(लोमशा) वच
(लोह) अगर, लोहा
(लोहकर्षक) चुंबक पत्थर
(लोहित) माणिक्य
(लोहितपुष्पक) अनार
(लोहसिंहानिका) कीटी, तपायेहुये लोहे का मल

(व)

(वयस्था) हड़, गिलोय
(वरा) त्रिफला अथवा हड़, बहेड़ा, आमला
(वशिर) गजपीपल, पांगानोन

(वना) वन
(वह्निज्वाला) धवई
(वर्हिवर्ह) कुकुरौंधा
(वत्सादनी) गिलोय
(वनशृंगाट) गोखुरू
(वर्धमान) सफेद अरण्ड
(वसुक) सफेद मदार, खारीनोन
(वज्री) सेहुंड़ा
(वज्रद्रुम) सेहुंड़ा
(वह्निचका) करिहारी
(वरतिक्त) पित्तपापड़ा
(वत्सक) कुरैया
(वञ्जुल) वेंत, अशोक, तिनिश
(वत्सगन्धाकृति) लक्ष्मणा इस में बालकोंके समान छोटे २ लाल चिह्न होते हैं
(वंश) बांस
(वर्हि) कुश
(वदरा) विदारीकन्द, वाराहीकन्द, हुरहुर, कालानोन
(वरीं) सतावर
(वरदा) असगंध, हुरहुर, गेंठी
(वरतिक्तिका) पाढर
(वशिर) लाल लटजीरा, गजपीपल समुद्र का नोन
(वज्रांगी) हरसिंगार
(वन्दा) बांदा
(वटपत्री) वटपत्री
(वंशपत्री) वंशपत्री
(वकुल) मौलसिरी
(वक) बड़ी मौलसिरी
(वसु) बड़ी मौलसिरी
(वर्णपुष्प) वाणपुष्प
(वह्निसेन) अगस्त्य
(वर्वरी) बबई
(वटपत्र) सफेद बबई
(वट) बरगद
(वनस्पति) बरगद, बेलिया पीपर
(वल्लकी) सलई
(वव्वूल) बबूल
(वरण) बरना
(वरुण) बरना
(वरदारु) भुइँसहा
(वदरी) बेर
(वदर) बेर, सेव
(वङ्ग) लाल रांगा
(वप्र) सीसा
(वज्र) अभ्रक जो अग्नि में डालने से वज्रकी तरहबनारहे बिगड़े नहीं, हीरा
(वराङ्ग) मुर्दासिंग
(वत्सनाभ) मीठा तेलिया, एकप्रकार का विष
(वल्लक) भटवांस
(वनमुद्ग) मोठ, मोथी
(वर्त्तुल) मटर, केराव
(वरटा) बर्रे, कुसुम्भ के बीज
(वराट्टिका) बर्रे, कुसुम्भ के बीज
(वर्त्तक) बटेर

(वर्त्तका) एक प्रकार का बटेर
(वर्त्तिका) बटेर
(वर्त्ति) बगेरा
(वस्त) बकरा
(वर्मि) बांब मछली
(वटका) बड़ा बरा
(वटिका) बरी
(वन) पानी
(वरटीवान्त) सहत
(वारिद) मोथा
(वार्ताकी) बड़ी भटकटैया
(वातारि) सफेद अरण्ड, लाल-
अरण्ड
(वासक) अरूसा
(वासिका) अरूसा
(वाजी) घोड़ा
(वासा) अरूसा
(वाजिदन्ता) अरूसा
(वायसी) डहरकंजा, मकोय
(वानीर) वेत
(वाट्यालिका) बरियारा
(वाट्या) बरियारा
(वाट्यालक) बरियारा
(वाण) सरपत, मूंज
(वाराहीकन्द) गेंठी
(वाराहवदना) वाराहीकन्द, या,
गेंठी
(वाजिनामा) असगन्ध
(वाराहकर्णी) असगन्ध
(वाराहांगी) छोटी दत्यून, जमाल
गोटे का पेड़
(वारुणी) इन्द्रायन
(वाह्लिका) मछेछी, केशर, हींग
(वारिपर्णी) पुरइन
(वासन्ती) मोतिया
(वातहर) पलाश
(वारणा) केला
(वानप्रस्थ) महुआ, बनमहुआ
(वातवैरी) बादाम
(वाताद) बादाम
(वाचस्पतिवल्लभ) पुखराज
(वास्तुक) बथुई
(वास्तूक) बथुई
(वाप्पक) मरसा
(वास्तुकाकारा) पालक
(वार्त्ताकु) बेंगन
(वाराही) वाराहीकन्द
(वार्त्तिक) बगेरा
(वाह) घोड़ा
(वार) पानी
(वारि) सुगन्धवाला
(वारुणी) मद्य, शराब

(वि)

(विष्वक्सेना) प्रियंगु
(विद्रुमलता) नलिका नाम उत्तर
देश में प्रसिद्ध सुग-
न्धि वस्तु विशेष
(विशल्या) गिलोय, छोटी दन्ती,
करिहारी
(विल्व) बेल

(विदारिगन्धा) सरिवन्
(विकीर्णक) लाल मदार
(विमला) सेहुंडभेद
(विदुला) सेहुंडभेद
(विशल्या) करिहारी
(विषमुष्टिक) बकाइन्
(विष्णुक्रान्ता) विष्णु कान्ता
(विकसा) रोहिणी
(विदुल) बेत
(विदारी) विदारीकन्द, गेंठी
(विशाला) बड़ी इन्द्रायन
(विषाणी) मेढ़ासींगी
(विक्षीरिणी) दूधी
(विषकण्टकिनी) बांझ खेकसा
(विषघ्नी) पीली सोनैया
(विषापहा) नागदमन
(विसप्रसून) कमल
(विस) कमल की डंडी
(विमुक्त) मोतिया
(विनीत) दवना
(विट् खदिर) दुर्गन्धित खयर
(विशालत्वक्) छितवन
(विषमच्छद) छितवन
(विल्व) बेल
(विल्वकर्कटी) बेलका कच्चा फल
(विल्वपेशिका) बेलका कच्चा फल
(विषतिन्दुक) कुचले का वृच्छ
(विषमा) बेर
(विकङ्कत) कँटाई
(वितुन्नक) तूतिया, धनियां
(विद्रुम) मूंगा
(विष) जहर
(विषघ्न) चौराई
(विम्बी) कुंदुरू
(विम्बिका) कुंदुरू
(विषमुष्टि) करेरुआ
(विस्र) मूली
(विसार) मछली
(विलेशय) खरगोश
(वि) पक्षी
(विकिर) पक्षी
(विष्किर) पक्षी
(विहग) पक्षी
(विहङ्ग) पक्षी
(विहङ्गम) पक्षी
(विश्वा) सोंठ, अतीस

(वी)

(वीरवती) रोहिणी
(वीरतरु) घरबेल, अर्जुन, वीरण, सरपत
(वीर) अर्जुनकावृच्छ, वीरण
(वीरवृक्ष) अर्जुनकावृक्ष
(वीरसेन) आलू
(वेणी) सोनैया
(वेणु) बांस
(वेणुपत्री) वंशपत्री
(वेतस) बेत
(वेधमुख्य) कचूर
(वेधमुख्या) कस्तूरी
(वेल्ल) बायबिडंग

(वेल्लज) मिर्च
(वेल्लन्तर) वरवेल, वीरतरु
(वैशनवटिका) पकौड़ी
(वैजयन्तिका) अरणी
(वैदल) मूंगआदि शिंवीधान्य
(वैडूर्य) वैडूर्य
(वैश्रवणावास) वरगद
(वैसारिण) मछली
(वृक्षक) कुरैया
(वृक्षभक्ष्या) बांदा
(वृक्षरुहा) बांदा
(वृक्षादनी) बांदा
(वृक्षाम्ल) विषांबिल
(वृत्तकोश) सोनैया
(वृत्तपुष्प) कदम
(वृत्तफल) लाल लटजीरा, लहचिचरा
(वृत्ता) रोहिणी
(वृन्ताक) वैंगन
(वृष) अडूसा, ऋषा, वैल
(वृषकेतु) लाल गदहपुरैना
(वृषभ) वैल
(वृषा) बड़ी दत्यून, बघरण्डा
(वृष्णि) भेड़ा
(व्याघ्रपुच्छ) लाल अरण्ड
(व्याघ्री) भटकटैया

(श)

(शटी) कचूर, गन्धपलाशी, एकप्रकार की सुगन्धित वस्तु कर्नाट देशमें प्रसिद्ध है
(शक्रपुष्पी) करिहारी
(शतकुम्भ) सफेद कनेर
(शक्रशाखी) कुरैया
(शतपर्वा) बांस, कलगी, दूब, बच
(शतफली) बांस
(शर) सरपत
(शरी) मोथीतृण विशेष
(शतपर्विका) नीलीदूब
(शष्प) नीलीदूब
(शतवल्ली) नीलीदूब
(शतवीर्या) सफेददूब, सतावर
(शकुलाक्षक) गांडर
(शतावरी) सतावर
(शतपदी) सतावर
(शतमूली) महासतावर
(शम्बरी) बड़ी दत्यून, बघरण्डा
(शरपुङ्ख) शरफोंका
(शणपुष्पी) सनपुष्पी
(शणपुष्पसमाकृति) सनपुष्पी
(शङ्खपुष्पी) शङ्खपुष्पी
(शङ्खाह्वा) शङ्खपुष्पी
(शमीपत्रा) लज्जावन्ती
(शकुलादनी) जलपीपरि, कुटकी
(शतपत्र) कमल
(शतपत्री) सेवतीगुलाब
(शम्यशम्बर) शाल, साखू
(शल्लकी) सलई
(शकुफला) शमी
(शमी) शमी
(शमीर) छोटी शमी

(शतवेधि) अमलवेत
(शल्लक) लोहा
(शर्करा) वालू, चीनी
(शमीज) शिम्बीधान्य, मूंगआदिक
(शणपुष्पिका) अरहर
(शकुनाहृत) शालि
(शतपुष्पा) सांटी
(शफरी) अमलोनियाँ
(शतवेधिनी) चूक
(शङ्खधरा) हुरहुर
(शकुली) मछली
(शश) खरगोश
(शल्यक) साही
(शकुनि) पक्षी
(शष्कुली) सौरीमछली, सोहारी
(शर्करोदक) शर्बत

(शा)

(शालपर्णिका) मरोरफली
(शालपर्णी) सरिवन्
(शाकश्रेष्ठा) जीवन्ती, डोंडी नाम शाक
(शातला) सेहुंड़भेद
(शारिवा) कालीसांव
(शारदी) जलपीपरि, सारिवा
(शालूक) कमलकीजड़, भसींड़
(शारदा) स्थलकमल
(शाल) शाल, साखू, शालभेद
(शाल्मलि) सेमर
(शाल्मलीवेष्टक) सेमरकागोंद
(शाखोट) सहोरा
(शारद) छितवन
(शाण्डिल्य) बेल
(शातकुम्भ) सोना
(शाकराट्) बथुई
(शाल्मलीपुष्पशाक) सेमरके फूल का शाक
(शालमर्कटक) मूली, मुरई
(शालेय) मूली, मुरई

(शि)

(शिवप्रिय) धतूरा
(शिग्रु) सहिंजन
(शिबि) मोथी नाम तृण विशेष
(शिलाटिका) लाल गदहपूरना
(शिवा) भुइँ आंवला, शमी
(शिवमल्ली) बड़ी मौलसिरी
(शिरीष) सिरसा
(शिंशपा) सीसवँ, सिरसई
(शिरीषिका) जल शिरस
(शिखिग्रीव) तूतिया
(शिलाजतु) शिलाजीत
(शिवाह्वय) पारा
(शिववीर्य) पारा
(शिला) मैनसिल, शिलाजीत, गेरू
(शिंबीज) शिंबीधान्य मूंग आदिक
(शिंबीभव) शिंबीधान्य मूंग आदिक
(शितिवर) सिरिआरी
(शितिवार) सिरिआरी
(शिखी) सिरिआरी
(शिग्रुपुष्प) सहिंजन का फूल

(शिम्बि) सेम
(शिम्बी) सेम
(शिलीन्ध्रक) स्वेदजशाक जो पृथ्वी गोवर काष्ठ और वृक्षादिकों पर उत्पन्न होताहै
(शिखण्डिक) मुर्गा
(शिखण्डी) मोर
(शिखावल) मोर
(शिखी) मोर
(शीघ्रा) छोटी दरयून, जमाल गोटे का वृक्ष
(शीत) लसोड़ा
(शीतफल) पीलू
(शीतभीरु) बेला
(शीत शिव) सेंधानमक, सौंफ
(शीर्ण) कुकुरौंधा
(शुकच्छद) कुकुरौंधा
(शुकतरु) सिरसा
(शुकतुण्डक) पीलेरंगका सिंगरफ
(शुकनास) सोना पाठा
(शुकप्रिय) सिरसा
(शुकपुष्प) कुकुरौंधा
(शुकबर्ह) कुकुरौंधा
(शुक्रफल) लालमदार
(शुक्लापाङ्ग) मोर
(शुभ्रा) फिटकरी
(शुल्ब) तांबा
(शुक्ति) पंवार। उत्तर देश में नाखिका नामसे प्रसिद्ध
(शूकशिम्बी) केवांच
(शून्यमध्य) नरकुल
(शूलघ्नी) तुलसी
(शूली) खरगोश
(शूल्य) लोह शलाकामें लपेट कर भूनागया मांस

(शे)

(शेफाली) नीले फूल का संभालू
(शेलु) लसोड़ा
(शैलधातुज) शिलाजीत
(शैलनिर्यास) शिलाजीत
(शैलूप) बेल
(शैवल) सेवार
(शैवाल) सेवार
(शोणपुष्पक) कचनार
(शोणरत्न) माणिक्य
(शोथघ्नी) सफेद तथा लाल गदह पुरैना
(शोभाञ्जन) सहिंजन
(शोपण) सोना पाठा
(शौक्तिक) मोती
(शौण्डी) पीपरि
(शृङ्गवेर) सोंठ, अदरख
(शृङ्गवेरामूलक) गन्धपटेर
(शृङ्गाटक) सिंघाड़ा
(शृङ्गिक) सींगिया विष, जिस सि को गौके सींग में बांधे से दूध लाल होजाता
(शृङ्गी) काकड़ा सींगी, अर्थात सींगी मछली

(श्यामक) रोहिस
(श्यामा) प्रियंगु, काला निसोथ, काली सांव, गोरी सांव, सीसव, सारिवा
(श्येनघण्टा) छोटी दत्यून, जमालगोटे का वृक्ष
(श्योनाक) सोनापाठा
(श्रवणशीर्षक) मुंडी
(श्रवणाह्वा) मुंडी
(श्राद्धशाक) केरमुआँ, नारी
(श्रावणी) मुंडी
(श्रीपदी) बरसाती बेल
(श्रीपर्णी) गंभारी, अरणी, कायफल
(श्रीफल) बेल
(श्रीफली) नील
(श्रीमान्) तिलक
(श्रीवारक) सिरियारी
(श्रेयसी) हड़, रास्ना, गजपीपल
(श्लेष्मान्तक) लसोड़ा
(श्वदंष्ट्रा) गोखुरू
(श्वावित्) साही
(श्वेतपुष्प) सफेद मदार, कटसरैया
(श्वेतपुष्पा) बड़ी इन्द्रायन, नागपुष्पी
(श्वेतमरिच) सहिंजन के बीज
(श्वेतमूला) सफेद गदहपुरैना
(श्वेतराजि) चिचिंडा
(श्वेतशिम्बिक) भटवांस
(श्वेतसार) पपड़िया खैर
(श्वेता) फिटकरी
(श्वेतार्क) सफेद मदार

(ष)

(षड्ग्रन्था) गंधपलाशी, एक सुगंधित वस्तु जो कश्मीर में प्रसिद्ध है, वच, इहर
(षट्पदा) बरसाती बेल
(षष्टिक) साठी

(स)

(समुद्रान्ता) सुगन्धित वस्तु विशेष, कपास, जवासा
(सहा) वनमूंग, ककही, सेवती, गुलाब
(सदापुष्प) सफेद तथा काला मदार, कुन्द
(समन्तदुग्धा) सेहुंड़ा
(सप्तला) सेहुंड़भेद, पतंगी नेवारी
(सहदेवी) सहदेई
(सहस्रवीर्या) नीलीदूब, महाममाषर
(सर्वानुभूति) निसोथ सफेद
(सरला) निसोथ सफेद
(सरणी) गन्धप्रसारणी
(सर्पाक्षी) सरहटी
(समंगा) लज्जावन्ती, मुई मुई, मंजीट
(सरस्वती) ब्राह्मी
(सहस्राहि) मोरशिखा
(सहस्रपत्र) कमल
(सरसीरुह) कमल
(संवर्तिका) कमल के नवीन पत्ते

(सहाचर) कटसरैया
(सहचर) कटसरैया
(समीरण) मरुआ
(सर्ज) शाल, साखू
(सर्जक) शालभेद एक तरह का साखू विजयसार
(सपीतक) वचूल
(समिद्वर) पलाश
(सप्तपर्ण) छितवन
(सहकार) आम
(सदाफल) नारियल
(सन्नकद्रु) चिरौंजी
(सहस्रनुत्) अमलवेत
(सक्तुक) एक प्रकार का विष जिस की गांठ सत्तूके समान चूर्ण से पूर्ण
(सकलप्रिय) चना
(सतीनक) मटर, केराव
(सर्षप) सरसों
(सरवीज) सरवीज
(सप्ति) घोड़ा
(सपादमत्स्य) टेंगरा मछली
(सहद्रक) सेहुड़क सहवासु
(सम्पाव) पिणाक, गोझिया
(सक्तु) सत्तू
(सलिल) पानी
(सन्तानिका) मलाई
(सर) दहीकी मलाई, साढ़ी
(सरज) मक्खन
(सर्पिस्) घी
(सहस्रवेधी) अमलवेत, कस्तूरी, हींग
(सारघ्य) सहत
(सारणी) गन्धप्रसारणी
(सारस) कमल
(सारा) एक प्रकार का सेहुंड़

(सि)

(सिंहपुच्छी) पिठवन्
(सिंही) बड़ी भटकटैया, वासा
(सिंहतुण्ड) सेहुँड़ा
(सिंहिका) अरूसा
(सिंहास्य) अरूसा
(सिंहपर्ण) अरूसा
(सिन्दुवार) सँभालू
(सिन्दुक) सफेदपुष्पका सँभालू
(सिन्दुवारक) सफेदपुष्पका सँभालू
(सिंहकेशरक) मौलसिरी
(सिन्दूरी) सिन्दूरिया
(सिवितिकाफल) सेव
(सितप्रभ) रूपा, चांदी
(सिंहान) कीटी, तपायेहुये लोहे का मल
(सिन्दूर) सिन्दूर
(सिकता) बालू
(सिद्धार्थ) सफेदसरसों
(सिलन्ध) सिलन्धामछली
(सिक्थक) मोम
(सिता) चीनी
(सितोपला) मिश्री
(सीधु) मद्य, शराब

(सीम) सीसा
(सीसज) सिन्दूर

(सु)

(सुरभि) मरोरफली, गौ॰
(सुव्रता) गन्धपलाशी नाम सुगन्धित वस्तु कश्मीरदेश में प्रसिद्ध है
(सुगन्ध) भटोरा, भूस्तृण
(सुनाल) खसकेसमान पीलेरंग का एक तृण
(सुगन्धि) पलुवा
(सुधा) सेहुँड़ा
(सुवहा) नीलफूलका सँभालू, सलई, रास्ना, नाकुली
(सुमेखल) मूंज
(सुपर्णिका) कालानिसोथ
(सुगन्धा) कालीसांव
(सुलोमसा) मसी
(सुवर्चला) हुरहुर
(सुदर्शना) सुदर्शन
(सुमना) चमेली, पीलीचमेली
(सुगन्धिनी) सुवर्णकेतकी
(सुकोमला) सिन्दूरिया
(सुरसा) तुलसी
(सुलभा) तुलसी
(सुपार्श्वक) गजदण्ड सहोरा
(सुरभी) सलई, मरोरफली, पलुआ
(सुनिर्यासा) जिंगनी
(सुतेजन) धामिनवृक्ष
(सुकोशक) कोशम्भ, कोशाम्र
(सुवर्तुल) तरबूज
(सुधावास) बालमखीरा
(सुशीतल) बालमखीरा
(सुरभिपत्रा) फरेंदा
(सुगन्धमूला) हरफारेवड़ी.
(सुपेण) करोंदा
(सुवर्ण) सोना
(सुरमृत्तिका) सोरठीमट्टी
(सुराष्ट्रजा) सोरठीमट्टी
(सुमनस्) गेहूं
(सुगन्धक) शालि
(सुनिषण्णक) सिरियारी
(सुदीर्घ) चिचिंडा
(सुमुष्टिका) करेरुआ
(सुदर्शन) मछली
(सुरा) मद्य, शराव

(सू)

(सूर्यपर्णी) वनमूंग, वनउर्दी
(सूच्यग्र) कुश
(सूर्यभक्ता) हुरहुर
(सूर्यावर्ता) हुरहुर
(सूच्मपत्र) कुकुरौंधा
(सूचिकापुष्प) केवड़ा
(सूक्ष्मपत्रा) छोटी जामुन
(सूर्य पर्याय) तांबा
(सूत) पारा
(सूर्प्य) शिंबी धान्य, मूंग आदिक
(सूचिपत्र) शिरियारी
(सूरण) जमींकन्द
(सूप) पकीहुई और लवण अदरक

हींग से युक्त दाल
(सेतु) वरना
(सेधा) साही
(सेव) सेव
(सेवन मोदक) सेवका लड्डू
(सेविका) सेवई
(सेवीका मोदक) सेवका लड्डू
(सेव्य) खस, लामज्जक, खस के समान पीले रंग का एक तृण
(सेहुण्ड) सेहुँड़ा
(सैन्धव) घोड़ा
(सैरेय) कटसरैया
(सैरेयक) कटसरैया
(सोमक्षीरी) सोमलता
(सोमवल्क) कांटेदार कंजा, सफेद कत्था, कायफल
(सोमवल्कल) पपड़िया खयर
(सोमवल्ली) सोमलता, गिलोय, ब्राह्मी, सुदर्शन, बकुची
(सोमा) गिलोय
(सौगन्धिक) रोहिस, गंधक, कह्लार, कत्तृण
(सौभाग्य) सोहागा
(सौभाञ्जनफल) सहिंजनका फल
(सौम्या) सरिवन
(सौरभेय) बैल
(सौरभेयी) गौ
(सौराष्ट्री) सोरठी मट्टी
(सौराष्ट्रिक) सुराष्ट्र देशमें होनेवाला विष
(सौवीर) बेर, सफेद सुरमा, संधान भेद
(स्कन्धज) बरगद
(स्कन्धफला) खजूर, पिंड खजूर, छोहारा
(स्तन्य) दूध
(स्तुभ) बकरा
(स्तुभा) बकरी
(स्थाली वृक्ष) बेलियापीपर
(स्थ)
(स्थिरा) सरिवन्
(स्थिरायु) सेमर
(स्थिर) धवई
(स्थूल) सहतूत
(स्थूलदर्भ) मूंज
(स्थौणेयक) कुकुरौंधा
(स्नुक्) सेहुँड़ा
(स्नुही) सेहुँड़ा
(स्नुवा) चिनार
(स्पृक्का) एकतरहकासुगन्धितशाक
(स्फटिका) फिटकरी
(स्फटी) फिटकरी
(स्फुटस्वन) पिंडुकी
(स्फूर्जक) तेंदुआ
(स्फोटा) गोरीसाँव
(स्फोता) गोरीसाँव
(स्यन्दन) तिनिश
(स्यमन्तक) कचनार
(स्रंसी) पीलू

(स्रुवावृक्ष) कँटाई
(स्रोतोऽञ्जन) कालासुरमा
(स्वच्छद) सहोरा, भुइँसहा
(स्वर्ण) सोना
(स्वर्णजातिका) पीली चमेली
(स्वर्णमाक्षिक) सोनामक्खी
(स्वर्णवल्ली) इसी नाम से प्रसिद्ध ओषधि
(स्वल्पकेसरी) कचनार
(स्वस्तिक) सिरियारी
(स्वादुकण्टक) गोखुरू, कँटारी, शमी
(स्वादुकन्दा) गेंठी, बिलाईकन्द
(स्वादुपर्णी) दूधी
(स्वादुपुष्प) कटभी
(स्वादुफला) मुनक्का, दाख
(स्वादुमस्तका) खजूर, पिंडखजूर, छोहारा
(स्वादी) खजूर, पिंडखजूर, छोहारा

(ह)

(हरेणुका) रेणुका नाम सुगन्धित वस्तु विशेष
(हरिवालुक) एलुवा
(हयपुच्छिका) बनउर्दी
(हलिनी) करिहारी
(हस्तिवारुणी) डहरकंजा
(हयाह्वया) असगन्धा
(हंसपदी) हंसपदी
(हंसपादी) हंसपदी
(हलिप्रिय) कदम
(हंसपाद) गुड़हरके फूलके समान रक्तवर्ण सिंगरफ
(हरिताल) हरताल
(हरिन्मणि) पन्ना
(हरिमन्थक) चना
(हरेणुक) मटर, केराव
(हस्तिघोषा) घियातरोई
(हस्तिपर्ण) घियातरोई
(हरिण) हरिन, जोताम्रवर्ण होताहै
(हरित) हारिल
(हय) घोड़ा
(हरि) मेढक
(हरीसा) आस, एकप्रकार से बनाया गया मांस
(हविष्) घी
(हाटक) सोना
(हायन) शालि
(हारहूरा) मुनक्का
(हारिद्र) विष, जिसके वृक्षकी जड़ हल्दी के समान होती है
(हारीत) हारिल
(हाला) शराब
(हालाहल) विष जिसका फल मुनक्का के समान और पत्ते ताड़के समान होते हैं
(हिज्जल) समुद्रफल
(हिंगुनिर्यास) नींब
(हिंगुपत्री) हींगपत्री
(हिंगुल) सिंगरफ
(हिंगुली) बड़ी भटकटैया

(हिंगुशिवाटिका) वंशपत्री
(हिरण्य) सोना
(हिलमोचिका) हुरहुर
(हीरक) हीरा
(हीरा) गंभारी
(हुड) भेंड़ा
(हेतु) महाशतावर
(हेम) सोना
(हेमगौर) किंकिरात गौड़देश में प्रसिद्ध है
(हेमदुग्धक) गूलर
(हेमपुष्प) चम्पा, अशोक
(हेमपुष्पिका) पीलीजुही
(हैमवती) हड़, खुरासानी वच, चोक, पीले दूध का सेहुंड़ा
(हैयङ्गवीन) मक्खन
(होलक) होरा
(हृद्यगन्धा) चमेली

अथ मानपरिभाषा ॥

नमानेनविनायुक्तिर्द्रव्याणांजायतेक्वचित् । अतःप्रयोगकार्यार्थं मानमत्रोच्यतेमया १ चरकस्यमतंवैद्यैराद्यैर्यस्मान्मतंततः । विहायसर्वमानानि मागधंमानमुच्यते २ त्रसरेणुर्बुधैः प्रोक्तास्त्रिंशतापरमाणुभिः । त्रसरेणुस्तुपर्यायेननाम्नावंशीनिगद्यते ३ जालान्तरगतैः सूर्यकरैर्वंशीविलोक्यते । षड्वंशीभिर्मरीचिः स्यात्ताभिःषड्भिश्चराजिका ४ तिसृभीराजिकाभिश्च सर्षपःप्रोच्यतेबुधैः । यवोऽष्टसर्षपैःप्रोक्तो गुञ्जास्यात्तच्चतुष्टयम् ५ षड्भिस्तुरक्तिकाभिःस्यान्माषको हेमधानकौ । माषैश्चतुर्भिःशाणःस्याद्धरणःसनिगद्यते ६ टङ्कःसएवकथितस्तद्द्वयंकोलउच्यते । क्षुद्रकोवटकश्चैवद्रङ्क्षणःसनिगद्यते ७ कोलद्वयन्तुकर्षःस्यात्सप्रोक्तःपाणिमानिका । अक्षःपिचुःपाणितलं किञ्चित्पाणिश्चतिन्दुकम् ८ विडालपदकञ्चैवतथा षोडशिकामता । करमध्योहंसपदं सुवर्णंकवलग्रहः ९ उदुम्बरश्चपर्यायैः कर्षमेवनिगद्यते । स्यात्कर्षाभ्यामर्द्धपलं शुक्तिरष्टमिकातथा १० शुक्तिभ्यांचपलंज्ञेयं मुष्टिराम्रंचतुर्थिका । प्रकुञ्चःषोडशीविल्वंपलमेवात्रकीर्त्यते ११ पलाभ्यांप्रसृतिर्ज्ञेया प्रसृतश्चनिगद्यते । प्रसृतिभ्यामञ्जलिःस्यात्कुडवोऽर्द्धशरावकः १२ अष्टमानञ्चसज्ञेयः कुडवाभ्यांचमानिका । शरावोऽष्टपलन्तद्वज्ज्ञेयमत्रविचक्षणैः १३ शरावाभ्यांभवेत्प्रस्थश्चतुःप्रस्थैस्तथाढकः । भाजनंकांस्यपात्रञ्च चतुःषष्टिपलश्चसः १४ चतुर्भिराढकैर्द्रोणःकलशोन

लवणोऽर्मणः। उन्मानश्चघटोराशिर्द्रोणपर्यायसंज्ञितः १५ द्रोणाभ्यांशूर्पकुम्भौच चतुःषष्टिशरावकः। शूर्पाभ्याञ्चभवेद्द्रोणी वाहोगोणीचसास्मृता १६ द्रोणीचतुष्टयंखारीकथितासूक्ष्मबुद्धिभिः। चतुस्सहस्रपलिकापण्णवत्यधिकाच सा १७ पलानांद्विसहस्त्रञ्चभारएकःप्रकीर्त्तितः। तुलापलशतंज्ञेयं सर्वत्रैवैपनिश्चयः १८ मापटङ्काक्षविल्वानि कुडवःप्रस्थमाढकम्। राशिर्गोणीखारिकेति यथोत्तरचतुर्गुणम् १९ मागधपरिभाषायां षड्रक्तिकोमाषश्चतुर्विंशतिरक्तिकःटङ्कःषण्णवतिरक्तिकःकर्षः, अयञ्चरकसम्मतः। सुश्रुतमते-पञ्चरक्तिकोमाषोविंशतिरक्तिकष्टङ्कोऽशीतिरक्तिकःकर्षः। अयमेवकलिङ्गपरिभाषायामपि। यतस्तत्राष्टरक्तिकोमाषोद्वात्रिंशद्रक्तिकष्टङ्कःसार्द्धटङ्कद्वयमितःकर्षः॥

भाषार्थ॥

तौलके विना द्रव्योंकी शुद्धि कहीं ठीक नहीं होती इस कारण व्यवहार के लिये यहां मान (तौल) का वर्णन करताहूं १ चरक मुनिका मत प्राचीन वैद्योंने मानाहै इसलिये सब मानोंको छोड़कर मागध मान कहताहूं २ तीस परमाणु को एक त्रसरेणु अथवा वंशी कहाहै ३ झरोखे में से आई हुई सूर्यकी किरणोंसे जो सूक्ष्मपदार्थ दिखाई देतेहैं उनको त्रसरेणु वा वंशी कहते हैं छः वंशीको एक मरीचि और छः मरीचिको राई ४ तीन राईकी सरसों आठ सरसोंका जव चार जव की एक रत्ती ५ छः रत्तीका मासा, मासाको हेम और धानकभी कहते हैं चार मासे का शाण इसको धरण ६ और टंकभी कहते हैं दो शाणका कोल इसको क्षुद्रक वटक द्रंक्षणभी कहते हैं ७ दो कोलका कर्ष इसको पाणिमानिका अक्ष पिचु पाणितल किंचित् पाणि तिंदुक ८ विडालपदक षोडशिका कर मध्य हंसपद सुवर्ण कवल ग्रह ९ उदुंबर कहते हैं दो कर्षका अर्द्ध पल इसको शुक्ति तथा अष्टमिका कहते हैं १० दो शुक्तिका एक पल इसको मुष्टि आम्र चतुर्थिका प्रकुंच षोडशी और बिल्व कहते हैं ११ दो पलकी प्रसृति इसको प्रसृतभी कहते हैं दो प्रसृति की अंजली इसको कुडव अर्द्ध शराव १२ और अष्टमान दो कुडव की एक मानिका इसको शराव और अष्टपल विद्वान् लोग कहते हैं १३ दो शराव का प्रस्थ चार प्रस्थ का आढक इस को भाजन कांस्यपात्र और चतुःषष्टिपल कहते हैं १४ चार आढक का एक द्रोण इसको कलश नल्वण अर्मण उन्मान घट और राशि कहते हैं १५ दो द्रोण का शूर्प इसको कुम्भ भी कहते हैं यह चौंसठ शराव का होताहै दो शूर्प की द्रोणी इसको वाह और गोणी कहते हैं १६ चार द्रोणी की एक खारी यह चार हजार छ्यानवे पलकी होती है १७ दो हजार पलका एक भार होताहै सौ पलकी एक तुला जाननी चाहिये १८ मासा टंक अक्ष बिल्व कुडव प्रस्थ आढक राशि गोणी खारी यह सब क्रमसे उत्तरोत्तर चौगुने हैं जैसे मासा से चौगुना टंक इत्यादि १९ मागध परिभाषा में छः रत्ती का मासा चौबीस रत्ती का टंक छ्यानवे रत्ती का कर्ष यह चरक का मत है। सुश्रुत के मत में-पांच रत्ती का मासा बीस रत्ती का टंक अस्सी रत्ती का कर्ष और इसी तरह कलिंग परिभाषामें भी आठ रत्ती का मासा बत्तीस रत्ती का टंक ढाई टंकका कर्ष होताहै॥

गुञ्जादिमानमारभ्य यावत्स्यात्कुडवस्थितिः। द्रवार्द्रशुष्कद्रव्याणां ताव

(करताली) हथेली बजाना
(करपाल) हाथकी रक्षा करनेवाला खड्ग, तरवार, दस्ताना
(करशाला) चुंगीघर, महसूल चुकने की जगह
(करालाकृति) जिसकी आकृति सूरत कराल, डरावनी हो भयानक, खौफनाक
(करुणायतन) करुणा दया के आयतन, स्थान, बड़ा रहम दिल, अतिकृपालु
(करुणार्द्र) दयासे आर्द्र, गीला, करुणा निधान
(कर्णवेध) संस्कार विशेष, कनछेदन
(कर्ण वेधन) संस्कार विशेष कनछेदन
(कर्णाट) कर्णाटक देश
(कर्मेन्द्रिय) काम करनेवाली इन्द्रिय, हाथ, पैर, लिंग, गुदा, वाक्, ये पांच
(कलकण्ठ) जिसका मधुर स्वर, हो कोकिल, कोयल
(कलन) गिनना, संख्यान
(कला) सोलहवाँ अंश, हिस्सा, समय का हिस्सा, मिनट, चतुःषष्टि ६४ प्रकार की विद्या, जो आगे क्रम से वर्णन की जाती हैं,

१ (गान) ७ प्रकार के स्वर, तथा राग, और रागिनियोंको अच्छे प्रकार जानना और उनको अच्छी तरहअभ्यस्त याद करना.

२ (वाद्य) जे प्रकारके बाजा हैं उनको अच्छी तरह बजाना.

३ (नटन) नृत्य, नाचना.

४ (नाट्य) भूत पूर्व, पहिले के महाराजाओं के चरित को नाटक करके खेलना व दिखलाना, नकल करना.

५ (आलेख्य) चित्रकारी करना, तसवीर खींचना.

६ (बहुरूपधारित्व) विशेषक छेद्य समयानुसार, वक्त मुताबिक, हर तरह का रूप धारण करना.

७ (तण्डुलप्रसूनवलि विकारक्रिया) समूचे चावल और पुष्पोंसे देवताओं के मन्दिर में चौकवगैरः बनाना.

८ (पुष्पशय्यानिर्म्माण) फूलों की शय्या, सेज बनाना, और फूलों के अनेक प्रकार के भूषण गहना बनाना.

९ (दन्त, वस्त्राङ्गरागादिनिर्माण) दाँतोंको सुगन्धित और स्वच्छसाफ करनेवाले अनेकप्रकार के मञ्जन, मिस्सी बनाना, समय २ के नेपथ्यपोशाक को जानना, स्त्रियों के अङ्गों में अनेक प्रकार के चित्र उ-

हना और सुगन्धादि, इत्र, फुलेल द्रव्य का लेप करना.

१० (मणिभूम्यादिनिर्माण) ऋतु समय के अनुसार मकान बनाना जिसमें ऋतु के अनुसार सब सामग्री मौजूद रहै.

११ (शय्याविधान) बिस्तर का बिछाना.

१२ (जलवाद्य) पानीका बाजा बजानाजलतरङ्ग.

१३ (उदकक्रीडा) जलका खेल, जलविहार जानना.

१४ (विचित्रविधान) क्लीब, नपुंसक बनाना, युवा, जवानको वृद्ध, बूढ़ाबनाना.

१५ (मालाग्रन्थन) देवताओं के पूजन के लिये विविध भाँति के बत्र तथामाला बनाना.

१६ (शेखरापीडयोजन) पुष्पों से केशपाशको भूषित करना.

१७ (नेपथ्यरचना) देश तथा समय के अनुकूल पोशाक पहिनना.

१८ (कर्णपत्रभङ्गनिर्माण) हाथी दांत या शंख या और वस्तु से कर्णभूषण बनाना.

१९ (सुगन्धयोजन) विविध भांतिके सुगन्धित, खुशबूदार चीज़ बनाना व लगाना.

२० (भूषणयोजनम्) अलङ्कार विधान, गहना पहिनना, या पहिनाना.

२१ (ऐन्द्रजाल) मायावी,बाजीगरकी तरह क्रीडा करना.

२२ (रूपनिर्माणकौशलको) कौचुमार योग बदसूरत को खूबसूरत बनाना

२३ (हस्तलाघव) काम में हाथ की सफाई

२४ (भोज्यविकार) अनेकप्रकार के भोजन रसोई, बनाने में चतुरता होशियारी.

२५ (पानक रस रागासवयोजन) हरतरहके पीने के लिये शरबत रस अर्क, आसव नशीली चीज़, भांग माजून, बहुगुनी शराब वगैरः का बनाना

२६ (सूची वाणकर्म) सुई का काम, सीना फटे फाड़ना, बाणकर्म, बाणका चलाना व बनाना.

२७ (सूत्रक्रीडा) तागासे चकई, व लट्टू वगैरः का नचाना या रंग बिरंगा तागा दिखाना.

२८ (प्रहेलिका) जिनके शब्दों से और अर्थ हो और वास्तविक असलीमतलब कुछ औरही हो। यथा जेरें बेरें ऐंटे लड़े पाटीमें ब्वाहि बैन। गली गली डोलत फिरे चहें रसीले बैन १ नाम उलटिके बोझ्यावार ... इत्यादि बातों, पहेलीको जानना.

२९ (प्रतिमाला) हरएक पशु, पक्षीकी बोली बोलना. या अन्तराक्षरी बैतबाजी जैसे शारदा शारदाम्भोजवदना वदनाम्बुजे ॥ सर्वदा सर्वदास्माकं सन्निधिं सन्निधिं क्रियात् १ इस श्लोक के अन्तिमअक्षरी अक्षर त से कोई श्लोक पढ़ना यथा ततोरावण नीतायाः सीतायाः शत्रुकर्षणः ॥ इयेषपदमन्वेष्टं चारणाचरिते पथि १ इत्यादि जानों॥

३० (दुर्वचकयोगाः) दुष्ट, वंचक, ठग दगाबाजलोगोंकी संगति मोहबत करना.

३१ (पुस्तकवाचनम्) शुद्ध सही शीघ्र स्वरसे पुस्तक को बाँचना.

३२ (नाटकाख्यायिका दर्शनम् नाटक) हरएकनाटक, थियटर करिके प्रदर्शन, पुराणों, कथा, इतिहास, कहानी, को दिखलाना, या देखना.

३३ (काव्यसमस्यापूर्तिः) जो कोई पाद कठिन अथवा श्लोकका कोई चरण देवे यथा "शून्यप्रकूप [illegible] गंगाप्रवाहः" [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] स्वागुरूणाम् ॥ आयासैर्नीच पुंसा म्मलिनकुलजुषांशिष्टतेयं यदिस्यात् "शून्यप्रकूपपट्टकन्तदुपरि नगरी तत्रगंगाप्रवाहः" इत्यादि.

३४ (पट्टिकावेत्रवाणविकल्पाः) नेवार, और बेंत, रज्जु, रस्सी से मोढ़ा, कुर्सी, कोच, पलँग वगैरह बीनना.

३५ (तर्ककर्माणि) तर्क, युक्ति, तरकीब से कामकरना.

३६ (तक्षणम्) बढ़ई का काम जानना या करना.

३७ (वास्तुविद्या) गृह, घर, मकान, बनाने की विद्या, कारीगरी, जानना, बनई का काम करना.

३८ (रौप्य, रत्नपरीक्षा) रौप्य, सोना, चाँदी, रत्न, जवाहिरात को पहिचानना, परखना.

३९ (धातु वादः) सुवर्णकार सोनारका काम जानना या करना.

४० (मणिरागाकरज्ञानम्) मणिराग मणियोंके रंगको तथा उनकी खानि को जानना और पहिचानना.

४१ (वृक्षायुर्वेदयोगाः) वृक्ष पेड़ दरख्त का आयुर्वेद, वैद्यक चिकित्सा, दवा, पालन, पोषणकरना, या उसका प्रकार जानना.

४२ (मेष, कुक्कुट, लावक, युद्धविधिः) मेष भेड़ा, कुक्कुट मुर्गी, लवा तीतर,

की लड़ाई का प्रकार जानना व लड़ाना,

४३ (शुकसारिकाप्रलापनम्) सुआ सुग्गा, तोता सारिका, मैना को पढ़ाना यानी उन को बोलना सिखाना.

४४ (उत्सादनम्) शत्रु दुश्मनों को यत्न पूर्वक तरकीब के साथ उत्सादन उजाड़ देना, निकासिदेना.

४५ (केशमार्जन कौशलम्) बालोंको मलना और कंघी करना, तथा तेल फुलेल लगाना इत्यादि कामों में कुशलता.

४६ (म्लेच्छित विकल्पाः)म्लेच्छ यवनादि की भाषा जबान,को जानना तथा उनके काम में आनेवाली चीजों को बनाना.

४७ (देश भाषा ज्ञानम्) सबदेश मुल्कोंकी भाषा बोल चाल सीखना.

४८ (पुष्पशकटिका) लड़कों के खेलने के लिये फूलोंकी गाड़ी वगैरः बनाना.

४९ (निमित्तज्ञानम्) कुण्डली तथा प्रश्न तथा वर्तमान समय तथा अनेक प्रकार की अद्भुत बातों को देखकर भूत, भविष्यत्, का शुभाशुभ अच्छा बुरा फल नतीजा जान लेना व बतलाना.

५० (यन्त्रमात्रिका) वशीकरण, युद्धादिक के लिये यन्त्र तावीज़ वगैरः बनाना तथा उसका प्रकार जानना.

५१ (धारणमात्रिका) बिना पढ़ी विद्याको भी एकहीबार सुनकर अवधारण याद रखना, स्मरण शक्ति को बढ़ाना, अवधान करना.

५२ (समवाच्यसमपाठ्यम्) किसी दूसरे आदमीका पढ़ना या बात चीत सुनकर चाहे उस भाषा को जानता भी न हो तथापि यथाश्रुत जैसा सुने वैसा स्मरण रखना, या दूसरीबार उसीतरह पढ़जाना.

५३ (मानसीकाव्यक्रिया) मन से काव्य करना अर्थात् दूसरे के आशय, मतलब को बिना जनाये भी समझलेना.

५४ (अभिधानकोशाः) सब पदार्थों, चीजों का नाम जानना.

५५ (छन्दोज्ञानम्) छन्दके शास्त्र से अनेक प्रकार के छन्दों के भेद को जानना

५६ (क्रियाविकल्पाः) जिसतरह बने उस तरह से कार्य्य को सिद्ध करना.

५७ (छलितयोगाः) छलित, छल, कपट हरतरह की चालाकी सीखना अर्थात् ऐयारी करना.

५८ (वस्त्रगोपनानि) कपड़ों की रक्षा, हिफाज़त करना.

५९ (द्यूतविशेषाः) शतरंज, चौ-

पड़, ताश वगैरः अनेक प्रकार के जुआका खेल जानना, या खेलना.

६० (आकर्षक्रीडनम्) जुआ के खेल में भी इसतरह खेलना जिससे अपनी ही बाजी चौकसरहै इसबात में निपुणहोना.

६१ (बालकक्रीडनकानि) लड़कों के खेल को जानना या लड़कों के खेलने के लिये खिलौना बनाने जानना.

६२ (वैनायिकीज्ञानम्) राजादिकों को विनय, नम्रतासेप्रसन्न,खुश करने जानना.

६३ (वैजयिकीज्ञानम्) स्पष्ट विजय करना या विजय, जीत देने वाले देवताओं को वश करने की विद्याजानना.

६४ (वैयामकीव्यायामकीविद्याज्ञानम्) व्यासादिकनके जो पुराण हैं उनको सब को जानना और व्यायाम कसरत इत्यादि नटविद्या को जानना.

(कलाकर) कलानिधि,चन्द्रमा, चांद

(कल्पतरु) इन्द्रके नन्दनवनमें एक ऐसावृक्षहै जो देवताओं के सम्पूर्ण मनोरथ को पूर्णकरताहै वह वृक्ष

(कल्पद्रुम) इन्द्र के नन्दन वन में एक ऐसा वृक्ष है जो देवताओं के सम्पूर्ण मनोरथको पूर्णकरत वह वृक्ष

(कल्पित) बनायाहुआ, मानाग कृत्रिम, रचित

(कश्यप) एक मुनिकानाम, जिर अपनी सृष्टिसे देवता,दै राक्षस इत्यादि को उत्प किया कश्य, मदिराकी संज्ञाहै, उसको जो पीवे पुरुष, शराबी, मद्यप

(काकतालीयन्याय) अन्यायास वि परिश्रम या अन वसर से मो या दैवयोग से ः त्तिफाकन, उ वस्तु मिलजाय ऐसे समय प कहाजाता है वि यह काकतालीय न्याय से प्राः हुआहै

(कांक्षा) इच्छा, अभिलाष, चाहन ख्वाहिश

(कापुरुष) खराब आदमी, नीचपुरुष

(कामकेलि) कामदेवका खेल, स्त्री पुरुषका एकान्त मिलाप, सुरत, मैथुन

(कामधेनु) एकतरह की गौ, जो सम्पूर्ण मनोरथको पूर्णकरती है

(कामना) मनोरथ, चाहना, ख्वाहिश
(कामरूप) इच्छानुसार जैसाचाहे तैसा रूप सूरत धारण करनेवाला मायावी
(कामातुर) कामदेवसे व्याकुल, मस्त, बड़ाकामीपुरुष
(कामार्त्त) कामदेवसे पीड़ित, कामुक, मस्त
(कामारि) कामदेवका शत्रु, महादेव
(कायिक) शरीर सम्बन्धी, देहके मुतअल्लिक़, शारीरिक
(कारागार) जेलखाना, बन्धनालय
(कार्पण्य) कंजूसी, कृपणता, सूमपना
(कार्याधिकारिन्) कारोबारका मालिक, कार्य्याध्यक्ष, मैनेजर
(कार्यकलाप) बहुतसाकाम
(कार्यदक्षता) काममें होशियारी, कार्यकौशल, कारगुजारी
(कार्यनिष्ठ) काम में लगाहुआ, कार्यासक्त, मशगूल
(कालक्षेप) समयको व्यतीतकरना, दिनकाटना
(कालनेमि) एक राक्षसका नाम, लंकाकी लड़ाईमें जब लक्ष्मणजी के शक्ति लगीथी उससमय सजीवनमूरि लेनेको जातेहुये हनुमानजी को रास्ते में कपटमुनि बनकर जिसने छलना चाहाथा
(कालरात्रि) काल, मौतकीरात, नवरात्रकी सप्तमी तिथि
(किष्किन्धा) बालिवानर की राजधानी एक पुरी
(कीदृश्) कैसा, किसप्रकारका, किसतरहका
(कीदृक्ष) कैसा, किसप्रकारका किसतरहका
(कीर्त्तन) तारीफकरना, सराहना, यशोवर्णन
(कुकर्मन्) बुराकाम
(कुचकुड्मल) कुचकीकली, चूंची की ढेपुनी, चूचुक, कुचाग्र
(कुटुम्बिन्) गृहस्थ, घरबारी, खानदानी
(कुण्ठित) मुड़ाहुआ, खफाहुआ, लज्जित, आलसी, सुस्त
(कुतर्क) बेजह दलील
(कुदृष्टि) बुरी निगाह, बुरी निगाह से देखना, बदनज़र
(कुधर) पहाड़, अद्रि, पर्वत
(कुध्र) पहाड़, अद्रि, पर्वत
(कुपथ) खराबरास्ता, कुमार्ग

(कुपात्र) खराब वर्तन, दानदेने के अयोग्य ब्राह्मण
(कुपित) गुस्सावर, क्रुद्ध, नाराज़
(कुभार्या) बुरीस्त्री, लड़ाका
(कुमति) बुरी समझ, दुर्बुद्धि
(कुमुदबन्धु) चन्द्रमा
(कुम्भसम्भव) अगस्त्यमुनि
(कुम्भीपाक) एक नरकका नाम, जिसमें जलतेहुये तेल की कड़ाही में पापी लोग डालेजाते हैं
(कुयोग) बुरी सोहबत, कुसंगति
(कुरु) इन्द्रप्रस्थ, दिल्ली का एकपुरानाराजा जिसकावंश कौरव कहलाताहै
(कुरुक्षेत्र) कुरु राजा का क्षेत्र, जगह जहांपर कौरव और पाण्डवोंका युद्ध हुआथा
(कुरूप) बदसूरत आदमी, खराब सूरत
(कुलघातिन्) खानदानको बरबाद करने वाला, कुलनाशक
(कुलनाग्ण) कुलको नारने वाला लायक लड़का, जिसमे कुल सुशोभित होना है
(कुलद्रोहिन्) कुलवाले खानदानी लोगों का द्रोह, नाश चाहने वाला अर्थात् बुरे कर्मों से अपने वंश को बदनाम करनेवाला
(कुलधर्म) कुल, वंशका धर्म, आचरण बर्त्ताव, व्यवहार कुलाचार
(कुलपूज्य) वंशके सब लोग जिस की पूजा करतेहों कुल गुरु, पुरोहितकुलदेवता
(कुलक्षण) कुचाल, बुरेचिह्न जिस में हों वह पुरुष
(कुशलक्षेम) खैर सल्लाह कुशल मंगल, चैनचान
(कुशाग्रबुद्धि) कुशके अग्र, फुनगी के तुल्य जिसकी बुद्धि तेज़हो वह पुरुष, बड़ा बुद्धिमान्
(कुष्ठनाशिनी) कोढको नाश करनेवाली औषधी सोमराज बल्ली
(कुसुमशर) जिसके बाण फूलके हों वह, कामदेव
(कुसुमित) फूला हुआ, पुष्पित
(कुहक) कुटिल, कपटी, छली, फरेबी
(कूलद्रुम) नदी के किनारे पर उगे हुये वृक्ष, तटस्थवृक्ष
(कृतकार्य) जिसने काम को पूरा किया हो, कामयाब, कृत कृत्य

(कृतघ्न) उपकारको न माननेवाला, अहसान फ़रामोश
(कृतघ्नता) उपकार को न मानना, अहसान फ़रामोशी
(कृतज्ञ) नेकीको समझनेवाला, उपकारज्ञ, अहसानमन्द
(कृतवीर्य) एक राजाकानाम्, जिसका सहस्रबाहु कार्त्तवीर्य, नामपुत्र हुआथा
(कृतार्थ) जिसने अपने कृत्य काम को कियाहो, जिसकी इच्छा पूरी होगई हो
(कृत्रिमपुत्र) दत्तकपुत्र, जिस को गोद बिठाया हो, वह लड़का
(कृषिकर्म) खेतीकाकाम, काश्तकारी
(कृषिकारक) खेती करनेवाला, काश्तकार, किसान
(केन्द्र) पृथ्वीकी दक्षिण तथा उत्तर रेखा जिससे पृथ्वीकी नाप होतीहै
(केरल) मालवादेश, नवीनविद्या, नयाशास्त्र
(केशिन्) जिसके बाल सुन्दर हों, एक राक्षस का नाम जो ब्रजमें श्रीकृष्णजीको मारने गयाथा
(कैटभ) एक राक्षसकानाम, जिस को दुर्गाजीने बध कियाथा
(कोपित) क्रोधी, खफ़ा
(कोमलता) मुलायमत, नरमाई, मृदुता
(कोलाहल) कल कल शब्द, गुलगपाड़, हल्ला
(कोशला) कोश खजानः जिसमें बहुत हो अयोध्या
(कोशाध्यक्ष) खजान्ची, भाण्डारिक
(कौतुकिन्) क्रीड़ाशील, खिलाड़ी
(कौरव) कुरु राजा के वंश के लोग कुरुवंशी
(कौशिकी) एक नदी का नाम पहिले जो विश्वामित्र की बहिनथी, अब नदी होकर हिमाचल से बहती है
(क्रयविक्रय) खरीद, फरोख्त, बनेई, बनिजपन
(क्रान्ति) आकाशमें सूर्यका रास्ता
(क्रान्तिमण्डल) खगोलमें सूर्य का मार्गबतलानेवाला वृत्त
(क्रियादक्ष) काम में कुशल होशियार, कार्य कुशल
(क्रोडपत्र) खर्रा, पर्चा
(क्रोधना) कोपवती स्त्री, गुस्सावर औरत
(क्रोश) पुकारना, रोना, कोस, दो मील
(क्लान्त) थका हुआ, श्रान्त

(क्लान्ति) थकावट, परिश्रान्ति
(क्लेशक) दुःख देनेवाला, दुखदाई
(क्वथित) पकाया हुआ, पक
(क्षणिक) थोड़ी देरतक जो रहे, थोड़ी देर का
(क्षत) घाव, व्रण, ज़ख़म, अथवा, माराहुआ, हिंसित
(क्षति) घाटा, नुक्सान, हानि
(क्षरण) टपकना, चूना, स्राव
(क्षाम) पतला, दुबला, क्षीण, कृश
(क्षालन) शुद्धकरना, पवित्रकरना, धोना, खंहारना
(क्षालक) धोनेवाला, धोबी
(क्षालित) शुद्धकिया हुआ, धोया हुआ, साफ कियाहुआ
(क्षितिप) पृथ्वीकामालिक, राजा, महाराजा
(क्षितिपति) पृथ्वीकामालिक, राजा, महाराजा
(क्षितिपाल) पृथ्वीकामालिक, राजा, महाराजा
(क्षुण्ण) पीसाहुआ, चूर्णित
(क्षुधातुर) भूँखसे व्याकुल, बुभुक्षित, भूँखा
(क्षुधार्त्त) भूँखसे व्याकुल, बुभुक्षित, भूँखा
(क्षुब्ध) व्याकुल, घबरायाहुआ
(क्षुरभाण्ड) अस्तुरा धरनेका बर्त्तन, किस्बत
(क्षेत्रज) अपनी स्त्री में दूसरे से उत्पन्न पुत्र, जारपुत्र
(क्षेपक) फेंकनेवाला
(क्षेपणी) ढीला, छोटा पत्थर, फेंकनेवाली चमड़े वा रस्सी की ढिलवाँसी
(क्षोभ) भयानक वस्तुके देखने से चित्त, तबीयत की घबराहट, डर, भय
(क्षौर) मुण्डन, हजामत करना, मुड़ाना

(ख)

(खगपति) पक्षियों, चिड़ियोंका मालिक, गरुड़
(खगान्तक) पक्षियोंका नाशकरनेवाला, बाजपक्षी
(खगेश) गरुड़, पन्नगारि
(खगोल) आकाशमण्डल
(खगोलविद्या) आकाशके तारा, ग्रहादिकों की चाल उदय, अस्त जानने की विद्या, ज्योतिष के सिद्धान्त ग्रन्थ
(खण्डन) काटना, टुकड़े करना किसी की बात काटना मातकरना
(खनन) खोदना, या जिससे खोदा जाय, कुदार वगैरः
(खमणि) आकाश का मणि, सूर्य्य
(खरधार) जिसकी धार बहुत पैनी हो, तीक्ष्णधार

(खल्वाट) चँदुला, जिसके शिर में बाल नहीं, गंजा
(खाण्डव) एक वनका नाम
(खाद्य) खानेके लायक चीज़,भोज्य
(खानिक) खानि में पैदाहोनेवाली चीज़
(खिन्न) उदासीन, रंजीदः
(खेचर) आकाश में चलनेवाला, ग्रहगण, देवतादिक
(खेद) शोक, अफ़सोस, पछतावा

(ग)

(गङ्गाद्वार) जहाँ से गङ्गा निकलती है, गंगोत्तरी
(गजगामिनी) जिस स्त्रीकीचाल हाथीकी चालकी नाईं मतवालीहो वह स्त्री
(गजपाल) हाथीको पालनेवाला, महावत, हाथीवान्
(गजवदन) गणेशजी
(गणक) ज्योतिषी, गिननेवाला, नजूमी
(गणनाथ) शिवजी के गणोंका मालिक, गणेशजी
(गणनायक) गणेशजी
(गणपति) गणेशजी
(गणितज्ञ) हिसाब जाननेवाला
(गण्डकी) एक नदीका नाम
(गताक्ष) जिसकी आंख जातीरही हो, अंधा
(गतिपरिपाटी) सेना के चलने की रीति, फौजकी क़वायद
(गदहन्) रोगको दूर करनेवाला वैद्य, हकीम, डाक्टर
(गदा) एक तरह का हथियार
(गदाधर) कौमोदकी गदाको धारण करने वाले विष्णु भगवान्
(गदिन्) रोगी, विष्णु
(गद्गद) बड़े हर्ष, खुशी या भय से पूरा न बोलसकना
(गन्तृ) चलनेवाला, जानेवाला
(गमनागमन) आनाजाना, आमदरफ्त
(गमिन्) जानेवाला
(गया) एक तीर्थस्थान जहां हिन्दू लोग पितरों के उद्धारार्थ पिण्डदान करते हैं
(गर) निगलना, गला, जहर, विष
(गरिमन्) गरुआई, बोझा, गुरुत्व
(गरीयस्) गुरु, श्रेष्ठ, बड़ा
(गर्ग) एक ऋषिकानाम, जो यदुवंश का गुरू था
(गर्जन) गरजना, सिंहका शब्द, गाजना
(गर्भवती) जिस स्त्री के सन्तान होनेवाला हो
(गर्भस्राव) गर्भका गिरना गर्भपात,
(गर्वित) अभिमानी, अहंकारी, घमंडी

(गर्हित) निन्दित
(गाथा) कथा, श्लोक
(गाधितनय) विश्वामित्र
(गाधर्व) गन्धर्व विवाह; जो केवल वर कन्या की ही रज़ामन्दी से होताहै
(गायक) गानेवाला, गवैया
(गायन) गानेवाला, गवैया
(गालव) एक ऋषिका नाम, लोध औषध
(गिरिजा) हिमाचल से उत्पन्न पार्वती जी, गौरी
(गिरिधर) गोवर्धन नाम पर्वत को धारण करनेवाले, श्री कृष्ण भगवान्
(गिरिधारिन्) गोवर्धन नाम पर्वत को धारण करनेवाले श्रीकृष्ण, भगवान्
(गिरिराज) हिमाचल गोवर्धन, सुमेरु
(गिरिवर) पर्वतों में श्रेष्ठ बड़ापहाड़
(गिरिसुता) गौरी, पार्वती
(गिलन) निगलना, खाना, भोजन करना
(गीतिका) एक छन्द का नाम
(गुञ्जन) गूँजना
(गुटिका) गोली, गुटिका
(गुणक) जिस अंक से गुना जाय, वह अंक
(गुणग्राहक) गुण का गाहक गुण को जाननेवाला
(गुणग्राहिन्) गुण का गाहक गुण को जाननेवाला
(गुणन) गुनना, ज़रब देना
(गुणवत्) पण्डित, प्रवीण, चतुर
(गोपित) पालाहुआ, पालित, रक्षा किया हुआ, रक्षित
(गोप्तृ) रक्षा करनेवाला, पालक, मुहाफिज
(गोप्य) छिपानेकेलायक, अप्रकटनीय
(गुम्फ) गूंथना, पोहना, गुम्फन, ग्रन्थन
(गुरुतर) बहुतभारी, बहुतही भारी
(गुरुतम) बहुतभारी, बहुतहीभारी
(गुरुजन) बड़े लोग, वृद्धजन, बड़े बूढ़े
(गुरुवार) वृहस्पति का दिन, वीफै
(गृध्रराज) गीधों का राजा, जटायु सम्पाति, नाम के दो गीध
(गृहिणी) स्त्री, जोरू
(गेय) गाने के योग्य
(गोत्रज) गोतियार, एक गोत्र के लोग
(गोऽतीत) अप्रत्यक्ष, इन्द्रियों से बाहर
(गोदान) गौकादान, देना, संस्कार मुण्डन, विशेष, पहिले २ दाढ़ी बनवाना

(गोदावरी) स्वर्गको देनेवाली एक नदी का नाम जो दक्षिण में बहती है
(गोधूलि) सायंकाल, शाम, जब कि गौएँ जंगल से चरके गाँव को आती हैं वह समय
(गोपन) छिपाना, अप्रकाशन, रक्षा करना
(गोपनीय) छिपाने के योग्य अप्रकाश्य
(गोपी) गोप, अहीर की स्त्री, अहीरिन, ग्वालिन
(गोपीनाथ) श्रीकृष्ण, भगवान्
(गोमती) एक नदीका नाम
(गोमुखी) जिसका गौकैसा मुखहो या जिसमें मालारखकर जप किया जाता है वह थैली, हिमाचलकी एक गुफा जिससे गंगाजी निकलती हैं
(गोवर्धन) व्रज में इन्द्रके कोप से जब धारा सम्पात करके जल बरसताथा उस समय श्रीकृष्णजीने जिसपर्वत को उठाया था वह पहाड़
(गोस्वामिन्) गो, इन्द्रिय और गौ का स्वामी, मालिक ईश्वर, महन्त, गुरु गुसाईं, अथवा जिस के बहुतसी गौएँ हों
(गौड़) ब्राह्मणोंकी एक जाति,जिसमें बंगालकी राजधानी थी वह शहर
(गौण) अप्रधान
(गौरीश) महादेव, शिव
(ग्रन्थकर्तृ) पुस्तक बनानेवाला
(ग्रन्थकार) पुस्तक बनानेवाला
(ग्रहण) लेना, सूर्य अथवा चन्द्रमा को जब राहु ग्रसताहै वह समय
(ग्राहक) ग्रहण करने वाला, लेने वाला, खरीददार
(ग्राह्य) ग्रहण करनेके योग्य, लेने लायक, आदेय

(घ)

(घटक) मिलाने वाला, संयोजक चेष्टा करनेवाला
(घटज) घटसे उत्पन्न,अगस्त्यमुनि जो दक्षिनतरफ आकाश में उदयहोताहै
(घटयोनि) अगस्त्यमुनि
(घटी) घड़ी, ६० पल, चौबीस मिनट, छोटा घड़ा
(घटिका) घड़ी, ६० पल, चौबीस मिनट, छोटा घड़ा
(घण्टाली) छोटी २ घंटियोंका समूह, जो बैलके गलेमें बांधीजाती हैं

(घननाद) मेघ, बादल का नाद आवाज़ मेहकी गर्ज
(घर्षण) घिसना, रगड़ना
(घातिन्) मारनेवाला, मारक
(घुणाक्षरन्याय) जिसके अर्थ चेष्टा न की जाय वह अकस्मात् यदि बनजाय तो ऐसे अवसरपर कहतेहैं कि यह जैसे घुनके लकड़ीखाते २ कोई अक्षर बनजाय वैसाहीहुआहै
(घूर्णन) घूमना, चक्कर आना, भ्रमन
(घृणित) जिस को देखने से नफरत, घिना होती हो वह, गंदा
(घृष्ट) घिसाहुआ, रगड़ाहुआ
(घोरनिद्रा) गाढ़ीनींद, गाढ़निद्रा
(घ्राणेन्द्रिय) नासिका, नाक

(च)

(चकित) भूला, घबराया
(चञ्चरीक) भ्रमर, भौंरा
(चटु) प्रिय वचन, प्यारीबोल
(चतुर) चालाक, सुन्दर
(चण्डांशु) सूर्य, सूरज, रवि
(चतुर्) चार, ४
(चतुष्क) चौकोन, चौखूंटा
(चतुरङ्गिणी) हाथी, घोड़ा, रथ, पैदल ये चार अंग जिसमें हों वह फौज, सेना
(चतुर्थ) चौथा
(चतुर्दशी) चौदहवीं तिथि, चौदस
(चतुर्भुज) विष्णु, चौकोर खेत
(चतुर्मुख) ब्रह्मा
(चतुर्वक्त्र) ब्रह्मा
(चतुष्पद) चौपाया जिस के चार पैरहों, गौ, बैल इत्यादि
(चन्द्रमणि) चन्द्रमा के उदय में जिस पत्थर से जल टपकता है वह मणि चन्द्रकान्त मणि
(चन्द्रापीड) चन्द्रमा जिसकेमाथे का भूषण हो शिव, महादेव
(चपेटिका) थप्पड़, चटकना
(चमत्कार) चटकई, चटकीलापन
(चरणामृत) देवताकी प्रतिमा गुरु या साधु ब्राह्मण के पैरका धोयाजल चरणोदक
(चराचर) चलनेवाला या स्थावर वृक्षादिक, जंगम प्राणि-वर्ग
(चरित) आचरण, चालचलन, शील, स्वभाव
(चरित्र) आचरण, चालचलन, शील, स्वभाव
(चर्वण) चबाना
(चर) चलना, भक्षण करना
(चाटु) प्रियवचन, प्यारी बात

(चाटुलक्ष्मी) प्रिय वचन बोलने सम्पत्ति, खुशामदी बातें
(चाणूर) कंसके यहाँ का एक प्रसिद्ध पहलवान
(चातुरी) कुशलता, चतुराई
(चान्द्रायण) एक व्रतकानाम, जिसमें कृष्णपक्षकी परिवा से ज्यों २ चन्द्रमा की कला घटती है त्योंही एक २ ग्रास कम करते अमावास्या को एक ग्रास भोजन करना हो ताहै और शुक्लपक्षकी प्रतिपत् से ज्यों २ चंद्र कलाबढ़ती है त्यों २ एक २ ग्रास बढ़ाते पौर्णमासी को पन्द्रह ग्रास भोजन करना होता है
(चामुण्डा) एक देवीकानाम जिसने चण्ड, मुण्डनाम राक्षसको माराथा
(चिकित्सालय) हास्पिटल, शिफाखाना
(चिकित्साशास्त्र) वैद्यक शास्त्र, डाक्टरी
(चिकीर्षा) करने की इच्छा, विधित्सा
(चिकीर्षु) करनेकी इच्छा,कियेहुये
(चित्तताप) दिलीरंज,मानसीव्यथा
(चित्तोपताप) दिलीरंज, मानसी व्यथा
(चित्रकूट) एक पर्व्वत का नाम जहां रामचन्द्रजी ने कुछ कालतक निवास किया था
(चित्रगुप्त) धर्मराजके यहाँ मनुष्यों के पुण्य पापका लिखने वाला, जिसको कायस्थ लोग अपना वृद्धपुरुष बुजुर्ग वतलाते हैं
(चित्ररेखा) तसवीर खींचनेवाली, बाणासुरके प्रधान मन्त्रीकूष्माण्डकीकन्या
(चित्रलेखा) तसवीर खींचनेवाली बाणासुरके प्रधानमन्त्रीकूष्माण्डकीकन्या
(चित्रिणी) पद्मिनी, चित्रिणी, हस्तिनी, शंखिनी, इन चारप्रकारकी स्त्रियों में से एक स्त्री
(चिदात्मन्)चैतन्यस्वरूप,परमात्मा
(चिन्तामणि) मनोवाञ्छित पदार्थ को देनेवाला एकप्रकारका पत्थर
(चिरबाधित)उपकृतज्ञ,अहसानमंद
(चिरस्थायिन्) बहुत अर्सेतक रहनेवाला
(चुम्बक) चूमनेवाला, या एकप्र-

कारका कच्चा लोहा जो लोहे को खींच लेताहै

(चुम्बन) चुम्मा, बोसा, चूमना

(चूडाकरण) मुण्डन संस्कार, मूँड़न

(चूपक) चूसनेवाला

(चूपण) चूसना

(चेष्टा) हाथ, पैरका चलाना, काम करना

(चैतन्य) परमात्मा, ब्रह्म

(च्युति) चूना, टपकना

(छ)

(छन्दोग) काव्यबनानेवाला, कवि, सामवेदका गानेवाला

(छर्दन) छाँट, वमन, क़य

(छर्दि) छाँट, वमन, क़य

(छलविनय) कपटपूर्वक, विनय करना

(छात्रवृत्ति) विद्यार्थियों की वृत्ति, वज़ीफ़ा, स्कालरशिप

(छायापथ) परछाईं का मार्ग, खाली जगह, आकाश

(छोटिका) कौपीन, लँगोटी

(जगदम्बा) जगत, संसारकी माता, देवी, दुर्गा

(जगदाधार) दुनियां जिसके सहारे पर रहे, शेषजी

(जगदीश) संसार का मालिक, परमात्मा

(जङ्गम) दो प्रकार की सृष्टि में से चलने फिरनेवाले जीव

(जटाधारिन्) जटा, सदा बँधे रहने वाले बालों को रखनेवाला

(जटित) जड़ाऊ, जड़ाहुआ

(जटिल) जटा रखनेवाला, जटाधारी

(जड़मति) उजड्ड, दुर्बुद्धि

(जनकतनया) जानकी जी महारानी

(जनकसुता) जानकीजी महारानी

(जनप्रवाद) लोगों की कहावत, लोक प्रवाद

(जनमेजय) दुष्ट लोगों को कँपाने वाला, प्रतापशाली राजा परीक्षित का पुत्र

(जनयितृ) पैदा करनेवाला, तात, जनक, पिता

(जनश्रुति) लोगों में फैला हुआ अफवाह, किंवदन्ती

(जन्मद) पिता, बाप

(जन्मदिन) पैदायश का रोज़

(जन्मभूमि) जिस जगह पैदाहुआ हो वह जगह, वतन

(जन्मान्तर) दूसरा जन्म, पुनर्जन्म

(जम्बुद्वीप) पृथ्वी में सातद्वीप हैं, उन में से पहिलाद्वीप, जिसका एक हिस्सा भरतराजा के नामसे भारतवर्ष कहलाता है

(जम्बूद्वीप) पृथ्वी में सातद्वीप हैं, उनमें से पहिलाद्वीप, जिसका एक हिस्सा भरतराजा के नामसे भारतवर्ष कहलाताहै

(जयपताका) जीतकाझण्डा, विजयकेतु

(जरती) बुढ़िया स्त्री

(जरासन्ध) जरानाम राक्षसी ने जन्मके समय उसके शरीरके जो दो टुकड़े थे उनको जोड़ कर यह वरदान दियाथा कि जबतक यह जोड़ न फटैगा तब तक यह किसीके मारे न मरैगा इसीसे उसका नाम जरासन्धथा, यह मगधदेशका राजाथा, और अपने जामाता, दामाद, कंसकेमरनेपर श्रीकृष्णजी का बैरी होगया अन्तमें इस की मृत्यु भीमसेनके हाथसे हुई

(जलकल्क) पानीकासेवार, काई, पौधा

(जलकाक) पानी में रहनेवाला पक्षी, पनडुब्बी, बतख

(जलकुक्कुट) पानी में रहनेवालामुर्गा

(जलक्रीडा) पानीकाखेल

(जलचर) पानी में रहनेवाले जीव, मछली, ग्राह इत्यादिक

(जलत्र) पानीसे बचानेवाला, छतुरी, नाव

(जलद) मेघ, बादल

(जलधि) समुद्र

(जलनिर्गम) पानी निकलने की रास्ता, मोरी, नाला

(जलपति) जलकादेवता, वरुण

(जलयान) पानीकीसवारी, जहाज़, नाव

(जलराशि) समुद्र

(जलरुह) कमल

(जलशायिन्) क्षीर समुद्रमें सोने वाले विष्णु

(जह्नु) चन्द्रवंशका एक राजर्षि, जिसने गंगाजीको एकबार पी लियाथा तभीसे गङ्गाजीको जह्नुतनया भी कहते हैं

(जागरण) रातको जागना, रतिजगा

(जात) जाति, कौम, पैदाहुआ, उत्पन्न

(जातक) जन्म का हाल बतलाने वाले ज्योतिषके ग्रन्थ

(जातकर्मन्) संस्कार विशेष जो कि पुत्रके पैदा होने पर तुरंही किया जाता है, नान्दीमुखादिक श्राद्ध

(जापक) मन्त्रको जपनेवाला
(जाम्बवत्) जामवन्त नाम रीछ जिसकीकन्या जाम्बवती श्रीकृष्णजी को व्याहीथी जिसने लङ्काकी लड़ाई में श्री रामचन्द्रजी को बड़ी सहायता दीथी
(जायानुजीविन्) औरतसे रोज़गार करने वाला, नट बेड़िया
(जाह्नवी) गंगाजी
(जिगमिषा) जानेकी इच्छा, इरादा, गमनेच्छा
(जिगीषा) जीतनेका इरादा
(जिघत्सा) भोजन करनेकी इच्छा
(जिघांसा) मारनेका इरादा
(जिघांसु) मारने की इच्छा किये हुये
(जिज्ञासा) जानने की इच्छा किये हुये
(जिज्ञासु) जानने की इच्छा किये हुये, मुमुक्षु
(जितेन्द्रिय) इन्द्रियों को अपने वश, इख्तियार में किये हुये
(जीर्णोद्धार) पुरानी चीज़की मरम्मत करना
(जीवित) जीताहुआ
(जुगुप्सित) निन्दित, बदनाम

(जुष्ट) प्रसन्न, खुश, सेवित, से[...] किया हुआ
(जृम्भा) जँमुहाई, जृम्भण
(ज्ञात) जाना हुआ, समझा हुअ[...]
(ज्ञानवत्) जाननेवाला, ज्ञान[...] पण्डित
(ज्ञानेन्द्रिय) इन्द्रियाँ, जिनसे वि[...]षय सम्बन्धी ज्ञा[...] होता है, कान, त्व[...] खाल, नेत्र, जीभ[...] नाक, ये पांच इन्द्रि[...]
(ज्ञापक) विदित करनेवाला, ज[...]नानेवाला
(ज्ञापन) विदित करना, बतलान[...]
(ज्ञाप्य) जनाने के योग्य, जानने के योग्य
(ज्ञेय) जनाने के योग्य, जानने के योग्य
(ज्योतिर्विद्) ग्रह, नक्षत्रका गति[...] उदय, अस्त बतलाने[...] वाले शास्त्र का जानने वाला पण्डित
(ज्वलित) प्रकाशमान, जलता हुआ
(ज्वालामुखी) ऐसा पहाड़ जिस[...] में सदा अग्नि की ज्वाला निकलती है[...] यह पर्वत पंजाब प्रान्त में है, जिस को कि आजकल हिन्दू लोग देवी का

स्थान मानते हैं

(झ)

(झँझानिल) हवा, जिस में झंझनाहट की आवाज़ आती हो, गर्मी या वर्षा की हवा, झंझावात

(झषकेतु) कामदेव, मदन

(ट)

(टङ्कशाला) टकसाल घर जहाँ रुपया बनाया जाताहै

(टङ्कार) टन् २ ऐसे शब्द करना

(टलन) उद्वेग, घबड़ाना

(टिट्टिभ) टिटिहिरी, एक तरहकी चिड़िया जिसके कण्ठ का छिद्र बहुत छोटा होने से प्रायः तालाब नदी के किनारे प्यासके मारे टीं२ किया करतीहै

(टिप्पणी) कठिन शब्दोंका अर्थ

(ड)

(डाकिनी) डायिन

(डीन) पक्षी की उड़ान

(त)

(तक्ष) काटना, पतला करना

(तज्ज्ञ) तत्व, सिद्धान्त को जाननेवाला, पण्डित

(तटस्थ) नदी आदिके किनारे पर रहनेवाला उदासीन, समवृत्ति

(तटी) कूल, घेला, किनारा, तीर

(तडित्समाचार) तार के समाचार, तारबर्क़ी, सौदामिनी सन्देश

(तत्क्षण) उसीवक्त, तुरंत, फ़ौरन

(तत्र) वहाँ, उस जगह

(तत्रभवत्) पूज्य, आदरणीय, आंजनाव

(तत्वतस्) यथार्थ, ठीक २, सत्य २

(तथाऽपि) तिस पर भी, तौभी, तब भी

(तथाऽस्तु) वैसाही हो

(तदनन्तर) तिसके बाद

(तनया) कन्या, लड़की

(तनुज) पुत्र, लड़का

(तनूज) पुत्र, लड़का

(तन्तुकीट) रेशमबनानेवाला कीड़ा

(तन्मय) बिल्कुल वही, तद्रूप

(तन्मात्र) उतनाही, तावन्मात्र

(तपस्या) व्रत नियम में शरीर को क्लेशदेना

(तपोधन) जिसके केवल तपही धनहो, तपस्वी

(तपोवन) तपस्या करनेका वन

(तप्त) तपाया हुआ गर्म, उष्ण

(तमसा) एक नदीका नाम जो अयोध्या से पूर्व अकबरपूर के पास बहती है जिको टोंस अब लोग कहते हैं

(तमोघ्न) तमस्, अँधेरा या अज्ञान को दूर करनेवाला सूर्य, गुरू
(तरण) तैरना, पारहोना, नाव इत्यादिक, हाथी का झूल
(तर्कविद्या) न्याय शास्त्र
(तर्जन) धमकाना, भर्त्सन, धमकी, घुड़की
(तर्पक) तृप्तिकरनेवाला
(तर्ष) प्यास, इच्छा, चाह
(ताटङ्क) कानका गहना, कर्णभूषण
(ताड़क) ताड़ना करनेवाला, सज़ादेनेवाला
(ताड़न) सज़ा, मारपीट
(ताड़ना) सज़ा, मारपीट
(ताड़नी) कोड़ा, कशा, चाबुक
(तात्कालिक) उसीसमयका
(तात्पर्य) आशय, मतलब
(तादर्थ्य) उस कामकेवास्ते
(ताप) शोक, पछितावा, दुःख, ज्वर, बुखार
(तामस) तमोगुणी मनुष्य, तामसी, क्रोधी
(ताम्बूल) पान
(ताम्बूलिन तम्बोली, पानबेचने
(ऺ ... पानबेचने
(तारतम्य) घटबढ़
(तार्किक) नैयायिक, न्यायशास्त्र जाननेवाला
(तालवृन्त) पंखा, बेना
(तालव्य) जिन अक्षरोंका उच्चारण तालूसे होताहै वे अक्षर यथा, इ, च, छ, ज, झ, ञ, य, श
(तितिक्षक) हरएक के अपराधको सामर्थ्य होनेपर सहन करनेवाला, सहनशील
(तितिक्षा) सामर्थ्य होनेपर दूसरे के अपराधको सहना
(तिरस्कार) अनादर करना, त्यागिदेना
(तिरस्क्रिया) अनादर, बेइज्ज़ती, त्याग
(तिरोधान) अन्तरध्यान, गायबहोना
(तिरोहित) लुकाहुआ, छिपाहुआ, गायब
(तिलोत्तमा) स्वर्गकी एक वेश्या का नाम
(तिलोदक) तिलमिला पानी, तर्पणका जल
(तिलोदन) तिलमिला हुआ भात अर्थात् खिचड़ी
(तीर्थराज) तीर्थोंका राजा, प्रयाग
(तुङ्गभद्रा) एक नदीका नाम जो महीसुर, मैसूर राज-

धानी के पास बहती है
(तुम्बुरु) तम्बूरा,तानपूरा,एकतरह का बाजा
(तुरीय) चौथा, चौथाई
(तुलाधार) बनिया, वणिक्
(तुष्ट) सन्तुष्ट, तृप्त, प्रसन्न
(तूली) चित्रकार, मुसव्वरकी कूंची
(तृणवत्) तिनकाके बराबर
(तृतीय) तीसरा
(तृषार्त्त) प्याससे व्याकुल, बहुत प्यासा
(तृषित) प्यासा
(तैलङ्ग) देशविशेष, कर्णाटक
(तोयद) मेघ, बादल
(तोयनिधि) समुद्र
(तोलक) तौलनेवाला
(तोषक) सन्तोष करनेवाला, प्रसन्न करनेवाला
(त्यागशील) दानी, फ़य्याज़, दाता
(त्याजित) छुड़ायागया
(त्यागिन्) जिसने सर्व्वस्व त्याग दिया हो,विरक्त,वैरागी
(त्याज्य) त्यागकरनेके योग्य,छोड़ने के लायक
(त्रपित) लज्जित,शर्मिन्दा,लजाया हुआ
(त्रयोदशी) तेरहवीं तिथि
(त्रस्त) डराहुआ,भीत, खौफ़ज़दा
(त्रातृ) पालन करनेवाला, रक्षक,
(त्रासक) भयानक, डरानेवाला
(त्रासित) डरायागया, भययुक्त
(त्रिकालदर्शिन्) भूत, भविष्यत् वर्त्तमान इनतीनों कालमें होनेवाली बात को जानने वाला,सर्वज्ञ, त्रिकाल वेत्ता
(त्रिकूट) एक पर्वत का नाम जिस पर लंका, रावणपुरी बसीथी
(त्रिकोण) जिस खेत में तीन कोन हों,त्रिभुजक्षेत्र,तिकोना
(त्रिजटा) एक राक्षसी का नाम जो लंका में जानकीजी के अनुकूलथी
(त्रिधा) तीन तरह से
(त्रिनयन) तीन नेत्रवाला,शिवजी, महादेव
(त्रिनेत्र) तीन नेत्रवाला, शिवजी, महादेव
(त्रिपुण्ड्र) शाक्तऔरशैव लोगोंका तिलक, जिस में तीन रेखाहों
(त्रिपुर) एक असुर का नाम जिस की मृत्यु संग्राम में शिव जी के हाथ से हुई थी, त्रिपुरासुर
(त्रिपुरदहन) त्रिपुर राक्षसको ज-

(त्रिपुरारि) शिव, महादेवजी
(त्रिलोक) स्वर्ग, मृत्युलोक, पाताल ये तीनों लोक
(त्रिलोकी) स्वर्ग, मृत्युलोक, पाताल ये तीनों लोक
(त्रिविध) तीन प्रकार का
(त्रिवेणी) गंगा, यमुना, सरस्वती इन तीन नदियों का संगम
(त्रिशिरस्) तीन शिरवाला एक राक्षस
(त्रिशूल) एक तरह का हथियार
(त्रिशूलपाणि) महादेवजी
(त्रैराशिक) तीन राशिका हिसाब
(त्रैलोक्य) स्वर्ग, मृत्यु, पाताल, लोक
(त्रोटक) एक छन्द का नाम

(द)

(दंष्ट्रा) दाढ़, दाँत
(दक) जल, पानी, अप्
(दक्षकन्या) दक्षनाम प्रजापतिकी बेटी सती
(दक्षसुता) दक्ष नाम प्रजापतिकी बेटी सती
(दक्षिणा) दान, भेंट, बिदाई
(दक्षिणायन) कर्कराशिसे धनराशि तक जब सूर्य संक्रान्ति करते हैं वह समय
(दण्डक) दण्ड सजा देनेवाला एक राजा का नाम
(दण्डकारण्य) शुक्र वा भृगुमुनिके शापसे दंडक राजा का राज्य नष्ट होकर जंगल होगया था, जिस में श्री रामचन्द्रजी ने कुछ दिन वासकिया है, वह वन
(दण्डनायक) धर्मराज, यम, फौजदारी का मुलाजिम
(दण्डपाशिक) फांसी देनेवाला, जल्लाद
(दण्डादण्डि) लठिआहुज, लाठीकी लड़ाई
(दण्डिन्) बांसकीछड़ी रखनेवाला संन्यासी
(दत्त) दियाहुआ
(दत्तक) गोद बैठायाहुआ लड़का
(दत्तात्रेय) दत्तकपुत्र एक बड़े ज्ञानी अत्रि ऋषिका पुत्र जिसके २४ गुरू थे
(ददन) दान देना
(दद्रु) दाद, एकप्रकार का रोग
(दधि) दही
(दधीचि) एक ऋषिका नाम जिसने अपने शरीरका हाड़ वृत्रासुरके मारनेके लिये इन्द्र को वज्र बनाने के वास्ते दिया था
(दधिसार) नवनू, मक्खन, नवनीत

(दन्तच्छद) होठ, ओष्ठ
(दन्तधावन) दातुन, दतून
(दन्त्य) जिन अक्षरों का उच्चारण दांत से होता है वे अक्षर यथा ल, त, थ, द, ध, न, ल, स
(दमक) इन्द्रियोंका दमन, विषयों से रोकनेवाला
(दमनीय) दाबने के लायक, शान्त करने के योग्य
(दमयन्ती) विदर्भ देशके राजाभीमकी बेटी, महाराज नलकी पत्नी
(दम्भिन्) कपटी, छली, दगाबाज़, पाखण्डी
(दयिता) प्यारी स्त्री, वल्लभा
(दरिद्रता) गरीबी, निःस्वता, कंगालपना
(दर्प) अहंकार, गर्व, घमंड
(दर्पित) अभिमानी, मगरूर, घमंडी
(दर्शनप्रतिभू) दिखलानेकीजिम्मेदारी, हाजिर करने की जिम्मेदारी, हाजिर जामिनी
(दलन) मर्दन करनेवाला, नाशक, फूलना, विकसन, टुकड़े २ करना
(दलनी) लोहकी मुंगरी जिससे सड़कवगैरःकूटीजातीहै, दुर्मुट
(दलित) मींजागया, मर्दित
(दवाग्नि) वनकी आगि, दाव
(दशकण्ठ) रावण, दशानन
(दशकन्धर) रावण
(दशग्रीव) रावण
(दशम) दशवाँ
(दशमहाविद्या) दशप्रकारकी देवी महामाया, यथा, काली, तारा, षोडशीच, भैरवी, भुवनेश्वरी ॥ धूमावती, छिन्नमस्ता, मातङ्गी बगला तथा १एतादश महा विद्याः कमलाऽपि प्रकीर्त्तिताः॥ जैसे काली १ तारा २ षोडशी ३ भुवनेश्वरी ४ भैरवी ५ छिन्नमस्ता ६ धूमावती७बगला८ मातङ्गी ९ कमला १० ये दश दुर्गा
(दशमुख) रावण
(दशमुखान्तक) रावण के नाश करनेवाले श्री रामचन्द्र
(दाक्षिणात्य) दक्षिण दिशामें होने वाला

(दाक्षिण्य) दातृत्व, उदारता, कुशलता, होशियारी
(दातृ) देनेवाला, दाता, सखी, फ़ैयाज़
(दानपत्र) हिवानामा, दानकी हुई इस मेरी जायदाद के हरलेनेका अधिकारमेरे किसी भी दायाद को बाद मेरे न होगा इस प्रकार का लेख जिस पत्रमें किया जाताहै वह पत्र
(दानशील) दानकरनेका जिसका स्वभाव हो, दानी
(दाय) पैतृक धन, बाप दादा की जायदाद
(दारकर्मन्) विवाह, ब्याह
(दारिका) कन्या, लड़की
(दारुक) श्रीकृष्णजी का सारथी
(दारुगर्भा) कठपुतली, गुड़िया
(दासी) टहलुई, लौंडी
(दाह) जलाना, भस्मकरना
(दाहन) जलाना, भस्म करना
(दाहक) जलानेवाला
दिक्पति / दिक्पाल } इन्द्रोवह्निः पितृपतिर्नैर्ऋतोवरुणोमरुत्॥ कुबेरईशः पतयः पूर्वादीनांदिशांक्रमात् १ पूर्व काइन्द्र २ अग्निकोणका अग्नि ३ दक्षिणकाय-मराज ४ दक्षिणपश्चिम के कोण का नैर्ऋत ५ पश्चिम का वरुण ५ पश्चिम उत्तर के कोनका वायु ६ उत्तरका कुबेर उत्तर, पूर्व के कोनका महादेवजी ८ आकाशका ब्रह्मा ९ पातालका शेष भगवान् १० स्वामी हैं। और किसी के मतसे "सूर्यःशुक्रःक्षमापुत्रः सैंहिकेयः शनिःशशी। सौम्यस्त्रिदशमन्त्रीच पूर्वादीनामधीश्वराः॥" ये दिशाओंके स्वामी हैं
दिक्शूल / दिशाशूल } शनौचन्द्रेत्यजेत्पूर्वां दक्षिणान्तुदिशांगुरौ॥ सूर्यशुक्रे पश्चिमान्तु बुधेभौमे तथोत्तराम् १ शनैश्चर सोमवारको पूर्व, बृहस्पति को दक्षिण, रविवार शुक्रवार को पश्चिम, बुध या मंगल को उत्तरकीयात्रा वर्जित है इस निषेध को ही दिक्शूल कहते हैं
(दिगन्त) जहांतकदिखपड़ताहो
(दिग्गज) आठ दिशा के हाथी,

यथा ऐरावतः पुण्डरी को वामनः कुमुदोऽञ्जनः पुष्पदन्तः सार्व्वभौमः सुप्रतीकश्च दिग्गजाः १ पूर्वादि क्रमसे ये आठ दिग्गज हैं
(दिग्विजय) सबदिशाको जीतना
(दिति) दैत्योंकी माता, कश्यप की स्त्री
(दिदृक्षा) देखनेकी चाह, दर्शनाभिलाष
(दिनकर) भानु, सूर्य, सूरज
(दिनमणि) सूर्य, दिवाकर
(दिनमुख) प्रातःकाल, सुबह
(दिनेश) सूर्य, दिनपति
(दिव्य) स्वर्गकीवस्तु
(दिव्यदृष्टि) अलौकिक ज्ञान जिससे सबमालूमहोजाय
(दीक्षक) मन्त्रदेनेवाला, गुरू
(दीक्षा) मन्त्रलेना, मन्त्रोपदेश
(दीपमालिका) दिवाली
(दीप्तिमान्) कान्तिमान्, सुन्दर, तेजस्वी
(दीर्घजीविन्) बड़ीउमरवाला,चिरजीवी
(दीर्घदर्शिन्) बड़ा विचारवान्, दूरदर्शी
(दीर्घरोमन्) जिसके लम्बे२ रोयेंहों वह भालू, रीछ
(दीर्घायुस्) बहुतदिनतक जीनेवाला
(दुःखसागर) दुःखकासमुद्र, संसार, दुनियां
(दुःशील) बुरे स्वभाववाला, बदमिजाज
(दुःखावह) दुःख उठानेवाला, दुःखित
(दुःसह) दुःखसे सहने के योग्य, असह्य
(दुरन्त) जिसके अन्तमें दुःखहो, ऐसाकर्म
(दुरतिक्रम) अति कठिन, दुस्तर, मुश्किल
(दुराग्रह) अनुचित हठ, बेजहजिद
(दुराचारिन्) बदकार,पापी,अधर्मी,
(दुरात्मन्) जिसकादिल बुराहो,दुष्ट
(दुराधर्ष) अजेय, जिसको हर एक न जीतसके, ज़बरदस्त
(दुरालाप) बेजह बात चीत, दुर्वचन, दुरुक्ति
(दुराशा) बुरी ख्वाहिश
(दुर्ग) क़िलआ, कोट
(दुर्गम) जिसमें मुश्किल से जासके, अप्राप्य, अगम्य
(दुर्दशा) बुरी हालत, दुर्गति
(दुर्भगा) जिस स्त्रीका भाग्य क़िस्मत अच्छा नहो, या जिसको पति न चाहता हो वह स्त्री
(दुर्भाग्य) बद क़िस्मत, अभागा, या, बदक़िस्मती, दुर्दैव

(दुर्भिक्ष) असमय,क़हत,काल,झूरा
(दुर्मति) दुर्बुद्धि, बेसमझ
(दुर्लभ) जो चीज़ मुश्किल से मिल सके, दुर्गम, दुष्प्राप्य
(दुर्वासस्) शिव के अंशसे उत्पन्न अत्रिनाम ऋषिका पुत्र, जिसके कपड़े बुरेहों वह पुरुष
(दुर्विपाक) बुरापरिणाम,बदनतीजा
(दुर्बोध्य) जिसको हरएक न जान सके, कठिन, मुश्किल
(दुष्कर) जो काम कठिनता से कियाजाय, दुःसाध्य
(दुष्कर्मन्) बुरा काम, पाप
(दूरदर्शिता) पाण्डित्य, बुद्धिमत्ता
(दूषक) दोष लगानेवाला
(दूषित) अंकित, दोषी
(दूष्य) दोष लगाने के योग्य
(देय) दानकरने के योग्य, दातव्य
(देवगृह) देवताका मन्दिर,देवालय
(देववाणी) संस्कृत विद्या
(देवस्थान) मन्दिर, ठाकुर द्वारा
(देवतरङ्गिणी) आकाश गङ्गा, देवताओं की नदी
(देवधुनी) आकाश गङ्गा, देवताओं की नदी
(देवोत्थानी) कार्त्तिकके शुक्लपक्ष की एकादशी तिथि जिसमें श्रीकृष्ण भगवान् शेष शय्या से उठतेहैं
(देशभाषा) देशीज़बान
(देशाटन) देशों में घूमना
(देशान्तर) दूसरा मुल्क
(देशहितैषिन्) देशका भला चाहने वाला
(देशोन्नति) देशकी भलाई
(देहत्याग) देशको छोड़ना, मृत्यु, मौत
(देहिन्) शरीरी, प्राणी आत्मा
(दैन्य) दीनता, लाचारी
(दैनिक) रोज़ मर्रा, प्रति दिनका
(दैहिक) देह सम्बन्धी, जिस्मानी
(दोलन) झूलना
(दोष) अपराध, क़सूर
(दोषारोपण) दोषलगाना
(दोहनी) दूधदुहनेका वर्त्तन
(द्योतक) प्रकाशक, प्रकटकरनेवाला
(द्रष्टव्य) दर्शनीय, देखनेकेयोग्य
(द्रष्टृ) देखनेवाला, नाज़िर
(द्रावक) वहानेवाला
(द्रुमारि) वृक्षोंका शत्रु, हाथी, प्रचण्ड वात
(द्रुमेश्वर) पीपल, पिप्पल, वृक्षराज, चन्द्रमा
(द्रोह) शत्रुता, दुश्मनी
(द्रौपदी) पंजाबदेशके राजा द्रुपद की वेटी, पाण्डवोंकी स्त्री
(द्वादश) वारह, वारहवाँ
(द्वादशी) वारहवीं
(द्वारावती) श्रीकृष्णजीकी वसाई

द्वारकापुरी
(द्विगुण) दुगुना, दोचन्द
(द्वितीय) दूसरा
(द्विधा) दोतरहसे
(द्विपद) दोपैरवाले जीव, मनुष्यादिक
(द्विपायिन्) हाथी
(द्विविद) एक वानरका नाम जो बड़ाबलीथा
(द्वेप) विरोध, दुश्मनी
(द्वेपिन्) दुश्मन, वैरी
(द्वेष्टृ) शत्रु, द्रोही, दुश्मन
(द्वैधीभाव) विगाड़, नाइत्तिफ़ाक़ी

(ध)

(धनतृष्णा) द्रव्य, दौलत की लालच
(धनपति) कुवेर, देवताओंका खज़ांची
(धनवत्) अमीर, दौलतमन्द, धनी
(धनहीन) गरीव, दरिद्री
(धनाढ्य) दौलतमन्द, धनी
(धनाध्यक्ष) धनकामालिक, खज़ांची
(धनार्थिन्) धनका चाहनेवाला
(धनेश) कुवेर
(धनेश्वर) कुवेर
(धन्यवाद) सराहना, तारीफ, शुक्रगुज़ारी
(धन्वन्तरि) जो समुद्र मथने से हाथमें अमृतका कलश लियेहुये निकला था और वैद्यकशास्त्रमें बड़ा विद्वान्था
(धरणिधर) पर्वत, पहाड़
(धरणीधर) पर्वत, पहाड़
(धरणिसुता) जानकीजी
(धरातल) पृथ्वीके नीचेकाभाग
(धराधर) पर्वत, अद्रि, गिरि, पहाड़
(धर्तृ) धारण, रखना करनेवाला
(धर्मक्षेत्र) पुण्यकी जगह, कुरुक्षेत्र
(धर्मज्ञ) धर्म को जाननेवाला, धर्मविद्
(धर्मध्वजिन्) लोक में पुजाने के लिये धर्म को करने वाला, पाखण्डी
(धर्मपत्नी) वेद विधि पूर्वक जिस स्त्रीकापाणिग्रहणकिया हो वह स्त्री
(धर्मपुत्र) युधिष्ठिरजी
(धर्मशाला) विदेशियों के ठहरने कीजगह जहाँ गरीबों को खैरात दीजातीहै
(धर्मशील) पुण्यात्मा
(धर्माध्यक्ष) इन्साफ़ करनेवाला मजिस्ट्रेट वगैरः
(धर्मनिष्ठ) धर्म, अच्छेकाममें तत्पर
(धर्मरत) धर्म, अच्छेकाम में तत्पर
(धर्मावतार) धर्महीके वास्ते पैदा हुआ
(धर्ष) प्रगल्भता, ढिठाई

(धर्षण) प्रागल्भ्य
(धातुविलेपक) कलई साज
(धारण) रखना, पहिरना
(धार्मिक) धर्मात्मा, पुण्यवान्
(धार्य्य) पहिरने या रखनेके लायक
(धावक) दौड़ने या धोनेवाला
(धिक्कार) लानत, धिरकारना, फटकारना
(धूम) धुआं
(धूमयन्त्र) धुआं का कल, एंजिन
(धूर्त्तता) मक्कारपना, छल, कैतव
(धृतिमत्) धीरज रखनेवाला, धैर्यवान्
(धेनुक) बैलका रूप धरके जो कंस का पठाया श्रीकृष्ण जी के मारने के लिये ब्रजमें आया था वह राक्षस
(धेनुमती) गोमती नदी
(धैर्य्य) धृति, धीरज
(धौत) धुलाहुआ, पवित्र, पाक साफ़
(ध्यात) चिन्तित, सोचाहुआ
(ध्यातव्य) स्मरणीय, ध्यान करने के लायक
(ध्यान) चिन्तन, ख्याल, यादगारी
(ध्येय) स्मरणीय, ध्यानकरने योग्य
(ध्वंस) नीचे गिरना, नाश
(ध्वंसन) नीचे गिरना, नाश

(न)

(नकुल) नेवला, नेवरा, जिन के पुत्र नहीं या युधिष्ठिर जी का भाई नकुल
(नखायुध) जिसके नाखूनही हथियार हों, वानर, कुत्ता, बिल्ली वगैरः
(नगपति) हिमाचल, हिमालिया पहाड़
(नगाधिराज) हिमाचल, हिमालिया पहाड़
(नटमाया) नटका खेल, बाजीगरी
(नटी) नटकी स्त्री, नटिन, सूत्रधार की स्त्री
(नताङ्गी) युवा अवस्थामें जो कुछ झुककरचले, कुलवती स्त्री
(नद) घाघरा, घर्घर, शोणभद्र, सिन्धु इत्यादिक
(नन्दलाल) श्रीकृष्णजी
(नन्दिनी) वशिष्ठ मुनि की कामधेनु
(नद्ध) बँधाहुआ
(नम्र) नत झुकाहुआ विनयशाली
(नयनाञ्जन) एकप्रकारका काजल सुरमा जिससे नेत्र के रोग जाते रहते हैं
(नरकेशरि) नृसिंह भगवान्
(नरकान्तक) नरक नाम एक असुर के मारने वाले श्रीकृष्ण भगवान्
(नरनारायण) ईश्वर के अंश दो ऋषि जो बदरिकाश्रममें वास करतेथे

(नरपति) राजा, महाराज
(नरपुर) मृत्युलोक,यही लोक
(नरमेध) जिसमें मनुष्यकी बलिहो
(नरसिंह) नृसिंहावतार
(नरहरि) नृसिंहजी श्री गोसाँई तुलसीदासजीके गुरू
(नराधम) मनुष्योंमें नीच,कमीना नरापसद
(नराधिप) नर मनुष्यका मालिक राजा, नरदेव
(नरेन्द्र) मनुष्यों में श्रेष्ठ, राजा, नृपति
(नरेश) राजा
(नरेश्वर) राजा
(नर्त्तनप्रिय) जिसको नाच पसन्दहो
(नर्मद) सुखप्रद, आरामदेनेवाला
(नवग्रह) सूर्यादि ९ ग्रह, जैसे, सूर्य, चन्द्रमा, भौम, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनैश्चर, राहु, केतु ६ ये ग्रहहैं
(नवदुर्गा) नव ६ प्रकारकी देवी. यथा "प्रथमं शैलपुत्री च द्वितीयंब्रह्मचारिणी॥ तृतीयं चन्द्रघण्टेति कूष्माण्डेति चतुर्थकम् १ पञ्चमंस्कन्द माताच षष्ठं कात्यायनीतिच ॥ सप्तमं कालरात्रिश्च महागौरीतिचाष्टमम् २ ॥ नवमं सिद्धिदात्रीच नव दुर्गाः प्रकीर्त्तिताः॥ अर्थ शैलपुत्री१ ब्रह्मचारिणी २ चन्द्रघण्टा३कूष्माण्डा ४ स्कन्दमाता ५ कात्यायनी ६ कालरात्रि ७ महागौरी ८ सिद्धिदात्री ६ ये नव दुर्गा हैं
(नवद्वार) जिसमें ९ रास्ते हों अर्थात् शरीर जिस्म, जैसे २ नेत्र, आँख २ कर्ण, कान व नासिका नाकके २ छिद्र, मुंह १ लिंग १ गुदा १ ये इस शरीर में ९ रास्ते हैं
(नवबाला) युवती स्त्री,जवान औरत
(नवम) नववाँ
(नवमी) नवई
(नवयौवना) युवती, जवान औरत
(नवरत्न) नौ प्रकारके जवाहिरात, जैसे हीरक, हीरा१ पद्मराग, पन्ना२ नीलमणि, नीलम ३ वैडूर्य लहसुनियां ४ पुष्पराग, पुखराज, ५ गोमेद ६ मुक्ता, मोती ७ माणिक ८ प्रवाल, मूंगा ६ ये नौरत्न हैं। या महाराज विक्रमादित्यके यहाँ जो नौपंडित रहते थे उनके नाम यह हैं धन्वन्तरि १ क्षपणक २ अमरसिंह ३ शङ्कु ४ वेताल भट्ट ५ घटकर्पर ६

कालिदास ७ वाराह मिहिराचार्य ८ वररुचि ९ इनको भी कहते हैं या हाथमें पहिरने का कंकण जिसको नवनगा कहते हैं
(नवरात्र) चैत्र तथा आश्विन के शुक्लपक्षमें परिवा से नवमी तक जिसमें देवी का पूजन करते हैं
(नवल) नया, नवीन
(नवशिक्षक) शिक्षा देनेवाला नवीन पुरुष, नवोपदेशक
(नवोढा) नूतन परिणीता वधू, नई ब्याही हुई स्त्री
(नश्वर) नाश होनेवाला, विनाशी
(नाकपति) स्वर्ग का मालिक इन्द्र
(नागकन्या) पाताल के नागोंकी बेटियां जो बहुत खूब सूरत होती हैं
(नागदन्त) हाथीदां[illegible] के समान खूंटी
(नागपञ्चमी) श्रावण [illegible] चमी तिथि [illegible] पूं[illegible] की [illegible]
(नागप्रिय) नाग सां[illegible] [illegible]
([illegible] नाट) नाच, नृ[illegible]
([illegible]) दृश्य [illegible] [illegible] का नाच
([illegible]) जिस जगह नाच होता [illegible]

है वह जगह, नाट्य भवन
(नाथ) स्वामी, प्रभु, मालिक
(नानार्थ) हरतरहके काम, अनेकार्थ
(नान्दी) नाटक के प्रारम्भ शुरू में जो देवता, ब्राह्मण, राजा की प्रशंसा तारीफ पूर्वक आशीर्वाद
(नामकरण) एक संस्कार जिसमें पैदायश से दशवें या ग्यारहवें दिन लड़के का नाम रक्खाजाताहै
(नायिका) स्त्री औरत अथवा काव्य में जिस पुरुष का वर्णन किया जाता है उसकी स्त्री, वह साहित्यके मत से ३ प्रकार की हैं, यथा स्वकीया, परकीया, सामान्या कार्यवश इन के बहुत भेद हैं
(नारिकेल) नारियल
(नास्तिक) वेद, ईश्वर को न मानने वाला
(निःशंक) निर्भय, निडर, बेखटक
(नि[illegible]श्वास) लम्बीसांस, दीर्घश्वास
(निःसन्देह) ज़रूर, निश्चय, बेशक
(निःस्पृह) निराकांक्ष, लापरवाह
[illegible] बड़ो[illegible]

(निक्षेप) न्यास, धरोहर
(निखर्व) बहुतही छोटा
(निखात) गड़हा, गड्ढा
(निगड़ित) जंजीरसे बँधाहुआ, कसाहुआ
(निगदित) कहाहुआ, उक्त
(निगूढ़) छिपाहुआ, अप्रकटित
(निचय) समूह, गरोह
(निजवृत्ति) अपनी जीविका, अपनापेशा
(नित्यकर्मन्) प्रतिदिनकरनेकाकाम सन्ध्या, तर्पण, बलि वैश्वदेव, अतिथि सेवा, वेदकापाठ करना, होम
(निदर्शन) उदाहरण, मिसाल
(निद्रित) सोताहुआ, सुप्त
(निधान) खजाना, भण्डार
(निनीषा) लेनेका इरादा, लिप्सा
(निनीषु) लेनेकी इच्छा कियेहुये
(निन्दक) बुराई करनेवाला
(निंद्यकर्मन्) बुरेकाम, दुराचार
(निपतन) गिरना
(निपात) नाश, पतन, गिरना, व्याकरण में प्रादिगण को भी निपात कहते हैं
(निपीड़न) क्लेशदेना, तकलीफ़देना
(निबन्ध) संग्रहीत ग्रन्थ नियत
(निमज्जन) नहाना, पानीमें डूबना
(निमन्त्रण) नेवता, निवेदन
(निमि) सूर्य वंश में उत्पन्न राजा इक्ष्वाकु का पुत्र
(निमीलन) आंखको बन्द करना, ऊंघना
(नियत) मुकर्रर किया गया
(नियुक्त) व्यापृत, काममें लगाया गया
(नियोग) आज्ञा, हुक्म प्रेरण
(निरङ्कुश) स्वतन्त्र, स्वैरी खुदमुख्तियार
(निरञ्जन) मायासे रहित, निर्गुण
(निरत) आसक्त, मशगूल, किसी काममें लगाहुआ, प्रवित्त
(निरति) प्रेमशून्य, रूखा
(निरन्तर) सर्वदा, हमेशः, अन्तररहित
(निरपराध) निर्दोष, बेगुनाह
(निरर्गल) बेरोक टोक, खुला हुआ
(निरवकाश) बाधारहित पूर्ण, भरा हुआ, बेफुरसत
(निरवद्य) निष्पाप, दोष रहित
(निरस) स्वादहीन, रूखा, फीका
(निरस्त) प्रक्षिप्त, फेंका हुआ, पराजित हाराहुआ
(निराकार) जिसका स्वरूप न हो, बे जिस्म
(निरादर) अपमान, बे ख्वातिरी
(निरामिष) बिना मांस
(निरायुध) शस्त्रहीन, बे हथियार
(निराश्रय) निरवलम्ब, बेसहारा
(निराहार) भोजन रहित, भूखा

(निरीक्षण) देखना, अवलोकन
(निरीह) निश्चेष्ट जो कुछ काम न करे
(निरुक्त) निर्वचन, व्याख्या, वेद का अंग जिसमें वेद के मन्त्रों का अर्थ निदर्शन रूप से तथा मन्त्र गत शब्दों को साधन क्रम वर्णित है
(निरुत्तर) लाजवाब
(निरुत्साह) आलसी, सुस्त
(निरुपम) अपूर्व, अनूठा जिसके सदृश दूसरा न हो
(निरुपाधि) जिसमें किसी प्रकार का झगड़ा न हो
(निरूपण) वर्णन, बयान करना
(निर्गन्ध) जो न महके, गन्धहीन
(निर्गम) निकलना, जाना, यात्रा
(निर्जन) जहाँ मनुष्य न हों विविक्त, विजन
(निर्जल) जिसमें पानी न हो, निरुदक
(निर्जित) जीतागया, विजित
(निर्जीव) मराहुआ, जड़
(निर्दलित) [illegible] कियाहुआ
(निर्दिष्ट) [illegible], आज्ञापित
(निर्द्वन्द्व) कष्ट दुःख से रहित
(निर्णय) निर्धार, निश्चय, अलग करना
([illegible]) [illegible], निश्चय, अलग करना

(निर्मल) पाकसाफ़, शुद्ध पवित्र
(निर्म्माण) रचना, बनाना
(निर्म्माल्य) देवताओंका उच्छिष्ट, जूंठा या निर्म्मलता, सफाई
(निर्म्मूल) विनाकारण, विनाजड़, बेसबब
(निर्य्यास) वृक्षकीलाख, हींग, वगैरः
(निर्लज्ज) बेशर्म, बेहया
(निर्लोभ) जिसको लालच न हो
(निर्लोभिन्) जिसको लालच नहो
(निर्वंश) जिसके सन्तान, औलाद नहो, लावल्द
(निर्वाण) मोक्ष, संसारसे छूटना
(निर्वात) जिस स्थान में वायु न जाय
(निर्वास) निकालना, निस्सारण, मारना
(निर्वासक) निकालनेवाला, निस्सारक, मारनेवाला
(निर्वासित) निकालाहुआ, मारागया
(निर्वाह) निबाह, गुज़ारा, पसार
(निर्विकल्प) निस्सन्देह, बेशक
(निर्विकार) जिसमें किसीतरहकी बुराई न पैदाहो
(निर्विघ्न) जिसकाममें किसीतरह का विघ्न, खलल न पड़े
(निवारण) रोकना, मनाकरना
(निवास) रहना, वासकरना
(निवासिन्) रहनेवाला

(निविड) घन, गझिन, सघन
(निवृत्ति) रिहाई पाना, छुट्टी पाना
(निवेदन) विनती करना, गुज़ारिश करना
(निशाकर) विधु, चन्द्रमा
(निशाचर) रात्रि में घूमने वाला, राक्षस
(निशाचरी) राक्षसोंकीस्त्री, राक्षसी
(निशानन) शाम, सायंकाल, संध्या
(निशामुख) शाम, सायंकाल, संध्या
(निशानाथ) रातकामालिक, चंद्रमा
(निशापति) रातकामालिकचंद्रमा
(निशुम्भ) एक राक्षस, जिसको देवीजीने मारा था, यह कथा मार्कण्डेय पुराण के सप्तशती स्तोत्रमें है
(निशेश) रात्रिका स्वामी, चन्द्रमा
(निश्चल) जो हिलाये न हिले, अचल, स्थिर
(निश्चला) जो कभी न चले, पृथ्वी, ज़मीन
(निश्चित) करार पाया, ठानागया
(निश्चिन्त) बेफ़िक्र, जिसको चिन्ता न हो
(निषण्ण) बैठाहुआ, स्थित
(निषिद्ध) वर्जित, नाजायज
(निषेधक) वर्जनेवाला, रोकनेवाला
(निष्कण्टक) जिस में शत्रु न हो, बेखटके
(निष्कपट) जो दगाबाज़ न हो, सीधा, साफ, निश्छल
(निष्कलङ्क) जिसको किसीतरह का कलंक ऐब न लगाहो, निर्दोष, बेदाग़
(निष्काम) निस्पृह, बेपरवाह, इच्छा रहित
(निष्कारण) बिलावजह, बिना किसी हेतुके
(निष्क्रमण) बाहर निकालना एक संस्कार, जिस दिन चौथे महीने शुभ मुहूर्त में लड़के को घर से बाहर निकालते हैं
(निष्पक्षपात) बिलातरफ़दारी
(निष्पत्ति) सिद्धि, पूर्ण होना
(निष्पन्न) पूराहुआ, सिद्धहुआ
(निष्पाप) निरपराध, बेगुनाह
(निष्फल) व्यर्थ, बेमतलब
(निसर्ग) आज्ञा, हुक्म, स्वभाव, आदत
(निस्तार) उद्धार, बचाव
(निस्सन्देह) निश्चय, ज़रूर
(निहित) रक्खा हुआ, स्थापित
(नीत) लायागया, प्राप्त कियागया
(नीति) न्याय, इन्साफ़, निआव
(नीतिज्ञ) न्यायको जाननेवाला
(नीरज) पानी में पैदा होनेवाला कमल
(नीरद) मेघ, मेह, बादल
(नीरधर) पानी को रखनेवाला, मेघ

(नीरनिधि) समुद्र
(नीरस) स्वाद रहित, फीका
(नीलग्रीव) शिवजी, जिसका गला नीलाहो
(नीलमणि) कालेरंगका मणि, जवाहिर, नीलम
(नीलोपल) नीलम, ज़मुर्रद
(नृग) सूर्यवंशमें उत्पन्न एक राजा का नाम, जो बड़ा दानीथा
(नृत्त) नाच, नृत्य
(नृपघातिन्) क्षत्रिय राजाओंके वध करनेवाले, परशुराम
(नृपति) राजा, मनुष्योंका मालिक
(नृपाल) राजा, मनुष्योंका पालन करनेवाला
(नृसिंह) नरसिंह, भगवान्
(नृहरि) नरसिंह, भगवान्
(नेतृ) चालन करनेवाला, नायक, चरित्र करनेवाला
(नेत्र) [illegible], पोथी
(नेजन) शोधन, साफकरना
(नेतृ) नायक, लेजानेवाला
(नेतव्य) लेजाने के लायक, पहुँचाने के योग्य
(नेदिष्ठ) निकट
(नैमित्तिक) जो निमित्तकारण से उत्पन्न हो
(नैमिष) जिस काननमें निमिषमा- त्र में एक दानवका दल- [illegible] मारागया, तीर्थस्थान
(नैमिष्यारण्य) एक वनका नाम, पूर्व काल में जहाँ ऋषिलोग तपस्या करतेथे
(नैराश्य) आशासे रहितहोना, नाउम्मेदी
(नैवेद्य) भोजनसामग्री जो देवता को अर्पण कियाजाताहै, प्रसाद
(नैसर्गिक) स्वभावसिद्ध स्वाभाविक
(नैष्ठिक) भक्त, श्रद्धायुक्त
(न्यायकारिन्) इन्साफ करनेवाला, मुन्सिफ
(न्यायालय) कचहरी, न्यायागार
(न्यूनता) कमी, कसर, छोटाई
(न्यूनाधिक) कमज्यादः, अल्पाधिक

(प)

(पक्ति) पाक करना, पकाना
(पक्षपात) अनुचित सहायता, तरफदारी
(पक्षपातिन्) तरफदार, किसी प्रकार के सम्बन्ध से सहायता करनेवाला
(पक्षिराज) गरुड़
(पक्षिल) सहायक, मददगार
(पङ्कज) कमल, सरोरुह
(पचन) पाक, पकाना
(पचनीय) पाक करने के योग्य
(पच्यमान) पकाताहुआ
(पञ्चगव्य) गौसे उत्पन्न पाँच वस्तु,

गोबर१ गोमूत्र २ दूध ३ दही ४ घी ५
(पञ्चतत्व) पाँच पदार्थ, पृथिवी १ जल २ अग्नि ३ वायु,हवा ४ आकाश५
(पञ्चतन्मात्रा) पाँच तत्वोंका विषय, शब्द१स्पर्श २ रूप३ रस ४ गन्ध ५
(पञ्चत्व) पाँच तत्वों पृथिवी, जल, अग्नि, वायु, आकाश, में मिलजाना,मृत्यु, मरना
(पञ्चनद) जिस देशमें पाँच नदी बहती हों, वह देश पंजाब पांच नदी ये हैं, चन्द्रभागा,चनाव१ ऐरावती, रावी २ शतद्रु, सतलज ३ विपाशा,व्यास४ झेलम ५
(पञ्चपात्र) आबखोरा, जो सोना, चांदी,तांबा,लोहा,रांगा ये पांच धातु मिलाकर बनाया जाता पूजाके काममें आता है
(पञ्चप्राण) हृदय का वायु प्राण, गुदाकावायु अपान,नाभिकावायुसमान, कण्ठ का वायु उदान, शरीर भरमें व्याप्त वायु व्यान
(पञ्चभूत) पृथ्वी १ जल २ अग्नि ३ वायु ४ आकाश ५
(पञ्चभूतात्मन्) मनुष्य जो पूर्वोक्त पांच तत्वों से बनताहै
(पञ्चमुख) शिवजी, महादेव
(पञ्चवक्त्र) जिसके पांचमुखहों, महादेवजी
(पञ्चवटी) जिस जगह पाँच तरह के पीपर १ बरगद २ आँवरा ३ बेल ४ अशोक ५ ये वृक्ष अधिकहों, जहाँ वनवास समयमें श्रीरामचन्द्रजीनेनिवासकिया जानकीजी का भी हरण रावणने वहीं से कियाथा
(पञ्चबाण) कामदेव, सम्मोहनादिक पाँच बाण जिसकेहैं सम्मोहन १ उन्मादन २ शोषण ३ तापन ४ स्तम्भन ५ ये पांच
(पञ्चसूना) जीवोंके मरनेकी जगह, यथा कण्डनीचोदकुम्भश्च चुल्ही पेषण्युपस्करः ॥ गृहस्थों के यहां इन कांड़ी १ घड़ा रखने की जगह २ चूल्हा ३ चक्की ४ झाड़ू ५ पाँचों से अवश्यजीवहत्याहोतीहै
(पञ्चाङ्ग) तिथिपत्र, जन्त्री जिसमें तिथि १ वार २ नक्षत्र ३ योग ४ करण ५ ये होते हैं

(पञ्चानन) महादेवजी, सिंह
(पञ्चामृत) दूध१दही २ घी ३ शक्कर४ मधु, सहद ५ इन चीज़ों से बनाहुआ पदार्थ
(पटकार) कोरी, जुलाहा, कपड़ा बनानेवाला
(पटुत्व) चतुरता, होशियारी
(पटुता) चतुरता, होशियारी
(पठनीय) पढ़ने के योग्य
(पाठ्य) पढ़ने के योग्य
(पण्डा) भला, बुरा समझनेवाली बुद्धि, सन्मति
(पण्डितम्मन्य)अपनेको बड़ापण्डित माननेवाला मूर्ख
(पण्यस्त्री) गणिका, वेश्या, रंडी
(पतञ्जलि) एक ऋषि जिसने व्याकरणका महाभाष्य रचा है
(पतित) पापी, धर्मच्युत
(पतिदेवता)अपने पति, शौहरहीको देवता समझने वाली स्त्री, साध्वी, पतिव्रता
(पत्रदातृ) डाकिया, चिट्ठी बांटनेवाला
(पत्रालय) डाकघर
(पदचर) पैदल
(पदचारिन्) पैरसेचलनेवाला, पैदल पट्टग
(पदत्याग) जगह छोड़ना, इस्तीफ़ादेना
(पदत्राण) खड़ाऊँ, जूता
(पदाम्भोज) कमल सदृश चरण, जिसके पैरमिस्ल कमलके मुलायम और खूब सूरतहों
(पदार्थ) शब्दके माने,मतलब चीज़
(पद्मगर्भ) विष्णु भगवान्के नाभि कमलसे उत्पन्न ब्रह्माजी
(पद्माकर) जिस तालाब में बहुत कमल पैदा होता है वह तालाब
(पन्नगारि) सर्पों के शत्रु, गरुड़जी
(पपी) सूर्य, जो लोक की रक्षाकरे
(पयोनिधि) समुद्र
(पयस्विनी) बहुतदूधदेनेवालीगाय
(पयोद) मेघ,बादल,पानी देनेवाला
(परकीय) परकीय दूसरेकी चीज़
(परन्तप) शत्रुको दुःख देनेवाला
(परमधाम) उत्तम स्थान वैकुण्ठ
(परमाणु) बहुत छोटा भाग ज़र्रा जालान्तरगतेभानौ यत्सूक्ष्मन्दृश्यतेरजः । तस्यषष्टितमोभागः परमाणुःसउच्यते ॥
(परमार्थ) सबसे अच्छाकाम,पुण्य, सुकृत
(परमायुष्) दीर्घजीवी, बड़ी उम्र वाला
(परम्परा) पुरानी रीति, मर्यादा
(परवश) दूसरे के अधीन
(परशुधर) परशुराम जी, फरसाको

धारण करनेवाला
(परशुराम) जमदग्निऋषिके पुत्र, जिसने इकईसवार पृथ्वीको क्षत्रियोंसे रहितकियाहै
(परस्पर) आपसमें, मिथः
(पराक्रमिन्) समर्थ, बलवान्, ज़ोरावर
(पराभव) अनादर, तिरस्कार, हार
(परामर्श) विचार, तजवीज़
(पराशर) एक ऋषिका नाम, जिसके पुत्र व्यासजी हैं
(पराश्रय) दूसरेका सहारा
(परास्त) पराभूत, हाराहुआ
(पराह्ण) दोपहरकेबाद, मध्याह्नोत्तर
(परिच्छद) विस्तर, आस्तरण
(परिच्छन्न) चारोतरफसे ढकाहुआ
(परिच्छेद) परिमाण, नाप, अध्याय, खण्ड
(परिजन) कुटुम्ब, परिवार, दास-आदिक
(परिणामदर्शिन्) विचारवान्, चतुर
(परिताप) सन्ताप, पछितावा
(परितुष्टि) सन्तोष, इतमीनान
(परितोष) प्रसाद, खुशी
(परित्याग) विसर्जन, छोड़ना
(परित्राण) रक्षा या रक्षक, रक्षित हिफ़ाज़त कियाहुआ
(परिपक्व) पकाहुआ, पक्का
(परिपाक) परिणाम, नतीजा
(परिपाटी) रीति, क्रम, दस्तूर
(परिभ्रमण) पर्य्यटन, घूमना
(परिमाण) नाप, परिच्छेद, तौल
(परिमित) परिच्छिन्न, नपाहुआ
(परिवर्त्तन) बदलना, तब्दील करना
(परिवाद) दुर्वचन, बदनामी
(परिवृत्त) चारो ओरसे घिराहुआ
(परिवेष्टन) लपेटना, ढकना
(परिशिष्ट) बाक़ी, अवशिष्ट
(परिशोधन) अच्छेप्रकार शुद्धकरना
(परिश्रम) मिहनत, श्रम, आयास
(परिश्रांत) थकाहुआ, श्रान्त
(परिहास) हंसी, निन्दापूर्वक हँसना
(परीक्षा) परखना, आज़माना इम्तिहान
(परीक्षित) आज़माया हुआ, परखा गया
(परीक्षोत्तीर्ण) इम्तिहानमें पास
(परेद्युस्) दूसरे दिन
(परोक्ष) बाद, पीछे
(परोपकार) दूसरे की भलाई
(परोपकारिन्) दूसरेका हितकरनेवाला
(पर्णशाला) फूसका मकान, झोपड़ी
(पर्णिन्) पेड़, द्रुम
(पर्य्यन्त) सीमा, हद, तक
(पर्य्याय) बारी, अवसर
(पर्य्यायवाचक) एकार्थक शब्द यथा घट, कलश
(पर्य्यालोचन) अवलोकन, विचारना
(पर्वतीय) पहाड़ पर होनेवाला प-

दार्थ, पहाड़ी चीज़
(पलायन) भागना
(पल्लवित) रोमांचयुक्त, खुश जिस वृक्षमें नये पत्ते लगेहों
(पवनकुमार) वायुकापुत्र, हनुमान्जी
(पवनतनय) हनुमान्जी
(पवनायन) झरोखा, गवाक्ष
(पवनसुत) हनुमान्जी
(पशु) जोसबको बराबर देखे, प्राणी, जानवर
(पशुपाल) पशुकापालन करनेवाला, अहीर
(पशुपालक) पशुका पालन करने वाला, अहीर
(पश्यतोहर) देखतेही देखते चुरालेनेवाला सोनार, स्वर्णकार
(पाकशाला) रसोई का मकान
(पाक्षिक) वैकल्पिक जो एक वार हो एक वार न हो
(पाचक) रसोई वनानेवाला
(पाञ्चाल) एक देशका नाम, पंजाब
(पाञ्चाली) पाञ्चाल देश के राजा द्रुपदकी लड़की द्रौपदी
(पाटलिपुत्र) पटना, शहर
(पाटव) पटुता, चतुराई, होशियारी
(पाठशाला) मदर्सा, कालेज
(पाणिग्रहण) विवाह, शादी, व्याह
(पाणिनि) व्याकरणशास्त्रके आचार्य
(पाणिनीय) पाणिनिमुनिका बनायाहुआ, व्याकरणशास्त्र
(पाण्डव) राजापाण्डुके पुत्र युधिष्ठिर १ अर्जुन २ भीम ३ नकुल ४ सहदेव ५
(पाण्डित्य) विद्वत्ता, पण्डिताई
(पातकिन्) अधर्मी, पापी
(पातञ्जल) पतञ्जलिमुनिका बनाया हुआ, योगशास्त्र
(पातृ) पीनेवाला या रक्षाकरनेवाला
(पात्रता) योग्यता, लियाक़त
(पात्रत्व) योग्यता, लियाक़त
(पाथेय) रास्तेकाखर्च
(पाथोज) कमल
(पाथोधि) समुद्र, अब्धि
(पाथोनिधि) समुद्र, वारिधि
(पादचारिन्) पैरों से चलनेवाला, पदाति
(पादत्राण) जूता, खड़ाऊँ
(पादधारिणी) घोड़ेकीरिकाब
(पादप्रक्षालन) पैरधोना
(पादप्रहार) लातमारना
(पादसंवाहन) पैरदाबना, चरण सेवा
(पापभाज्) दोषी, पापी, गुनहगार
(पापात्मन्) महापापी
(पारण) व्रतके अन्त का भोजन
(पारदारिक) दूसरे की स्त्री के साथ भोग करनेवाला
(पारमार्थिक) परलोकके वास्ते जो

कुछ कियाजाय

(पारलौकिक) परलोकके हेतु जो कर्म कियाजाय, धर्म, पुण्य

(पाराशर) पराशर ऋषिकापुत्र श्री वेदव्यासजी

(पाराशर्य) श्रीवेदव्यासजी जिसने १८पुराण तथा महाभारत इत्यादि के ग्रंथ बनाये हैं

(पारिणाह्य) विशालता, चौड़ाई

(पारितोषिक) परितोष प्रसन्नता के लिये जो दियाजाय इनाम

(पार्थ) पृथा, कुन्ती का पुत्र अर्जुन

(पार्वण) अमावास्य, पूर्णिमा, अष्टमी, इत्यादिक तिथियों में जो कर्म कियाजाय

(पार्श्ववर्त्तिन्) पास रहनेवाला समीपस्थ

(पालक) पालनेवाला, रक्षक

(पालनीय) पालन, परवरिश, करने के लायक, काबिल परवरिश, रक्षणीय

(पालित) पालागया, परवरिश कियागया, गोपायित

(पावन) पवित्र करनेवाला

(पिण्डित) इकट्ठाकियाहुआ, एकत्रित

(पिण्डूक) एक प्रकारकी चिड़िया जिसको पेंडुकी कहतेहैं

(पितृकर्मन्) पितरों के वास्ते जो काम किया जाता है, श्राद्धादिक

(पितृकार्य) पितरों के वास्ते जो काम किया जाता है, श्राद्धादिक

(पितृकानन) श्मसान, मसान

(पितृतिथि) पितरों का श्राद्ध वगैरः जिसदिन कियाजाता है, वह दिन

(पितृपक्ष) आश्विन, कुआर का अँधेरा पाख

(पितृष्वसृ) पिताकी बहिन, फूफी

(पिधायक) ढकनेवाला, ढकना

(पिहित) ढकाहुआ, छिपाहुआ, आच्छन्न

(पीड़ित) दुःखी जिसको किसीतरह की बाधाहो

(पुँल्लिङ्ग) जिसमें पुरुषका चिह्नहो

(पुट) दोना

(पुण्यकृत्) धर्मको करनेवाला, पुण्यात्मा

(पुनरागमन) लौटआना, फिरआना

(पुनरुक्ति) एकहीबात को दो बार कहना, पुनरुच्चारण

(पुनर्जन्मन्) दूसराजन्म, पुनर्भव

(पुनर्वसु) एक नक्षत्र

(पुरजन) पुर, ग्राम के लोग

(पुरट) सुवर्ण, सोना

(पुरारि) त्रिपुरासुरके वैरी, महादेवजी

(पुरवासिन्) शहरकेलोग, पौर

(पुरस्कार) सन्मान, आदर, खातिर
(पुराण) जिसमें पांचबातोंका वर्णन हो यथा सर्गश्चप्रतिसर्गश्च वंशोमन्वन्तराणिच ॥ वंशानुचरितञ्चैव पुराणम्पञ्चलक्षणम् ॥ अर्थ, सृष्टिका वर्णन १ संसारका प्रलय २ क्षत्रियराजोंकेवंशकावर्णन ३ मन्वन्तरोंका वृत्तान्त ४ तथा उनके वंशका आचरण व्यवहार ये ५ बातें जिसमेंहों
(पुराणपुरुष) विष्णुभगवान्
(पुरुषसिंह) पुरुषों में श्रेष्ठ, पुङ्गव
(पुरुषार्थ) जो मनुष्यका कामहै, अर्थ, धर्म, काम, मोक्ष
(पुलक) हर्ष, खुशी से रोमाञ्चहोना
(पुलस्ति) सातऋषियों में से एक ऋषि, रावणकापितामह
(पुलस्त्य) सात ऋषियों में से एक ऋषि, रावणकापितामह
(पुष्टाङ्ग) जिसका बदन बहुत मजबूतहो
(पुष्पकरण्डक) फूलरखनेका बरतन
(पुष्पचाप) मदन, कामदेव
(पुष्पित) फूलाहुआ
(पुस्तक) किताब, पोथी
(पूजन) पूजा, खातिर
(पूजनीय) पूजा करने के योग्य
(पूय) पीब, मवाद
(पूर्ति) पूराहोना, पूरण
(पूर्वोक्त) पहिले कहाहुआ
(पूर्वलिखित) पहिलेका लिखाहुआ
(पृक्त) मिलाहुआ, शामिल, सम्मिलित
(पृच्छक) पूंछनेवाला
(पृथक्करण) अलग करना, विभाग करना, विभजन
(पृथा) युधिष्ठिरादिककीमाता कुन्ती
(पृथिवीनाथ) पृथिवी ज़मीन का मालिक, राजा
(पृथिवीपति) राजा, भूप
(पृथिवीपाल) राजा, भूप
(पेय) पीनेकेलायक, पानीय, पानी
(पेषक) पीसनेवाला
(पेषण) पीसना
(पेषणी) चक्की, जांता
(पोतक) शिशु, बालक
(पोषक) पालन करनेवाला
(पोषणीय) पालन करने के लायक
(पोष्यपुत्र) वह लड़का जिसको गोद लियाहो, दत्तकपुत्र
(पौत्र) पोता, लड़के का लड़का
(पौराणिक) पुराण बांचनेवाला
(प्रकट) प्रसिद्ध, ज़ाहिर
(प्रकटन) प्रकाशकरना, ज़ाहिरकरना
(प्रकम्प) कांपना, वेपथु
(प्रकरण) मौक़ा, अवसर
(प्रकर्ष) बड़ाई, श्रेष्ठत्व
(प्रकाशक) उजेला करनेवाला
(प्रकाशनीय) ज़ाहिर करने के

लायक, प्रकाश्य
(प्रकीर्ण) फैलाहुआ, प्रसृत
(प्रकृत) प्रकरणप्राप्त
(प्रकीर्तित) कहा हुआ, कथित, उक्त
(प्रकृष्ट) उच्च, श्रेष्ठ, बड़ा
(प्रक्षालन) धोना, पखारना
(प्रक्षेप) फेंकना
(प्रखर) बहुतही तीक्ष्ण, तेज
(प्रख्यात) प्रसिद्ध, मशहूर
(प्रगल्भता) ढिठाई, धृष्टता
(प्रचण्ड) बड़ा क्रोधी, बहुत तेज
(प्रचार) व्यवहार, चाल
(प्रच्छद) उपरना, दुपट्टा
(प्रजाधिकारिराज्य) जहां राजा न हो और राज्यका काम प्रजाही करती हो वह राज्य
(प्रजेश) दक्षप्रजापति
(प्रजेश्वर) दक्षप्रजापति
(प्रज्ञ) पण्डित, बुद्धिमान्
(प्रणिधान) सोचना, समाधिभेद
(प्रतापवत्) जिसकी बड़ी महिमा हो, अक़बालमन्द
(प्रतापिन्) तेजस्वी
(प्रतारण) छलना, धोखादेना, वञ्चन
(प्रतिक्षण) हरवक़्त, अनुपल
(प्रतिग्रह) दानलेना
(प्रतिज्ञा) नियमकरना
(प्रतिदिन) रोज़ २ हररोज़
(प्रतिध्वनि) प्रतिशब्द, गूंज
(प्रतिपक्ष) शत्रु, दुश्मन, वैरी
(प्रतिपादक) वक्ता, कहनेवाला
(प्रतिपालन) पोषणकरना, पालना
(प्रतिफल) बदला, एवज़
(प्रतिबन्धक) रोकनेवाला, बाधक
(प्रतिभा) समझ
(प्रतिभूति) ज़मानत
(प्रतिमास) हरमहीने
(प्रतियोगिन्) प्रतिपक्षी, शत्रु, दुश्मन
(प्रतिरूप) समान, सदृश, बराबर
(प्रतिलोम) उलटा, विलोम
(प्रतिवादिन्) प्रतिपक्षी, विरोधी
(प्रतिवासिन्) पड़ोसी, प्रतिवेशी
(प्रतिष्ठा) इज़्ज़त, संमान
(प्रतिष्ठित) इज़्ज़तवर, आदृत
(प्रतीकार) उपाय, तदबीर, यत्न
(प्रतिसर्ग) संसारका प्रलय, क़यामत
(प्रतीक्षा) इन्तिज़ारी, प्रत्याशा
(प्रतीति) विस्रम्भ, विश्वास, पतवार
(प्रतीप) प्रतिकूल, ख़िलाफ़
(प्रत्याशा) प्रतीक्षा, इन्तिज़ारी
(प्रत्युत्तर) जवाब, उत्तर, प्रतिवाक्य
(प्रत्येक) हरएक
(प्रदक्षिण) परिक्रमा, चारो तरफ़ घूमना
(प्रदर्शक) दिखलानेवाला
(प्रदर्शनी) उत्तम २ वस्तु जिससभा में दिखलाई जावें वह सभा, नुमायश
(प्रदेश) देश, मुल्क
(प्रध्वंस) नाश, क्षय

(प्रसङ्ग) विषय
(प्रसाधिका) शृङ्गार करनेवाली स्त्री, कपड़ा गहना वगैरः पहिरानेवाली लौंडी, दासी
(प्रसारण) विस्तारकरना, फैलाना
(प्रसिद्धि) ख्याति, शोहरत
(प्रस्तावना) उपोद्घात, भूमिका
(प्रस्फुटित) फूलाहुआ, विकसित
(प्रस्फुरित) चमकताहुआ
(प्रहसन) परिहास, निन्दापूर्वक हँसना
(प्रहार) मारना, हथियार
(प्रहारिन्) मारनेवाला
(प्रहृष्ट) बहुत प्रसन्न, खुश
(प्रह्लाद) हिरण्यकशिपुका पुत्र, जिसकी रक्षाकेलिये भगवान्ने नृसिंहावतार लियाथा
(प्रह्व) नम्र, विनीत
(प्राक्तन) पहिलेका, पुराना
(प्राग्ज्योतिषपुर) भौमासुरकी प्राचीनपुरी
(प्राणनाथ) बहुतही प्यारा, प्रियतम
(प्राणपति) बहुतही प्यारा, प्रियतम
(प्राणेश) बहुतही प्यारा, प्रियतम
(प्रातराश) प्रातःकाल का भोजन
(प्रादुर्भाव) प्रकट, ज़ाहिरहोना
(प्रान्त) आसपास, समीप
(प्रापक) पानेवाला
(प्रामाणिक) विश्वासपात्र, मुअतबिर
(प्रामाण्य) प्रमाण, सबूत
(प्रायश्चित्त) पापको शुद्धकरनेवाला, व्रतादिक, यथा--प्रायः पापं विजानीयाच्चित्तन्तस्यास्तिशोधनम्
(प्रारब्ध) भाग्य, किस्मत, नियति, तक़दीर, आरब्ध, शुरू कियाहुआ
(प्रारम्भ) आरम्भ, शुरू
(प्रार्थना) याच्ञा, मांगना
(प्रार्थनीय) प्रार्थना करनेके लायक
(प्रार्थयितृ) प्रार्थना करनेवाला, मांगनेवाला
(प्रियतम) बहुतही प्यारा
(प्रियभाषण) प्यारीबोल, मधुरवचन
(प्रियवक्तृ) मीठी२ बातें करनेवाला, प्रियंवद
(प्रियवादिन्) मधुर भाषण करनेवाला, शीरींकलाम
(प्रियवादिनी) प्यारी बातें बोलनेवाली स्त्री, औरत
(प्रिया) प्यारी, प्रसन्न करनेवाली औरत
(प्रेक्षक) नाच देखनेवाला
(प्रेयसी) बहुतही प्यारी
(प्रोक्त) कहाहुआ, उक्त
(प्रोषित) विदेश को गयाहुआ, विदेशस्थित
(प्रोषितपतिका) जिस स्त्रीकापति विदेशमें हो वह स्त्री

(प्रोषितभर्तृका) जिस स्त्री का पति विदेशमेंहो वह स्त्री
(प्रौढ़ा) प्रगल्भा नायिका, जिस औरतकी उमर ३०वर्षके ऊपरहो

(फ़)

(फक्क) नीच, बदचलन
(फक्किका) फांकी
(फणीन्द्र) सर्पों में श्रेष्ठ, शेषनाग
(फणीश्वर) सर्पों में श्रेष्ठ, शेषनाग
(फलद) फल देनेवाला
(फलदातृ) फल देनेवाला
(फलप्राप्ति) फलकापाना
(फलितार्थ) सारांश, तात्पर्य, असली मतलब
(फेनवाहिन्) पानी, दूधसमुद्र

(ब)

(बदरिकाश्रम) बदरीनाथजीकापहाड़
(बद्ध) बँधाहुआ
(बधूटी) जवान औरत
(बन्ध) बांधना
(बन्धनपत्र) रेहनामा, जिस में कर्ज़ देनेकी तिथि मिती तथा मदकी शरह इत्यादिक लिखाजाताहै
(बभ्रु) महादेव, विष्णु, नकुल, न्योला
(बभ्रुधातु) गेरू, पारा, सोना
(बलराम) बलदेवजी श्रीकृष्णजी के बड़े भाई
(बलिदान) भेंटदेना
(बलिन्) बलवान्, ज़ोरावर
(बलीवर्द) ताक़तवर बैल
(बलीमुख) जिसके मुंहपर चमड़ेकी झिल्ली पड़ी हो, वानर, बन्दर
(बलीयस्) बड़ा ताक़तवर, अति पराक्रमी
(बहुतिथ) बहुतबार, कईमरतबः
(बहुबाहु) सहस्रबाहु, रावण, जिस के बहुभुजाहों
(बहुमूल्य) बेशक़ीमत, महर्घ
(बहुश्रुत) मनीषी, पण्डित
(बाणलिंग) बाणासुर की स्थापित कीहुई शिवजीकी मूर्त्ति जो नर्मदा नदी के किनारे है
(बादरायण) वेदव्यासजी
(बादरायणि) शुकदेव जी
(बाधक) पीड़ा करनेवाला, दुःखदेनेवाला
(बाधित) पीड़ित, दुःखी
(बालक) लड़का, थोड़ी उमरवाला बच्चा, बे समझ
(बाललीला) लड़कों का खेल
(बालिन्) किष्किन्धापुरी का राजा एक वानर जिसको श्री रामचन्द्रजी ने माराथा
(बालिकुमार) बालिका पुत्र, अङ्गद
(बाहुल्य) बहुतायत, अधिकता
(बुक्कन) कुत्तों का शब्द, आवाज़
(बुद्धिबल) अक़्लकी ताक़त, प्रज्ञा

सामर्थ्य
(बुद्धिमत्) अक़्लमन्द, चतुर
(बुद्धिहीन) बेवकूफ़, निर्बुद्धि
(बोध) ज्ञान, समझ
(बोधन) समझदार, जतलाना
(बोधनीय) विज्ञाप्य, बतलानेकेलायक
(बौद्ध) बुद्धको माननेवाला
(ब्रह्मज्ञ) ईश्वर को जाननेवाला
(ब्रह्मज्ञान) ईश्वर को जानना
(ब्रह्मर्षि) ब्राह्मणवंश का ऋषि
(ब्रह्मवर्चस) ब्राह्मण का तेज
(ब्रह्मवादिन्) वेदान्ती
(ब्रह्मसूत्र) यज्ञोपवीत, जनेऊ
(ब्रह्महन्) ब्राह्मणको मारडालनेवाला
(ब्रह्महत्या) ब्राह्मण को मारना
(ब्रह्माणी) ब्रह्माकी स्त्री
(ब्रह्माण्ड) पृथिवीमण्डल, संसार
(ब्राह्ममुहूर्त्त) रात्रिकापिछलापहर

(भ)

(भक्तवत्सल) भक्तों के ऊपर दया करनेवाला
(भक्ति) सेवा, खिदमत
(भक्षणीय) खानेके योग्य, भक्ष्य
(भगीरथ) सूर्यवंश का एक राजा जिसने अपने तपोबलसे गंगाजीको स्वर्गसे पृथिवी में उतारा था
(भग्न) टूटाहुआ
(भग्नाश) नाउम्मेद, हताश
(भजन) सेवा, खिदमत
(भञ्जन) तोड़ना
(भणित) कहना, कहाहुआ
(भयातुर) डराहुआ
(भयापह) खौफ़ छुड़ाने वाला
(भयावह) खौफ़नाक, भयानक, जिसके देखने से भय मालूम हो
(भरणीय) पालने के लायक, काबिल परवरिश, पोषणीय
(भरताग्रज) श्रीरामचन्द्रजी, भरतजी के बड़े भाई
(भरतपुत्रक) बाजीगर, नट
(भर्तृ) स्वामी, मालिक, शिवजी
(भर्ज्जन) भूजना
(भर्त्सक) धमकानेवाला, अपकार के वचन बोलनेवाला, निन्दक
(भवदीय) आपका
(भवभूति) दुनियांकी दौलत, संसार की संपत्ति, एक कविका नाम जिसने उत्तररामचरितादिकग्रन्थ बनायेहैं
(भवसमुद्र) संसाररूपही समुद्र, भवार्णव
(भवसागर) संसाररूपही समुद्र, भवार्णव
(भवादृश) आप सरीखे, आप के बराबर, भवादृष
(भवितव्य) होनहार, अवश्यभावी
(भस्मसात्) जलाना, भस्म करना

(भोगिवल्लभ) चन्दन,सर्पोंको प्यारा
(भोगीन्द्र) सर्पों में श्रेष्ठ, वासुकी, शेषनाग
(भोज्य) खानेके लायक, भक्ष्य
(भ्रमण) घूमना, पर्यटन
(भ्रामक) शकपैदा करनेवाला, सन्देहजनक
(भ्रूभङ्ग) भौंह टेढ़ी करना, कटाक्ष

(म)

(मकरकेतु) कामदेव
(मकराकृत) जिस वस्तुका आकार मगर कैसाहो
(मकरिन्) समुद्र
(मक्षिका) मक्खी, माछी
(मग्न) डूबाहुआ
(मङ्गलाचरण) इष्टदेवकी वन्दना
(मङ्गलाचार) कल्याणके वास्ते जो कामकियाजाय
(मज्जक) नहानेवाला, स्नाता
(मण्डलाकार) गोल
(मण्डलाधिप) ४००० कोशका राजा
(मत) सम्मत, सलाह, राय,मज़हब
(मतविरुद्ध) मज़हबके ख़िलाफ़, धर्मविरुद्ध
(मतावलम्बिन्)किसीएकमज़हबको माननेवाला, सलाह को माननेवाला
(मतिमन्द) कुन्दज़ेहन, स्वल्पबुद्धि
(मतिमत्) समझदार, बुद्धिमान्
(मदनवाण) कामदेवका बाण
(मदिर) मत्त, मतवाला
(मदोत्कट) मतवाला, मस्त
(मदोद्धत) मतवाला, मस्त
(मदोन्मत्त) मतवाला, मस्त
(मद्यप) शराबी, सुरापी
(मधुपर्क) दही, घी, और मधुमिला कर बनाया रस, प्राचीन समयमें यह चालथी कि जब कोई अपने यहां आताथा तो यही मधुपर्क जलपानके लिये दियाजाता था
(मधुपुरी) मथुरापुरी
(मधुवन)मथुरापुरीके समीपका वन
(मधुरता) मिठास, माधुर्य
(मधुसूदन) मधुनाम दैत्यका मारने वाला, विष्णुभगवान्
(मध्यदिवस) दोपहर, मध्याह्न
(मध्यवर्तिन्) बीच में रहनेवाला, मध्यस्थ
(मनन) सोचना,विचारना,चिन्ता
(मननशक्ति) विचारने की सामर्थ्य
(मनस्विन्) स्वेच्छाचारी, मनमौजी
(मनुजाद)राक्षस.मनुष्यको खाजाने वाला
(मनुष्यगणना) आदमियों को गिनना, मर्दुमशुमारी
(मनुष्यता) मनुष्यत्व,इन्सानियत
(मनोज) कामदेव
(मनोभव) मन्मथ, कामदेव
(मनोभू) मन्मथ, कामदेव

(मनोभूत) मन्मथ, कामदेव
(मनोहर) सुन्दर, रम्य, खूबसूरत
(मन्तव्य) माननेके लायक, माननीय
(मन्त्रण) सलाह, राय
(मन्त्रज्ञ) तान्त्रिक मन्त्रों को जाननेवाला
(मन्त्रविद्) मन्त्र को जाननेवाला, तान्त्रिक
(मन्त्रित) शुद्ध कियाहुआ, संस्कृत
(मन्थन) मथना, विलोडन, प्रतिघात
(मन्दगति) धीरे २ चलनेवाला, सुस्त
(मन्दबुद्धि) कमअक्क, स्वल्पबुद्धि
(मन्दमति) कमअक्क, स्वल्पबुद्धि
(मन्दभाग्य) बदकिस्मत, अभागा
(मन्दर) एक पर्वतका नाम, मन्दराचल
(मन्दादर) स्वल्प सन्मान, कमकदर
(मन्दोदरी) जिस औरतकापेट बहुत सूक्ष्महो वह स्त्री, कृशोदरी, रावण की पटरानी का नाम
(मन्मथारि) कामदेवकेशत्रु शिवजी
(ममता) मोह, अज्ञान, वास्तव में जो अपना नहीं है उसको अज्ञानवश अपनाहीं समझना
(मयतनया) मयनाम दैत्यकी बेटी, रावणकीस्त्री, मन्दोदरी
(मरणप्राय) बिल्कुल मरे की तरह
(मराल) हंस, एक तरह का पक्षी जो मानसरोवरमें रहता है और मोती चुनताहै
(मरीचिमालिन्) सूर्य, रवि
(मरुस्थल) रेगिस्तान, निर्जलप्रदेश, मारवाड़
(मर्त्यलोक) मृत्युलोक, संसार, दुनियां
(मर्मज्ञ) असली मतलबको जाननेवाला, मार्मिक
(मर्षण) सहना, क्षान्ति
(मलग्राहिन्) भंगी, मेहतर
(मलापकर्षिन्) भंगी, मेहतर
(मलय) एक पर्वत का नाम
(मलिनचित्त) जिसका दिल बुरा हो वह पुरुष, पापी
(मल्लयुद्ध) कुश्ती, दंगल
(मशक) मसा, मच्छड़
(मसीपात्र) दावात
(महत्त्व) श्रेष्ठता, बड़ाई
(महर्षि) बड़ा ऋषि
(महाकाय) जिसका शरीर बहुत लम्बा चौड़ाहो वहपुरुष
(महाकाली) एकदेवी का नाम
(महाघोर) अति भयानक, जिससे बड़ा भय उत्पन्नहो
(महाजन) बड़ा आदमी
(महात्मन्) श्रेष्ठपुरुष, बहुत अच्छा आदमी
(महिमन्) महत्त्व, बड़ाई
(महीधर) अद्रि, पर्वत, पहाड़

(महीप) राजा, भूमिपाल
(महीपति) राजा, भूमिपाल
(महेन्द्र) इन्द्र, स्वर्गका मालिक
(महेश) महादेव
(महोत्सव) बड़ाजलसा
(मांसाद) मांसका खानेवाला, मांसाशी
(मांसाहारिन्) मांसभोजी, मांस खानेवाला
(मांसभक्षक) मांसखानेवाला, गोश्तख्वार
(मांसभक्षिन्) मांसखानेवाला, गोश्तख्वार
(मातृष्वसृ) माकीबहिन, मौसी
(मातृष्वस्रेय) मौसीका लड़का
(माथुर) मथुरापुरीका रहनेवाला
(मादक) नशेकीचीज़
(माधुर्य्य) मधुरता, मिठास
(माध्वी) महुआकी मदिरा, दारू
(मानसिक) मनका, दिलका
(मानहानि) अप्रतिष्ठा, बेइज्ज़ती
(मानिन्) घमण्डी, मग़रूर, अभिमानी
(मान्य) मानने के लायक, पूज्य
(मायापति) मायाकास्वामी, ईश्वर
(मायाविन्) जालिया, माया जिसमेंहो
(मारक) मारनेवाला, घातुक
(मारीच) एक राक्षसका नाम जिसने सीताहरणमें रावण की सहायता कीथी
(मारुतसुत) हनुमान्जी, भीमसेन
(मारुतात्मज) वायुकापुत्र हनुमान्जी
(मार्कण्डेय) एक ऋषि का नाम, जिसने मार्कण्डेय पुराण बनायाहै
(मार्गशिर) अगहनका महीना
(मार्जनी) बोहारी, झाड़ू
(मार्जनीय) शोधनीय, शुद्धकरने के योग्य
(मालिका) पांति, श्रेणी, क़तार
(मालव) मालवादेश
(मासान्त) मासकीसमाप्ति
(माहेश्वरी) पार्वती
(मित) नपाहुआ
(मितप्रद) थोड़ादेनेवाला, कंजूस
(मित्रता) मैत्री, दोस्ती
(मित्रद्रोहिन्) दोस्तकी बुराई चाहनेवाला
(मिथिला) जनकपुर
(मिथिलेशकुमारी) सीरध्वज, जनकजीकी पुत्री, श्रीरामचन्द्रकी पत्नी
(मिश्रित) मिलाहुआ, सम्पृक्त
(मिष्ट) मधुर, मीठा
(मिष्टान्न) मिठाई
(मीमांसक) विचार करनेवाला, मीमांसाशास्त्रको जाननेवाला
(मीमांसा) विचार, परामर्श

(मेधाविन्) बड़ा ज़हीन, अतिबुद्धिमान्
(मेलिन्) संगी, साथी
(मैत्री) मित्रता, स्नेह, दोस्ती
(मैथिली) जानकीजी, जनकात्मजा
(मैनाक) एक पर्वतका नाम
(मोचन) छुड़ाना
(मोहन) मोहनेवाला, मनको हर लेनेवाला
(मोहनी) मनको हरलेनेवाली स्त्री
(मोहमय) अज्ञानमय, झूंठा
(मौञ्जी) मूंजकी बनीहुई वस्तु मेखला
(मौनिन्) चुपचाप रहनेवाला
(म्लान) मुरझायाहुआ

(य)

(यजन) पूजा, याग
(यज्ञसूत्र) जनेऊ
(यज्ञोपवीत) जनेऊ
(यत्न) उपाय, तदबीर
(यन्त्रित) बंधाहुआ, कैद, बद्ध
(यथाकाम) यथेच्छ, भरपूर
(यथायोग्य) यथोचित, जैसा चाहिये वैसा
(यथाशक्ति) जहांतक होसके, यथा सामर्थ्य
(यदा) जब, जिस समय
(यदु) चन्द्रवंश के एक राजा का नाम जिससे यदुवंश कहलाता है
(यदुनाथ) श्रीकृष्णजी
(यदुपति) श्रीकृष्णजी
(यन्त्र) कल
(यन्त्रणा) पीड़ा, क्लेश
(यमक) जमाव, एक प्रकारका अलंकार
(यमज) साथ पैदाहुआ, जोड़िया
(ययाति) एक चन्द्रवंश का राजा
(यवन) म्लेच्छजाति
(यशस्विन्) नामी पुरुष
(याजन) यज्ञ करना
(यात) प्राप्त, पाया हुआ
(यादव) यदुवंशी
(यादृश) जैसा
(युक्ति) तरकीब
(युत) संयुक्त, मिलाहुआ
(युद्धनिदेश) लड़ाई का पैगाम
(युधिष्ठिर) पाण्डुराजा का पुत्र, संग्राम में ठहरनेवाला
(युवक) नौजवान, तरुण
(योगनिद्रा) विष्णुभगवान्‌कीनींद
(योगरूढ़ि) शब्दकी एक शक्ति जो अर्थविशेषमें शब्दको प्रवृत्ति करती है
(योगिनी) एकदेवी जिसके चौंसठि भेद हैं
(योगिन्) चित्तकी वृत्तिको रोकनेवाला
(योग्यता) हैसियत
(योजक) मिलानेवाला

(राजकोश) सरकारी खज़ाना
(राजद्रोहिन) राजाका शत्रु, बागी
(राजद्वार) राजाकी ड्योढ़ी
(राजधानी) जहाँ राजा रहताहो वह स्थान, दारुल्सल्तनत
(राजभवन) राजाका महल, राजसदन
(राजमार्ग) सड़क
(राजशासन) राजाकाहुक्म
(राजस) रजोगुणी
(राजसभा) राजाका दरबार
(राजित) शोभित
(रामगिरि) चित्रकूट
(रिपुसूदन) शत्रुका नाशकरनेवाला
(रुद्राक्रीड) महादेवजी के क्रीड़ा करनेकीजगह,श्मशान
(रुष्ट) नाराज़, कुपित
(रूढ) उत्पन्न, प्रकट
(रूढि) प्रसिद्धि, उत्पत्ति, पैदाहोना
(रूपनिधान) अतिसुन्दर
(रूपवती) खूबसूरत औरत
(रेखा) लकीर
(रेवती) सत्ताईसवां नक्षत्र, बलदेवजी की माता
(रैवत) एक पर्व्वत का नाम जो काठियावाड़ में जूनागढ़के पासहै
(रोगिन्) रुजाहित, बीमार
(रोचक) रुचि बढ़ानेवाला
(रोटिका) रोटी
(रोद्ध) घेरनेवाला, रोकनेवाला, रोधक
(रोमाञ्चित) भय या हर्ष से जिसके रोम खड़े हों वह पुरुष
(रोमावली) रोमराजि,नाभिके नीचे की रोएंकी पांति

(ल)

(लक्षित) चिह्नित, निशान किया हुआ, देखाहुआ
(लक्षणा) आरोप
(लक्ष्मीकान्त) विष्णु, नारायण
(लक्ष्मीनाथ) विष्णु, नारायण
(लक्ष्मीपति) विष्णु, नारायण
(लघिमन्) लघुता, छोटाई
(लघुहस्त) कार्यकुशल, काममें होशियार
(लघ्वी) छोटी
(लङ्कापति) रावण
(लङ्केश) रावण
(लङ्केश्वर) रावण
(लङ्घन) लांघना
(लज्जारहित) बेशर्म, बेहया
(लतापनस) तरबूज़
(लब्धि) लाभ
(लम्ब) लम्बा
(लम्बोष्ठ) ऊंट,जिसके होठलम्बेहों
(लाक्षणिक) वह अर्थ, जिसका बोध लक्षणाशक्ति से हो
(लाघव) छोटाई, लघुता

(लाञ्छित) कलङ्कित, बदनाम
(लालन) लाड़, प्यार
(लालित) दुलारा
(लालित्य) मनोहरता, खूबसूरती
(लावण्य) सुन्दरता, खूबसूरती
(लासक) नाचनेवाला
(लिङ्गित) चिह्नित
(लिप्सु) पाने की इच्छा कियेहुए
(लीन) श्लिष्ट, मिलाहुआ
(लुञ्चन) उखाड़ना, उन्मूलन
(लुठन) लोटना
(लुप्त) नष्ट, गायब
(लेखनी) कलम
(लेखनीय) लिखनेके योग्य, लेख्य
(लेख्यगृह) जहां लिखने पढ़ने का काम होता हो दफ़्तर
(लेशमात्र) स्वल्प, थोड़ा भी
(लेह्य) आस्वाद्य, चाटनेके लायक
(लोकप) लोक भुवन के मालिक लोकपाल
(लोकलोचन) सूर्य, रवि
(लोकयात्रा) संसार का व्यवहार
(लोकापवाद) बदनामी, अपयश, अपकीर्त्ति
(लोप) न दिखाई देना, अदर्शन
(लोभ) लालच
(लोभिन्) लालची
(लोमश) जिस मनुष्य के शरीरमें बहुत रोएं हों
(लोहिताक्ष) जिसकीआंखेंलालहों
(लौकिक) सांसारिक दुनियावी

(व)

(वंश्य) वंश में उत्पन्न
(वक) बगुलापक्षी
(वकवृत्ति) दम्भी, पाखण्डी
(वक्तव्य) कहने के योग्य
(वक्तृता) कथन,व्याख्यान,वक्तृत्व
(वक्राङ्ग) कुब्ज, कुबड़ा ,जिसका अंग टेढ़ा हो
(वक्रोक्ति) सीधे को उलटा कहना, एक अलंकार का नाम
(वक्षःस्थल) उरस्, सीना, छाती
(वक्षोज) स्तन, चूंची
(वज्रदन्त) जिसके दांत बहुत मजबूत हों
(वज्राघात) वज्र एक तरह के हथियार की चोट
(वञ्चक) ठग, धूर्त्त
(वटु) लड़का, बालक
(वटुक) बाल, लड़का
(वनज) जल से पैदा होनेवाला कमल
(वनमाला) तुलसीदल, कुन्द, मन्दार, पारिजातक, कमल, इनकीमाला यथा
" तुलसी कुन्दमन्दार पारिजाताब्जपुष्पकैः ॥
निर्मिता दीर्घमाला या वनमाला प्रकीर्त्तिता॥"
(वन्दन) प्रणाम, स्तुति, तारीफ

वन्दनीय) स्तुत्य, तारीफ करनेके योग्य,अभिवाद्य,प्रणाम करने के योग्य
वन्य) वनमें होनेवाला जंगली
वपन) घोना
वमन) उद्गार, कय,डाकना,उलटी
वरदान) अभीष्ट वस्तु को देना
वरदायक) वर देनेवाला, वरद
वराटिका) कौड़ी
वरासन) उत्तम आसन
वर्ज्जन) मना करना, निवारण
वर्ज्जनीय) त्याज्य, मना करने के योग्य
वर्णन) बयान, स्तुति
वर्णमाला) अक्षर पंक्ति ककहरा
वर्णसङ्कर) दोगला
वर्तमान) उपस्थित, मौजूद
वर्द्धन) वृद्धि, बढ़ती
वर्द्धित) बढ़ायाहुआ
वर्षण) वृष्टि, बारिश
वल्गु) मनोहर, सुन्दर
वल्लभा) प्रिया, प्यारी
वशिष्ठ) जो इन्द्रियों को अपने वशमें रक्खे
वशिन्) जितेन्द्रिय
वहित्र) जलयान, जहाज़
वागीश्वरी) सरस्वती
वाग्दण्ड) फट्कार, डाट
वाङ्मय) शास्त्र
वाच्य) कहनेके योग्य, वक्तव्य, अर्थ, मतलब
(वात्सल्य) प्रेम, प्यार
(वाद) बातचीत, झगड़ा
(वादिन्) शत्रु, मुद्दई
(वानरेन्द्र) सुग्रीव, हनुमान्‌जी
(वायव्य) वायु का, पश्चिम उत्तर का कोन
(वायुपुत्र) हनुमान्‌जी
(वाराणसी) काशी, बनारस
(वारिचर) जलजन्तु,मछलीइत्यादिक
(वारिज) कमल
(वार्षिक) बरसातका, वर्षाकालका, सालाना, आब्दिक
(वासना) इच्छा, अभिलाष
(वास्तव) वस्तुतः,ठीक २ सत्य २
(वास्तव्य) रहनेवाला
(विकल) व्यग्र, घबरायाहुआ
(विकल्प) पसोपेश
(विक्रमिन्) पराक्रमी, बलवान्
(विक्लान्त) खिन्न, उदास
(विक्लेद) आर्द्रीभाव, गीलापन
(विक्षेप) फेंकना
(विख्यात) प्रसिद्ध, मशहूर
(विख्याति) प्रसिद्धि, शोहरत
(विगतश्रम) जिसकी थकावट जातीरहीहो
(विगर्हण) बुराईकरना,निन्दाकरना
(विघात) नाश
(विचित्र) अद्भुत, अजीब
(विच्छिन्न) टूटाहुआ

(विच्छेद) विरहवियोग
(विजयिन्) जीतनेवाला
(विजिगीषा) जीतनेकी इच्छा
(विज्ञापन) नोटिस, जताना, निवेदन
(वितर्क) विचार, अनुमान
(वितत) विस्तृत, फैलाहुआ
(वितरण) दान, खैरात
(विदर्भ) एक देशकानाम
(विदारण) फाड़ना
(विदीर्ण) फाड़ाहुआ
(विदूषक) नाटकका एक पात्र जो नकलकरताहै
(विदुषी) जाननेवाली, पण्डिता
(विद्यार्थिन्) छात्र, तालिबइल्म
(विद्यालय) पाठशाला, कालेज
(विद्वेष्टृ) शत्रु, दुश्मन, वैरी
(विधायक) करनेवाला
(विध्वंस) नाश, बरबादी
(विनता) गरुड़की माता
(विनति) विनय, नम्रता
(विनश्वर) विनाशी, नष्टहोनेवाला
(विनिमय) परिवर्त्तन, बदलना
(विनोद) आनन्द, खुशी
(विन्ध्यवासिनी) विन्ध्याचलपर रहनेवाली देवी
(विन्यास) स्थापनकरना
(विपरीत) उलटा
(विपाक) कर्मफल, परिणाम
(विप्रलब्ध) धोखा दियागया, प्रतारित
(विभक्त) बांटाहुआ
(विभक्ति) विभाग, अलगकरना
(विभाजक) बांटनेवाला
(विभावना) एक प्रकारका अलंकार, जिसमें बिना कारणके कार्यकी उत्पत्ति होतीहै
(विभीषण) अति भयङ्कर, बड़ा खौफनाक, रावणके छोटे भाईका नाम
(विभीषिका) डराना, भयदर्शन
(विभु) व्यापक, समर्थ
(विभूषित) अलंकृत, शृङ्गारकियेहुये
(विमर्श) विचार
(विमातृ) सौतेली मा
(विमुख) मुँहफेरेहुये, नाराज, विरुद्ध
(विमोचन) छुड़ानेवाला, छुड़ाना
(वियोग) विरह, जुदाई
(वियोगिन्) बिछुड़ाहुआ, वियुक्त
(विरक्त) संन्यासी
(विरचित) बनायाहुआ, निर्म्मित
(विरह) वियोग, बिछुड़ना
(विराध) एक राक्षस जिसको श्री रामचन्द्रजी ने माराथा
(विराम) अवसान, अन्त, समाप्त
(विरूप) बदसूरत
(विरोधिन्) दुश्मन, द्वेषण
(विलम्ब) देर, अरसा
(विलासिन्) रसिक, भोगी
(विलासिनी) हावभाव के करनेवाली औरत

(विलुप्त) नष्ट, ग़ायब
(विलोकन) दर्शन, देखना
(विलोचन) ईक्षण, नेत्र, आंखि
(विवरण) विवृत्ति, व्याख्या, टीका
(विवाहित) व्याहा हुआ
(विवाहिता) व्याही औरत
(विवेकिन्) विचारवान्, समझदार
(विशिखासन) धनुष
(विशुद्ध) बहुत साफ़, अतिपवित्र
(विशेष) आधिक्य
(विशेषण) अप्रधान, गौण, जो मुख्य न हो
(विशेष्य) प्रधान, मुख्य
(विशोक) प्रसन्न, जिसको शोच न हो
(विश्राम) आराम, सुस्ताना
(विश्लेष) विभाग, अलगहोना
(विश्वनाथ) संसारका मालिक
(विश्वस्त) विश्वासपात्र, मुअतमिद
(विश्वासघातक) धोखादेनेवाला, दग़ाबाज़
(विश्वेश) दुनियांका मालिक
(विश्वेश्वर) दुनियांका मालिक
(विषमता) वैषम्य, असाम्य, घटपढ़
(विषुवतरेखा) भूमध्यरेखा, ख़त उस्तवा
(विष्टब्ध) स्तब्ध, निश्चेष्ट
(विसर्ग) अक्षरके आगेकी दो बिंदी
(विसर्जन) विदा, छुट्टी, रुख़सत
(विसूचिका) हैज़ाकीबीमारी
(विस्फोटक) फोड़ा, चेचक
(विस्मरण) भूलजाना, विस्मृति
(विस्मित) आश्चर्ययुक्त
(विहरण) विहारकरना, चैनकरना
(विहित) कियाहुआ, कृत
(विहीन) रहित, शून्य, ख़ाली
(वीक्षण) देखना, दर्शन
(वीरसू) बहादुर पुत्रको पैदा करने वाली, वीरकीमाता, वीरसू
(वीरता) बहादुरी
(वीरभद्र) शिवजी के पुत्र
(वृकोदर) भीमसेन
(वृषली) शूद्रकी स्त्री, शूद्रिनि
(वृषोत्सर्ग) मृतक के वास्ते सांड़ छोड़ना
(वेत्र) बेंत, बेनत
(वेदपारग) चारोंवेदको जाननेवाला
(वेदमातृ) गायत्रीमन्त्र
(वेदाङ्ग) वेदोंके अङ्ग, शिक्षा कल्प, व्याकरण ज्योतिष् छन्दस् निरुक्त ६ इनको बिनापढ़े मनुष्य वेदका अधिकारी नहीं होसक्ता
(वेद्य) जाननेके योग्य, ज्ञेय
(वेधक) छेदनेका औज़ार
(वैखानस) वानप्रस्थका आश्रम
(वैदिक) वेदपाठी ब्राह्मण, वेद में कहाहुआ
(वैद्यक) डाक्टरी, वैद्यकशास्त्र
(वैभव) ऐश्वर्य्य, सम्पत्
(वैमनस्य) बिगाड़, रंज

(वैयाकरण) व्याकरणशास्त्रको जाननेवाला
(वैष्णव) विष्णुभगवान् के भक्त
(व्यञ्जना) एकप्रकार की शब्द की शक्ति, जो अभिधा तथा लक्षणाशक्ति के विरत होनेपर अर्थान्तरका बोध करती है
(व्यतिक्रम) व्यत्यय, उत्क्रम, उलट पलट
(व्यतिरिक्त) अतिरिक्त, सिवाय, अलावा
(व्यतीत) गुज़राहुआ, अतिक्रान्त
(व्यथित) दुःखित, दुःखी
(व्यपदेश) व्यवहार
(व्यभिचार) परदारोपसेवन, ज़िना
(व्यभिचारिन्) कुकर्मी, बदचलन
(व्यवकलन) बाक़ीनिकालना, घटाना
(व्यवधान) आड़, परदा
(व्यवसाय) उद्यम, उद्योग
(व्यवस्था) निर्णय, फैसला
(व्याख्यान) उपदेश, लक्चर
(व्यापक) सब जगह भराहुआ, सर्वव्यापी
(व्यापादन) मारना, हिंसन, क़त्ल
(व्यायाम) कसरत, परिश्रम
(व्युत्पत्ति) बोध, समझ
(व्रीडित) लज्जित, शर्मिन्दः

(श)

(शकुन्तला) मेनका नाम अप्सरा में उत्पन्न विश्वामित्र की कन्या जिस को कण्वऋषिनेपालाथा
(शक्त) समर्थ
(शक्रजित्) इन्द्र को जीतनेवाला रावणकाबेटा, मेघनाद
(शंखध्म) शंख बजानेवाला
(शठता) दुर्जनता, बदमाशी
(शण) सन, पेटुआ
(शतक्रतु) जिसने सौ यज्ञ कियाहो, इन्द्र
(शतघ्नी) तोप
(शताब्दी) सदी
(शरण्य) रक्षक, बचानेवाला
(शवाधार) टिकठी
(शशाङ्क) चन्द्रमा
(शशिन्) चन्द्रमा, विधु
(शस्त्रधारिन्) हथियारबंद
(शस्त्रमार्जन) हथियार को साफ़ करना
(शस्त्राधार) हथियारघर, शस्त्रगृह
(शाकिनी) दुर्गा की अनुचरी
(शाक्त) देवी की पूजा करनेवाला
(शाणित) हथियार जिसपर सान चढ़ा हो
(शाप) बददुआ, सराप
(शाब्दिक) वैयाकरण
(शायिन्) सोनेवाला
(शासनपत्र) आज्ञापत्र, परवानः
(शास्त्रिन्) शास्त्र का जाननेवाला,

पण्डित
(शिक्षक) सिखानेवाला
(शिक्षाप्रकरण) विद्याविभाग, सरिश्तातालीम
(शिथिल) ढीला
(शिरोमणि) श्रेष्ठ, उत्तम
(शिवि) एक राजा का नाम
(शिविर) छावनी, सेनानिवेश
(शिष्ट) सज्जन, सभ्य
(शिष्टाचार) सज्जनों का आचरण
(शीघ्रगामिन्) जल्दी चलनेवाला
(शीतकर) चन्द्रमा
(शीतकाल) जाड़ेके दिन
(शीतज्वर) जूड़ी
(शीतलता) शैत्य, ठंढापन
(शीर्ण) मराहुआ
(शुद्ध) पवित्र, साफ़, सही
(शुद्धता) सफ़ाई, स्वच्छता
(शुद्धि) सफ़ाई, निर्मलता
(शुभग) सुन्दर
(शुभचिन्तक) खैरख्वाह, शुभाभिलाषी
(शुभलग्न) अच्छासमय
(शुभाकांक्षिन्) भला चाहनेवाला
(शुश्रूषक) सेवाकरनेवाला, दास
(शुष्क) सूखा, खुश्क
(शूरता) बहादुरी, वीरता
(शेषशायिन्) विष्णुभगवान्
(शैव) शिवकेभक्त
(शोकाकुल) रंजीदः
(शोकार्त्त) रंजीदः
(शोचनीय) शोक करनेके योग्य, शोच्य
(शोधक) शुद्ध, सही करनेवाला
(शोधन) शुद्धकरना, सेहत
(शोषक) सोखनेवाला
(शौच) पवित्रता, सफ़ाई
(शौल्किक) चुंगी का दारोगा
(श्रद्धान) श्रद्धालु, मुअतक़िद, श्रद्धावान्
(श्रम) मेहनत, परिश्रम
(श्रान्त) थका हुआ
(श्रान्ति) थकावट
(श्रोतृ) सुननेवाला
(श्लाघा) प्रशंसा, तारीफ़
(श्लाघ्य) प्रशंसनीय, तारीफ़ के लायक
(श्वान) कुत्ता, कुक्कुर
(श्वास) सांस
(श्वेतद्वीप) एकद्वीप का नाम

(ष)

(षड्वर्ग) काम १ क्रोध २ लोभ ३ मोह ४ मद ५ अहंकार ६
(षट्शास्त्र) न्याय १ वैशेषिक २ मीमांसा ३ वेदान्त ४ सांख्य ५ योग पातञ्जल ६
(षड्ङ्घ्रि) भौंरा, भ्रमर
(षोडशदान) सोलह प्रकारके दान यथा। पृथ्वी १ आसन २ जल ३ वस्त्र ४ दीप ५

अन्न ६ यान ७ छत्र ८ सुगन्धितवस्तु ६ पुष्पमाला१०फल११शय्या १२ खड़ाऊं१३गो १४ सुवर्ण १५ रजत १६ इन सबका दान

(स)

(संन्यासिन्) यति. परिव्राजक
(संयुक्त) मिलाहुआ
(संयुत) संमिलित
(संयोग) मिलाप, संगम
(संलग्न) लगाहुआ
(संवाद) वार्त्तालाप, बातचीत
(संशयात्मन्) शक्की, सन्दिग्ध
(संसर्ग) सम्बन्ध, सोहबत
(संहिता) सन्धि
(सकाम) साभिलाष
(सघन) सान्द्र, घना
(सङ्कलन) जोड़ना, मिलाना
(सङ्कीर्णता) तंगी, कोताही
(सङ्कीर्त्तन) वर्णन, कथन
(सङ्केत) इशारा
(सङ्कोचन) सिकोड़ना
(सङ्क्रमण) संक्रान्ति, सूर्यका एक राशि से दूसरी राशि पर जाना
(संगम) मिलान, संयोग
(सङ्गीत) गानविद्या
(सङ्गृहीत) सङ्ग्रह, इकट्ठा कियाहुआ
(सङ्ग्रहणी) एक प्रकार का रोग प्रवाहिका
(सङ्घर्ष) दूसरे का अभिभव चाहना, स्पर्द्धा
(सजल) जलयुक्त
(सजातीय) एक जातिका
(सञ्चित) इकट्ठा किया हुआ
(सत्कार) संमान, खातिर
(सत्क्रिया) सत्कार
(सत्यवादिन्) सच बोलनेवाला
(सत्यसन्ध) सत्यप्रतिज्ञ, कौलकापक्का
(सत्सङ्ग) सज्जनों की सोहबत
(सदसत्) अच्छाबुरा
(सदाचार) अच्छा चालचलन १ प्राचीनधर्म २
(सधवा) सौभाग्यवती स्त्री, जिस का पति मौजूदहो
(सध्रीची) साथ चलनेवाली
(सन्तुष्ट) प्रसन्न
(सन्तोष) सब्र, सन्तुष्टि
(सन्तोषिन्) सन्तोष करनेवाला
(सन्दर्भ) रचना, प्रबन्ध
(सन्नाह) कवच, वर्म्म, बख्तर
(सन्निधान) समीप, सान्निधि
(सान्निपात) सरसाम
(संन्यास) त्याग, छोड़ना, चतुर्थाश्रम
(सप्तसागर) खारासमुद्र १ इक्षुरस २ दधि ३ क्षीर ४ मधु ५ मद्य ६ घृत ७ इन सात चीजों का समुद्र
(सप्ताह) सात दिन, हफ्तः
(सभापति) सभा का मालिक, प्रे-

सीडेण्ट
(समक्ष) सामने, संमुख
(समता) बराबरी, तुल्यता
(समदर्शिन्) बराबर देखनेवाला
(समन्वित) युक्त, सहित, साथ
(समबल) बराबर बाला, तुल्यबल
(समाधान) शंकाकाउत्तरसमझाना
(समाप्त) पूर्ण, तमाम
(समाप्ति) पूर्त्ति, खातमा
(समारोह) जमाव, धूमधाम
(समाहित) सावधान
(समाह्वान) पुकारना, आह्वान
(समीकरण) बराबर करना
(समीचीन) उत्तम, उम्दः
(सम्पन्न) अमीर, धनवान्
(सम्पर्क) संसर्ग, सम्बन्ध
(सम्पादक) करनेवाला
(सम्बन्ध) ताल्लुक, रिश्ता
(सम्बन्धिन्) रिश्तेदार
(सम्भवना) उम्मेद, आशा
(सम्भाषण) बोलचाल
(सम्भोग) मैथुन, रत
(सम्मत) अङ्गीकृत, मंजूर
(सम्मति) सलाह, राय
(सरयू) एक नदीका नाम जो अयोध्यापुरी के पास बहतीहै
(सरस) स्वादुयुक्त, रसीला
(सरसिज) कमल
(सरोज) कमल
(सरोष) क्रुद्ध, गुस्सावर, कुपित
(सर्वभूत) सब जीव
(सवर्ण) समान जातिका, हमजिन्स
(सव्यसाचिन्) अर्जुन, पाण्डुपुत्र
(सशङ्क) भीत, डराहुआ
(सहचर) साथ चलनेवाला, साथी
(सहदेव) पाण्डु का छोटा पुत्र
(सहयोगिन्) साथी
(सहवास) साथ रहना
(सहवासिन्) साथ रहनेवाला
(सहस्रनयन) इन्द्र,हजार नेत्रवाला
(सहस्रनेत्र) इन्द्र, हजार नेत्रवाला
(सहस्रपाद) सूर्य्य, सहस्रांशु
(सहानुभूति) सुखदुःखमेंसाथीहोना
(सहायक) मददगार, सहारा करनेवाला
(सहोदर) सगाभाई
(सह्य) सहने के लायक
(सांसारिक) संसार का, दुनियवी
(साकार) मूर्त्तिमान्, युक्तियुक्त
(साक्षिन्) साखी, गवाह
(सांख्य) कपिलमुनिकाबनायाशास्त्र
(सादृश्य) तुल्यता, बराबरी
(साधक) काम करनेवाला
(साधनीय) सिद्धकरने के योग्य
(साधारणधर्म) जीवको न मारना, अहिंसा १ सच बोलना, सत्य २ चोरी न करना, अस्तेय ३ पाक साफ रहना, शौच ४ इन्द्रियोंको

अपने वशमें रखना इन्द्रिय निग्रह ५ दम ६ सामर्थ्यहोने पर दूसरेके अपराध को क्षमा करना, क्षमा ७ स्वभावको कोमल रखना, आर्जव ८ खैरात करना, दान ९ यथाअहिंसा सत्यमस्तेयंशौचमिन्द्रियनिग्रहः॥ दमः क्षमाऽऽर्जवंदानंधर्मसाधारणंविदुः १

(सामग्री) सामा, सामान
(सामयिक) समयपर का
(सामर्थ्य) वल, ताक़त, शक्ति
(सामीप्य) समीपता, नज़दीकी
(सामुद्रिक) एक प्रकार की विद्या, जिससे मनुष्य के लक्षण मालूम होतेहैं
(सार्थक) अर्थसहित, साथमतलबके
(सावधान) सचेतहोना, चौकसहोना
(साहसी) हिम्मतदार, पराक्रमी
(साहित्य) मिलान १ एक शास्त्र जिससे काव्य के गुण दोषादिक मालूमहोतेहैं
(सिंहिका) एक राक्षसी का नाम, जिसका पुत्र राहुहै
(सिक्त) सींचा हुआ
(सीकर) जलकण, पानीकेछोटे २ बूँद
(सीमाविवाद) सरहद्दी झगड़ा
(सुकण्ठ) सुग्रीवनाम वानर, जिस का गला अच्छाहो
(सुखद) आराम देनेवाला
(सुखदायक) आराम देनेवाला
(सुखधामन्) आरामकरनेका मकान
(सुखमा) खूबसूरती, शोभा
(सुखावह) सुख देनेवाला, सुखद
(सुखी) खुश, प्रसन्न
(सुगन्ध) खुशबू, अच्छीवास
(सुगन्धित) खुशबूदार, सुगन्धी
(सुगम) सरल, सहज, आसान
(सुगमता) सरलता, आसानी
(सुधाकर) चन्द्रमा
(सुपात्र) दानदेनेके योग्य, सुयोग्य
(सुप्त) सोयाहुआ, निद्रित
(सुप्ति) नींद, सोना
(सुभग) सुन्दर, खुशकिस्मत
(सुभगा) सौभाग्यवती, स्त्री
(सुमति) अच्छीबुद्धि
(सुमुखी) सुन्दरमुखवाली, स्त्री
(सुयोग) अच्छी सोहवत, सुसंगति
(सुरगुरु) बृहस्पति,
(सुरत) मैथुन, भोग
(सुरतरु) कल्पवृक्ष
(सुरधेनु) कामधेनु
(सुरनदी) आकाशगङ्गा, मन्दाकिनी
(सुराङ्गना) देवताकी स्त्री
(सुलभ) जोआसानीसे मिलसकाहो
(सुलोचना) अच्छी आंखवाली

सुनेत्रा, मेघनादकी स्त्री
(सुवेल) एक पर्वतका नाम जो दक्षिण समुद्रके किनारे है
(सुशील) अच्छे स्वभावका आदमी
(सुषुप्ति) गहिरीनींद, गाढ़निद्रा
(सुस्थ) सावधान, निश्चिन्त
(सूक्त) अच्छाकथन
(सूक्ष्मता) पतलापन, वारीकी
(सूचना) निवेदन, इत्तिला
(सूचित) जानागया
(सूचीपत्र) फेहरिस्त
(सूतक) आशौच, अपवित्रता, जो जनन, मरण प्रयुक्त होताहै
(सूत्रधार) नाटक करनेवाला, पात्र, नट
(सूदन) मारना, मारनेवाला
(सृष्टि) संसारकी उत्पत्ति
(सेचक) सींचनेवाला
(सेतुबन्ध) पुलबांधना
(सेनापति) फौजका अफसर, कर्नैल
(सेवित) सेवाकियागया, उपासित
(सेव्य) सेवाकरने के योग्य, स्वामी
(सैन्यप्रदर्शनी) फौजीनुमायश
(सोढृ) सहनेवाला, सहिष्णु
(सोमज) बुध, चन्द्रमाका पुत्र
(सौजन्य) सुजनता, शराफ़त
(सौनिक) वधिक, बहेलिया
(सौन्दर्य्य) सुन्दरता, खूबसूरती
(सौभरि) एक ऋषि, जिसने मान्धाताकी पचास कन्या के साथ ब्याहकियाथा
(सौभद्र) श्रीकृष्णजी की भगिनी, बहिन, सुभद्राकाबेटा
(सौभाग्य) अच्छाभाग्य
(सौमित्रि) सुमित्राजीके लक्ष्मणजी
(सौर) सूर्य्यका, सूर्य्य सम्बन्धी
(सौरभ) सौगन्ध्य, खुशबू
(सौहार्द) मैत्री, दोस्ती
(स्खलित) च्युत, गिराहुआ, भ्रष्ट, धोखा
(स्तम्भन) रोकना
(स्तवन) स्तुति, तारीफ़
(स्तुत्य) स्तोतव्य, तारीफ़के लायक
(स्तोतृ) स्तुतिकरनेवाले
(स्त्रीधन) यौतुक, दायज, जहेज़
(स्थापन) बैठाना, ठहराना
(स्थापित) बैठायाहुआ
(स्थायिन्) रहनेवाला, ठहरनेवाला
(स्नायिन्) स्नानकरनेवाला
(स्पर्द्धा) ईर्ष्या, डाह, जलन
(स्फटिक) सफेदपत्थर, बिल्लौरीपत्थर
(स्फोटक) फोड़ा, चेचक
(स्फूर्त्ति) फरकना
(स्मरण) याद, स्मृति
(स्मारक) याददिलानेवाला,
(स्वकीय) अपना, निज
(स्वच्छ) साफ, निर्मल
(स्वच्छता) सफाई, नैर्मल्य
(स्वच्छन्दता) खुदमुख्तियारी, स्वाधीनता

(स्वत्वापहरण) बेदखली
(स्वधर्म) अपनाधर्म
(स्वरित) उदात्त, अनुदात्तसे मि-
लाहुआ स्वर
(स्वर्ग्य) स्वर्गकेलिये हितकारी
(स्वल्प) बहुतथोड़ा
(स्वस्तिवाचन) मङ्गलके वास्ते मंत्रों
को पढ़ना
(स्वागत) आदर, संमान
(स्वाधीन) स्वतन्त्र, खुदमुख्तियार
(स्वाभाविक) स्वभाव सिद्ध, खु-
दादाद
(स्वार्थ) अपना मतलब
(स्वार्थिन्) मतलबी
(स्वास्थ्य) तन्दुरुस्ती, अनामय
(स्वीकार) अङ्गीकार, कबूल करना

(ह)

(हति) हनन, मारना
(हत्या) वध, मारना
(हन्तृ) मारनेवाला
(हरणीय) हरनेके योग्य
(हरिवाहन) विष्णुकी सवारी, गरुड़
(हर्तव्य) हरणीय, हरने के योग्य
(हर्तृ) हरनेवाला
(हलधर) बलदेवजी
(हवन) होम
(हविर्भुज्) अग्नि, आग
(हस्तगत) हाथमें आया, अधि-
कारमें
(हसित) मुस्कान
(हारक) हरणकरनेवाला
(हारिन्) हरण करनेवाला
(हार्य्य) हरणकरनेके लायक
(हाहाकार) कोलाहल, हल्ला
(हिंसक) मारनेवाला
(हिंसन) मारना
(हित) भलाई, उपकार
(हितकारिन्) भलाई करनेवा
(हितैषिन्) खैरख्वाह, हित, भ
चाहनेवाला
(हिमकर) चन्द्रमा
(हिमालय) हिमाचल
(हिरण्यकशिपु) कश्यपमुनिका
प्रह्लादकापिता
(हिरण्याक्ष) हिरण्यकशिपुका
छोटाभाई
(हीनजाति) नीचजातिका
(हुङ्कार) हुँकरना
(हुत) हुनाहुआ
(हुताश) अग्नि, आग
(हुताशन) अग्नि, आग
(हृत) हराहुआ, जबरदस्तीलियागय
(हेय) छोड़ने के काबिल, त्या
(होम) हवन
(होमकुण्ड) हवनकाकुण्ड, ग
(ह्रास) घाटा, कमी
(ह्लाद) सुख, आनन्द
(ह्लादन) प्रसन्न, खुशी
(ह्वलन) चलना

इति शब्दसंग्रह समाप्तः।

ज्ञानुसार इस ग्रन्थकी छोटी छोटी कथाओं को लेकर दो चार छोटे छोटे
थ बनवाकर पाठशालाओं के दशम नवम अष्टम तथा सप्तम आदि वर्गों
विद्यार्थियों को पढ़ाने के लिये नियत किये जायँ तो उनको विना प्र-
सकेही सदुपदेशका लाभ होगा और इस समय यह ग्रन्थ विशेष शुद्धता
साथ उम्दा हरूफ में छपाहुआ तैयार है ॥

मैनेजर अवध अखबार प्रेस
लखनऊ हज़रतगंज

इश्तिहार

शिवताण्डवस्तोत्रम्)—

यह स्तोत्र रावणकृत जिसको कि सभी विद्वान् पुरुष जानते हैं और
तीव सत्कार करते हैं इसकी छन्द संस्कृत में बहुतही रोचकहैं परन्तु वि-
प कठिन होनेके कारण सामान्य पुरुष केवल श्लोकों को पढ़ाकरते हैं
नके अर्थको नहीं समझते कि क्या इसमें अभिप्रायहै अतएव दो तिलक
ये गये हैं एक (सवैया) दूसरा (वार्त्तिक भाषा) इन दोनों तिलकों में
र २ पदका अर्थ किया गया है केवल २० सफ़ेकी किताबहै मूल्य बहुत
ड़ाहै और इसी यंत्रालयमें मुद्रित हुईहै अन्यत्र कहीं नहीं ऐसी प्रकाशित
ई कागज़ व अक्षर बहुतही उम्दा हैं ॥

इश्तिहार अर्जुनगीता ।)

इस पुस्तक में अर्जुन और श्रीकृष्णचन्द्र आनन्दकन्द का प्रश्नोत्तर
[illegible] समाधान करके युक्त सम्पूर्ण वर्ण और धर्मों के लिये निरूपण किया
या है इसमें अतिरिक्त श्रीविद्व्यासजी की उत्पत्ति व गरुड़ और अरुण
[illegible] व उनके दुष्कर कर्म व गजेन्द्रमोक्ष व द्रौपदी चीरहरण सविस्तार
[illegible] दोहा चौपाई आदि छन्दों में वर्णन कियागया है जिनके देखनेहीसे
[illegible] पुरुषों को आनन्द लाभ होगा और इनके गुण को जानेंगे बहुत उ-
[illegible] कागज़ व शुद्ध [illegible] अक्षरों में छापी गई है मूल्य बहुत सस्ता
[illegible] है ॥

आज्ञानुसार इस ग्रन्थकी छोटी छोटी कथाओं को लेकर दो चार छोटे छोटे ग्रन्थ बनवाकर पाठशालाओं के दशम नवम अष्टम तथा सप्तम आदि वर्गों के विद्यार्थियों को पढ़ाने के लिये नियत किये जायँ तो उनको बिना प्रयासकेही सदुपदेशका लाभ होगा और इस समय यह ग्रन्थ विशेष शुद्धता के साथ उम्दा हरूफ़ में छपाहुआ तैयार है ॥

मैनेजर अवध अखबार प्रेस
लखनऊ हज़रतगंज

इश्तिहार

शिवताण्डवस्तोत्रम्)-

यह स्तोत्र रावणकृत जिसको कि सभी विद्वान् पुरुष जानते हैं और अतीव सत्कार करते हैं इसकी छन्द संस्कृत में बहुतही रोचकहै परन्तु विशेष कठिन होनेके कारण सामान्य पुरुष केवल श्लोकों को पढ़ाकरते हैं उसके अर्थको नहीं समझते कि क्या इसमें अभिप्रायहै अतएव दो तिलक किये गये हैं एक (सवैया) दूसरा (वार्तिक भाषा) इन दोनों तिलकों में एक २ पदका अर्थ किया गया है केवल २० सफ़े की किताबहै मूल्य बहुत थोड़ाहै और इसी यंत्रालयमें मुद्रित हुई है अन्यत्र कहीं नहीं ऐसी प्रकाशित हुई कागज़ व अक्षर बहुतही उम्दा हैं ॥

इश्तिहार अर्जुनगीता ।)

इस पुस्तक में अर्जुन और श्रीकृष्णचन्द्र आनन्दकन्द का प्रश्नोत्तर संयुत समाधान करके एक सम्पूर्ण वर्ण और धर्मों के लिये निरूपण किया गया है इसमें अतिरिक्त श्रीवेदव्यासजी की उत्पत्ति व गरुड़ और अरुण उत्पत्ति व उनके सुन्दर कर्म व गजेन्द्रमोक्ष व द्रौपदी चीरहरण सविस्तर कवित्त दोहा चौपाई आदि छन्दों में वर्णन कियागया है जिसके देखनेहीसे सज्जन पुरुषों को आनन्द लाभ होगा और इसके गुण को जानेंगे बहुत उम्दा कागज़ व शुद्ध होकर छपाई अक्षरों में जारी गई है मूल्य बहुत सस्ता [illegible] है ॥

आज्ञानुसार इस ग्रन्थकी छोटी छोटी कथाओं को लेकर दो चार छोटे छोटे ग्रन्थ बनवाकर पाठशालाओं के दशम नवम अष्टम तथा सप्तम आदि वर्गों के विद्यार्थियों को पढ़ाने के लिये नियत किये जायँ तो उनको विना प्रयासकेही सदुपदेशका लाभ होगा और इस समय यह ग्रन्थ विशेष शुद्धता के साथ उम्दा हरूफ़ में छपाहुआ तैयार है ॥

मैनेजर अवध अखबार प्रेस
लखनऊ हजरतगंज

इश्तिहार

शिवताण्डवस्तोत्रम्)-

यह स्तोत्र रावणकृत जिसको कि सभी विद्वान् पुरुष जानते हैं और अतीव सत्कार करते हैं इसकी छन्द संस्कृत में बहुतही रोचकहै परन्तु विशेष कठिन होनेके कारण सामान्य पुरुष केवल श्लोकों को पढ़ाकरते हैं उसके अर्थको नहीं समझते कि क्या इसमें अभिप्रायहै अतएव दो तिलक किये गये हैं एक (सवैया) दूसरा (वार्त्तिक भाषा) इन दोनों तिलकों में एक २ पदका अर्थ किया गया है केवल २० सफ़ेकी किताबहै मूल्य बहुत थोड़ाहै और इसी यंत्रालयमें मुद्रित हुई है अन्यत्र कहीं नहीं ऐसी प्रकाशित हुई कागज़ व अक्षर बहुतही उम्दा हैं ॥

इश्तिहार अर्जुनगीता।)

इस पुस्तक में अर्जुन और श्रीकृष्णचन्द्र आनन्दकन्द का प्रश्नोत्तर शंका समाधान करके युक्त सम्पूर्ण वर्ण और धर्मों के लिये निरूपण किया गया है इससे अतिरिक्त श्रीवेदव्यासजी की उत्पत्ति व गरुड़ और अरुण उत्पत्ति व उनके दुष्कर कर्म्म व गजेन्द्रमोक्ष व द्रौपदी चीरहरण सविस्तर रुचिर दोहा चौपाई आदि छन्दों में वर्णन कियागया है जिसके देखनेहीसे भक्त पुरुषों को आनन्द लाभ होगा और इसके गुण को जानेंगे बहुत उम्दा कागज़ व शुद्ध होकर बम्बई अक्षरों में छापी गई है मूल्य बहुत स्वल्प रक्खा गयाहै ॥

आज्ञानुसार इस ग्रन्थकी छोटी छोटी कथाओं को लेकर दो चार छोटे छोटे ग्रन्थ बनवाकर पाठशालाओं के दशम नवम अष्टम तथा सप्तम आदि वर्गों के विद्यार्थियों को पढ़ाने के लिये नियत किये जायँ तो उनको विना प्रयासकेही सदुपदेशका लाभ होगा और इस समय यह ग्रन्थ विशेष शुद्धता के साथ उम्दा हर्फ़ में छपाहुआ तैयार है ॥

मैनेजर अवध अखबार प्रेस
लखनऊ हजरतगंज